CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

कीरो
अंक ज्योतिष

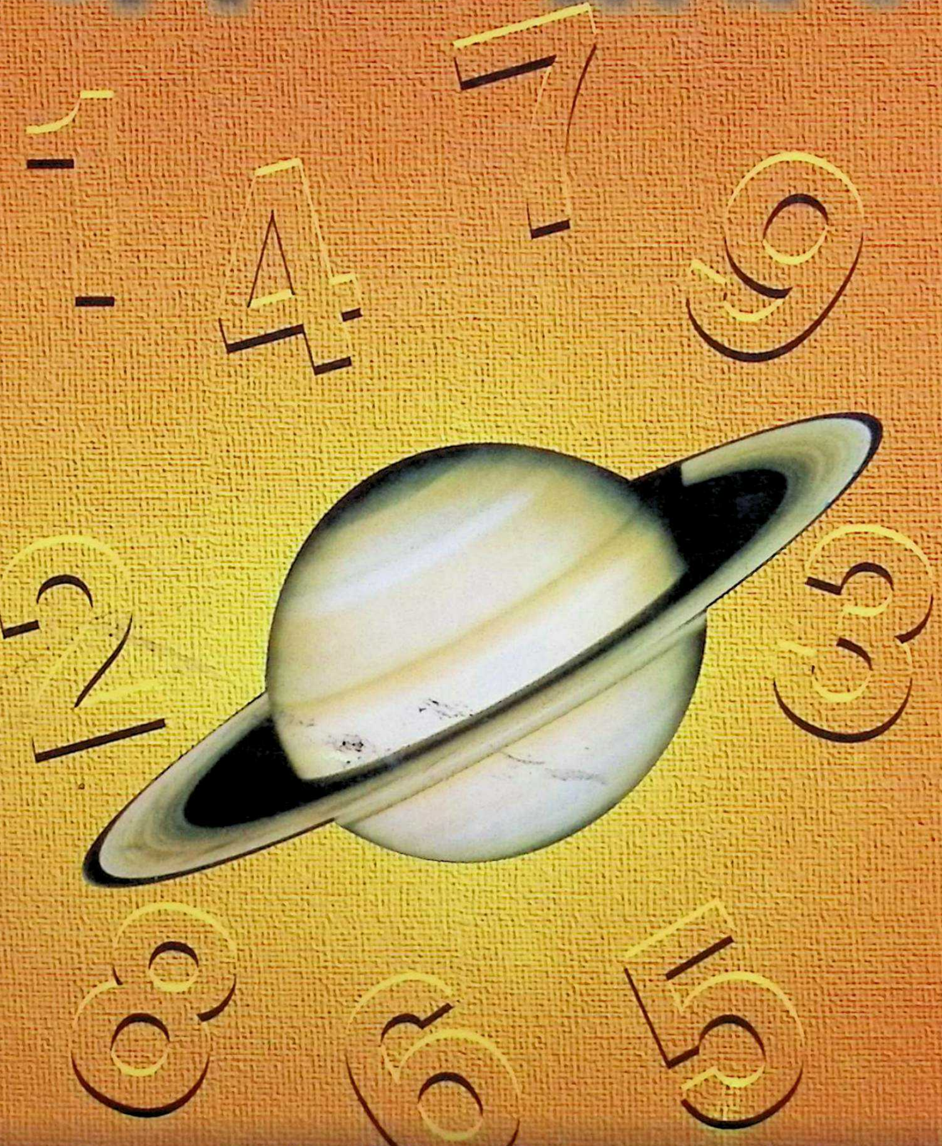

अंक विज्ञान पर ज्योतिष की विश्व प्रसिद्ध पुस्तक का संपूर्ण रूपांतर

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

अंक ज्योतिष सुप्रसिद्ध भविष्य-वक्ता, ज्योतिषी 'कीरो' (वास्तविक नाम जान ई० वार्नर) की विश्व प्रसिद्ध पुस्तक है। विश्व की लगभग सभी भाषाओं में इसका अविकल पूर्ण अनुवाद अभी तक नहीं हुआ है। केवल इसका आंशिक प्रकाशन ही हो रहा है। पहली बार पूर्ण प्रकाशन, अविकल रूप से हो रहा है।

यह पुस्तक व्यक्ति का सम्पूर्ण परिचय है। अंकों के द्वारा आप सब-कुछ जान सकते हैं। वास्तव में यह 'कीरो' की एक चमत्कारिक रचना है। इसका अध्ययन करने के पश्चात् आप स्वयं इसका अनुभव करेंगे।

कीरो
अंक ज्योतिष

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

हमारे कुछ धर्मिक प्रकाशन :

शिरडी के साईंबाबा
गायत्री उपासना
काली उपासना
सूर्य उपासना
लक्ष्मी उपासना
गणेश उपासना
शिव उपासना
दुर्गा उपासना
हनुमान उपासना
सरस्वती उपासना
मार्कण्डेय पुराण
हरिवंश पुराण
श्रीमद् भागवत पुराण
शिव पुराण
श्रीमद् देवी भागवत् पुराण
श्री विष्णु पुराण
गरुड़ पुराण
भविष्य पुराण
महादेव पुराण
श्रीमद् भगवत् गीता
पद्म पुराण
अग्नि पुराण
स्कन्ध पुराण
दुर्गा सप्तशती

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

कीरो

अंक ज्योतिष

एकमात्र वितरक :
साधना पॉकेट बुक्स
रोशनारा रोड, दिल्ली-110 007

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

प्रकाशक

न्यू साधना पॉकेट बुक्स,

70 रोशनआरा प्लाजा

रोशनआरा रोड. दिल्ली-110 0007

32536004

एकमात्र वितरक

साहनी पब्लिकेशन्स,

4777, डॉ॰ मित्रा गली,

रोशनारा रोड, दिल्ली-7

दूरभाष : 23822006, 23820751

भारतीय कापीराइट एक्ट के तहत इस पुस्तक में प्रकाशित सामग्री एवं रेखाचित्रों के सर्वाधिकार प्रकाशक के पास सुरक्षित हैं। कोई भी व्यक्ति/संस्था/समूह आदि इस पुस्तक की आंशिक या पूरी सामग्री किसी भी रुप में मुद्रित/प्रकाशित नहीं कर सकता। इस चेतावनी का उल्लंघन करने वाले को कानूनी तौर पर हर्जे-खर्चे व हानि में उत्तरदायी होंगे। सभी विवादों का न्यायक्षेत्र दिल्ली रहेगा।

ISBN- 81-8393-126-X

E-mail : sahni@sahnipublications.com
Website : www.sahnipublications.com

मूल्य : **₹ 90/-**

संस्करण **2014**

लेजर : रावत कम्प्यूटर्स,
गांधी नगर, दिल्ली-31

प्रिन्टर्स :

रोशन आफसेट प्रिंटर्स दिल्ली - 53

कीरो अंक ज्योतिष

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

अंक विधान

भारतीय ज्योतिष तथा अन्य ग्रंथों में संख्या तथा शब्द का आपस में घनिष्ठ संबंध है। शब्दों का संख्याओं में और संख्याओं का शब्दों में परिवर्तन किया जा सकता है। हमारे पूर्वज तथा ऋषि-मुनि संख्या व शब्द के इस पारस्परिक सम्बन्ध से पूर्ण रूप से परिचित थे। उन्होंने प्रत्येक देवता तथा ग्रह के मन्त्रों के अक्षरों की संख्या निश्चित की थी। उन मंत्रों के जप की कितनी बार आवृत्ति की जाय, इसकी भी संख्या निश्चित की थी। किस अनुष्ठान के लिए माला में कितने मनके हों ? इसकी संख्या निश्चित की थी।

सूर्य के मन्त्र की जप संख्या 7000, चन्द्रमा की 11000, मंगल की 1000, बुध की 9000, बृहस्पति की 19000, शुक्र की 16000, शनि की 23000, राहू की 18000 और केतु की 17000। मोक्ष प्राप्ति के लिए 25 मनकों की माला, धनप्राप्ति के लिए 30 मनकों की, अभिचार कर्म के लिए तन्त्र शास्त्रानुसार 15 मनके वाली, सेवार्थ के लिए 108 मनकों की माला का प्रयोग करना बतलाया गया है।

ज्योतिष, मन्त्र शास्त्र, गणित शास्त्र, यंत्र, विद्या, तन्त्र विद्या, हस्तरेखा विज्ञान और उनके विद्या विज्ञान में अंकों की संख्याओं का बहुत योगदान है। दक्षिणी भारत में केरल प्रश्न जैसी पुस्तकें हैं। पाश्चात्य ग्रंथों में इस प्रकार के उदाहरण मिलते हैं, जैसे 13 के अंक ने किस प्रकार अमरीका के इतिहास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। यहूदियों के इतिहास में 7 का मूल अंक बहुत महत्त्वपूर्ण रहा है। ईसा मसीह के बलिदान से पहले जो भोज हुआ था, उसमें 13 व्यक्ति थे। इस कारण 13 का अंक अशुभ माना जाता रहा है। होटल वाले अपने होटल में 13 नम्बर का कमरा नहीं रखते, क्योंकि 13 नम्बर के कमरे में कोई मेहमान ठहरना पसन्द नहीं करता। वे लोग 13 की जगह बारह ए नम्बर देते हैं या 13 नम्बर को छोड़ देते हैं।

अमरीका के लिए यह तेरह का अंक बहुत भाग्यशाली है। अमरीका की ध्वजा में 13 पत्तियां हैं, 13 बाण हैं, ईगल के ऊपर 13 सितारे हैं, ईगल के प्रत्येक डैने में

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

13 पंख हैं और झंडे में 13 धारियां हैं। अमरीका जब स्वाधीन राष्ट्र बना था तब उसमें 13 राष्ट्र थे और घोषणा पत्र पर 13 प्रतिनिधियों ने हस्ताक्षर किये थे।

13 का मूल अंक चार बनता है। 4 अंक नवीनता का द्योतक है, प्रगति का प्रतीक है और अमरीका का आदर्श वाक्य यही दर्शाता है।

कोई संख्या अपने आप में कोई शुभ या अशुभ नहीं होती। किसी व्यक्ति या राष्ट्र के जीवन में कोई संख्या या संख्याएं शुभ होती हैं, कोई अशुभ। यदि कोई संख्या किसी के लिए शुभ है तो वही संख्या किसी अन्य व्यक्ति के लिए अशुभ भी हो सकती है। कोई संख्या विशेष या अंक-विशेष व्यक्तिगत या राष्ट्रीय जीवन से इतना सम्बद्ध हो जाता है कि उसे संयोग कहकर नहीं टाला जा सकता है।

यहूदियों के धार्मिक इतिहास में 7 अंक ने, $7\times7=49$ की संख्या ने तथा $49\times10=490$ की संख्या ने बहुत प्रभाव डाला है। पिछली सभी घटनाओं को वर्षों के तारतम्य से मिलाते हुए इस विद्या के महान् विद्वान् कीरो ने भविष्यवाणी की थी कि 1980 तक यह जाति अत्यन्त शक्तिशाली हो जाएगी। यदि कोई व्यक्ति अपने जीवन की महत्वपूर्ण घटनाओं की तारीखें नोट करता जाय, तो वह देखेगा कि उनमें कोई तारतम्य है, कोई कड़ी है, जो सबमें है।

वे घटनायें किसी तारीख विशेष को, जिनका मूल अंक मिलता है या संयुक्त अंक मिलता है या किसी एक निश्चित समय के वर्षों के अन्तराल पर घटित हुई हैं और यदि उसने पिछली घटनाओं के क्रम को समझ लिया तो निश्चित रूप से कहा जा सकता है, भविष्य में भी घटनाएं उसी क्रम से उन्हीं विशेष तारीखों तथा वर्षों पर घटित होंगी।

संख्या तथा क्रिया का घनिष्ठ सम्बन्ध है। शून्य इसी प्रकार निराकार निष्क्रिय ब्रह्म का सूचक है और एक ब्रह्म की अद्वैत स्थिति का जब वह सृष्टि रचना की और क्रियाशील हो गया था। वैसे तो सभी शब्द ब्रह्मा के रूप हैं, क्योंकि एक ओंकार से ही सब अक्षरों व शब्दों की उत्पत्ति हुई है।

भिन्न-भिन्न शब्दों का अर्थ, गुण व प्रभाव भिन्न होता है और क्रिया भी भिन्न होती है। प्रत्येक शब्द व संख्या की एक निश्चित आवृति करने पर वांछित प्रभाव उत्पन्न किया जा सकता है।

जैसे आजकल के वैज्ञानिक प्रत्येक खाद्य पदार्थ को कैलोरी में परिवर्तित करके बताते हैं कि अमुक पदार्थ कितना शक्तिवर्धक है, उसी प्रकार व्यक्ति, देश या राष्ट्र के नाम को अक्षरों में परिवर्तित करके बताया जा सकता है कि कौन व्यक्ति

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

कितना शक्तिशाली, गुणवान् व बुद्धिमान है। नामाक्षरों की संख्या बनाते समय उसी नाम को लेना चाहिये जिसको सुनकर वह सोते से उठकर जाग जाय। नाम और जन्म की तारीख की संख्या का भी आपस में घनिष्ठ संबंध है। व्यक्ति तथा वस्तु संख्या के सामंजस्य से ही जीवन की घटनायें घटित होती हैं और उसी प्रकार आगे का भाग्य बनता है।

भगवद्गीता में 18 अध्याय ही क्यों हैं ? महाभारत में अट्ठारह पर्व क्यों हैं ? पुराणों की संख्या 18 है। गणेश जी की चतुर्थी, दुर्गा माता जी की अष्टमी, सूर्य की सप्तमी, विष्णु की एकादशी और महादेव जी की त्रयोदशी ही क्यों मनाई जाती है । इसका वैज्ञानिक आधार है, नाम तथा संख्या का संबंध।

अंक विद्या से हस्तरेखा विज्ञान में भी बहुत सहायता ली गई है। हाथ की रेखाओं पर घटनाओं की तारीख निश्चित करने के लिए अंक विद्या की ही सहायता ली जाती है। मन्त्रशास्त्र में मन्त्रों के अक्षरों की संख्या, जप संख्या, माला के मनकों की संख्या, अंक विद्या के सिद्धांतों को दृष्टि में रखकर निश्चित की गई है। 15 का यन्त्र तो दिवाली पर सब जगह बनाया जाता है और आपने देखा ही होगा। इसमें 1 से 9 तक अंकों को 9 कोष्ठकों में इस प्रकार लिखा गया है कि आड़े-तिरछे, नीचे, दायें-बायें किसी प्रकार भी गिनो, तो जोड़ 15 ही होता है।

मूल अंक बनाना

मूल जन्म की तारीख से बनाया जाता है। यदि तारीख न हो तो जन्मतिथि से भी बनाया जा सकता है।

यदि किसी की जन्म की तारीख एक है, तो उसका मूल अंक 1 हुआ, 2 का 2 है तो 3 का 3, 4 का 4, 5 का 5, 6 का 6, 7 का 7, 8 का 8, 9 की जन्म तारीख का मूल अंक 9 हुआ। 10 मूल अंक 1+0= 1 हुआ।

इसी प्रकार 11 का 1+1 = 2, 12 का 1+2 = 3, 13 का 1+3= 4, 14 का 1+4 = 5, 15 का 6, 16 का 7, 17 का 8, 18 का 9, 19 का 10 अर्थात् 1, 20 का 2, 21 का 3, 22 का 4, 23 का 5, 24 का 6, 25 का 7, 26 का 8, 27 का 9, 28 का 10 अर्थात् 1, 29 का 11 अर्थात् 2, 30 का 3, 31 का 4 मूल अंक बना। जन्म तिथि से मूल अंक बनाने की विधि यह है कि एक महीने में 30 तिथि होती हैं और मास शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा से शुरू होता है। पूर्णमासी के बाद ही प्रतिपदा की संख्या 16, द्वितीया की 17, तृतीया की 18। इसी प्रकार अमावस्या की संख्या 30 होती है। शुक्लपक्ष की प्रतिपदा की संख्या 1 से चलकर पूर्णमासी तक 15

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

कृष्ण पक्ष की प्रतिपदा से अमावस्या तक 16 से लेकर 30 तक होती है।

आजकल अंग्रेजी तारीख सर्वत्र प्रचलित है और पूरी जन्मतिथि मालूम हो, तो अंग्रेजी तारीख भी निकाला जा सकती है। कभी अंग्रेजी तारीख न मिले और तिथि मालूम हो जाय, तो तिथि का मूल अंक बनाकर फल कथन किया जा सकता है। किसी भी संख्या का मूल अंक जानने का आसान तरीका यह है कि उस संख्या में 9 का भाग दीजिये, जो शेष बचे वही मूल अंक होगा। शून्य बचे तो मूल अंक 9 होगा।

मूल अंक

जिसकी जन्म तिथि या तारीख का मूल अंक एक होता है, वह व्यक्ति स्थिर चित होता है। निश्चय पर दृढ़ वचनों का पालन करता है और जो राय बना लेता है, उस पर कायम रहता है। उसकी स्नेह, मित्रता यहां तक कि शत्रुता भी दृढ़ होती है। स्वतंत्र विचार के होते हैं, ऐसे व्यक्तियों को किसी के अनुशासन में रहकर काम करना पसन्द नहीं होता है, स्वतंत्र रहकर काम करना इन्हें अच्छा लगता है।

1, 10, 19, 28 तारीखों में पैदा हुए व्यक्तियों का मूल अंक 1 होता है। इनका 1 वां, 10वां, 28 वां, 37वां, 55वां, 64वां और 73वां वर्ष महत्वपूर्ण होता है। और 1 वीं, 10वीं, 19वीं तथा 28वीं तारीख व तिथि महत्वपूर्ण होती है।

शुभ काम और नया काम और महत्वपूर्ण कार्य इन व्यक्तियों को जहां तक हो सके, इन्हीं तारीखों पर करना चाहिये।

मूल अंक 1 की 2, 4, व 7 मूल अंकों के साथ मित्रता है। इस कारण इन मूल अंकों की तारीखें भी 1 मूल अंक वाले को शुभ रहती हैं । जैसे 2, 4, 7, 11, 13, 16, 20, 22, 25, 29 और 31 तारीख।

मूल अंक 1 का स्वामी सूर्य है। 17 अगस्त से 16 सितम्बर तक तथा पाश्चात्य मत के अनुसार 24 जुलाई से 23 अगस्त तक सूर्य अपनी राशि सिंह में बहुत बलवान व प्रभावशाली होता है।

कोई व्यक्ति 1, 10, 19, 28 तारीखों में से किसी भी तारीख को पैदा हुआ है और सूर्य के सिंह राशि में रहते हुए सूर्य मास में पैदा हुआ हो तो उस पर सूर्य का विशेष प्रभाव रहता है। उसमें उपयुक्त गुण विशेष मात्रा में होते हैं। उनके लिए यह समय यानी 21 जुलाई से 28 अगस्त तक विशेष सफलतादायक रहता है।

रविवार तथा सोमवार शुभ होते हैं। शुभ तारीखों पर यह वार भी पड़ जायें तो और भी अच्छा है। गहरा या हल्का भूरा, पीला तथा सुनहरी रंग विशेष अनुकूल होते

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

हैं। पहनने के कपड़े, कमरों में रंग-रोगन, परदे, सोफे, साज-सज्जा में यह रंग प्रयुक्त किये जायें, तो स्वभाव व प्रवृत्ति के अनुकूल होते हैं। पुरुषों के लिये गहरा और महिलाओं के लिये हल्का रंग प्रयोग में लाना ठीक रहता है। महिलाओं के लिये पीले, सुनहरी रंग उपयुक्त हैं।

मित्र परिवार के मूल अंक 2, 4, व 7 में किसी मूल अंक की तारीखें या वर्ष ठीक नहीं गये, तो वे भविष्य में भी ऐसे ही जायेंगे। मूल अंक एक वाला व्यक्ति अपने शुभ काम तथा नये कार्यों का प्रारम्भ इन तारीखों पर न करे। लाल, बैंगनी प्रिय रंग होते हैं।

मूल अंक 2

किसी भी मास की 2, 11, 20 या 29 तारीख में से किसी तारीख को जन्मे व्यक्ति का मूल अंक 2 है।

2 मूल अंकवाला व्यक्ति कलाप्रिय, स्नेहशील स्वभाव का होता है। कल्पना शक्ति बहुत अच्छी होती है। 2 मूल अंक का अधिष्ठाता चन्द्रमा है। 2 मूल अंकवालों पर चन्द्रमा का विशेष प्रभाव रहता है। शारीरिक शक्ति इनमें इतनी नहीं होती परन्तु दिमाग, विवेक अच्छा होता है इसमें ये लोग बाजी मार ले जाते हैं। ये लोग जिस विषय पर विचार पक्का करते हैं, उस पर कायम नहीं रहते। रद्दोबदल व काट-छांट करते रहते हैं। एक योजना को अधूरी छोड़कर नई में लग जाते हैं। ध ीरज व अध्यवसाय की कमी होती है। किसी विचार को कार्यरूप देना इनके लिए बहुत कठिन है।

आत्मविश्वास बहुत कम होता है। अपने ऊपर भरोसा नहीं होता। थोड़ी-सी निराशा से उदासीन हो जाते हैं और बहुधा असफल रहते हैं।

इनके जीवन का 1वां, 10वां, 19वां, 28वां, 36वां, 46वां, 55वां, 64वां वर्ष, 4, 13, 22, 31, 40, 49, 58, 67वां वर्ष, 2, 11, 20, 29, 38, 47, 56, 65वां वर्ष तथा 7, 16, 25, 34, 43, 52, तथा 61वां वर्ष महत्वपूर्ण रहता है।

जीवन की महत्वपूर्ण घटनायें शुभ-अशुभ इन्हीं वर्षों में घटित होती हैं।

2 मूल अंक का 1, 4 व 7 मूल अंक से मैत्री सम्बन्ध है। जीवन की अब तक की घटनाओं पर विचार से पता चले कि 1, 4, 7 मूल अंक के महत्वपूर्ण वर्षों में अशुभ घटनायें हुई हैं, तो भविष्य में इन अंकों की तारीखों पर कोई शुभ या नया काम प्रारंभ नहीं करना चाहिये।

यदि इन अंकों की तारीखें ठीक गई हों, तो यह अंक या इनमें से कुछ अंक

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

उनके लिए भाग्यशाली हैं और इनके महत्वपूर्ण वर्ष भविष्य में भी भाग्यशाली रहेंगे। 2 मूल अंक वालों का भाग्यशाली दिन सोमवार है। मैत्री सम्बन्ध से शुक्र तथा रवि भी शुभ हैं।

इस अंक की शुभ तिथि पर यह दिन भी हों तो नये काम का मुहूर्त या शुभ काम करने के लिए ऐसी तारीखें अच्छी समझी जानी चाहिये।

इस मूल अंक के भाग्यवान वर्ष 2, 11, 20, 29, 38, 47, 56, व 65 हैं। उपर्युक्त वर्षों में अन्य भाग्यवान वर्ष इस अंक के 1, 4, व 7 अंक के साथ मैत्री सम्बन्ध के कारण दिए गए हैं, जो महत्वपूर्ण तो हैं, परन्तु शुभ-अशुभ की परीक्षा गत जीवन की घटनाओं के आधार पर करनी चाहिये।

चन्द्रमा कर्क राशि में भारतीय मत अनुसार 16 जुलाई से 16 अगस्त तक तथा पाश्चात्य मत के अनुसार 22 जून से 23 जुलाई तक रहता है और इस कारण उपर्युक्त तारीखों (2, 11, 20 व 29) के साथ-साथ यदि कोई व्यक्ति इन महीनों में चन्द्रमा के कर्क राशि में होने के समय में पैदा हुआ हो तो, उस व्यक्ति पर चन्द्रमा का विशेष प्रभाव रहता है और उपर्युक्त गुण उसमें विशेष होते हैं।

सफेद, काफूरी, हरा या अंगूरी रंग विशेष शुभ व अनुकूल, काला, लाल या गहरा रंग प्रतिकूल है।

मूल अंक 3

इस अंक का स्वामी गुरु या बृहस्पति है। जो व्यक्ति, 3, 12, 21 या 30 तारीख को पैदा हुए हों, उनका मूल अंक 3 होता है। पाश्चात्य मत के अनुसार 19 फरवरी से 21 मार्च तक और 21 नवम्बर से 21 दिसम्बर तक के बीच के समय में तथा भारतीय मत से 15 दिसम्बर से 13 जनवरी तथा 14 मार्च से 12 अप्रैल के बीच जिनका जन्म हुआ हो, उन पर बृहस्पति का प्रभाव रहता है। जो व्यक्ति इस काल में उपर्युक्त तारीखों को पैदा होते हैं, उन पर बृहस्पति का विशेष प्रभाव रहता या पड़ता है।

3 अंक वाले व्यक्ति अनुशासन में कठोर होते हैं। फौज या किसी सरकारी विभाग में अध्यक्ष हों, तो अपने अधीन काम करने वाले कर्मचारियों से बहुत सख्ती से काम लेते हैं, काम में ढील या शिथिलता बर्दाश्त नहीं करते और इतनी जल्दी से काम लेते हैं कि मातहत लोग बहुधा इनके शत्रु हो जाते हैं। ये लोग बहुत महत्वाकांक्षी और शासन कर हुकूमत करने की इच्छा रखने वाले होते हैं।

19 फरवरी से 21 मार्च तक तथा 21 नवम्बर से 21 दिसम्बर तक के सायन

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

और मास का समय तथा 3, 12, 21 और 30 तारीख, बृहस्पतिवार, शुक्रवार तथा मंगलवार दिन शुभ तथा महत्वपूर्ण हैं। कोई शुभ काम, नया काम इन तारीखों व महीनों में गुरुवार के दिन आरम्भ करें, तो सफलता की काफी आशा रहती है। अच्छे वर्ष हैं 3, 12, 21, 30, 39, 48, 57 तथा 66वां।

3 मूल अंक की 6 तथा 9 अंक के साथ मित्रता है। इस कारण जिन व्यक्तियों की जन्म तारीख का मूल अंक 6 या 9 बनता हो, उनके साथ 3 अंक वाले की मित्रता ठीक रहती है। साझेदारी या विवाह भी सफल रहते हैं और 6 तथा 9 मूल अंकों के शुभ तथा महत्वपूर्ण वर्ष, मास, दिन तथा तारीखें भी आमतौर पर अच्छी रहती हैं।

किसी व्यक्ति की यदि तारीखें खराब जाती हों तो उसे अपने शुभ व महत्वपूर्ण कार्य इन तारीखों, दिनों मासों में नहीं करने चाहिये। यदि किसी व्यक्ति को 6 व 9 मूल अंक के शुभ वर्ष, मास या दिन खराब गए हैं तो आगे भी उनके खराब हो जाने की आशंका है और यदि यह वर्ष, मास, दिन व तारीखें शुभ गई हों तो भविष्य में भी इनके शुभ व अनुकूल ही रहने की संभावना है। 3 मूल अंक वाले व्यक्तियों को चमकीला गुलाबी रंग और हल्का जामुनी रंग विशेष शुभ तथा अनुकूल रहता है।

मूल अंक 4

4 अंक का मूल अधिष्ठाता हर्षल ग्रह है । हर्षल का प्रभाव है सहसा प्रगति, आश्चर्यजनक कार्य, विस्फोट, असम्भावित घटनाएं आदि।

जिन व्यक्तियों की जन्म तारीख 4, 13, 22, 31 हो, उनका मूल अंक 4 होता है।

4 मूल अंक वाले व्यक्ति संघर्षरत रहते हैं। आम धारणा से उनकी राय प्रायः नहीं मिलती और उनके विचार अलग ही होते हैं। जमाने से बहुत आगे। अपने विरोध की आदत के कारण ऐसे व्यक्तियों के शत्रु भी बहुत बन जाते हैं। अक्सर यह व्यक्ति सुधारक, पुरानी प्रथाओं के विरोधी, नयी-नयी बातों के पोषक होते हैं। सामाजिक, राजनीतिक, धार्मिक किसी भी क्षेत्र में हों, ये लोग पुरानी प्रथा को हटाकर नई स्थापित करना पसन्द करते हैं।

दूसरों के साथ मित्रता जल्दी स्थापित नहीं करते परन्तु 1, 2, 7 तथा 8 मूल अंक वालों के साथ सहानुभूति सा सौहार्द बहुधा हो जाता है। धन संग्रह करना पसन्द नहीं। मौज करना और खुश रहना।

21 जून से 31 अगस्त तक के समय में हर्षल का विशेष प्रभाव रहता है और

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

जिनका जन्म उपर्युक्त तारीखों और इस समय में हुआ हो, उन पर हर्षल का विशेष प्रभाव रहता है।

इन लोगों को रविवार, सोमवार तथा शनिवार शुभ होते हैं और 4, 13, 22 तथा 31 तारीखें शुभ होती हैं। 21 जून से 31 अगस्त तक का समय भी अच्छा रहता है। नये काम की शुरूआत और अपने महत्वपूर्ण कार्य इन्हीं तारीखों में करने चाहिये। अगर रविवार या सोमवार या शनिवार भी इन तारीखों पर पड़ता हो तो और भी अधिक शुभ है।

यदि 21 जून से 31 अगस्त के बीच का समय है, तो विशेष प्रभावशाली रहता है। धूप-छांव का रंग, नीला, खाकी, भूरा रंग, वस्त्रों, कमरे, फर्नीचर व परदों के लिए विशेष अनुकूल रहता है।

जीवन के महत्वपूर्ण वर्ष 4 वां, 13वां, 22वां, 31 वां, 40वां 49वां, 58वां और 67 वां वर्ष महत्वपूर्ण रहता है। 1वां, 10वां, 19वां 28वां 37वां, 46वां, 55वां तथा 64 वां वर्ष भी महत्वपूर्ण होता है। पिछले अनुभव से यदि 2 तथा 7 मूल अंक की संख्याएं, तारीख, वर्ष आदि भी महत्वपूर्ण रहे हों, तो आगे भी इन अंकों के वर्ष शुभ हो जाएंगे।

मूल अंक 5

इसका स्वामी बुध ग्रह है। 5, 14 या 23 तारीख को जन्म लेने वाले व्यक्तियों का मूल अंक 5 होता है। 21 मई से 23 जून तक और 21 अगस्त से 23 सितम्बर तक प्रतिवर्ष सूर्य सायन मिथुन तथा कन्या राशियों में रहता है तथा यह राशियां बुध की राशियां हैं। इस कारण इस समय में उत्पन्न व्यक्तियों पर बुध का विशेष प्रभाव रहता है। इन तारीखों और समय के जन्मे व्यक्ति मिलनसार होते हैं और वे शीघ्र मैत्रीभाव करते हैं। 5, 14, 23 तारीखों में पैदा हुए व्यक्तियों से इनकी घनिष्ठता हो जाती है। इनका व्यापार की ओर ज्यादा आकर्षण रहता है। खासकर शीघ्र लाभ वाले व्यापार की ओर। बहुत जल्दबाज, फुर्तीले होते हैं और हर काम जल्दी निपटाना पसन्द करते हैं। ज्यादा देर तक किसी बात पर चिन्ता, शोक या पश्चाताप नहीं करते। मिजाज में चिड़चिड़ापन, जल्दबाजी, शीघ्र क्रोध की प्रवृत्ति होती है और यह लोग अपनी दिमागी ताकत को बहुत अधिक खर्च करने के कारण स्नायु मण्डल की कमजोरी के शिकार हो जाते हैं। ज्यादा अवस्था पर मूर्च्छा आदि की शिकायत रहती है।

सफेद, चमकीला उज्ज्वल रंग उनके विशेष अनुकूल रहता है।

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

बुधवार, बृहस्पतिवार तथा शुक्रवार विशेष शुभ होते हैं। नये तथा महत्त्वपूर्ण कार्यों का आरंभ यह लोग यदि इन दिनों में करें, तो सफल होंगे।

इन दिनों में यदि 5, 14 या 23 तारीख भी हों, तो और भी अच्छा है और यदि समय 21 मई से 23 जून के या 21 अगस्त से 23 सितम्बर के बीच का हो, तो विशेष अनुकूल होगा।

जीवन का 5वां, 14वां, 23वां, 32वां, 41वां, 50वां, 59वां, 68वां तथा 77 वां वर्ष महत्वपूर्ण होगा। बुध अपना पूर्ण प्रभाव 32वें वर्ष में दिखाता है। यदि किसी की जन्म कुंडली में बुध शुभ पड़ा है, तो जिस भाव में पड़ा है, उससे सम्बन्धित शुभ प्रभाव दिखाएगा और यदि अशुभ भाव या नीच का पड़ा है, तो उस भाव से सम्बन्धित अशुभ फल दिखाएगा।

मूल अंक 6

इसका स्वामी शुक्र है। जिन व्यक्तियों का जन्म 6, 15 या 24 तारीखों में से किसी तारीख को हुआ हो तो इनका मूल अंक 6 होता है। 20 अप्रैल से 24 मई तक तथा 21 सितम्बर से 24 अक्टूबर तक सूर्य सायन वृष तथा सायन तुला राशियों में रहता है और ये राशियां शुक्र की राशियां हैं। इस कारण इस समय में पैदा होने वाले व्यक्तियों पर शुक्र का प्रभाव विशेष रूप से रहता है। इन व्यक्तियों में आकर्षण शक्ति तथा मिलनसारिता बहुत अधिक होती है। इनके साथ रहने वाले लोग इन्हें प्रेम, श्रद्धा और मान देते हैं। सुन्दरता की ओर ये लोग ज्यादा आकृष्ट होते हैं। सुन्दर व्यक्ति कला, चित्रकला, सुन्दर वस्त्र, संगीत, साहित्य की ओर इनकी रुचि अधिक रहती है। अतिथियों का विशेष सत्कार करना, हर चीज ढंग से सजी हो तथा स्वभाव में हठ होता है, अपनी बात चाहे सही हो या गलत, मनवाना, उस पर अड़े रहना इनका स्वभाव होता है। ईर्ष्या की मात्रा अधिक होने के कारण किसी की प्रतिद्वंद्विता भी सहन नहीं कर सकते।

इन व्यक्तियों को हल्का नीला या आसमानी या गहरा नीला रंग शुभ होता है। मंगलवार, बृहस्पतिवार तथा शुक्रवार के दिन शुभ होते हैं। 6, 15, तथा 24 तारीखें शुभ हैं। यदि सौर मास भी उपर्युक्त 20 अप्रैल से 24 मई या 24 सितम्बर से 24 अक्टूबर का हो तो और भी अच्छा है और इन्हीं तारीखों में मंगलवार, बृहस्पतिवार, शुक्रवार हों तो विशेष शुभ हैं। नवीन कार्य का आरंभ तथा महत्वपूर्ण कार्य इन व्यक्तियों को इन्हीं दिनों, तारीखों व मासों में करना चाहिये।

6 मूल अंक वालों की 3 तथा 9 मूल अंक वालों से मित्रता है। इस कारण

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

3, 12, 21, 30 तथा 9, 18 व 27 तारीखें भी अनुकूल होती हैं। गत जीवन के अनुभव से यह तारीखें ठीक नहीं रहती हों, तो भविष्य में भी इन अंकों की तारीखें, वार व वर्ष अच्छे नहीं जाएंगे, ऐसा समझना चाहिये।

इस अंक के महत्वपूर्ण वर्ष हैं : 6, 15, 24, 33, 42, 51, 60 व 69 । जीवन की शुभ-अशुभ सभी महत्वपूर्ण घटनाएं इन्हीं वर्षों में घटित होती हैं। वैसे 3 व 9 अंक के वर्ष भी 6 मूल अंक वाले व्यक्ति के लिए महत्वपूर्ण माने जाते हैं।

मूल अंक 7

मूल अंक 7 का स्वामी नेप्यचून ग्रह है। इसका भारतीय नाम वरुण है। 17, 16 और 25 तारीखों में जन्मे व्यक्तियों का मूल अंक 7 होता है। नेप्यचून जल प्रधान ग्रह है और चन्द्रमा भी जल प्रधान ग्रह है । इस कारण 2 और 7 अंक में मित्रता है।

7 अंक वालों की 2, 11, 20, 29 तारीखों में पैदा हुए व्यक्तियों के साथ मित्रता अच्छी निभ जाती है। 7 अंक वाले व्यक्ति कल्पनाशील होते हैं और इन्हें चित्रकला तथा कविता में विशेष सफलता प्राप्त होती है। आर्थिक सफलता इन्हें विशेष नहीं मिलती और धन संग्रह में भी सफल नहीं होते। यात्रा करना, घूमना-फिरना, सैर-सपाटे करना इन्हें अच्छे लगते हैं। दूसरों के मन की बात समझने की शक्ति इनमें विशेष होती है। धार्मिक मामलों में ये रूढ़िवादी और लकीर के फकीर नहीं होते। आयात-निर्यात के काम में और समुद्री जहाज, नौ-सेना आदि के काम में सफलता प्राप्त करते हैं। 7 मूल अंक वाली स्त्रियों का विवाह प्रायः धनी घरों में होता है।

21 जून से 25 जुलाई तक नेप्यचून का विशेष प्रभाव रहता है। रविवार व सोमवार इसके शुभ दिन हैं। 7 अंक (मूल) वाले व्यक्ति अपने महत्वपूर्ण कार्य या नवीन कार्य 7, 16, या 2, 11, 20, 29 तारीखों में रविवार या सोमवार के दिन प्रारंभ करें तो ठीक रहता है। यदि समय भी 21 जून से 25 जुलाई का हो तो और भी अच्छा है।

इन व्यक्तियों को हरा, काफूरी, हल्का पीला और सफेद रंग विशेष अनुकूल पड़ता है। जीवन के महत्वपूर्ण वर्ष : 7, 16, 25, 34, 43, 52, 61 तथा 70वां, और 2, 11, 20, 29, 38, 47, 56, 65 तथा 74वां है।

मूल अंक 8

इसका स्वामी शनि है जो 8, 17, 26 में से किसी भी तारीख को पैदा हुए हों, उनका मूल अंक 8 होता है। 21 सितम्बर से 19 फरवरी तक सूर्य सायन मकर और

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

कुम्भ राशियों में रहता है। यह दोनों शनि की राशियां हैं। इस कारण इन महीनों में पैदा हुए व्यक्तियों पर शनि का विशेष प्रभाव रहता है।

ऐसे लोग बहुत महत्वपूर्ण कार्य करते हैं, पर अन्य व्यक्ति उनके महत्व को ठीक से आंक नहीं पाते और उनके साथ सहानुभूति पूर्ण व्यवहार नहीं करते।

इसी कारण इनको कभी-कभी उदासीनता हो जाती है और अकेलापन महसूस होता है क्योंकि इनमें बाहरी दिखावा नहीं होता है। यह लोग अपने काम-धाम से मतलब रखते हैं और काम को पूरा करने में लगे रहते हैं। यह बहुत महत्वाकांक्षी होते हैं। उच्च पद व उच्च स्थिति प्राप्त करने का प्रयत्न करते रहते हैं और इसके लिए हर प्रकार का त्याग, बलिदान व परिश्रम करते रहते हैं।

शनिवार शुभ दिन है। रविवार व सोमवार भी अच्छे हैं। नये काम के लिए, शुभ व महत्वपूर्ण कार्यों के लिए इन लोगों को यही दिन व 8, 17 व 26 में से कोई भी तारीख ठीक रहेगी । अगर 21 दिसम्बर से 19 फरवरी का काल हो तो और भी अच्छा है। गहरा भूरा, काला, गहरा नीला, काकरेजी आदि गहरे रंग अनुकूल रहते हैं। 4 मूल अंक वाले से मित्रता हो सकती है, जिसका जन्म 4, 13 व 22 तारीखों में से किसी तारीख को हुआ हो या 8, 17, 26 तारीखों का हो, उनसे मित्रता ठीक होती है।

इनके जीवन के महत्वपूर्ण वर्ष : 8, 17, 26, 35, 44, 53, 62, 71, 80, 4, 13, 22, 31, 40, 49, 58, 67, 76। सभी महत्वपूर्ण घटनायें इन वर्षों में घटित होती हैं।

मूल अंक 9

मूल अंक 9 का स्वामी मंगल है। 9, 18 व 27 तारीखों में पैदा हुए व्यक्तियों का मूल अंक 9 होता है। 21 मार्च से 27 अप्रैल तक तथा 21 अक्टूबर से 27 नवम्बर तक सूर्य मेष व वृश्चिक सायन राशियों में रहता है, जो मंगल की राशियां हैं।

इन सायन मासों में पैदा हुए व्यक्तियों पर भी मंगल का विशेष प्रभाव रहता है। इन मासों में तारीखें भी मूल अंक 9 की हों तो और भी अधिक मंगल का प्रभाव रहता है। ऐसे व्यक्ति बहुत साहसी होते हैं और कठिनाइयों से नहीं घबराते। स्वभाव में तेजी फुर्ती व जल्दबाजी होती है। काम को जल्दी-जल्दी समाप्त करने की लगी रहती है। जीवन संघर्षमय रहता है और अक्सर इनके काफी शत्रु बन जाते हैं। ये लोग दु:साहस के कामों में काफी सफल होते हैं। शासन व प्रबन्ध व्यवस्था, अनुशासन कायम रखने के कामों में सफल रहते हैं। इन्हें क्रोध बहुत जल्दी आता है। अपनी

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

आलोचना भी बर्दाश्त नहीं होती है। कोई स्त्री प्रेम का अभिनय करके इन्हें आसानी से मूर्ख बना सकती है और चापलूसी व खुशामदी लोगों से भी यह प्रभावित हो जाते हैं। क्रोधी स्वभाव पर कुछ संयम कर सफल व भाग्यशाली हो सकते हैं।

9 अंक की 3 व 6 मूल अंक के साथ मित्रता है। जो व्यक्ति 9, 18, 27 तथा 3, 12, 21, 30 और 6, 15, 24 तारीखों में पैदा हुए हैं उनके साथ इनकी मित्रता, साझेदारी, विवाह सम्बन्ध व प्रेम सम्बन्ध ठीक निभ जाते हैं। यह तारीखें इनको शुभ हैं। नये और महत्वपूर्ण कार्य इन व्यक्तियों को मंगलवार को करने चाहिये और यदि उस दिन उपर्युक्त तारीखों में से कोई तारीख पड़े तो और भी अच्छा है। यदि शुभ सायन मास अर्थात् 21 मार्च से 27 अप्रैल और 21 अक्टूबर से 27 नवम्बर तक का समय भी मिल जाए तो और अधिक शुभ रहता है। इन्हें गुलाबी और गहरे लाल रंग विशेष अनुकूल रहते हैं।

जीवन के महत्वपूर्ण वर्ष : 9, 18, 27, 36, 45, 54, 63, 72 हैं।

केवल जन्म की तारीख से जो मूल अंक बनाया जाता है, उससे उतना सही पता नहीं लगता जितना संयुक्त अंक से। किसी की जन्म की तारीख 8 है, परन्तु संयुक्त अंक बना 8+3+1+9+1+7= 29= 11=2। इसमें मार्च मास क्योंकि तीसरा मास है, इस कारण मास का अंक 3 जोड़ा गया है। वैसे भी तारीखें इस प्रकार भी लिखी जाती हैं, जैसे 8-3-1917। तारीख, मास व सन् के सब अंक जोड़ने से जो अंक बनता है उसे संयुक्त अंक कहते हैं। इसको भाग्यांक भी कहते हैं।

पाश्चात्य अंक विद्या विशारदों ने कितने ही व्यक्तियों के जीवन की महत्वपूर्ण घटनाओं का अध्ययन कर यह सिद्ध किया है कि जिस व्यक्ति का जो भाग्यांक होता है, उस व्यक्ति के जीवन की महत्वपूर्ण व भाग्यशाली घटनायें उसी भाग्यांक से सम्बन्धित तारीखों, वर्षों में होती हैं। जैसे 8 भाग्यांक वाले व्यक्ति की सभी महत्वपूर्ण घटनायें शनिवार को या 8, 17 या 26 तारीख को 8, 17, 26, 35, 44, 53, 62 वर्षों में या 8 संयुक्त अंक तारीखों में होंगी।

जिन अंकों में या जिन-जिन अंकों के साथ मैत्री सम्बन्ध हैं, तो इन मैत्री सम्बन्ध रखने वाले अंकों की तारीख, वर्ष-सालों में भी महत्वपूर्ण घटनायें घट सकती हैं। संयुक्त अंक या भाग्यांक से सम्बन्धित शुभ वार, मास तारीख, वर्ष व मैत्री सम्बन्ध निम्न सारणी में दिये जा रहे हैं—

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

मूल अंक स्वामी	जन्म तिथि या तारीख	महत्वपूर्ण दिन	महत्वपूर्ण मास	महत्वपूर्ण वर्ष	अनुकूल रंग
1 सूर्य	1, 10, 19, 28	रविवार	21 जुलाई	1, 10, 19	भूरा, पीला,
		सोमवार	से	28, 37, 46	सुनहरी
			28 अगस्त	55, 64, 74	
2 चन्द्रमा	2, 11, 20, 29	रविवार	20 जून	2, 11, 20	सफेद हरा,
		सोमवार	से	29, 38, 47	अंगूरी, काफूरी
		शुक्रवार	25 जुलाई	56, 65, 74	
3 बृहस्पति	3, 12, 31, 30	बृहस्पतिवार	18 फरवारी	3, 12, 21	चमकीला गुलाब
		शुक्रवार	से	30, 39, 48,	जामुनी हल्का
		मंगलवार	21 मार्च	57, 66, 75	
4 हर्षल	4, 13, 22, 31	रविवार	21 जून	4, 13, 22, 31,	धूप-छांह,
		सोमवार	से	40, 49, 58,	नीला, पीला,
		शनिवार	31 अगस्त	67	भूरा-मिश्रण
5 बुध	5, 14, 23	बुधवार	21 मई से	5, 14, 23,	खाकी-सफेद
		बृहस्पतिवार	23 जून	32, 41, 50	चमकीला
		शुक्रवार	21 अगस्त से		
			23 सितम्बर	59, 68, 77	

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

मूल अंक स्वामी	जन्म तिथि या तारीख	महत्त्वपूर्ण दिन	महत्त्वपूर्ण मास	महत्त्वपूर्ण वर्ष	अनुकुल रंग
6 शुक्र	6, 15, 24	मंगलवार	20 अप्रैल से	6, 15, 24	नीला, आसमानी
		गुरुवार	25 मई	33, 42, 51	
7 नेप्यचून	7, 16, 25	रविवार	21 जून	7, 16, 25,	हरा, सफेद
		सोमवार	से	34, 43, 52,	काफूरी
			25 जुलाई	61, 70	
8 शनि	8, 12, 26	शनिवार,	21 सितम्बर	8, 17, 26,	गहरा भूरा,
		रविवार,	से	35, 44, 53,	काला, नीला,
		सोमवार	19 फरवरी	62, 71	काकरेजी
9 मंगल	9, 18, 27		21 मार्च से	9, 18, 27,	गुलाबी गहरा
			27 अप्रैल	36, 45, 54	लाल
			21 अक्टूबर से		
			27 नवम्बर	63, 72	

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri
Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

भाग्यांक	मैत्री अंक	शुभ वार	शुभ मास	शुभ वर्ष	शुभ तारीख
1	3, 5, 7	रविवार, बृहस्पतिवार	जनवरी, मार्च, मई जुलाई और अक्टूबर	1991, 1990, 1999, 2008 इत्यादि।	1, 10, 19 28
2	4, 8	सोमवार, बुधवार	फरवरी, अप्रैल, अगस्त, नवम्बर	1992, 1994, 2000, 2009 इत्यादि।	2, 4, 8, 11 13, 17, 20 22, 26, 29,
3	1, 5	मंगलवार, शुक्रवार	मार्च, मई, जुलाई, जून, सितम्बर, दिसम्बर,	1993, 1999, 2001, 2010, 2019 इत्यादि	3, 6, 9, 12 15, 18, 21, 24, 27, 30
4	2, 8	बुधवार, सोमवार	अप्रैल, फरवरी, अगस्त	1995, 1997, 1999, 2021, 2012 इत्यादि।	2, 4, 8, 11, 1 17, 20, 22, 29 31
5	1, 3, 7	बृहस्पतिवार, शनिवार	मई, जनवरी, मार्च, जुलाई,	1996, 1995, 1994, 2003, 2012 इत्यादि	1, 5, 7, 10 14, 16, 19 23, 25, 28

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

भाग्यांक	मैत्री अंक	शुभ वार	शुभ मास	शुभ वर्ष	शुभ तारीख
6	3, 6	शुक्रवार, मंगलवार	जून, सितम्बर	1997, 1996, 1995, 2004 2013	6, 9, 15, 18, 24
7	1, 3, 5	शनिवार, बृहस्पतिवार	जुलाई, जनवरी, मार्च व मई	1998, 1999, 1996, 2005, 2014, इत्यादि।	5, 7, 14, 16, 23, 25
8	2, 4	सोमवार, बुधवार	अगस्त, फरवरी, अप्रैल	1999, 1988, 1997, 2006, 2015 इत्यादि	4, 8, 13, 17 22, 26
9	3, 6	मंगलवार, शुक्रवार	सितम्बर, मार्च, जून	1980, 1989, 1998, 2007, 2016 इत्यादि।	6, 9, 15, 18, 24, 27

नोट : शुभ वर्ष वह हैं, जिनके अंकों का जोड़ भाग्यांक या संयुक्तांक के बराबर है, जिन वर्षों का जोड़ इनके मैत्री अंकों के बराबर होगा, वे भी अच्छे रहेंगे।

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

अंक भविष्य

प्रत्येक माह में जो तारीखें होती हैं, उनके मूलांक अनुसार भविष्य फल जिस प्रकार बनता है, इसका संपूर्ण विवेचन प्रस्तुत है। प्रत्येक माह की तारीखों को मिलाकर जो मूलांक बनता है, उसके अनुसार ही यह भविष्य निष्कर्ष प्रस्तुत है। इन तारीखों के मूलांक के अनुसार आप इसके आधार पर अपना तथा औरों का भी भविष्य ज्ञात कर सकते हैं।

जनवरी : 1, 10, 19, 28 मूलांक 1

सूर्य यूरेनस और शनि (ओज) कारक ग्रह है। सूर्य और यूरेनस एक अलग व्यक्तित्व प्रदान करते हैं। विचारों में बहुत स्वतन्त्र, मौलिक और भावनाओं में रचनात्मक, बहुत असाधारण परिस्थितियों को छोड़ सफलता बाद के वर्षों तक रुकी रहने की संभावना होती है पर मिलेगी जरूर। हृदय बहुत चिन्तनशील और गंभीर स्वभाव, अपने हर काम में अत्यन्त सुचारु, संतुलित और व्यवहारिक, दूसरे व्यक्तियों के विचारों से आसानी से नहीं बहकने वाले। सभी योजनाओं के पीछे 'निश्चित ध्येय' कठिनाइयों से कभी हतोत्साह न होना, बहुत उदार स्वभाव होने पर भी कोई बात थोपी जाने पर पसंद नहीं होती है।

महत्वाकांक्षी और अपने साथियों तथा परिवार के दूसरे सदस्यों से ऊंचा उठने की संभावना। अनेक बाधाएं पर धैर्य और दृढ़ता से सभी कठिनाइयों को पार कर लेते हैं।

आर्थिक मामलों में कंजूसी और सावधानी, धन, अच्छी आय का आश्वासन देने वाले व्यापार य्रा उद्योगों के प्रति आकर्षण। हर अवसर का अधिक-से-अधिक लाभ उठाने का प्रयास। औरों पर आपका गहरा आकर्षण, विशेषकर जन-जीवन में। बदनामी का भी सामना करना पड़ सकता है।

जीवनी-शक्ति होती है। यदा कदा तेज सर्दी-जुकाम और गठिया की प्रवृत्ति भी।

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

सबसे महत्वपूर्ण अंक हैं 'एक' (सूर्य) और 'चार' (यूरेनस)। हर महत्वपूर्ण काम इन्हीं मूलांक वाली तिथियों पर करने से सफलता। जैसे मास की 1, 4, 10, 13, 19, 22, 28 तथा 31 तारीख।

रंग : सुनहरा, पीला, नारंगी और भूरा, नीले, सलेटी या हल्के रंग। रत्न: हीरा, नीलम और अम्बर।

जीवन के महत्वपूर्ण वर्ष : 10, 19, 28, 37, 46, 55, 64, 73 और 4, 13, 22, 31, 40, 49, 58, 67, 76। 'एक' या 'चार' मूलांक वाली तिथियों, जैसे 1, 4, 10, 13, 19, 22, 28 तथा 31 को जन्मे व्यक्तियों के प्रति गहरा लगाव होता है।

2, 11, 20, 29 मूलांक 2

शनि के अतिरिक्त कारक ग्रह चंद्र और नेप्यचून हैं। चंद्र और नेप्यचून के कारण स्वभाव उदार और कल्पनाशील इच्छानुसार काम न होने पर हताशा, दूसरों की विरोधी कार्यवाही पर सिमट जाते हैं, संवेदनशील और बहुत जल्दी अपमानित महसूस करने की भावना। संवेदनशील होने से प्रोत्साहन की कामना, जो योग्यताओं से अधिक लाभ दे। परिस्थितियों के कारण बेचैनी और दु:ख।

धन का मोह नहीं। यह भावना कि धन की कोई आवश्यकता नहीं, बुद्धि से जो चाहें पा सकते हैं। वास्तविक से अधिक धनी का दिखावा। किसी से मांगने पर इंकार करने से आपके संवेदनशील स्वभाव को चोट पहुंचेगी। प्रतिष्ठा बनाए रखने के प्रयास में हानि है।

मानसिक परिश्रम की अधिकता से टूटन। गठिए से सावधानी, कभी-कभी आंखों की परेशानी, रीढ़ में कमजोरी भी हो सकती है।

सबसे महत्वपूर्ण अंक 'दो' (चंद्र) और 'सात' (नेप्यचून) सभी महत्वपूर्ण काम इन्हीं मूलांकों वाली तिथियों पर सफल। सबसे घटनापूर्ण वर्ष भी इन्हीं मूलांकों वाले। इन्हीं मूलांकों वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति विशेष लगाव।

रंग सफेद, क्रीम और हल्का हरा। हल्के से गहरे तक कबतूरी। रत्न : जैड (हरित्मणि का संगसाम), मोती, लहसुनिया, चन्द्रकांत मणि।

3, 12, 21, 30 मूलांक 3

शनि के अतिरिक्त कारक ग्रह गुरु है। गुरु के गहरे प्रभाव से अपनी योजनाओं और इच्छाओं में कुछ दबंगपन रहता है।

सभी कामों के मूल में महत्वाकांक्षा रहती है। निजी प्रयासों और सफलता के

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

संकल्प से उन्नति करते हैं। ईर्ष्या और विरोध का सामना करना पड़ता है। हर काम में अनेक दुश्मन बन जाते हैं। छोटे-बड़े, सभी प्रकार, जन-जीवन में सफलता, दूसरों पर नियन्त्रण और जिम्मेदारी वाले अधिकार के पदों पर भी। विवाह से अधिक सुख नहीं मिलता है। विचारों से अधिक रचनात्मक, पर बड़ी-बड़ी योजनाएं प्राय: असफल होती हैं।

21 या 30 तारीख को पैदा होने वाले जिम्मेदारी के ऊंचे पदों पर व अधिक राजनैतिक, सामाजिक कार्यों में रुचि रखते हैं। प्राय: इसी क्षेत्र में सफलता भी प्राप्त होती है। ऐसे व्यक्ति जीवन में अनेक बार खतरा मोल लेते हैं। मिलने पर भी वह उत्साह नहीं छोड़ते हैं। अपनी योजनाएं या महत्वाकांक्षाओं को पूरा करने के लिए धन खर्च होता है। काफी जोखिम भी होते हैं। शत्रुओं की तेजी रहती है। लगातार मानसिक तनाव और परिश्रम के कारण स्वास्थ्य पर आघात, पक्षाघात, दिल के दौरे की संभावना।

महत्वपूर्ण अंक 'तीन' (गुरु) है और 'आठ' (शनि) इन्हीं मूलांक वाली तिथियों को योजनाओं पर अमल करें। सबसे पहलपूर्ण वर्ष भी इन्हीं मूलांकों वाले होंगे। इन्हीं तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति आप गहरा लगाव महसूस करेंगे, लेकिन 'आठ' मूलांक वाले व्यक्ति आपके लिए 'तीन' मूलांक वाले व्यक्तियों जैसे भाग्यशाली नहीं रहते हैं। 30 जनवरी को जन्मे व्यक्ति शनि की कुंभ राशि के अधीन आते हैं। उनके अंक यही रहेंगे, लेकिन शनि के कारण उन पर अंकुश कम होंगे और जीवन में अधिक सफलता प्राप्त करेंगे।

रंग : जामुनी, बैंगनी या फालसई। रत्न : कटैला (अमैथिस्ट या जामुनिया), बैंगनी या जामुनी रंग के नग, काला मोती, काला हीरा।

4, 13, 22, 31 मूलांक 4

इस मूलांक के कारक ग्रह हैं यूरेनस, सूर्य और शनि। यूरेनस शनि के प्रभाव को और बढ़ाता है। विचारों में मौलिक, स्वभाव से अति स्वतंत्र, दूसरे लोगों या जिसके संग-साथ हैं, उनकी योजनाओं या विचारों से तालमेल नहीं। घरेलू या वैवाहिक सम्बन्धों में कठिनाई, बहुधा गलत समझा जाएगा और अकेलेपन का अनुभव। विचारों के परंपरा-विरोधी, सफलता के लिए अपना मार्ग बनाना पड़ता है। महत्वाकांक्षाओं के कारण भारी विरोध का सामना, धैर्य से ही काम बनता है।

सभी कार्यों के पीछे दूसरों पर अधिकार जमाने की भावना, इनमें असाधारण कार्यों, विचार की मौलिकता और सनक की गहरी प्रवृत्ति की अधिकता होती है।

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

आर्थिक दशा में भी असमान्य घटता रहता है। पैसा आएगा। पानी की तरह हाथ से निकल जाएगा। अच्छा हो या बुरा, अधिक न टिकेगा। आवश्यकता पड़ने पर लोगों से कर्जा भी मांगना पड़ेगा।

रोगों की अपेक्षा दुर्घटनाजनित स्थितियां अधिक हैं। प्रमुखतः हाथ और पैर प्रभावित होंगे। फिर भी अनेक दुर्घटनाएं बच जायेंगी।

महत्वपूर्ण अंक हैं 'चार' (यूरेनस) 'एक' (सूर्य) और 'आठ' (शनि)। 'चार' और 'एक' सबसे भाग्यशाली। 'आठ' से भी बार-बार पाला पड़ेगा, 'आठ' काम में लेने से शनि की संभावना है। योजनाएं 'चार' या 'एक' मूलांकों वाली तिथियों में करने पर सफलता की अधिक संभावना है।

जीवन के घटनापूर्ण वर्ष : 10, 13, 19, 22, 28, 31, 37, 40, 46, 49, 55, 58, 64, 67। वर्ष 8, 17, 26 आदि भी महत्वपूर्ण, पर इतने भाग्यशाली नहीं। 'चार' और 'एक' मूलांकों वाली तिथियों के जन्मे लोग भी जीवन में आएंगे। किन्तु भाग्यशाली नहीं होंगे। आपको दुःख देंगे। रंग : पीले, सुनहरे, नीले, सिलेटी या पेस्टल। रत्न : हीरा, पुखराज, नीलम और कालामोती।

5, 14, 23, मूलांक 5

इस अंक के कारक ग्रह बुध और शनि हैं। बुध अशुभ लक्षणों को कम कर देता है या उनका महत्व घटा देता है।

इस मूलांक वाला बहुत हरफनमौला होता है। मुख्य कठिनाई प्रतिभा और महत्वांकांक्षा के अनुरूप काम ढूंढने की है। जीविका में अनेक परिवर्तन होते हैं, पर किसी एक कार्य में लगातार लगे रहना असंभव है। व्यक्ति और विद्या, दोनों के अनुकूल अपने को ढाल लेने में भारी क्षमता होती है। तीव्र गतिशीलता से प्रेम। यात्रा कर दुनिया का बहुत बड़ा भाग देखते हैं। मैत्री का फायदा बहुत होता है।

मस्तिष्क पैना, शोधपरक और आलोचनात्मक, लेकिन पहली बार संपर्क में आने वाले को कुछ सदेह, क्योंकि लोग दया और सहानुभूति से ही आपको प्रभावित कर सकते हैं। नीतिकुशल होंगे, दूसरों के मन के भेद निकाल लेने में कुशल और व्यावहारिक उद्देश्य से उनके उपयोग की क्षमता। साहित्य में रुचि रखने वाले और पढ़ाकू। विज्ञान, रसायन और नई खोजों में भी दिलचस्पी, पारलौकिक विद्याओं की ओर भी रुचि, उर्वर, कल्पनाशील परिचायक, यदाकदा निराशा के कारण भारी हानि उठाने के कारण मानसिक आघात की संभावना। रुपए-पैसे के मामले में सावधान और कंजूस। पैसा लगाने के बारे में व्यावहारिक विचार लेकिन अनेक सुअवसर हाथ

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

से निकल जायेंगे। पैसा बहुत आएगा, पर रुकेगा नहीं।

तनाव बराबर बना रहेगा। हर बात की गहराई से आशा-निराशा के भावों से पीड़ित । कभी निराशा के दौरे, पाचन अंगों पर कुप्रभाव। रक्त में अम्लता से जोड़ों, हड्डियों, विशेषकर घुटनों में दर्द की संभावना।

महत्वपूर्ण अंक 'पांच' है, किन्तु 'चार' और 'आठ' को छोड़ अन्य सभी अंक भी समान रूप से सौभाग्शाली। योजनाएं 'पांच' मूलांक वाली तिथियों को सफल होने की संभावना।

जीवन के महत्वपूर्ण वर्ष : 5, 14, 23, 32, 41, 50, 59, 77 के अतिरिक्त 8, 17, 26, 35, 44, 53, 62 और 71 भी।

5, 14 और 23 तारीख को जन्मे व्यक्तियों के प्रति गहरा लगाव 18, 17, 26 तारीख को जन्मे लोगों से भी जीवन प्रभावित किन्तु सौभाग्यशाली नहीं।

हल्के रंगों का उपयोग शुभ और लाभदायक है।

रत्न : हीरा और सभी चमकीले नग।

6, 15, 24 मूलांक 6

इस अंक के कारक ग्रह शुक्र और शनि हैं। शुक्र का प्रभाव मकर राशि के लक्षणों को अधिक अनुकूल बनाएगा। इसका प्रभाव अधिक पड़ेगा।

प्रेम और विवाह की जीवन में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका रहती है। विपरीत लिंगी व्यक्ति का प्रभाव आपके जीवन और वृत्ति के लिए अति घटनापूर्ण रहेगा। प्रभावों में खोने, इसके लिए दृढ़ इच्छाशक्ति और व्यक्तित्व के विकास का प्रयास आवश्यक है। आकर्षक व्यक्तित्व से अनेक कार्य बन जाते हैं।

संगीत, कला, साहित्य, रंगमंच में अधिक सफलता की संभावना है। सम्पर्कों के कारण भी यह क्षेत्र बढ़ सकता है। जीवन के प्रारंभ में घरेलू परिस्थितियों या सम्बन्धियों के दबाव से या शरीर के किसी भीतरी अंग के रोग के कारण हानि संभव है। इस अंक के व्यक्ति अपने कार्य में सफल होते हैं।

15 या 24 जनवरी को जन्मे व्यक्ति 6 जनवरी को जन्मे व्यक्तियों से अधिक भाग्यशाली होते हैं। प्रारंभिक वर्षों में समान कठिनाइयां होती हैं, पर आसानी से उन पर काबू पाकर जिस काम को पूरा करने का संकल्प करते हैं, उसी में यश और प्रतिष्ठा प्राप्त कर सकते हैं।

6 तारीख को जन्मे व्यक्ति अनेक अवसर मिलने पर भी पैसा इकट्ठा नहीं कर सकते हैं। 15 या 24 जनवरी को जन्मे धीरे-धीरे अपनी आर्थिक स्थिति मजबूत

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

कर लेते हैं तथा भविष्य के लिए अच्छा पैसा जमाकर धनी बन सकते हैं।

इन व्यक्तियों का औसत से अच्छा स्वास्थ्य होता है। आग, वाहन दुर्घटना आदि से खतरा रहेगा।

इनका महत्वपूर्ण अंक 'छः' है। महत्वपूर्ण काम छः मूलांक वाली तिथियों को ही करने से सफलता की संभावना है। 'चार' या 'आठ' मूलांक वाली तिथियों में बहुत सावधानी से काम करना चाहिये।

सबसे घटनापूर्ण वर्ष छः मूलांक वाले ही होते हैं। इसी मूलांक वाली तिथियों के जन्मे व्यक्तियों के प्रति गहरा लगाव होता है। 'चार' और 'आठ' मूलांकों वाली तिथियों को जन्मे व्यक्ति भी जीवन में आते हैं, लेकिन उनसे परेशानी ही होगी।

रंग हल्के-से-हल्के नीले, गहरे-से-गहरे नीले। रत्न : फीरोजा और सभी नीले नग।

7, 16, 25, मूलांक 7

इस मूलांक के कारक ग्रह, चन्द्र शनि और नेप्यचून हैं। यह योग इस राशि के लक्षणों में और वृद्धि करता है। कोई काम अपनाएं, भाक्तिभाव और धर्म के प्रति आस्था दृढ़ रहती है। कट्टर रूढ़िवादी स्वभाव होता है। पूजा उपासना में विशेष मन लगता है।

मन रूमानी, आदर्शवादी, कल्पनाशील, निजी विचारों की दुनिया में रहता है। यात्रा के लिए तीव्र इच्छा रहती है। व्यावहारिक जीवन काल में अनेक बार अपना निवास-स्थान बदलना पड़ता है। जन्म स्थान से दूर दुनिया के किसी दूसरे भाग में, जहां आपका वास्ता अपने देश से भिन्न दूसरे देशों के नागरिकों के साथ हो, अच्छी सफलता प्राप्त करते हैं। परिस्थितियों या भाग्य के ऊपर अधिकार या जिम्मेदारी के पदों पर पहुंचा देता है, पर घरेलू मामलों में या सम्बन्धियों द्वारा पैदा किए गए दुःखों और निराशाओं से जीवन में संकटों का सामना करना पड़ता है। फिर भी यश लोकप्रियता मिलती रहती है। विवाह सुखमय होता है, पर गहरी परेशानियों से गुजरना पड़ता है। खर्च आमदनी से ज्यादा बराबर बना रहता है। आर्थिक परेशानियों में बहुत मानसिक क्लेश उठाना पड़ता है।

प्रारंभिक वर्षों में स्वास्थ्य कुछ नरम रहता है। गले, फेफड़ों और दिल के रोग अधिक होते हैं। फिर भी यह गंभीर नहीं होंगे।

महत्वपूर्ण अंक 'सात' और 'दो' हैं। महत्वपूर्ण काम इन्हीं मूलांकों वाली तिथियों को करने का प्रयास करें। 'चार' या 'आठ' मूलांकों वाली तिथियों को जन्मे

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

व्यक्ति कठिनाइयों, अप्रिय प्रसंगों को उत्पन्न कर सकते हैं।

सबसे घटनापूर्ण वर्ष 'सात' और 'दो' मूलांकों वाले ही रहेंगे। इन्हीं मूलांकों वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति गहरा लगाव भी होता है। इनसे बड़ा धोखा भी उठाना पड़ता है।

रंग सिलेटी और हरे। रत्न हरित मणि(जेड) चन्द्रकांत मणि और मोती।

8, 17, 26 मूलांक 8

इन तिथियों को जन्मे व्यक्ति 'दोहरे शनि' के प्रभाव में माने जाते हैं। शनि का शक्तिशाली प्रभाव राशि के प्रभाव को दुगना कर देता है। दुनिया भर का भार और दर्द यह अपना ही मानते हैं। भारी कठिनाइयों और विरोध का सामना करना पड़ता है। दूसरों से बहुत थोड़ी सहायता मिलती है। सफलता के लिए स्वयं पर ही निर्भर रहना पड़ता है। अपना कार्य पूरा करने के लिए भारी धैर्य, लगन और संकल्प देना पड़ता है। महत्वाकांक्षा प्रबल होती है। कैसा भी विरोध विचलित नहीं कर पाता है। अपना काम करते रहते हैं।

कभी-कभी निराशा का गंभीर दौरा होता है। पारिवारिक बंधन या प्रियजनों की मृत्यु से परेशानी, दु:ख का सामना करना पड़ता है। देर से विवाह शुभ होता है। फिर भी कुछ परेशानी रहती है।

श्रमसाध्यों साधनों, कठोर दिमागी परिश्रम से ही पैसा जमा कर पाते हैं। खानों की खुदाई, भूमि के विकास, कोयला, सीसा जैसे खनिजों के कंकरीट के काम में या बड़ी-बड़ी इमारतों के निर्माण में भारी लाभ कमा सकते हैं।

स्वभाव प्रकृतिक: गंभीर होता है। आप गहन चिंतक होंगे। दूसरों के लिए योजनाएं प्रस्तुत करने में कुशल और वाद-विवाद में यश मिलता है। फैसला करने में विशेष दक्ष होते हैं। महत्वाकांक्षी होते हैं। झूठी शान या सत्ता के प्रेम से नहीं, बल्कि ठोस उद्देश्य से दूसरों की सहायता करते हैं बशर्ते कि उसे आप उचित मानने लगें।

छोटे व्यक्तियों के साथ अजीब मानसिक और नैतिक लगाव होता है जिनसे खुली आलोचना होती है और विरोध भी। दूसरों के दोषों की ओर से आंखें बंद नहीं करते, फिर भी उनके गलत कामों को सही ठहराने के लिए कोई न कोई बहाना खोज लेते हैं या उनकी जिम्मेदारी अपने कंधों पर उठा लेते हैं।

इनका हर जगह अपना एक अलग व्यक्तित्व होता है। कभी-कभी निराशा की गहरी भावना से ग्रस्त हो जाते हैं। ऐसे लोगों का भेद पाना कठिन होता है। इस

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

मूलांक के व्यक्ति अपने साथ भीतरी रहस्य छिपाकर रखते हैं।

वृद्धावस्था में अधिक कठिनाई उठानी पड़ती है। प्राय: दूसरे की दया पर जिन्दा रहना पड़ता है। ऐसे लोग अपने जीवन में कुछ बचत नहीं कर पाते हैं। पश्चाताप भरा जीवन व्यतीत करना पड़ता है।

प्राय: आकस्मिक और अप्रत्याशित बीमारियां संभव रहती हैं। अंदरूनी अंगों में रुकावट से आपरेशन भी हो सकता है। फिर भी स्वास्थ्य लम्बे समय तक अच्छा रहेगा। बीमारी के प्रति प्राय: लापरवाही भी बरती जाती है। गिरने से या दुर्घटना से पैरों में चोट, एड़ियों में लचक, मोड़ तथा रीढ़ में चोट लगने की संभावना भी रहती है।

इस मूलांक के महत्वपूर्ण अंक 'चार' और 'आठ' हैं। इन मूलांकों वाली तिथियां जीवन में महत्त्वपूर्ण भूमिका अदा करती हैं। इन्हीं तिथियों में जन्मे व्यक्तियों के प्रति आपका गहरा लगाव होता है। घटनापूर्ण वर्ष भी 'चार' और 'आठ' मूलांकों वाले ही होते हैं। रंग : गहरा जामुनी, काला, नीला सिलेटी। रत्न : काला मोती, काला हीरा, नीलम।

9, 18, 27 मूलांक 9

इसके कारक ग्रह मंगल और शनि हैं। मंगल जीवन को बहुत घटनापूर्ण, अस्थिर और कुछ भाग्यवादी बनाएगा। सभी मामलों में ऐसी परिस्थितियों का साथ रहेगा, जिन पर नियंत्रण बहुत कम या बिल्कुल नहीं होता है। जो भी काम हाथ में लेंगे, उसमें आगे बढ़ने का रास्ता बना लेंगे लेकिन भाग्य के उतार-चढ़ाव संभव हैं। कभी ऐसा लगेगा, जैसे हर बात अनुकूल जा रही है, फिर ऐसा लगेगा कि सब कुछ उलट गया है। प्रारंभिक जीवन बहुत कठोर और कठिन होता है। लगभग तैंतीस से पैंतीस वर्ष तक के लिए ऐसे संकेत होते हैं, इस उम्र से जीवन में स्थायित्व आता है। अति महत्वाकांक्षी होते हैं, तब तक संतोष नहीं मिलता जब तक अपने सहयोगियों से अलग और ऊंचा कोई पद प्राप्त न कर लें। साहस और आत्म-विश्वास काफी रहता है जो जीवन-संग्राम में बल प्रदान करता है।

दुस्साहस और जिज्ञासा के कारण तरह-तरह के संकटों का सामना करना पड़ता है। अनेक दुर्घटनाओं की भी संभावना रहती है और असामान्य परिस्थितियों में जीवन पर जोखिम आ जाता है।

औसत व्यक्ति से अधिक काम और संगठन की क्षमता होती है, पर काम के लिए व्यापाक क्षेत्र मिले तब। किसी प्रकार का प्रशासर्न या अर्धसरकारी काम अथवा

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

उद्योग-उद्यम में जिम्मेदारी का ऊंचा पद अनुकूल रहता है।

परिश्रमी होने से किसी भी काम को बढ़ा लेते हैं, लेकिन स्वभाव में दांव लगाने की भावना होने से प्राय: भारी हानि उठानी पड़ सकती है।

विवाह से लाभ होने की आशा रहती हो किन्तु आगे चलकर इस सम्बन्ध में कुछ विचित्र अनुभव होने की संभावना भी रहती है।

शीघ्र क्रोध आ जाता है। हठी और जिद्दी स्वभाव भी होता है। अनजाने में अनेक शत्रु बन जाते हैं। बुढ़ापे में बदनामी की संभावना है।

जिनका 18 या 27 जनवरी का जन्म है, वह 35 से 60 वर्ष की आयु तक भटकन का अनुभव करते हैं। हाथ में बड़ी रकम रहेगी या उनसे खर्च होगी। बुद्धिमानी से काम न लेने पर संकट की संभावना है।

स्वास्थ्य प्राय: अच्छा रहता है। हां, यदा-कदा दिल का दौरा पड़ सकता है और कुछ दुर्घटनाओं की संभावना रहती है। हां, वृद्धावस्था में कोई घातक बीमारी हो सकती है। स्वास्थ्य के प्रति लापरवाही ही इस मूलांक वाले व्यक्ति का एक गुण रहता है। जल दुर्घटना का प्रबल योग रहता है। अतएव स्नान या तैरते समय सावधानी से काम लें।

जिनका महत्वपूर्ण अंक 'नौ' है। वह 9, 18 या 27 तारीख को योजनाएं या महत्वपूर्ण काम बना सकते हैं। अंक 'आठ' और 'चार' तथा इन तिथियों को जन्मे व्यक्ति भी जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करते हैं। निजी तौर पर 'चार-आठ' अंक वालों से सावधान रहें। सबसे घटनापूर्ण वर्ष भी नौ मूलांक वाले हैं। 'तीन' 'छ:' और 'नौ' मूलांकों वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति गहरा लगाव रहता है।

रंग : गुलाबी या लाल। रत्न : लाल, तामड़ा (गार्नेट), पितौनिया या रक्तमणि (ब्लडस्टोन) है।

फरवरी

फरवरी 1, 10, 19, 28 मूलांक 1

मूलांक 1 के सूर्य, यूरेनस और शनि कारक ग्रह हैं। प्राय: पूरा फरवरी मास शनि (सौम्य) के प्रभाव में रहता है, अत: जनवरी की इन्हीं तिथियों को जन्मे व्यक्तियों की तुलना में जिन पर शनि का प्रभाव है, उन पर भाग्य का दबाव कम रहता है। ऐसे जातक अपनी योजनाओं और महत्वाकांक्षाओं की पूर्ति में अधिक स्वतंत्र होते हैं।

प्रारंभिक वर्ष घटनापूर्ण और हलचल भरे रहते हैं। परिवार में अप्रत्याशित

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

परिवर्तन होते हैं। परिजनों द्वारा सोची गई योजनाओं के पूरी होने की संभावना नहीं होती है। बहुत कम आयु में परिवार का भार सिर पर आ जाता है।

ऐसे जातक प्रतिभा के धनी और लौकिक विचारों से पूर्ण होते हैं। महत्त्वाकांक्षा, दृढ़ इच्छाशक्ति और संकल्पी होते हैं। सफलता पाने के लिए नाना प्रकार के कार्य करते हैं।

जीवन के प्रारंभिक भाग में कार्य कई बार बदलते हैं। इसके बावजूद ईर्ष्या और जालसाजी का सामना करना पड़ता है।

दूसरे लोगों का साथ सौभाग्यशाली नहीं होता। साझेदारों या सहयोगियों के साथ व्यवहार अधिक दिन नहीं चलता। योजनाओं पर अकेले काम करना बेहतर होता है। दूसरे लोग आसनी से धोखा भी दे सकते हैं।

ऐसे जातक ऊंचे लक्ष्य सामने रखते हैं और उच्च पद की आशा करते हैं।

इन तिथियों से जन्मे वकील, डाक्टर, कलाकार, अभिनेता आदि का व्यवसाय करने वाले के लिए फरवरी का मास धन की संचय की दृष्टि से अधिक अच्छा नहीं होता है। बड़े उद्योगों, ठोस व्यवसाय में लगे व्यक्तियों के लिए यह उत्तम है।

28 फरवरी को जन्म लेने पर कुम्भ राशि का प्रभाव खत्म हो चुकता है और मीन राशि का प्रभाव आरम्भ हो जाता है। अत: अंकुश कम हो जाते हैं और जातक जो भी वृति अपनाएंगे, उसी में पर्याप्त सफलता की आशा कर सकते हैं।

1, 10, 19 फरवरी को जन्म लेने पर मानसिक शक्ति प्रबल होती है। 28 फरवरी को जन्मे व्यक्ति के समान शारीरिक शक्ति नहीं होती। पाचन क्रिया बहुत जल्दी गड़बड़ाने लगती है। फिर भी बीमार होने पर बहुत शीघ्र स्वस्थ हो जाया करते हैं।

इसके सबसे महत्वपूर्ण अंक 'एक' (सूर्य) और 'चार' (यूरेनस) हैं। अपने सभी महत्वपूर्ण काम इन्हीं तिथियों को करने पर सफलता मिलती है। जीवन की महत्वपूर्ण घटना इन्हीं मूलांकों में होगी।

सूर्य और यूरेनस के रंग लाभदायक होते हैं। सुनहरा, पीला, नारंगी, भूरा, सिलेटी भी उत्तम है।

रत्न : हीरा, नीलम, अम्बर और पुखराज हैं।

यदि जातक 19 या 28 फरवरी को जन्मे हैं, तो आगामी राशि मीन के संधिकाल में रहते हैं। स्वामी गुरु है। कारक ग्रह सूर्य, यूरेनस तथा गुरु हैं और महत्वपूर्ण अंक हैं 'एक' 'चार' तथा 'तीन'। सौभाग्यवर्द्धक रंगों में बैंगनी जामुनी,

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

फालसई और रत्नों में कटैला भी उचित है।

सबसे अधिक बदलाव स्वास्थ्य में ही आएगा। 19 या 28 फरवरी को जन्म लेने पर जातक के पास आश्चर्यजनक जीवनी शक्ति होगी। जिगर की बीमारियों, रक्तदोष तथा शीघ्र सर्दी जुकाम पकड़ने की संभावना रहेगी। फेफड़ों में पानी भरने और कमजोरी का भी प्राय: खतरा रहता है।

'एक', 'चार', या 'तीन' मूलांक वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति गहरा लगाव होता है।

2, 11, 20, 29 मूलांक 2

इस मूलांक के कारक ग्रह हैं चन्द्रमा और नेप्यचून । शनि की सौम्य राशि में जन्म होने पर शनि का अधिक अनुकूल प्रभाव रहता है और जातक अपनी योजनाओं तथा महत्वाकांक्षाओं को पूरी करने में अधिक सक्षम होता है, पर जातक रूमानी तथा आदर्शवादी होंगे। अनेक असामान्य प्रेम-प्रसंग होंगे। प्रबल महत्वाकांक्षा रहती है। पदोन्नति के अनेक अवसर भी मिलते हैं, पर हाथ से निकलते जाते हैं।

बहुमुखी प्रतिभा होती है। नई खोजों में, विशेषकर जिनसे लाभ पहुंचता हो, अच्छी सफलता प्राप्त करते हैं। कला, साहित्य, नाटक संगीत से अपनी अभिव्यक्ति करने की प्रबल भावना होती है। इसमें सफल भी होते हैं। भावुकता का प्रवाह नियन्त्रण में रखकर अधिक सफलता प्राप्त हो सकती है। ऐसे जातक योग्यता से जीवन के अंतिम वर्षों में धनी होते हैं। वैसे धन या सम्पत्ति विरासत में भी मिल सकती है। फिर अनेक महत्वपूर्ण उपहार और सम्मान प्राप्त होने की सम्भावना रहती है।

यदि 2, 11, या 20 फरवरी का जन्म है, तो जीवन के प्रारंभ में, धन के मामले में अनेक कठिनाइयां और बाधाएं होती हैं। अंत में प्रतिभा के कारण सफलता मिलती है, किसी व्यवसाय में होने पर पैसा हाथों में रुकता है, पर बुढ़ापे के लिए पर्याप्त भी नहीं होता। 'लीप' के वर्ष में 29 फरवरी का जन्म होने पर मीन राशि का प्रभाव आ जाता है। तब प्रारंभिक वर्षों में कम बाधाएं आएंगी। भाग्य अधिक प्रबल रहेगा। जातक धनी परिवार का है, तो जीवन के प्रारंभ में मानसिक सुख नहीं मिलता है।

आयु सही होती है। स्वास्थ्य अच्छा रहता है। यदाकदा ही बीमार पड़ते हैं। मानसिक क्लेशों के कारण शारीरिक थकावट का प्राय: अनुभव होता है। पारिवारिक सुख भी भाग-दौड़ के कारण नहीं मिलता है।

20 या 29 फरवरी को जन्मे व्यक्तियों के लिए सबसे महत्वपूर्ण अंक 'दो'

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

'सात' और 'तीन' हैं। सबसे महत्वपूर्ण घटना भी इन्हीं मूलांकों वाले वर्ष घटेगी। 'दो' और 'सात' मूलांकों वाली तिथियों को पैदा हुए व्यक्तियों के प्रति स्नेह रहता है, पर त्याग, लगाव, मानसिक क्लेश का कारण बनता है।

3, 12, 21 मूलांक 3

इस अंक के कारक ग्रह हैं गुरु और शनि। 3 तथा 12 फरवरी को जन्मे व्यक्तियों की राशि का स्वामी शनि है, इसलिए गुण अपना प्रभाव दिखलाया करते हैं। दृढ़ इच्छाशक्ति, संगठन प्रतिभा, संकल्प विशेषकर सार्वजनिक मामलों, सरकारी विभागों या राजनीति में होता है। कुंभ राशि में पैदा गुरु जातक के लिए सौम्य, शनि का गंभीरकारी प्रभाव सर्वोत्तम होता है। 12 फरवरी को जन्मे जातक विशेष रूप से गंभीर रहते हैं।

21 फरवरी में जो पैदा हुए हैं, वह राशि मीन की संधि होती है। तब उसके स्वामी गुरु का प्रभाव महसूस होता है। इस कारण अधिक भौतिक सुख भोगेंगे। महत्वाकांक्षाओं की पूर्ति की पूरी संभावना रहती है। अपने लक्ष्य में सफलता प्राप्त कर सकते हैं।

परिश्रम करने पर कोई वृत्ति ऐसी नहीं, जिसमें सफलता न मिले। गुरु सौम्य होने से महत्वाकांक्षा भौतिक से अधिक मानसिक होगी। बड़े उद्यमों का संचालन करते हैं, तो सार्वजनिक मान्यता जातक को न मिलकर दूसरों को मिलती है। वैसे 21 फरवरी को जन्मे व्यक्ति पूरी सफलता से अपने कार्यों में धन प्राप्त करते हैं।

12 या 21 फरवरी को जन्मे व्यक्ति अधिक भाग्यशाली होते हैं। वैसे कभी-कभी बुद्धिमत्ता के बावजूद धन-हानि का सामना करना पड़ सकता है।

इस मूलांक के जातक को अधिक परिश्रम से स्नायविक थकान और जिगर में बीमारी, सूजन, पांव का दर्द, रक्त शिराओं और धमनियों का कड़ा पड़ना और उच्च रक्तचाप जैसे रोगों का खतरा हो सकता है। उससे सावधानी बरतना आवश्यक है।

सबसे महत्वपूर्ण अंक हैं 'तीन' और 'आठ'। अंक 'चार' का भी प्रभाव पड़ता है। सबसे घटनापूर्ण वर्ष 'तीन' के मूलांक हैं। इसी मूलांक वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति गहरा लगाव होता है और ऐसे व्यक्तियों का जीवन पर प्रभाव पड़ता है।

रंग : बैंगनी, जामुनी, हल्का फालसई। भाग्य रत्न : कटैला (अमैथिस्ट) और जामुनी रंग के नग।

4, 13, 22 मूलांक 4

इस अंक के कारक ग्रह यूरेनस, सूर्य शनि हैं। इस ग्रह का बाधक प्रभाव कम

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

है, इस कारण अधिक उपलब्धियां मिलनी चाहिये।

'चार' और 'आठ' अंकों के प्रयोग से यथासम्भव बचते रहें और इन मूलांकों वाली तिथियों के लिए कोई योजना न बनाएं और न महत्त्वपूर्ण सम्पर्क करें। सर्वोत्तम तिथियां 'एक' वाली रहती हैं।

विचारों में मौलिक और व्यवहार में लीक से हटकर चलने वाले होते हैं। सदा नए विचारों की ओर झुकाव रहता है। नए दर्शन या नए धैर्य, नए तरीके और विचार तथा कार्य की स्वतन्त्रता बहुत अधिक आकर्षित करती है। साथी-संगी अजीब, विचित्र तथा अपनी किस्म का कह कहते हैं, पर सामान्य सम्पर्क में आने वाले व्यक्तियों के विचारों से आसानी से मेल नहीं खा सकते हैं।

शनि का प्रभाव इस प्रवृत्ति को बढ़ाता है, जो सौम्य होने के बावजूद प्रकृति के वैचारिक पक्ष को अधिक प्रभावित करता है। शनि के तथाकथित भाग्यवादी प्रभाव से काफी हद तक बच सकते हैं। खिन्नता और दार्शनिकता का पुट रहता है। यूरेनस अपनी विशेषताओं के साथ मिलकर संवेदनशीलता को बढ़ाता है।

22 फरवरी तक इन तिथियों को जन्मे जातक दरअसल 'चार' तथा मूलाकों वाली तिथियों को जन्मे जातक काफी सूझबूझ और सहानुभूति से पेश आते हैं। संवदेनशील बहुत होते हैं कि हर बात को गहराई से महसूस करते हैं। छिपाने और प्रकट न करने की प्रवृत्ति के कारण अपनी बात को ठीक से समझ नहीं पाते और उन्हें गलत समझ लिया जाता है। उन पर अनर्गल आरोप लगते हैं। झूठमूठ बदनामी बहुत होती है। बाद में वह मुक्त हो जाते हैं।

22 फरवरी को जन्मे व्यक्ति अधिक भाग्यशाली होते हैं, क्योंकि उन पर गुरु के स्वामित्ववाली मीन राशि का प्रभाव पड़ता है।

4, 13 तथा 22 फरवरी को जन्मे व्यक्तियों के लिए केवल सूर्य का मूलांक 'एक' लाभदायक है।

4 और 13 फरवरी को जन्मे व्यक्तियों के लिए सौभाग्यवर्द्धक रत्न और रंग वे ही हैं जो जनवरी में इन तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के लिए हैं।

मीन राशि की संधि में होने से 22 फरवरी गुरु के अधिकार क्षेत्र में अधिक है। शनि का प्रभाव समाप्त होता है किन्तु इस राशि में गुरु भौतिक की अपेक्षा वैचारिक पक्ष से अधिक सम्बन्धित है। फलस्वरूप इस तिथि को जन्मे व्यक्तियों में अंक 'चार' के यूरेनस से जुड़े हुए गुरु के उदात्त मानसिक गुणों का विकास पाते हैं। यूरेनस विचारों की स्वतंत्रता, राजतंत्र या सरकार के प्रचलित रूप से विद्रोह, परम्परा

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

से विरोध को विजयी बनाता है। वह अपनी लड़ाई में नए विचारों का उपयोग करता है और यूरेनस के गुणों का लाभ उठाता है।

युद्ध की हिंसा से घृणा कर सकता है। लड़ाई समाप्त होने पर वह शत्रु से उदारता के साथ पेश आता है। गुरु के गुण के कारण उसका व्यवहार अन्यथा हो ही नहीं सकता।

यूरेनस ने 'नए को'—एक नई स्थिति को जन्म दिया है, किन्तु यूरेनस, सूर्य तथा गुरु के योग से जो भी होगा, उसका श्रीगणेश असामान्य और लीक से हटकर ही होगा।

22 फरवरी को जन्मे व्यक्तियों को आमतौर से अपने विचारों या योजनाओं में काफी विरोध का सामना करना पड़ता है। वे अपनी ही दुनिया में रहते हैं। इसलिए इनको बहुधा गलत समझा जा सकता है। वे प्रदर्शन नहीं करते और शब्दों में अपने को अभिव्यक्त करने के लिए तैयार नहीं होते। वक्ता से अधिक वे संगठनकर्ता होते हैं। परम्पराओं या दूसरों की राय की चिन्ता नहीं करते।

इस मूलांक के जातक को पैसा वैसे उतना आकर्षित नहीं करेगा, जितना एक औसत आदमी को करता है। कुछ अधिक बुद्धिमत्ता और सतर्कता बरत कर कुछ सीमा तक अपनी रक्षा कर सकता है, किन्तु धोखेबाजों से सावधान रहना होगा। धन के मामले हमेशा बने रहेंगे। खींचतान कर ही सारा खर्च चलता रहेगा।

स्वास्थ्य के मामले में सदा 'शरीर पर मन' का सवाल रहेगा। जब तक मन है और काम में लगन है स्वस्थ रहेंगे और रोग नहीं फटकेंगे। लेकिन यदि निराशा के विचार भाग लें तो कभी अपने को स्वस्थ महसूस नहीं करेंगे। कुछ रोग ऐसे लगते हैं जो ठीक न होंगे।

जीवन के घटनापूर्ण वर्ष 'एक' और 'चार' हैं। एक, चार और 'आठ' मूलांकों वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति गहरा लगाव होगा और उनसे धोखा भी नहीं होगा।

रंग : हल्का हरा और नीला। रत्न लहसुनिया और नौलखा।

5, 14, 23 मूलांक 5

इसका कारक ग्रह शनि के साथ बुध है। यह योग शुभ है। इसमें बुध के गुण शनि की विवेकपूर्ण प्रकति से प्रभावित हैं। मानसिक विकास के लिए यह उत्तम माना गया है।

23 फरवरी गुरु के स्वामित्व वाली मीन राशि की संधि होती है। यदि इस दिन

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

पैदा हुए हैं, तो स्वभाव बहुत दबंग और स्वतंत्र होगा। दुनिया की बिल्कुल चिन्ता नहीं होगी।

इस मूलांक के लोगों में अद्भुत नजर होती है। उत्तेजना में आने वाले लोगों को आसानी से शांत कर सकते हैं और उन्हें उचित बात के लिए बाध्य कर देते हैं। जो कुछ पढ़ते या सुनते हैं, शीघ्र याद हो जाता है। अवसर आने पर लोगों के लाभ के लिए काम में लेते हैं। उन्हें विज्ञान और प्रमाणों से प्रेम होता है। सिद्धातों के प्रति शक्की होते हैं। फिर भी मन से उनमें दर्शन के प्रति झुकाव होता है। वह सम्पति के पीछे नहीं भागते, लेकिन साथ ही महत्वाकांक्षी होते हैं। इस अंक के जातक आत्मसंतुष्ट होने पर भी प्रोत्साहन की गहरी कद्र करते हैं। प्रायः प्रशंसा या कृपा के कुछ शब्दों के बदले कुछ कर सकते हैं। महत्वाकांक्षा पूरी न होने पर वह उदास हो जाते हैं।

ऐसे जातक आर्थिक मामलों में होशियार होते हैं, पर स्वयं उन पर अमल नहीं करते। अक्सर धन कमा लेते हैं, लेकिन बहुत कम उसे रोक पाते हैं या बचा पाते हैं। कार्य पर खर्च बहुत करते हैं। दिखावे के कारण अपना धन नष्ट करते रहते हैं। इस अंक के जातक धन का कोई महत्व नहीं रखते हैं। एक तरह से शाहखर्च होते हैं।

आमतौर से स्वास्थ्य अच्छा रहता है, लेकिन कभी-कभी जिगर, तिल्ली, गुर्दा और पित्ताशय की शिकायत हो जाएगी। धनी परिवारों में जन्मे जातक शराब, मादक द्रव्यों से अपना स्वास्थ्य बिगाड़ सकते हैं। ऐसे जातक उद्देश्यहीन, चंचलता और अत्यन्त चिड़चिड़ेपन के कारण पहचाना जाते हैं। अवस्था के साथ बीमारियां बढ़ती जाती हैं।

इसका सबसे अच्छा अंक 'पांच' है। इसी मूलांक के वर्ष जीवन में सबसे घटनापूर्ण रहते हैं। इसी मूलांक वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति गहरा लगाव भी होता है। हल्के रंग, विशेषकर सफेद या चमकीले और हरे तथा सफेद चमकीले रत्न शुभ होते हैं।

6, 15, 24 मूलांक 6

6 और 15 फरवरी को जन्मे व्यक्तियों के लिए शुक्र और शनि कारक ग्रह हैं। 24 फरवरी को जन्मे व्यक्ति मीन राशि की संधि में आते हैं। शुक्र तथा गुरु का भी प्रभाव होता है। 6 और 15 के लिए शुक्र के गुणों पर शनि की छाया रहती है। इन व्यक्तियों के लिए प्यार ही सब कुछ है, फिर भी वह असफल रहते हैं। अति

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

समर्पण-भावना से वे अपने प्रेम में सर्वस्व निछावर कर देते हैं। भले ही धोखा खाना पड़े प्रेम में, मनचाहा संतोष नहीं मिलता है। प्राय: अपने से निम्न सामाजिक स्तर वाले के साथ प्रेम-विवाह होता है। अपने इस लगाव के कारण उन्हें बदनामी भी उठानी पड़ती है।

फरवरी की इन तिथियों को जन्मे व्यक्तियों में प्रेम और आत्मत्याग के आश्चर्यजनक उदाहरण हैं, सभी मामलों में उनके जीवन में प्रेम की भावना ही बलवती रहती है।

फरवरी में 6 मूलांक वाली सभी तिथियों को जन्मे व्यक्तियों में स्वाभाविक कलात्मकता होती है। किसी भी कार्य में वे यश और नाम कमा सकते हैं।

उन्हें कितना पैसा मिलता है, इसकी चिन्ता नहीं करते। उनमें हर काम को बड़े पैमाने पर करने का झुकाव रहता है। फलस्वरूप यशस्वी व्यक्ति उनकी ओर आकर्षित होते हैं। वैसे जीवन साधारणत: सुखी ही होता है।

यह नाता हर प्रकार के सामाजिक जीवन की ओर आकर्षित होना है। आसानी से मित्र बना लेते हैं। छोटे और अधीनस्थ लोग ऊंचे पद वाले और धनी व्यक्ति आकर्षित होते हैं। सम्मान करते हैं। विपरीत लिंगियों पर आपका काफी प्रभाव रहता है। स्वयं को आदर्शवादी, स्वप्न देखने वाला नायक समझते रहेंगे। फिर भी सफल होंगे, इसमें संदेह नहीं। कभी-कभी यह सोचकर कि कुछ भी कर सकते हैं असंभव काम करने का जोखिम उठाते रहेंगे।

जब तक अत्यधिक दृढ़ इच्छा-शक्ति न हो, भोग-विलास और अपव्यय से प्रेम की स्वाभाविक प्रवृत्ति रहती है। फलस्वरूप ऋणग्रस्त हो जाते हैं। संकट अनेक आते हैं, पर हर बार कोई न कोई हल निकल आता है। दूसरों की सहायता हमेशा मिलती रहती है।

बचपन बीतते ही आप भाग्य को अपने पक्ष में महसूस करते हैं। आर्थिक मामलों में अनेक मूर्खतापूर्ण काम कर सकते हैं और हवाई योजनाओं में भी फंस सकते हैं, फिर भी पैरों पर खड़े हो जायेंगे। सार्वजनिक उद्यमों अथवा जनता के सहयोग वाले कामों से लाभ हो सकता है। योजनाओं के लिए बड़ी संख्या में समर्थक जुटाकर अच्छी सफलता मिल सकती है लेकिन कभी-कभी भारी आर्थिक हानि उठाने का खतरा भी रहता है।

इस जातक का शरीर स्वस्थ रहता है और बीमारी की चिन्ता कम होती है। हवा, पानी बदलने से सर्दी-जुकाम होने का भी खतरा है। निमोनिया, श्वास नली और

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

फेफड़ों की कमजोरी और स्नायविक तनाव की सम्भावना रहती है।

भाग्यशाली अंक छः है। इस मूलांक वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति गहरा लगाव महसूस होता है। जीवन के सबसे घटनापूर्ण वर्ग भी इसी मूलांक वाले होते हैं।

रंग : हल्के से गहरे तक नीला। बैंगनी, फालसई या जामुनी रंग का भी प्रयोग कर सकते हैं। रत्न : पुखराज, हीरा है।

7, 16, 25 मूलांक 7

इस अंक के कारक ग्रह नेप्यचून (7), चंद्र (2), यूरेनस (4) और शनि (8) हैं। जो लोग 7 या 16 फरवरी को पैदा होते हैं, उनका स्वभाव 25 फरवरी को पैदा हुए लोगों से बहुत भिन्न होता है। क्योंकि बाद के लोग गुरु की मीन राशि में पैदा होने से उनके जीवन में शनि का बाधक प्रभाव कम हो जाएगा।

7 या 16 फरवरी को पैदा होने पर जातक का स्वभाव विचित्रता लिए हुए अत्यन्त संवदेनशील होता है। ऐसे जातक किसी लक्ष्य के प्रति आकर्षित होने पर पूरे आग्रह और दृढ़ता से उससे चिपके रहते हैं। वातावरण और दूसरे लोगों के स्वभाव का इन पर भारी असर पड़ता है। इसलिए निवास स्थान और सम्पर्क में आने वाले व्यक्तियों के बारे में अधिक-से-अधिक सावधानी बरतना आवश्यक होता है। उत्तेजना का कारण भी हानिकारक होता है।

जातक में कल्पना, आदर्शवाद और रूमानीपन का असाधारण गुण हो सकता है। पर्याप्त आत्म-विश्वास न होने की प्रवृत्ति रहेगी, जिससे किसी बाहरी पुकार पर ही आप जनता की नजर में आ सकेंगे। यदि पुकार आई, तो अपने कर्तव्य-पालन के लिए कोई त्याग या कठिनाई प्रसन्नता से झेल सकते हैं।

ऐसे जातक कला में ध्यान लगाएंगे, तो एक ही ढर्रे पर चलते रहेंगे। निजी लाभ की अपेक्षा ध्येय से अधिक आकर्षित होते हैं। गुप्त विद्याओं और ज्योतिष में भी रुचि रह सकती है। पीड़ित और दुःखी लोगों के प्रति आपकी असामान्य सहानुभूति रहती है। उनके कल्याण के लिए काम करने वाली संस्थाओं को दान भी दे सकते हैं। असमर्थ और दीन-दुखियों की सदा सहायता करते हैं। हृदय से दयालु होने के कारण भी इन्हें प्रायः हानि उठानी पड़ती है। इसी प्रकार 25 फरवरी को जन्मे व्यक्ति भी अपने जीवन में काफी सफल रहेंगे। जिस किसी काम में लगते हैं, आर्थिक लाभ की चिन्ता किए बिना पूरे मन से काम करते हैं।

फरवरी में पैदा 'सात' अंक वाले सभी व्यक्ति मौलिक, अध्ययनशील और

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

साहित्य या कला में प्राय: यश प्राप्त करने वाले होते हैं। धर्म के बारे में उनके विचित्र विचार बन जाते हैं और किसी परम्परा का पालन नहीं करते हैं।

इस अंक के जातक भौतिक लाभ की चिन्ता नहीं करते हैं। घर के मामले में शायद ही भाग्यशाली हों और सट्टेबाजी में प्राय: हानि उठाते हैं। उदार स्वभाव, परोपकारी भावना के कारण रुपया-पैसा हाथों से शीघ्र खर्च हो जाता है। रुपया टिक नहीं पाता है। अनावश्यक खर्च बराबर ही लगा रहता है।

इस अंक के व्यक्ति बचपन से ही आमतौर पर बहुत नाजुक होते हैं। डाक्टरों के लिए पहेली रहते हैं और उनके परीक्षणों के शिकार बनते हैं। स्वास्थ्य के बारे में इन व्यक्तियों के अनुभव बहुत विचित्र रहते हैं। वे स्वयं तरह-तरह की 'चमत्कारी' औषधियों पर पैसा बर्बाद करते हैं। प्राय: पेट की किसी रहस्यपूर्ण बीमारी से पीड़ित रहते हैं। उनका भोजन भी विचित्र होता है। किसी ऐसे व्यक्ति के साथ रहने से जिससे वे चिढ़ते हों और भी बीमार पड़ जाते हैं। इनका अधिकतर पैसा इलाज पर खर्च होता है। स्वास्थ्य सदा ही चिन्ताजनक बना रहता है। मामूली-सा भी रोग उनके लिए चिन्ता का विषय बन जाता है।

सबसे महत्वपूर्ण अंक 'सात' और 'दो' हैं। सभी महत्वपूर्ण काम इन्हीं मूलांकों वाली तिथियों पर करने से लाभ है। 'चार' व 'आठ' मूलांकों वाली तिथियों से सावधानी बरतें। जीवन के सबसे महत्वपूर्ण वर्ष 'सात' और 'दो' मूल वाले ही होते हैं। इन्हीं मूलांकों और साथ ही 'एक' व 'चार' मूलांकों वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति विशेष लगाव रहता है। पारिवारिक जीवन प्राय: सुखमय रहता है।

रंग : हरा, क्रीम, सफेद और कबूतरी। रत्न : पुखराज, मोती, मूंगा है।

8, 17, 26 मूलांक 8

इसके कारक ग्रह शनि और यूरेनस हैं। 26 फरवरी को जन्म लेने पर इन दोनों के साथ मीन राशि के स्वामी गुरु का भी प्रभाव पड़ने लगता है। जातक का अपना व्यक्तित्व होता है। प्रयास न करने पर भी जीवन में अनेक विचित्र परिस्थितियां और अवसर आते हैं। भाग्य के निराले खेल नजर आते हैं। 26 फरवरी को जन्म लेने पर गुरु के प्रभाव से अधिक भौतिक सफलता की आशा रहती है, अंक 'आठ' के प्रभाव के अधीन जन्मे सभी व्यक्तियों को कभी-न-कभी छिपे शत्रुओं के हमले की और बदनामी तथा तीव्र आलोचना का शिकार बनने की संभावना होती है। सम्पन्नता में जन्मे हों तो भी प्रारम्भिक जीवन कठोर तथा कठिन ही रहता है और उससे भविष्य की सफलता का संकेत मिलता रहता है। प्रेम प्रसंगों और घरेलू जीवन में गंभीर

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

कठिनाइयों और दुःखों का सामना करना पड़ सकता है। इष्ट-मित्रों का विछोह, उनकी मृत्यु या बीमारी का दुर्भाग्य आगे आ सकता है। विवाह का असाधारण अनुभव होता है और बच्चे हुए तो गंभीर चिन्ता का कारण बनते हैं। भौतिक से अधिक मानसिक संतोष मिलता है। पैसा कमा सकते हैं, धनी बन सकते हैं अथवा किसी शक्तिशाली पद पर भी पहुंच सकते हैं, लेकिन बहुत परिश्रम के उपरांत और काफी संकट उठाने के बाद। विशेषकर 26 फरवरी को जन्मे व्यक्ति यदि पक्का इरादा कर लें तो पैसा अवश्य कमा सकते हैं, लेकिन विपरीत कार्रवाइयों अथवा मुकद्दमेबाजी, धोखाधड़ी से उसे गंवा देने की भी संभावना रहती है।

ऐसे जातक ऊपर से अधिक स्वस्थ दिखाई देंगे। बीमारी की पूर्व चेतावनी बहुत कम मिलती है या बिल्कुल नहीं मिल पाती है। अकस्मात् दिल के दौरे से दिमाग में खून का थक्का जमने से मृत्यु हो जाती है।

अंक 'आठ' के लोगों की अपनी विशेषता यह होती है कि वे चाहे जिस मौसम में पैदा हुए हों, उन्हें सारी सफलता मिलती है या सारी विफलता । इस पार या उस पार तक पहुंचने की प्रवृत्ति है। ये या तो जीवन भर अच्छी या बुरी कोई बड़ी भूमिका अदा करते हैं। उनसे असाधारण जीवन व्यतीत करने की ही आशा होती है। भाग्यवश ही या अपनी प्रकृति के कारण, ध्येयपूर्ति के लिए उन्हें पूरी शक्ति जुटानी पड़ती है। जीवन में या जीविका में कोई असामान्य काम करने के लिए सारी पीढ़ियां याद करेंगी, पर आपका घरेलू जीवन या आसपास का वातावरण भले ही अत्यन्त सुखद न हो, पर जहां कहीं होंगे, उनका अपना एक 'व्यक्तित्व' होता है।

ऐसे जातक किसी भी काम में पैसा कमा सकते हैं, लेकिन लोग या परिस्थितियां उसे छीन लेती हैं।

सबसे महत्वपूर्ण अंक 'चार' और 'आठ' हैं। 26 फरवरी को जन्मे लोगों के लिए 'तीन' का अंक भी महत्वपूर्ण भूमिका अदा करेगा। जीवन के सबसे महत्वपूर्ण वर्ष 'चार' और 'आठ' मूलांकों वाले ही होंगे। इन्हीं मूलांकों वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति गहरा लगाव भी होता है।

सबसे भाग्यवर्द्धक रंग हैं : गहरे नीले लाल को छोड़ अन्य गहरे रंग। भाग्यवर्द्धक रत्न है : नीलम, काला मोती और काला हीरा।

9, 18, 27 मूलांक 9

इस अंक के कारक ग्रह मंगल और शनि हैं। 27 फरवरी को जन्म होने पर मंगल (सौम्य) के साथ जो लोग 19 फरवरी की संधि के जितने पास जन्मे होंगे,

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

उनका व्यक्तित्व उतना ही प्रखर होगा। फलस्वरूप 9 फरवरी को जन्मे व्यक्तियों की अपेक्षा 18 फरवरी को जन्मे व्यक्तियों से अधिक आशा की जा सकती है। 27 फरवरी को जन्मे व्यक्तियों के लिए मंगल और गुरु ग्रह का योग शुभ होता है। गुरु मानसिक गुणों को उत्साह तथा महत्वाकांक्षा प्रदान करता है और मंगल हर काम में शक्ति देता है। ऐसे लोग प्रायः यश प्राप्त करते हैं। 18 फरवरी को जन्मे व्यक्तियों में भी बहुत कुछ ऐसा ही गुण होता है। फरवरी में नौ मूलांक की तिथियों को पैदा हुए व्यक्तियों में वैसी ही मानसिक विशेषताएं होंगी, जैसी जनवरी में इन्हीं तिथियों को पैदा हुए व्यक्तियों के लिए होती हैं। उनकी प्रवृत्तियां अधिक मानसिक होती हैं। वह अपने भाग्य के मालिक आप दिखाई देंगे। उनका साथ भाग्य देता रहता है।

विचार और कार्य की स्पष्ट स्वतन्त्रता रहती है। अपने ध्येय के प्रति दृढ़ इच्छाशक्ति रहती है तथा हर काम पर अपने स्पष्ट व्यक्तित्व की छाप छोड़ते हैं।

अच्छी तर्कशक्ति होती है। वाद-विवाद में प्रभावी और दबंग तर्क देते हैं तथा विपक्षी की कमजोरी का तत्काल लाभ उठा लेते हैं। ऐसे जातक बहुत चालाक होते हैं।

मुंहफट और अनाप-शनाप बातों के लिए आलोचना हो सकती है लेकिन अपनी बात मनवाकर रहेंगे तथा व्यक्तित्व के आकर्षण से लोगों को अपने पक्ष में कर लेते हैं।

यह जातक मन से मानवतावादी होते हैं। सदा दूसरों को लाभ पहुंचाने में, समाज-सुधार के काम में भाग लेने के लिए तैयार रहते हैं। इस कारण, अनेक दुश्मन भी बना लेते हैं और काफी विरोध भी उठ खड़ा होता है।

अच्छे संगठनकर्ता, अपने अधीनस्थों के प्रति बहुत उदार होते हैं। जीवन प्रायः सामान्यतः सुखी रहता है।

आर्थिक मामलों में भाग्यशाली रहते हैं। धन के उपयोग का ढंग दूसरों को आश्चर्य में डाल देता है। आमदनी का जरिया बराबर बना रहता है। आर्थिक कष्ट प्रायः नहीं होता है।

स्वास्थ्य में फेफड़ों और दिल का ध्यान रखना आवश्यक है। आमतौर पर स्वास्थ्य ठीक नहीं रहता है।

सबसे महत्वपूर्ण अंक 'नौ' है। नौ मूलांक वाली तिथियां शुभ हैं। सबसे घटनापूर्ण वर्ष इसी मूलांक के हैं। 'आठ' या 'नौ' मूलांक वाली तिथियों को पैदा हुए व्यक्तियों के प्रति आकर्षित होते हैं। 27 फरवरी को जन्मे व्यक्ति 'तीन' और 'नौ'

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

मूलांकों वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति आकर्षित होते हैं।

रंग : लाल । रत्न : लाल, तामड़ा और सभी लाल नग।

27 फरवरी को पैदा होने पर फालसई, बैंगनी और जामुनी रंग है। रत्न : कटला या नीलमणि।

कुल मिलाकर नौ मूलांक वाला व्यक्ति सफल सुखी जीवन व्यतीत करता है। सामान्य जीवन भी प्रायः सुखी रहता है। पत्नी सुन्दर, सुशील मिलती है, पर संतान से दुःख उठाना पड़ता है।

मार्च

मार्च 1, 10, 19, 28 मूलांक 1

इस अंक के कारक ग्रह सूर्य और यूरेनस हैं। ये जीवन को घटनापूर्ण बनाते हैं, मनोविज्ञानी अंतर्दृष्टि वाला होता है। वह चर्चा का विषय बनता है। जीवन प्रबल सम्भावनाओं से संयुक्त होगा। जो काम करेंगे, उसमें परिश्रमी तथा मौलिक, लेकिन अधीरता और जिद्दीपन की प्रवृत्ति रहेगी। जहां तक सम्भव हो, धीरज पैदा करें, अपनी योजनाओं पर सोचकर समझदारी से कार्य करें।

अत्यधिक आशावादी होने की प्रवृत्ति है। विलम्ब या कठिनाइयां आने पर विद्रोह कर उठते हैं, पर धीरे-धीरे अधिकार और आत्मविश्वास की भावना पैदा कर लेते हैं। यही भावना जीवन के प्रारम्भिक वर्षों में नहीं हो सकती है। इस भावना का पैदा होना आपके लिए शुभ रहता है। परिवार वालों के प्रति गहरा प्यार होने पर भी प्रायः उनके साथ मतभेद रहेंगे और उनसे हानि उठानी पड़ सकती है। कुल मिलाकर एक बहुत घटनापूर्ण भविष्य की आशा कर सकते हैं। कहीं रहें, कोई वृत्ति अपनाएं, सफलताएं और प्रमुखता अवश्य प्राप्त करेंगे।

28 मार्च अगली राशि मेष की पहली तारीख 'एक-मूलांक' है। सूर्य इस समय अपनी उच्च राशि में होता है। अतः सफलता की ओर भी अधिक आशा रहेगी। प्रत्येक कार्य सफल होता है।

पारिवारिक जीवन सुख-दुःख मिश्रित रहेगा। धन के मामले में भाग्यशाली रहेंगे। सफलता के असाधारण अवसर मिलेंगे, विशेषकर व्यापार में जिम्मेदारी का पद और बड़े उद्यमों का प्रमुख पद सम्भालते हैं। दूर-दृष्टि काफी होगी। निजी प्रेरणा से काम करने पर और भी लाभ है।

सबसे अधिक कठिनाई दूसरे का पिछलगू बनने में है। जब तक अगुवा रहेंगे,

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

सब कुछ ठीक चलता रहेगा, पर स्वभाव इतना दबंग कि दूसरे के अधीन काम करना कठिन होगा, पर अच्छा धन कमाएंगे, लेकिन जिस वृत्ति को भी अपनाएं, उसमें अनेक परिवर्तनों का क्रम प्रायः चलता रहेगा।

शरीर सुगठित होगा और जीवनी-शक्ति भी होगी, लेकिन स्वाभाविक प्रवृत्ति धन का दुरुपयोगा और अपव्यय करने की रहेगी। सूर्य, गुरु की मानसिक राशि में होने से अपनी महत्वाकांक्षाएं पूरी करने में दिमाग से अत्याधिक काम लेंगे। ग्रह आशावादी हैं। अधिक समय दबाकर नहीं रखा जा सकता है। हां, स्वयं का आलस्य हानिकर होता है।

सबसे महत्वपूर्ण अंक, 1, 4 और 3 हैं। इन्हीं मूलांकों वाली तिथियों पर योजनाएं पूरी करने का प्रयास करें। इन्हीं मूलांकों के वर्ष जीवन में सबसे घटनापूर्ण रहेंगे। 'एक' और 'चार' मूलांक वाली तिथियों पर जन्मे व्यक्तियों के प्रति विशेष लगाव होगा।

रंग, सुनहरा, पीला, कांस्य, भूरा नीला, गहरा नीला, सिलेटी। रत्न : हीरा, पुखराज, अम्बर, नीलम और सुनहरे पीले तथा नीले रंग के नग।

2, 11, 20, 29 मूलांक 2

इसके कारक ग्रह हैं चन्द्र और नेप्यचून। ये ग्रह कल्पनाशील और कलात्मक प्रवृत्तियों को बढ़ाएंगे। अपनी प्रतिभा से अधिकतम लाभ उठाने के लिए अपनी इच्छा शक्ति और संकल्प का विकास आवश्यक है। एक निश्चित लक्ष्य पर ध्यान केन्द्रित कर अन्य सभी बातों को छोड़ दें। ऐसा करने पर सफलता अवश्य मिलेगी। विशेषकर कला के क्षेत्र में निश्चित है। स्वभाव अपने वातावरण के प्रति विशेष संवदेनशील, अतः सौहार्दपूर्ण परिस्थितियों के लिए प्रयास करना चाहिये। अपना छोटा-सा शांतिपूर्ण घर बेहतर होगा, परिवार की भीड़-भाड़ रास नहीं आएगी।

प्राकृतिक सुन्दरता, रंगों के प्रभाव और संगीत की लय के प्रति प्रेम होगा। मन में चंचलता रहेगी, विशेषकर रूमानी ढंग की। संगीत, चित्रकला, सिनेमा या नाटक, लेखन आदि में रुचि। सपने भी असाधारण होंगे।

प्रारम्भिक वर्षों में धन कमाने में कठिनाई का सामना करना पड़ेगा पर अन्तःप्रेरणा से सभी कार्य पूरे होंगे।

29 मार्च को, जो मेष की अगली राशि के अन्तर्गत है, जन्म लेने पर जीवन और भी घटनापूर्ण रहता है। पारिवारिक उथल-पुथल बराबर परेशान करेगी।

आर्थिक स्थिति कुछ-कुछ ढीली रहेगी। अकस्मात् धन आने की सम्भावना

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

रहेगी। लेकिन सोच-समझकर, सावधानी और बुद्धिमत्ता से काम लिए बिना शायद ही रख पाएं। विचार बहुत लम्बे चौड़े, जिनको अमल में लाना आपकी शक्ति से बाहर होगा। जो पूंजी लगाएंगे, उससे सुरक्षा या मानसिक शांति नहीं मिल पाएगी। दिमाग में तनाव बराबर बना रहेगा।

शरीर स्वस्थ रहने पर भी स्वास्थ्य के मामले में समस्याएं पलती रहेंगी, प्रायः हर बीमारी मानसिक होगी। प्रसन्न और संतुष्ट भले-चंगे रहेंगे, पर कलहपूर्ण वातावरण में बीमार हो जाएंगे। शांति और स्नेह का वातावरण मिलने पर स्वास्थ्य ठीक रहेगा। मुख्य प्रवृत्ति कुपोषण, रक्त की दुर्बलता, ठीक से रक्त संचार न होने और रीढ़, कमर तथा गुर्दों की कमजोरी की है। फिर भी मानसिक रूप से स्वस्थ हो सकते हैं।

सबसे महत्वपूर्ण अंक 'दो' 'सात' और 'तीन' हैं। अपनी योजनाएं या कार्यक्रम इन्हीं मूलांकों वाली तिथियों को पूरा करने का प्रयास करें। 29 मार्च को पैदा होने पर 'नौ' का अंक 'तीन' का स्थान ले लेता है। इसका ध्यान रखें।

सबसे घटनापूर्ण वर्ष 'दो' और 'सात' मूलांकों वाले ही होंगे। इन्हीं मूलांकों वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति गहरा लगाव रहेगा।

रंग : सफेद, क्रीम और हल्का हरा, कबूतरी रंग या जामुनी।

रत्न : हरा जेड, मोती, चंद्रकांत मणि, उपल, कटैला। पारिवारिक शांति ही जीवन सफल बना सकती है अन्यथा परेशानियां बनी रहेंगी।

3, 12, 21, 30 मूलांक 3

यह अंक 'दुहरे गुरु' के प्रभाव में रहता है, जो बहुत शक्तिशाली योग है। यह कभी न चुकने वाली मानसिक ऊर्जा और भारी महत्वाकांक्षा प्रदान करता है। लक्ष्य सिद्ध होने तक एक पल को भी चैन से नहीं बैठेंगे और कार्य पूरा करके रहेंगे। दूसरों पर नियंत्रण पाने में सफल होंगे। जो भी वृत्ति अपनाएंगे, उसी में सफलता के पूरे लक्षण होंगे। साझेदारों और सहयोगियों के सम्बन्ध में भाग्यशाली रहेंगे। समान रूप से व्यावहारिक और आदर्शवादी होंगे। दानशीलता और मानवता के महान विचारों से भी ओतप्रोत होंगे पर सोच-समझकर।

एक सफल व्यापारी के रूप में प्रचुर सम्पत्ति प्राप्त करने पर दानी वृत्ति के कारण अच्छे सामाजिक कार्यों में ज्ञान देकर यश प्राप्त करेंगे। ट्रस्ट या सामाजिक संस्थाओं में विशेष रुचि होगी। धर्म या सम्प्रदाय का विचार किए बिना सदा बीमारों की सहायता के लिए तैयार रहेंगे। चाहे जिस जाति के हों, सम्मान पाने की आशा कर सकते हैं। बड़ी-बड़ी कम्पनियों, विशेषकर उद्योग, भूमि-विकास, खान, परिवहन और

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

जहाजरानी में भी काफी कम्पनियों के सम्पर्क से भाग्य चमकेगा, सफलता मिलेगी।

30 मार्च को पैदा हुए हैं, जो मेष राशि में गुरु के प्रभाव में है तो यह सफलता के लिए और भी शुभ माना गया है।

इन तिथियों को पैदा होने पर वस्तुओं तथा व्यक्तियों के प्रति स्वाभाविक अंतर्ज्ञान रहेगा। सभी लेन-देन में उसी के अनुसार काम करने का प्रयास करें। दिखावा पसंद नहीं करेंगे। आप पशुओं तथा मैदानी खेलों के शौकीन होंगे और स्वभाव स्वतंत्र होगा। किसी का नियंत्रण स्वीकार नहीं होगा।

धन कमाने की आकांक्षा होगी लेकिन अपने नाम और प्रतिष्ठा के बारे में बहुत सावधान रहेंगे। ठोस उद्यमों से विशेष लाभ होगा। धनी बनने की पूरी सम्भावना है। सभी कामों में उत्साही भावना होगी और जो भी कार्य अपनाएंगे, उसी में प्रमुखता तथा ऊंचा पद प्राप्त होता रहेगा।

समाज में लोकप्रिय रहेंगे। मान-सम्मान बढ़ता रहेगा। लोग एक आदर्श मानकर सदैव श्रद्धा आदर देते रहेंगे। विदेश यात्रा करने पर प्रचुर लाभ रहेगा।

जब तक सक्रिय रहेंगे, स्वस्थ और ठीक-ठाक रहेंगे। किसी कारण से यदि निष्क्रिय होना पड़ा, तो विलासप्रिय हो जाएंगे, मोटापा चढ़ने की प्रवृत्ति बन जाएगी और जीवन की डोर हाथ से खिसक जाएगी। वैसे स्वास्थ्य बराबर ठीक चलेगा। दबंग स्वभाव के होने के कारण और दूसरों का दृष्टिकोण न समझ पाने के कारण घरेलू या विवाहित जीवन में अधिक सफल होने की आशा नहीं है। संतान से सुख मिलने की पूरी आशा रहेगी।

'तीन' सबसे महत्वपूर्ण अंक है। सभी योजनाएं और कार्यक्रम इसी मूलांक वाली तिथियों को पूरे करने का प्रयास करें। सबसे महत्वपूर्ण वर्ष 'तीन' मूलांक वाले होंगे। 'तीन' 'छ:' 'नौ' मूलांक वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति विशेष लगाव रहेगा।

रंग : बैंगनी, फालसई या जामुनी। रत्न : हैं : कटैला या बैंगनी व जामुनी नग, लाल तामड़ा और लाल नग भी पहन सकते हैं।

4, 13, 22, 31 मूलांक 4

इसके कारक ग्रह यूरेनस, गुरु और सूर्य हैं। यूरेनस का प्रभाव कुछ मानसिक संतुलन गड़बड़ करता रहेगा। इस कारण स्वभाव सनकी, झनकी जैसा रहेगा।

वैसे जीवन के प्रारंभ में काफी दु:ख और विपदाएं आ सकती हैं। सम्बन्धियों, घरवालों और ससुरालवालों के साथ मन-मुटाव होगा। लोग देने के बजाय लेंगे ही,

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

पर अपनी योजनाएं पूरी करने के लिए अपने पर ही निर्भर रहना होगा। किसी का भरोसा नहीं होगा। अपने विचारों में मौलिक और बहुत कुछ गैर-परम्परावादी होंगे। काम में बहुत स्वतंत्रता होगी। गुप्त विद्याओं और मनोविज्ञान के प्रति आकर्षित होंगे। सामान्य अनुभव भी रहेंगे।

साहित्यकला और संगीत में, अथवा पुरातत्व की वस्तुएं, चित्र आदि खरीदने में विशेष उत्साह रहेगा। दूर-दृष्टि और पूर्वाभास रहेंगे। व्यक्तियों और वस्तुओं के बारे में गहन अंतर्ज्ञान होगा। रुपये-पैसे के लेन-देन में पूरी सावधानी का परिचय देंगे। मित्र असाधारण होंगे। बहुत कम व्यक्ति पसन्द होंगे और व्यापार में अन्तर्मुखी रहेंगे।

घटनाओं और मनोविज्ञानी खोज के लिए इच्छुक, किन्तु गुप्त प्रवृत्ति रहेगी। स्वयं ऐसा करने के बजाय दूसरों से कराएंगे। आत्मलीन, संवदेनशील, स्वभाव के कारण अपने निजी अनुभवों को छिपाकर रखेंगे। स्वभाव गंभीर, मितभाषी होगा।

31 मार्च को पैदा होने पर अपने उपायों से अधिक दबंग होंगे लेकिन अधिक विरोधी भी होंगे। क्रोध की मात्रा अधिक होगी। तीक्ष्ण बुद्धि और दूसरों पर अविश्वास, आर्थिक मामलों में रक्षा करेंगे। धन या सम्पत्ति अर्जित करने के बजाय विरासत में मिलने की संभावना अधिक है। ऐसा होने पर उसकी रक्षा का प्रयास करेंगे। साहित्य, संगीतकला अथवा अन्वेषण या वैज्ञानिक खोज में बहुत सफल हो सकते हैं, बशर्ते उस ओर ध्यान जाए। लग्न और परिश्रम की मात्रा अधिक रहेगी।

अपने स्वास्थ्य के मामले में अपने डाक्टर स्वयं बन जाएंगे। भोजन और चर्चा के बारे में अपने नियम बना लेंगे। 'खब्ती' समझे जाने का खतरा है। घर में मनमुटाव और रोष भी पैदा हो सकता है, क्योंकि अपने विचार अन्य व्यक्तियों पर लादने का प्रयास करेंगे।

वैसे अपने को बहुत सबल या हट्टा-कट्टा महसूस नहीं करेंगे, पर ऐसा आयु के साथ आप में निराशावादी प्रवृत्ति बढ़ने और आलोचना को बहुत गंभीरता से लेने के कारण संभव है, पर कुल मिलाकर स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। महत्वपूर्ण अंक 4 और 1 हैं। सभी महत्वपूर्ण काम इन्हीं मूलांकों वाली तिथियों को करने का प्रयास करें। 31 मार्च को पैदा हुए लोगों के लिए 'नौ' 'तीन' का स्थान ले लेगा। इन तिथियों को विचित्र घटनाएं घटने की भी आशा रहती है।

सबसे महत्वपूर्ण वर्ष 'एक' तथा 'चार' मूलांक वाले ही रहेंगे। इन्हीं मूलांकों वाली तिथियों को पैदा हुए लोगों के प्रति गहरा लगाव महसूस करेंगे। 31 मार्च को पैदा हुए जातक 'नौ' मूलांक वाली तिथियों को पैदा हुए लोगों के प्रति भी 'चार'

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

तथा 'आठ' मूलांक वाली तिथियों को पैदा हुए लोगों को अपनी ओर आकर्षित कर सकते हैं।

रंग : गहरा नीला, सिलेटी, सुनहरा, पीला, भूरा, नारंगी, बैंगनी।

रत्न : नीलम, सभी गहरे नीले नग, हीरा, अम्बर, पुखराज और कटैला।

5, 14, 23, मूलांक 5

इसका कारक ग्रह बुध है। गुरु के लाभकारी प्रभाव के साथ मिलकर बुध का प्रभाव इस मास की बुरी प्रवृत्तियों को कम करेगा। बुध उनका बुरा प्रभाव भी रोकता है। इस कारण या तो भारी सफलता मिलेगी या भारी विफलता। वह इस पर निर्भर है कि अपने चरित्र का कितना विकास करते हैं या कमजोर पक्ष को हावी हो जाने देते हैं।

दृढ़ पक्ष का विकास होने पर असाधारण बुद्धि प्राप्त होगी। अपनी रुचि के कामों के लिए अपने क्रो ढाल सकेंगे। आमतौर से वस्तुओं की बहुमुखी समझ होगी, पर बहुत निष्कपट, खोजपरक, हाजिर जवाब और कठिनाइयों से भी लाभ उठा लेने वाले गुण होंगे।

आर्थिक मामलों के प्रति अच्छे विचार होंगे, दांव लगाना आपको बहुत प्रिय होगा और हमेशा जोखिम उठाने के लिए तैयार रहेंगे। लेकिन रुपया-पैसा हाथ में नहीं रहेगा और जीवन में अनेक बार आर्थिक उतार-चढ़ाव आएंगे। आर्थिक दशा बराबर भाग-दौड़ कराएगी।

चरित्र के कमजोर पक्ष को हावी होने दिया तो किसी बात पर देर तक नहीं टिके रहेंगे। हर काम में टांग अड़ाएंगे, पर विशेषता किसी में प्राप्त नहीं होगी अवसर, पद और पैसे सभी को दांव पर रखकर गंवा देंगे। आत्म-रति की प्रवृत्ति होगी और बुद्धि को बर्बाद करते रहेंगे।

सुदृढ़ पक्ष का विकास करें तो व्यक्तियों और वस्तुओं को परखने के गहरे अंतर्ज्ञान का विशाल भंडार अर्जित कर सकेंगे। फिर भी मन कुछ-कुछ चंचल रहेगा। नियंत्रण नहीं किया गया और एकाग्रता पैदा नहीं की तो यह दशा हानिकारक होगी।

इन तिथियों के जन्मे लोग प्राय: अपने आवास बदलते रहते हैं। वे तब एक जगह से बंधना या एक घर में रहना पसंद नहीं करते। हमेशा बदलाव या यात्रा के लिए तैयार रहते हैं और उसके लिए कोई-न-कोई बहाना खोज लेते हैं।

उनका ज्ञान सर्वतोमुखी होता है और वे किसी भी विषय पर अच्छी प्रकार से बोल सकते हैं। पर्याप्त आर्थिक सुदृढ़ता होती है। आर्थिक क्षेत्र में सफल भी होते हैं,

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

बशर्ते अपनी लम्बी-चौड़ी योजनाओं को अपने काबू से बाहर न जाने दें।

जीवन सुखमय होता है, पर शानदार प्रतिभाओं के धनी होते हुए भी मरते समय तक शायद ही रुपए-पैसे वाले रहें। पैसा काटने लगता है और बुढ़ापे के लिए वे बहुत कम बचाकर रखते हैं। आर्थिक दृष्टि से भविष्य के प्रति सावधान नहीं रहते हैं। कल की चिन्ता न करना स्वभाव बन जाता है।

शरीर मानसिक दुर्बलता से पीड़ित रहेगा और विरोध के कारण स्वभाव में चिड़चिड़ापन। इसे काबू करने का प्रयास करना चाहिये अन्यथा वैचारिक योजनाओं के पूरी होने में बाधा पड़ेगी। प्रतिभा सर्वतोमुखी होगी। उसका वास्तविक स्वरूप पहचानने में बहुत कठिनाई होगी। आपके स्वास्थ्य पर इसका बुरा प्रभाव पड़ेगा। यदि स्नायुओं को पूरे काबू में नहीं रखा, तो मन से टूट सकते हैं, तब सारा कार्य बिगड़ सकता है।

महत्वपूर्ण अंक 'पांच' और 'तीन' हैं। इन्हीं मूलंकों वाली तिथियों पर अपनी योजनाएं पूरी करने का प्रयास करें। सबसे महत्वपूर्ण वर्ष 'पांच' मूलांक वाले रहेंगे। इसी मूलांक वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति विशेष लगाव होगा।

रंग : बैंगनी या फासलई फलक लिए हल्के रंग।

रत्न : हीरा और सभी चमकीले नग कांच के।

6, 15, 24, मूलांक 6

इस अंक के कारक ग्रह गुरु और शुक्र हैं। इस योग का शुभ प्रभाव अशुभ लक्षणों से बचाता है। शुभ योग में यदि सफलता नहीं हो, तो यह स्वयं का ही दोष है।

सभी क्षेत्रों में सुरुचि की ओर आकर्षित होंगे। चित्रकला, कविता, संगीत, साहित्य, मूर्तिकला अन्य ललितकलाओं और नाटकों के लिए प्रेम होगा। किसी एक विद्या में पथ भी प्राप्त कर सकते हैं। साथ ही आर्थिक लाभ भी।

सांसारिक सुखों और सुन्दर वातावरण से भी प्रेम होगा। अनेक प्रेम-प्रसंग रहेंगे। प्रेम के प्रति रुचि बदलती रहेगी। विवाह एक से अधिक होंगे और विवाहित जीवन में कुछ अनुभव होने की पूरी संभावना है। इस कारण भारी कठिनाई में भी पड़ सकते हैं और शत्रु अनेक इस कारण बन सकते हैं। स्वभाव से भावुक, पीड़ितों के प्रति संवदेनशील, दानशील और उदार, आदर्शवादी, मित्रों के सत्कार के प्रेमी तथा अच्छे सामाजिक मेजबान होंगे, अनावश्यक खर्च की प्रबल प्रवृत्ति रहेगी। अनेक लोगों को अपना मित्र बना तो लेंगे, जो आपके प्रति परम भक्ति भाव रखेंगे, पर उनसे ही धोखा होता रहेगा।

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

ऐसे धंधों में पैसा कमा सकते हैं, जिनका सम्बन्ध आनंद से हो, जैसे मनोरंजन के साधन, होटल, रेस्तरां, भोजों का आयोजन, पुरातत्व या कला-वस्तुओं की खरीद-बिक्री आदि। वैसे अकर्मण्यता, आत्म-रति तथा अपव्यय से बचना चाहिये।

संपत्ति के मामले में भाग्यशाली होंगे। रुपया-पैसा, कीमती उपहार अप्रत्याशित ढंग से आएंगे, पर खर्चीले स्वभाव के कारण गरीबी में समय बीतने का खतरा रहेगा। नियंत्रण रख सकें तो यह संकट टल सकता है, शुक्र का प्रभाव अधिक रहने से बहुत दृढ़-संकल्प से ही ऐसा संभव है।

शरीर प्रारंभिक वर्षों में बहुत स्वस्थ रहेगा, लेकिन फिर भोग विलास का जीवन बिताने से बर्बाद होने का भय है। वृद्धावस्था में दिल की बीमारी और उच्च रक्तचाप का शिकार होने की संभावना है।

सबसे महत्वपूर्ण अंक 'तीन' और 'चार' हैं। अपनी योजनाएं इन्हीं मूलांकों वाली तिथियों को पूरी करने का प्रयास कीजिये। इन्हीं मूलांकों वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति गहरा लगाव महसूस करेंगे और जीवन के सबसे महत्वपूर्ण वर्ष छः मूलांक वाले ही रहेंगे।

रंग : नीले और गहरे। रत्न : और इन्हीं रंगों के नग धारण कीजिये।

7, 16, 25, मूलांक 7

इसके कारक ग्रह नेप्यचून, चन्द्र तथा गुरु हैं। नेप्यचून तथा चन्द्रमा का प्रभाव राशिगत गुणों में और भी वृद्धि करेगा। अतएव अत्यन्त अप्रत्याशित घटनाओं का कारण यही बनेगा। जीवन में आश्चर्यजनक घटनाएं हो सकती हैं। वैसे उच्च आदर्श और भारी महत्वाकांक्षा होगी, पर स्वतन्त्र जीवन बिताने की ओर झुकाव रहेगा। उदार मन होंगे, किन्तु धर्म के बारे में विचित्र विचार होंगे और देखने का अपना ढंग होगा। प्रकृति के रहस्यों को खोजने की स्पष्ट प्रवृत्ति रहेगी। जो भी काम करेंगे, उसमें बड़े-बड़े सपने और असाधारण प्रेरणा रहने की पूरी सम्भावना है।

इसलिए रुपए-पैसे के मामले में बहुत सावधानी से काम लें, हालांकि कुछ परिस्थितियों में व्यावसायिक मामलों में अंतर्ज्ञान के कारण बहुत धनी भी बन सकते हैं।

वैसे स्वभाव विरोधों से पूर्ण होगा। एक ही समय सबल और दुर्बल दोनों होंगे। दूसरे लोग हावी हो सकते हैं, लेकिन उनकी बातों में नहीं आएंगे। ऐसे अवसर अपने निजी हित के विरुद्ध भी हठ का परिचय देंगे। इस प्रकार तनाव बना रहेगा।

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

मन कला प्रेमी और कल्पनाशील होगा। लेखन, संगीत, चित्रकला, नाटक और उच्च कलाओं में सफलता मिलनी चाहिये। उनका सबसे अच्छा विकास एकांत में कर सकते हैं, जहां साथ हो इसमें थोड़ा परिश्रम करना पड़ेगा।

दाम्पत्य जीवन मिश्रित फल वाला रहेगा।

उदार तथा दानशील होंगे और जनसेवा में लगी संस्थाओं की सहायता करना चाहेंगे। पैसा पास में होने पर कलाकारों की सहायता करेंगे, उनकी कलाकृतियों को खरीद लेंगे। अपनी प्रशंसा सुनकर प्रसन्न होंगे और उसमें काफी पैसे खर्च करते रहेंगे। आर्थिक मामलों में भाग्यशाली रहेंगे। किसी भी काम से पैसा कमा लेंगे। कभी-कभी अति उदार हो सकते हैं या अपने विचारों से दूसरों को आर्थिक लाभ कमाने दे सकते हैं, पर धन-संग्रह ही जीवन का लक्ष्य नहीं होगा। व्यापार के द्वारा आय प्रत्युत्तर सम्पत्ति प्राप्त कर सकते हैं। विदेशों से व्यापार और भी लाभदायक होगा। इसमें मन, परिश्रम से अधिक धन लाभ की संभावना है।

शरीर स्वस्थ, बाहर से स्वस्थ व भीतर से दुर्बल रहेगा। मानसिक तनाव में रहेंगे और कभी-कभी गहरे दिल के दौरों से गुजरेंगे। परिवर्तन की इच्छा करेंगे। थकान या बीमारी में यात्रा से लाभ पहुंचेगा। वैसे स्वास्थ्य सामान्य रहेगा।

सबसे महत्त्वपूर्ण अंक 'तीन' 'सात' और दो हैं। इन्हीं मूलांकों वाली तिथियों को सभी महत्वपूर्ण काम कीजिये। सबसे महत्त्वपूर्ण वर्ष 'दो' और 'सात' मूलांकों वाले रहेंगे। इन्हीं मूलांकों वाली तिथियों में जन्मे व्यक्तियों के प्रति गहरा लगाव महसूस करेंगे। 'एक' और 'चार' मूलांकों वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति भी लगाव रहेगा।

रंग : (कबूतरी) विशेषकर शोख सिलेटी, हरे, सफेद व क्रीम और बैंगनी, फालसई, जामुनी। रत्न हैं—हरा जेड कटैला चंद्रकांत मणि, मोती और जामुनी नग।

8, 17, 26 मूलांक 8

इसके कारक ग्रह शनि और गुरु हैं। शनि का प्रभाव स्वभाव की गंभीरता को बढ़ाता है। यह ग्रहयोग प्रारम्भिक वर्षों में जीवन को बहुत कठोर और कठिन बनाता है। किन्तु 33 वें या 35 वें वर्ष से इसमें पर्याप्त सुधार की पूरी आशा है।

वैसे इन लोगों को प्राय: गलत समझा जाता है और उसमें काफी बदनामी होने की संभावना रही है। ऐसी बातें योजनाएं और महत्वाकांक्षाएं पूरी करने के लिए धनाभाव से, नाते-रिश्तों से या दूसरों के सम्पर्क से हो सकती हैं।

अतएव इन प्रच्छन्न दु:खों तथा निराशाओं का सामना करने के लिए स्वयं को

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

तैयार रखना चाहिये। इच्छाशक्ति के विकास, संकल्प और महत्वाकांक्षाओं पर अडिग रहकर, अंत में सभी कठिनाइयों से पार हो सकते हैं। कंधों पर भारी जिम्मेदारियां डाली जा सकती हैं। सफलता या पद प्राप्त करने में योग्यता के अभाव में कठिनाई नहीं होती, वरन् ऐसी परिस्थितियों के कारण होंगी, जो योग्यता और पुरस्कार छीनने के लिए उठ खड़ी हो जाती हैं।

इस जातक का यदि विवाह जल्दी हुआ, तो घरेलू बंधनों के कारण या जीवन-साथी की बीमारी के कारण गतिविधियों पर अंकुश लगने की संभावना होती है। विवाह बहुत सुखद अनुभव नहीं रहेगा, प्रायः उसमें कटुता रहेगी।

इन तिथियों को जन्मे व्यक्तियों में असाधारण कर्तव्य-भावना और घर तथा पारिवार के प्रति गहरा प्रेम पाया जाता है। विशेषकर जनता के लिए उनके उच्च आदर्श होते हैं और वे प्रायः मानव कल्याण की बड़ी-बड़ी योजनाओं को सोचते हैं। वे कोई भी वृत्ति अपनाएं, अपनी आंतरिक भावनाओं को छिपा रखने के लिए मर्यादा और गंभीरता का वातावरण बनाए रहते हैं। आमतौर से प्रतिष्ठा और जिम्मेदारी वाले ऊंचे पदों पर पहुंच जाते हैं तथा सम्मान और यश प्राप्त करते हैं।

उक्त, ग्रहयोग में जन्मे व्यक्ति शायद ही कभी धन को निजी दृष्टिकोण से देखते हों। वे अपने ध्येय की प्राप्ति के लिए पैसा चाहते हैं और प्रायः प्राप्त कर भी लेते हैं। अपने निजी खर्च के मामले में जल्दबाजी से और सट्टेबाजी के जोखिम से बचना चाहिये। हालांकि दूसरे क्या करें, इस बारे में अच्छा अंतर्ज्ञान रहेगा तथा स्वयं अपनी ही सलाह पर नहीं चलेंगे। ऐसे लोगों के प्रभाव में आ सकते हैं, जो बजाय आपके अपने लाभ की बात अधिक सोचें। जीवन में आकस्मिक विपदाएं आने की सम्भावना है और ऐसी परिस्थितियों के लिए 'सुरक्षित कोष' रखने का प्रयास करना चाहिये।

स्वास्थ्य के सभी मामलों में मानसिक दशा का भारी प्रभाव पड़ेगा। चिन्ता, बीमारी के विरुद्ध आपकी लड़ने की शक्ति को तोड़ देगी। उदासी तथा निराशा के दौरे पड़ेंगे। आप देर तक परेशान करने वाले जुकाम, सर्दी और दुर्बल रक्त संचार के शिकार हो सकते हैं, विशेषकर 7 या 16 मार्च को जन्म होने पर।

शुष्क जलवायु में रहना चाहिये। अधिक से अधिक घर से बाहर रहें, यात्रा करें और संभव हो तो हवा बदलें, नहीं तो गठिया और वायु रोग के शिकार हो सकते हैं, विशेषकर पांवों, एड़ियों और घुटनों में। सबसे महत्वपूर्ण अंक 'चार', 'आठ' तथा 'तीन' हैं। ये अंक और इनके मूलांकों वाली तिथियां जीवन में बार-बार आएंगी और

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

गंभीर परिणामों के साथ सम्बद्ध होंगी। निजी लाभ के लिए 'तीन' अंक से काम लीजिये। जीवन के सबसे घटनापूर्णृ वर्ष 'चार' और 'आठ' मूलांकों वाले होंगे। इन अंकों या 'तीन' के मूलांक वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति आप गहरा लगाव महसूस करेंगे।

मन अधिकत्तर गहरे रंगों के कपड़े पहनने को होगा, लेकिन हमेशा बैंगनी, फालसई या जामुनी रंग का कोई वस्त्र अपने परिधान में अवश्य रखिए।

भाग्य रत्न : काला मोती और काला हीरा। इसके साथ कटैला या नीलम भी धारण कीजिये।

9, 18, 27 मूलांक 9

इसके कारक ग्रह मंगल और गुरु हैं। मंगल के प्रभाव से अशुभ लक्षणों से लड़ने की शक्ति आएगी। शरीर भी तगड़ा होगा जिससे सम्भावित रोग के प्रतिरोध में सहायता मिलेगी। कभी अपने सोचने और काम करने में जल्दबाजी और आवेश से भी काम लेंगे। स्वभाव कुछ चंचल होगा। अशांत रहेंगे, अपने धंधे या वृत्ति में अनेक बार परिवर्तन करेंगे, उचित किये बिना नई योजनाओं की ओर दौड़ पड़ने की प्रवृत्ति रहेगी। अपने स्वभाव पर विशेषकर छोटी-छोटी बातों पर काबू पाना सीखना चाहिये। अपने आसपास के लोगों और सहकर्मियों के साथ सहिष्णु बनने का प्रयास करना चाहिये। गुप्त शत्रुओं, बदनामी और झूठी खबरों से काफी नुकसान उठाना पड़ेगा। यदि मुकदमेबाजी में फंसना पड़ा, तो कठोर और अनुचित व्यवहार हो सकता है, उसके अधिकारी हों या न हों। व्यापारिक योजनाओं में साझेदारों या सहकर्मियों से अत्यन्त सावधान रहना चाहिये। यदि कोई गड़बड़ हुई तो दोष सिर मढ़ा जा सकता है।

रुपये-पैसों के मामले में अति उदार होंगे, सट्टेबाजी की ओर भी दौड़ेंगे। बहुत महत्वाकांक्षी भी होंगे। अपने को स्वतन्त्र बनाने को तीव्र इच्छा रहेगी, इस कारण पैसा जमा कराने के लिए पूरा दम लगाएंगे और उसमें जोखिम भी उठाएंगे।

कठिनाइयों और दुर्भाग्यों में एक सीमा तक भारी साहस का परिचय देंगे, किन्तु यदि हिम्मत ने जवाब दिया तो उदास और चिड़चिड़े हो सकते हैं और कोई ऐसा काम कर सकते हैं जिससे बाद में पछताना पड़े। उच्चपदस्थ व्यक्तियों को आसानी से मित्र बना लेंगे, किन्तु अपने समकक्षों या अपने से नीचे के लोगों में अनेक कटु शत्रु पाल लेंगे।

प्रेम में अनेक कठिनाइयों और निराशाओं का सामना करना पड़ सकता है और

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

बच्चों के साथ परेशानी हो सकती है।

कभी-कभी शराब पीने या मादक द्रव्यों का सेवन करने की प्रवृत्ति हो सकती है, यह इच्छा और महत्वाकांक्षा पर निर्भर है। रुपए-पैसों को खुले हाथों खर्च करेंगे, अपव्यय भी कर सकते हैं। व्यापार या उद्योग में लगे होने पर अधिकार के पद पर पहुंचेगे, किन्तु दुश्मन पाल लेने की प्रवृत्ति के कारण उसे अपने हाथों में रख नहीं पाएंगे। सरकारी नौकरी में होने पर काफी ऊंचे पहुंचेंगे और भारी जिम्मेदारी का कोई पद सम्हालेंगे।

व्यक्तित्व बड़ा आकर्षक होगा। लेखक, वक्ता, धर्म प्रचारक जैसी किसी भी सार्वजनिक वृत्ति में या किसी बड़े आंदोलन के नेता के रूप में सफल होंगे। 18 और 27 मार्च की जन्म तिथियां विशेष शुभ हैं।

धनी परिवार में पैदा नहीं हुए हों तो जीवन में रुपए-पैसां के मामले में अनेक उतार-चढ़ाव आने की संभावना रहती है। सट्टेबाजी या पूंजी-विनियोग में भाग्य साथ नहीं देगा। दूसरों को सदा अधिक लाभ पहुंचाते रहेंगे।

प्रारंभिक वर्षों में गंभीर बीमारियों से बचाव होगा। 40 साल के बाद बीमारियां घेर लेती हैं। हृदय, गुर्दा, अन्तड़ियों की बीमारी हो सकती है। महत्त्वपूर्ण अंक 9 व 3 हैं। इनका सहयोग जीवन में सदा प्राप्त रहेगा। संकट के समय यही सहायक होंगे। अगर पत्नी का मूलांक 9 एवं 3 है तो दाम्पत्य जीवन सुखी रहेगा अन्यथा पारिवारिक तनाव बराबर बना रहेगा। संतान का सुख वृद्धावस्था में प्राप्त नहीं होगा।

सम्पत्ति के मामले में लगभग परेशानी बनी रहेगी। जीवन उतार-चढ़ाव वाला ही रहता है।

अप्रैल

अप्रैल 1, 10, 19, 28 अप्रैल मूलांक 1

इसके कारक ग्रह-सूर्य और मंगल ओज हैं। यह एक प्रबल योग है जिससे अपनी योजनाएं और महत्वाकांक्षाएं सफलता से पूरी कर सकेंगे। शक्तिशाली गुणों का परिचय वृत्ति के प्रारम्भिक काल में ही मिल जाएगा। अपनी योजनाओं में अति रचनात्मक और मौलिक रहेंगे तथा लक्ष्य प्राप्ति के लिए भी भारी निडरता और संकल्प से काम लेंगे। निश्चय हीं महत्वाकांक्षी होंगे। साथियों से ऊपर उठेंगे। परिवार में या सम्बन्धियों में सबसे अधिक प्रमुख रहेंगे। साझेदारों के सहयोग के बजाय उनके बिना अधिक सफल होंगे । किसी भी प्रकार के अंकुश को नापसंद करेंगे। अपना कानून

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

आप होंगे और फलस्वरूप जीवन-संघर्ष में जूझते हुए अनेक दुश्मन पाल लेंगे।

यदि मनमानी करने दी गई , तो अत्यंत उदार होंगे, किन्तु विरोध होने पर जरा भी लाभ उठाने का प्रयास होने पर लोहे जैसे कठोर हो जाएंगे। प्यार के भूखे रहेंगे, लेकिन जब तक महत्वाकांक्षा में अनुकूल बैठने वाले व्यक्ति नहीं मिलेंगे, इसके लिए तरसते ही रहेंगे। बच्चों के साथ और घरेलू मामलों में आपका विवाद रहेगा।

घर से बाहर जीवन बिताने और हर प्रकार के खेल-कूद के लिए बलवती इच्छा होगी। लेकिन बंदूक ले जाते समय अत्यधिक सावधान रहने की जरूरत है। आग, विस्फोट, मोटरकार दुर्घटना तथा ऐसी ही बातों से काफी बड़ा खतरा रहेगा।

आर्थिक मामलों में मुख्यत: जल्दबाजी और अपने सामर्थ्य से बाहर के उद्यम अपनाने के कारण अनेक उतार-चढ़ाव आएंगे। आकर्षक प्रकृति के कारण दूसरों पर विशेषकर विपरीत लिंगियों पर भारी प्रभाव रहेगा। कम्पनी प्रोमोटर, वक्ता, संगठनकर्ता, उपदेशक के रूप में या किसी भी सार्वजनिक जीवन में सफल रहेंगे। सदा धन कमाने की योग्यता रहेगी, लेकिन अनेक लोगों को अपना कट्टर दुश्मन बना लेंगे।

वैसे बहुत जीवनी शक्ति और सुगठित कार्य प्रणाली होगी, हालांकि कभी-कभी अधिक परिश्रम से उसे चोट पहुंचा सकते हैं। सबसे अधिक खतरा उच्च रक्तचाप, दिल की बीमारी या लकवे से रहेगा। सादा भोजन कीजिये और शराब तथा उत्तेजना पैदा करने वाले पदार्थों से बचिए। सबसे महत्वपूर्ण अंक 'एक' तथा 'नौ' हैं। अपनी योजनाएं इन्हीं मूलांकों वाली तिथियों पर पूरी कीजिये। सबसे घटनापूर्ण वर्ष भी इन्हीं मूलांकों वाले रहेंगे। 'चार' और 'आठ' के अंक भी जीवन में बार-बार आएंगे लेकिन जहां तक हो सके, उन्हें टालना ही बेहतर है। उन्हें चेतावनी समझकर काम कीजिये।

'एक', 'चार', 'आठ' या 'नौ' मूलांकों वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति गहरा लगाव महसूस करेंगे।

प्रभाव बढ़ाने और भाग्य चमकाने के लिए सूर्य (सुनहरी, पीला, नारंगी, भूरा) और मंगल (गहरे लाल से गुलाबी तक) के रंग धारण कीजिये। रत्न : पुखराज, अम्बर, हीरा, लाल तामड़ा और अन्य लाल नग।

2, 11, 20, 29 मूलांक 2

इसके कारक ग्रह मंगल ओज के साथ चन्द्र और नेप्पचून हैं। इनके प्रभाव से चरित्र विरोधाभास से पूर्ण होगा। जबर्दस्त व्यक्तित्व, इच्छाशक्ति और संकल्प होगा लेकिन कल्पनाशील और रूमानी गुणों में बहने की प्रवृत्ति रहेगी। विचार मौलिक और

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

परम्परा से अलग होंगे। रचनात्मक और शोधपूर्ण कार्यों के लिए काफी कल्पनाशक्ति होगी। किसी एक ढर्रे से बंधे रहना पसंद नहीं करेंगे और अंकुशों तथा परम्पराओं से विद्रोह करेंगे। यदि रूमानी भावनाओं पर काबू नहीं पाया तो घरेलू जीवन में काफी परेशानी अनुभव होने की संभावना है। परम्परागत जीवन नहीं अपनाया तो विवाह सुखद रहने की आशा नहीं है। हर काम बड़े उत्साह से करेंगे लेकिन अपनी राय को इतना आगे तक ले जायेंगे कि अंततः उससे भला होने वाला नहीं है। व्यवसाय में अनेक परिवर्तन करेंगे और किसी एक विशेष काम से बंधे नहीं रहेंगे। कोई पद मिल जाए तो उससे संतुष्ट नहीं होंगे। अधिकारी पदों पर दबंग, कुशल और आत्म-निर्भर होंगे। राजनीतिक जीवन या सैनिक संगठन में दिलचस्पी लेने पर एक प्रमुख नेता के रूप में उभर कर आगे आएंगे। ऐसे मामलों में भाषण या लेख जोशीले रहेंगे। साथ ही बड़ी संख्या में लोगों को अपना अनुयायी बना लेंगे। व्यापार या उद्योग में लक्ष्य प्रमुख बनने का रहेगा और अपने मौलिक विचारों के लिए जाने जाएंगे।

फिर भी आर्थिक मामलों में बात का वजन और प्रभाव होगा। साझेदारों ने रोड़ा नहीं अटकाया तो सफल भी होंगे। लेखक या कलाकार की योग्यताओं का विकास होने पर काफी यश मिलेगा। कुछ भी करें, आपका 'दबंग' व्यक्तित्व बना रहेगा।

वैसे शरीर गठीला होगा, लेकिन उन्नति और उत्साह के दौर में उससे अत्यधिक काम लेने की प्रवृत्ति रहेगी। बुखार और रक्तदोष की बीमारियों जैसे फोड़े-फुंसी के शिकार हो सकते हैं। अनेक बार शल्यचिकित्सक के चाकू का अनुभव करना पड़ सकता है। अंतड़ियों को खतरा रहेगा।

दांत, मंसूड़े, नाक, कान आदि की बीमारियों से सावधान रहिये। अनेक बार दुर्घटनाओं के शिकार होंगे, दुश्मनों से जीवन को खतरा रहेगा और हत्या या अकाल मृत्यु का भी खतरा है।

सबसे महत्त्वपूर्ण अंक 'दो', 'सात' और 'नौ' हैं। इन्हीं मूलांकों वाली तिथियों को अपनी योजनाएं पूरी करने का प्रयास कीजिये। सबसे घटनापूर्ण वर्ष इन्हीं मूलांकों वाले होंगे। 'दो' या 'सात' मूलाकों वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति गहरा लगाव रहेगा।

अपना प्रभाव बढ़ाने और भाग्य चमकाने के लिए चंद्र : क्रीम, हरा और सफेद, नेप्यचून, सिलेटी और मंगल : गहरे लाल से गुलाबी तक के रंगों के कपड़े पहनिए। भाग्य रत्न हैं : हरा जेड, चन्द्रकांत मणि, लहसुनिया, उपल, मोती, लाल, तामड़ा और सभी लाल तामड़ा और सभी लाल नग । 29 अप्रैल को जन्मे व्यक्तियों के लिए

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

आगामी राशि वृष का प्रभाव शुरू हो जाएगा जिसका स्वामी शुक्र है। यह मंगल के गुणों को हल्का कर देगा। ऐसे व्यक्ति अधिक आकर्षक और जोशीले होंगे लेकिन विपरीत लिंगियों की पैदा की हुई उलझनें बढ़ जाने की संभावना है।

3, 12, 21, 30 मूलांक 3

इस अंक के कारक ग्रह और मंगल हैं। यह योग सामान्य से अधिक महत्वाकांक्षी बनाएगा। सभी अधिकारी पदों पर सफल, अपने विचारों में बहुत स्पष्ट और कुछ-कुछ तानाशाह होंगे। संगठन, व्यवस्था और नियंत्रण की अच्छी योग्यता होगी। कानून का पालन इंसाफ और कठोरता से करेंगे, यहां तक कि दूसरों को उदाहरण पेश करने के लिए जरूरत होने पर अपने निजी सम्बन्धियों का बलिदान करने से भी नहीं चूकेंगे।

प्रबल शत्रु और उतने ही प्रबल मित्र बनाएंगे। स्वभाव असाधारण रूप से स्वतंत्र होगा और किसी बंधन या अंकुश को पसंद नहीं करेंगे। घर में हर प्रकार 'मुखिया' बनकर रहना चाहेंगे, नहीं तो काफी परेशानी और झगड़ा होगा। अनेक प्रकार से चमत्कारी जीवन जियेंगे और ऐसी दुर्घटनाओं तथा खतरों से बच निकलेंगे, जिनमें दूसरे लोग मारे जायेंगे।

मन प्रगतिशील और जोशीला दोनों कहा जा सकता है, किन्तु आम भलाई की उच्च भावना रहेगी। अपने समाज में सम्मान मिलेगा, उच्च पदस्थ व्यक्तियों में प्रभावशाली मित्र होंगे, फिर भी निचले वर्गों के प्रति विशाल हृदयता और उदारता का परिचय देंगे।

जिम्मेदारी के पद मिलेंगे। सरकारी पद भी मिल सकते हैं। सेना और नौसेना में जाने पर तेजी से उन्नति होगी और सम्मान मिलेगा। सम्भावना दो पदों पर रहने की है, एक अपने विशेष व्यवसाय में, दूसरा नगरपालिका या सरकार में। संतुलित निर्णय और सबके साथ रहने की आंतरिक भावना के कारण एक उत्तम न्यायाधीश हो सकते हैं। साहित्य, विज्ञान और गंभीर अध्ययन के प्रति निश्चित प्रेम होगा। परिस्थितियों में सुधार के लिए अनेक मौलिक विचार होंगे।

आर्थिक मामलों में भाग्यशाली रहेंगे। काफी सम्पत्ति अर्जित करने की संभावना है। सट्टेबाजी, ठोस संस्थाओं में पूंजी-विनियोग और उद्योग तथा व्यापार खड़े करने के बारे में सावधान रहेंगे। शरीर सुगठित होगा। बाहरी जीवन और हर प्रकार के खेलों को पसंद करेंगे, लेकिन जानवरों से दुर्घटना का कुछ खतरा रहेगा। कभी-कभी दावतों में उलटा-सीधा खा लेने से तीव्र पेट दर्द की शिकायत हो सकती है।

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

अधेड़ आयु में मुटापा चढ़ने और दिल की बीमारी हो जाने की संभावना रहेगी।

सबसे महत्वपूर्ण अंक 'तीन', 'छः' और नौ हैं। लेकिन अंक 'छः' महत्त्वपूर्ण होते हुए भी 'छः' अंक से सम्बन्धित व्यक्तियों का साथ काफी परेशानी पैदा कर सकता है। सबसे घटनापूर्ण वर्ष इन्हीं मूलांकों वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति आप गहरा लगाव महसूस करेंगे। 30 अप्रैल को जन्मे व्यक्ति अगली राशि वृष के प्रभाव में होंगे, जिसका स्वामी शुक्र है। वे अधिक दयालु, स्नेहशील और उदार होंगे।

अपना प्रभाव बढ़ाने तथा भाग्य चमकाने के लिए गहरा बैंगनी, फालसई, जामुनी, शुक्र : नीले तथा मंगल : लाल के रंग के कपड़े पहनिए। रत्न : पुखराज और नीलम।

4, 13, 22 मूलांक 4

इस मूलांक के कारक ग्रह यूरेनस, सूर्य और मंगल हैं। यह एक शक्तिशाली किन्तु कुछ विचित्र योग है, जिससे जीवन में अजीब विरोधाभासों का सामना करना पड़ता रहेगा। सफलता के दौरों और विफलता के दौरों से गुजरेंगे। प्रत्याशित के बजाय प्रायः अप्रत्याशित ही अधिक घटेगा। परिस्थितियों के अधीन रहेंगे और भाग्य महत्वपूर्ण भूमिका अदा करेगा।

फिर भी जब तक किसी ऐसे निर्णय पर न पहुंच जाएं, जिसमें जी-जान से जुट सकें, तब तक अपनी वृत्ति और योजनाओं में अनेक परिवर्तन करेंगे तथा बेचैनी और अस्थिरता महसूस करते रहेंगे। सच्चे मित्र बनाने में भारी कठिनाई होगी और जिन्हें मित्र बनाएंगे, वे विचित्र और असमान्य होंगे। छिपे दुश्मन होंगे और काफी विरोध का सामना करना पड़ेगा। जहां तक भौतिक जीवन व्यतीत करने की बात है, कभी चैन नहीं मिलेगा।

विचार मौलिक और परम्परा से अलग होंगे। अपने निजी धर्म और दर्शन की रचना करेंगे, खोजकर्ता होंगे, मशीनों में भी रुचि होगी, किन्तु विशेषकर नए ढंग की बिजली की मशीनों, रेडियो, टेलीविजन आदि में।

स्वभाव में कुछ ऐसी बात है कि साझेदारों के साथ अनेक विवाद, टकराव और मुकद्दमेबाजी होगी। सलाह देना आसान नहीं होगा, क्योंकि जीवन के प्रति एक खास दृष्टि है। तर्क में विरोधी विचार प्रकट करेंगे और इतनी व्यवहार-बुद्धि नहीं होगी कि जिनसे सहमत नहीं है, उनके प्रति रोष को छिपा सकें। कभी-कभी रूखे और मुंहफट व्यवहार से लोगों की भावनाओं को ठेस पहुंचा सकते हैं, भले ही वैसा आशय

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

न हो। आमतौर से गलत समझा जाएगा, लेकिन इसकी परवाह नहीं करेंगे कि कोई क्या चाहता है क्या नहीं ?

अध्ययनशील होंगे, अच्छे साहित्य में गहरी रुचि होगी। अपने हर काम में आप तीक्ष्ण मानसिक शक्ति और जीवटपन का परिचय देंगे। दूसरों के साथ मिलकर आसानी से काम नहीं करेंगे, किन्तु अपने निजी विचारों पर अमल में काफी सफल हो सकते हैं। आर्थिक मामलों में इतने सतर्क रहेंगे कि ख्याति 'कंजूस' के रूप में हो जायेगी।

भविष्य के लिए कुछ अधिक ही चिन्तित रहेंगे, इसलिए बुढ़ापे के लिए अच्छी रकम बचा लेने का प्रयास करेंगे। यदि व्यापार करें, तो शीघ्र अवकाश लेने की संभावना है।

अपने स्वास्थ्य के बारे में बहुत असामान्य रहेंगे। कभी जमकर काम करेंगे, कभी प्रयास करने को भी मन नहीं होगा। रहस्यमय बीमारियों से जिनका निदान मुश्किल होगा के शिकार हो सकते हैं। ऐसे में प्राकृतिक जीवन और सादे भोजन से ही मुक्ति मिलेगी।

सबसे महत्त्वपूर्ण अंक 'चार', 'एक' और 'नौ' हैं। 'आठ' का अंक भी जीवन में काफी आएगा। सबसे घटनापूर्ण वर्ष 'चार' और 'आठ' मूलांकों वाले होंगे। इन्हीं मूलांकों वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति गहरा लगाव महसूस करेंगे।

अपना प्रभाव बढ़ाने के लिए यूरेनस (सिलेटी और शोख) सूर्य (सुनहरा, पीला, नारंगी, भूरा) तथा मंगल (गहरे लाल से गुलाबी तक) के रंगों के वस्त्र धारण कीजिये, लेकिन 22 अप्रैल को जन्म होने पर लाल के बजाय नीले रंगों को ही काम में लीजिये।

भाग्य रत्न : नीलम और नीले नग, पुखराज, पीले हीरे और अम्बर हैं। 22 अप्रैल को जन्मे व्यक्तियों को यथासंभव फीरोजा और नीलम अवश्य धारण करना चाहिये।

5, 14, 23, मूलांक 5

इसके कारक ग्रह बुध और मंगल हैं, यह योग बहुत शुभ भी हो सकता है, बहुत अशुभ भी। यह इस पर निर्भर है कि अपनी इच्छा शक्ति और आप स्वभाव का किस प्रकार विकास कर सकते हैं। बहुमुखी प्रतिभा वाले, चतुर और बुद्धिमान होंगे, किन्तु विचारों को सही दिशा मिलनी चाहिये। उच्चाकांक्षाओं को नियंत्रण में रखने पर

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

ऐसा कुछ नहीं जिस पर काबू न किया जा सके या जिसे पूरा न किया जा सके।

सोचने, बोलने और काम करने में शीघ्रता की प्रवृत्ति रहेगी, जवाब और दलीलें देने में तेज रहेंगे, लेकिन तर्कशक्ति अच्छी होगी और प्रायः सभी विषयों के अनुकूल मन को ढाल सकेंगे। इस प्रकार के नए विचारों को पसंद करेंगे और आंख मूंदकर परम्परा का पालन करने के विरुद्ध सक्रिय विद्रोह की प्रवृत्ति रहेगी। पढ़ने और इतिहास के गहन अध्ययन में रुचि होगी। तथ्यों और तिथियों को याद रखने की अद्भुत क्षमता होगी। वाणी या कलम के वरदान से दूसरों पर भारी प्रभाव डालेंगे। इच्छा शक्ति का विकास कर लेने पर भारी जिम्मेदारियों वाले किसी उच्च पद को प्राप्त करेंगे। यदि स्वभाव के अशुभ पक्ष को हावी हो जाने दिया, तो बुरे साथियों, सामाजिक अपव्यय, मद्यपान, जुआ खेलने आदि की ओर आकर्षित होंगे और लम्पट जीवन भी व्यतीत करेंगे।

दूसरों से भारी प्यार और श्रद्धा मिलेगी, किन्तु स्वयं अपनी भावनाओं में निरपेक्ष होंगे और प्यार के चक्कर से कुछ दूर ही रहेंगे। एक से अधिक विवाह होने और घरेलू जीवन में काफी परेशानी का सामना करने की सम्भावना है। तत्काल जवाब दे देने और मुंहफट होने से लोग दुश्मन बन जाएंगे, लेकिन सब मिलाकर दूसरों पर आपका उल्लेखनीय प्रभाव रहेगा।

आर्थिक मामलों में स्वयं अपने भाग्य के निर्माता होंगे, लेकिन पहले सफलता आड़े आएगी। यदि उच्च धरातल वाले हैं तो अपने ध्येय के लिए अपेक्षित धन की कमी नहीं रहेगी, लेकिन निम्न धरातल वाले मादक-द्रव्यों, शराब तथा व्यसनों में अपने अवसर गंवा देंगे।

अपने अत्यधिक सक्रिय मस्तिष्क के कारण स्नायु-प्रणाली अत्यंत संवेदनशील रहेगी। जीवन में स्थिरता आने का खतरा है। कभी-कभी चेहरे या आंखों में तनाव महसूस करेंगे, जो इस बात की चेतावनी होगी कि आप अपनी मानसिक शक्ति का सीमा से अधिक व्यय कर रहे हैं।

पाचन अंगों और आंतों में भी गड़बड़ी होने की आशंका है।

सबसे महत्वपूर्ण अंक 'पांच' और 'नौ' हैं। इन्हीं मूलांकों वाली तिथियों को अपनी योजनाएं पूरी करने का प्रयास कीजिये। सबसे घटनापूर्ण वर्ष भी 'पांच' और 'नौ' मूलांकों वाले ही होंगे। किसी मास की 5, 14, या 23 तारीख को पैदा हुए व्यक्तियों के प्रति गहरा लगाव अनुभव करेंगे।

अपना प्रभाव बढ़ाने के लिए आपको जहां तक हो सके, हल्के रंगों के कपड़े

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

पहनने चाहिये, जिनमें लाल-गुलाबी रंग की भी कुछ झलक हो। भाग्य रत्न : हीरे और लाल और सभी सफेद या चमकीले नग हैं।

6, 15, 24, मूलांक 6

इसके कारक ग्रह शुक्र और मंगल हैं। यह एक शुभ योग है, जो मंगल की शक्ति और उत्साह के साथ शुक्र को मिलनसार और उदार स्वभाव प्रदान करता है। स्वभाव से स्नेहिल, प्रदर्शनकारी, सहृदय और कामी होंगे तथा विपरीत लिंगियों की ओर भारी आकर्षण रहेगा। समाज में लोकप्रिय होंगे। जहां जाएंगे मित्र बना लेंगे। बहुत उदारमना होंगे और दूसरों की सहायता की पुकार पर दौड़े आएंगे। धन को दोनों हाथों से खर्च करेंगे। घर में और पड़ोस में उसका अच्छा दिखावा करेंगे। भोग-विलास की ओर आय से अधिक खर्च करने की प्रवृत्ति रहेगी, अन्यथा मित्रों तथा धन के मामले में आप भाग्यशाली रहेंगे। अपनी उदारता पर नियंत्रण लगाने और गरीबी को न न्यौतने के लिए सावधानी के साथ उससे ही काम लेना चाहिये।

वैसे छोटी आयु में ही विवाह की संभावना है। तर्क के बजाय भावना में अधिक बहेंगे। विवाह आपके लिए सुखद नहीं रहेगा। बाद में दूसरा विवाह अधिक शुभ हो सकता है।

चित्रकारी, संगीत, मूर्तिकला, काव्य या साहित्य जैसी किसी कला में सफलता मिलनी चाहिये। नाटक और ओपेरा में रुचि होगी और ऐसे धंधों में यश कमाना चाहिये। यात्रा के अत्यंत शौकीन होंगे और दूसरे राष्ट्रों के रीति-रिवाजों तथा परम्पराओं में गहरी दिलचस्पी होगी।

जीवन के प्रारम्भिक वर्षों में धन के मामले में बहुत भाग्यशाली रहेंगे, लेकिन अपव्यय और भविष्य के लिए जमा-पूंजी रखने के कारण अंत समय आने से काफी पहले ही स्वयं को गरीबी की दशा में पाएंगे।

स्वास्थ्य के मामले में शरीर सुगठित होगा। बीमारी से शीघ्र स्वास्थ्य लाभ करेंगे; लेकिन गला, नाक और कान की कमजोरी तथा भयंकर सिरदर्द और चेहरे की बीमारियों से पीड़ित होने की संभावना है।

सबसे महत्वपूर्ण अंक 'छः' 'तीन' और 'नौ' हैं। इन्हीं मूलांकों वाली तिथियों को अपनी योजनाएं पूरी करने का प्रयास कीजिये। सबसे घटनापूर्ण वर्ष 'छः' और 'नौ' 'मूलांकों' वाले रहेंगे। 'तीन', 'छः' और 'नौ' मूलांकों वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति आप गहरा लगाव महसूस करेंगे।

अपना प्रभाव बढ़ाने के लिए शुक्र (नीला) और मंगल (लाल) रंगों के कपड़े

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

पहनिए। रत्न : नीलम तथा अन्य नीले रंग।

7, 16, 25, मूलांक 7

इसके कारक ग्रह नेप्यचून चन्द्र और मंगल हैं। यह विचित्र योग आपको बहुत जटिल स्वभाव और बहुत असामान्य जीवन देगा। रहस्यवादी और गुप्त संगठनों के प्रति तथा गुप्त विद्या और अतिभौतिक विषयों के अध्ययन के प्रति भी आकर्षित होंगे और उनकी खोज में जाना चाहेंगे। मन में संगीत के लिए गहरा प्यार होगा और सम्भवत: किसी एक वाद्ययंत्र को बजाने में काफी कुशल भी होंगे।

धर्म और समाज के बारे में मन में बहुत गहरी भावनाएं और मौलिक विचार रहेंगे। न समझने वाले 'पागल' या 'सनकी' कह सकते हैं, लेकिन विरोध के बावजूद आप प्रसन्नतापूर्वक अपने मार्ग पर चलते रहेंगे। जन्मस्थान से सुदूर देशों की यात्रा तथा दर्शन की प्रबल इच्छा रहेगी। सबसे बड़ा दोष स्वभाव में अस्थिरता तथा अपने वातावरण को निरंतर बदलते रहने की इच्छा है। किसी कला में या शोधपरक कल्पनाशील योग्यताओं को अभिव्यक्ति देने वाले किसी काम में अत्यधिक सफल हो सकते हैं। अपने व्यापार में आप अनेक परिवर्तन करेंगे। नियमित जीवन प्रकृति के अनुकूल नहीं है। नेप्यचून भावनाओं को तेज करता है, व्यावहारिकता प्रदान नहीं करता। इसलिए नियमित परम्परागत जीवन अपनाना आपके लिए कठिन होगा।

परोपकारी संस्थाओं में दिलचस्पी हो सकती है और ऐसे किसी राष्ट्रीय या राजनीतिक काम से सम्बद्ध हो जाएं, तो अच्छी सफलता मिल सकती है। सम्पर्क में आने वाले अनेक व्यक्तियों के प्रति गहरी अरुचि हो सकती है। स्वभाव के इस पक्ष पर नियंत्रण का प्रयास करना चाहिये, अन्यथा आपस में काफी गलतफहमी हो सकती है।

विपरीत लिंगियों के बारे में सपनों तथा भ्रम की दुनिया में रहने की प्रवृत्ति होगी और अनेक निराशाओं का सामना करना होगा।

आर्थिक प्रश्न बहुत विचित्र रहेगा। धन के मामले में सदा काफी अनिश्चितता और उतार-चढ़ाव रहने की सम्भावना है। कभी-कभी अपने खोजी विचारों से भारी धनराशि प्राप्त कर सकते हैं। सट्टेबाजी और जुए से बचना चाहिये।

शारीरिक दशा में तेजी से परिवर्तन हो सकते हैं। वातावरण का काफी प्रभाव पड़ेगा। सर्दी-जुकाम, नजले, बुखार, इन्फ्लुएंजा और मलेरिया से अक्सर पीड़ित होते रहेंगे। जब आप पर असामान्य भार पड़ेगा, आप बीमार पड़ जायेंगे। सबसे महत्वपूर्ण अंक 'सात' और 'दो' हैं। इन्हीं मूलांकों वाली तिथियों को अपनी योजनाएं, कार्यक्रम

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

पूरे कीजिये। सबसे घटनापूर्ण वर्ष भी इन्हीं मूलांकों वाले होंगे। इन्हीं मूलांकों वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति गहरा लगाव महसूस करेंगे।

सबसे भाग्यवर्द्धक रंग नेप्यचून (कबूतरी और शोख) चन्द्र (हरा, क्रीम, सफेद) और मंगल (लाल) के रंग हैं। रत्न : लाल मोती है।

8, 17, 26, मूलांक 8

8 व 17 अप्रैल को जन्मे व्यक्तियों के कारक ग्रह शनि और मंगल हैं, लेकिन 26 अप्रैल की राशि वृष के प्रभाव में आ जाने से इस दिन जन्मे व्यक्तियों का भाग्य बहुत भिन्न होगा। शनि और मंगल का योग बहुत शुभ योग नहीं होता है, अतः 8 व 17 अप्रैल को पैदा होने पर अपने सभी कामों में भारी सतर्कता और बुद्धिमानी बरतनी होगी। जीवन के प्रथमार्थ में आकांक्षाओं की पूर्ति के मार्ग में भारी कठिनाइयां और बाधायें आयेंगी। घर और परिवार के बंधन रखेंगे और अनेक लोगों का भरण-पोषण करना पड़ सकता है।

बहुत महत्वाकांक्षी होंगे। परिस्थितियों से जूझने में झुंझलाहट पैदा होगी, लेकिन सबसे बड़ी सम्पत्ति आपकी दृढ़ता और संकल्प हैं।

व्यापार और विवाह के साझेदारों के साथ भाग्यशाली रहने की आशा नहीं है, विशेषकर प्रारम्भिक वर्षों में काफी विरोध और अप्रसन्नता का सामना करना पड़ सकता है। बड़ी आयु में साझेदारियां और विवाह अधिक शुभ रहेंगे। नये उद्योग शुरू करने और बड़े पैमाने पर व्यापार फैलाने के अद्भुत विचार और योजनायें रहेंगी। सबसे बड़ी कठिनाई दूसरे ऐसे लोग पाने की होगी, जो आपसे सहमत हो सकें। बड़े पैमाने पर काम करने का प्रयास कर सकते हैं। अध्यवसाय, इच्छाशक्ति और संकल्प से अंत में सफलता मिल सकती है। अपने तक सीमित रहेंगे, लोगों का आसानी से विश्वास नहीं करेंगे, अजनबियों के प्रति बहुत-कुछ संदेहशील होंगे और सदा अपनी बात छिपाए रखने की प्रवृत्ति होगी। संग्रहशील होंगे, आलमारियों और ट्रंकों में ऐसी वस्तुएं जमा करके रखेंगे जिनका कभी उपयोग नहीं करेंगे।

8 या 17 अप्रैल को जन्मे लोग आमतौर से नामी डाक्टर, शल्यचिकित्सक, वैज्ञानिक, रसायनशास्त्री या हर प्रकार के संगठनकर्ता होते हैं। 26 अप्रैल को जन्मे होने पर शुक्र स्वभाव को काफी नरम बना देगा। विरोध होने पर अपने विचारों के लिए अंत तक लड़ेंगे, लेकिन लड़ाई खत्म होने पर अत्यन्त क्षमाशील बन जायेंगे और जल्दबाजी में कहे गये शब्दों पर पश्चाताप करेंगे।

धैर्य का अभाव होगा और जरा से भड़काने पर आपे से बाहर हो जाएंगे।

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

अनेक मुकद्दमों में फंसने की संभावना है। आमतौर से वकीलों से काफी परेशानी और निराशा मिलेगी तथा अपनी लड़ाई खुद लड़ेंगे। अधेड़ आयु तक रुपये-पैसों के मामले में भाग्यशाली रहने की संभावना नहीं है, लेकिन एक बार भाग्योदय होने पर पिछली सब भरपाई हो जाएगी। भूमि के विकास, अचल सम्पत्ति, मकान आदि से आपको अच्छा लाभ होगा। शुक्र से सम्बन्धित सभी वस्तुएं शुभ रहेंगी, जैसे इत्र का निर्माण, फल-फूल की खेती। संगीत, चित्रकला और साज-सज्जा की कला के भी अत्यंत शौकीन होंगे।

मुख्य दोष विचारों तथा कार्यों का अपव्यय, हर काम को बड़े पैमाने पर करने की इच्छा, बहुत अधिक जिद्दी होने की प्रवृत्ति, कब झुकना चाहिये या बल से बुद्धि बेहतर है—की सीख न जानना है। सारा जीवन विरोधाभासों से पूर्ण होगा।

अड़ियल स्वभाव सदा एक बड़ी सम्पत्ति होगा, लेकिन बहुत कम व्यक्ति ऐसे मिलेंगे, यदि मिले तो, उनके साथ मिलकर काम न कर पायेंगे। दूसरों से सहायता पाने के बजाय अपने भाग्य के स्वयं निर्माता होंगे, लेकिन कोई कारण नहीं कि अंततः सफल न हों और सम्पत्तिवान न बनें।

कुछ बहुत विचित्र अनुभव हो सकते हैं, जैसे बीमारी का गलत निदान या गलत दवाओं की तजबीज। सभी मादक द्रव्यों, शराब तथा नशीली दवाओं से बचना चाहिये। अपने भोजन की जांच कर आंतों को ठीक रखें, नहीं तो भोजन-विष, फोड़े-फुंसी, अदीठ फोड़ा, त्वचा की शिकायतें, बदहजमी या रक्त-विकार हो सकते हैं और काफी कष्ट उठाना पड़ सकता है।

अनेक बार आपरेशन होने की भी संभावना है, विशेषकर जबड़े, दांत और सिर की हड्डियों का। छोटी आयु में टौंसिल का आपरेशन हो सकता है। नाक, गला, कान और फेफड़ों की भी शिकायतें हो सकती हैं। 'चार' और 'आठ' के अंक जीवन में काफी महत्वपूर्ण रहेंगे। परामर्श है कि जान-बूझकर इन अंकों या इन मूलांक वाली तिथियों को अपने काम के लिए मत अपनाइए, किन्तु यदि वे आ ही जायें तो उनसे लाभ उठाइए।

27 अप्रैल को पैदा होने पर शुक्र के अंक '6' और सूर्य के अंक '1' का अधिक-से-अधिक उपयोग कीजिये।

जीवन के सबसे घटनापूर्ण वर्ष 'चार' और 'आठ' मूलांकों वाले होंगे। इन्हीं मूलांकों वाली और 'एक' तथा 'छः' मूलांकों वाली भी तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति गहरा लगाव महसूस करेंगे। अपना प्रभाव बढ़ाने के लिए जहां तक संभव

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

हो, सूर्य के रंगों का और उसके बाद शुष्क और मंगल के रंगों का उपयोग करें। ये रंग हैं : सूर्य (सुनहरा, पीला, नारंगी, भूरा), शुक्र (नीला), मंगल (लाल)। भाग्य रत्न हैं : हीरा, पुखराज, अम्बर, लाल तामड़ा, लाल नग, नीलम और पन्ना।

9, 18, 27, मूलांक 9

इसका कारक ग्रह मंगल है। 27 अप्रैल को जन्मे व्यक्ति आगामी राशि वृष के स्वामी शुक्र के प्रभाव में भी आते हैं। विचारों तथा कार्यों में अत्यन्त स्वतंत्र होंगे। सभी अंकुशों और किसी भी प्रकार की सीमा लगाए जाने पर सख्त नाराजगी होगी। दूसरों की भावनाओं की चिन्ता किए बिना अपने विचार और राय व्यक्त करने में बहुत मुंहफट होंगे। शीघ्र आवेश में आने वाले, झगड़ालू और क्षणिक आवेश में विवाद या झगड़ों में उलझ जाने वाले होंगे। हर प्रकार के खेलकूद से गहरा प्यार होगा। हर अवसर पर दुस्साहस की खोज में रहेंगे। भारी जोखिम उठाने को तैयार रहेंगे, खतरे में भी निडर, सभी अवसरों पर लड़ाई की सच्ची भावना प्रदर्शित करने वाले। सैनिक जीवन के लिए प्रतिभा होगी, अवसर आने पर एक क्षण की सूचना पर युद्ध के लिए जाने को तैयार रहेंगे।

दुर्घटनाओं, चोट, विस्फोट, घाव, आग, आग्नेयास्त्र और शल्यचिकित्सा के खतरे का सामना किए बिना कभी रह ही नहीं सकती। आंखों और चेहरे तथा सिर के ऊपरी भाग में चोट लगने की सम्भावना अधिक रहेगी। घर से बाहर रहना पसंद करेंगे। पशुओं के प्रेमी होंगे, लेकिन उनसे काफी खतरा भी उठाएंगे।

दूसरे व्यक्तियों के आगे आसानी से घुटने नहीं टेकेंगे। ऐसी किसी वृत्ति में सबसे सफल रहेंगे, जहां अपनी मर्जी के मालिक हो सकें। प्रबल निजी आकर्षण होगा, विपरीत लिंगी आमतौर से पसंद करेंगे और औसत से अधिक प्रेम-प्रसंग रहेंगे। इन प्रवृत्तियों के बावजूद यदि ऐसा साथी पा जाते हैं, जो आपकी वीरता के गुणों के कारण आपके दोषों को क्षमा कर सके, तब विवाह शुभ रहेगा। कभी-कभी मद्यपान भी कर सकते हैं, किन्तु शराब से लगाव के बजाय सामाजिक सम्पर्क के प्रेम के कारण।

सभी प्रकार के उद्योगों, व्यापार, संगठन या दूसरों की सेवा में धन कमाने की भारी योग्यता होगी। कुछ भी काम करना पसंद करें, सदा कठिनाइयों से निकलने का रास्ता निकाल लेंगे और आत्म-निर्भर तथा संकल्पवान होंगे। निडर और साहसी होंगे। निडर और साहसी तो हैं किन्तु शायद इतने जिद्दी हैं कि जिससे भला ही नहीं होगा। हर काम में बड़े पैमाने पर दांव लगाने वाले होंगे। जीवन को गंभीरता से लेने के

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

बजाय खेल अधिक समझेंगे। आमतौर से अधिकतर जीवन में भाग्य साथ देगा।

शरीर सुगठित और आप में जीवनी-शक्ति होगी। किसी भी बीमारी से शीघ्र उठ खड़े होंगे। सबसे अधिक खतरा दुर्घटनाओं से रहेगा, विशेषकर आग्नेयास्त्रों, आग, विस्फोट या सड़क दुर्घटनाओं से। उच्च रक्तचाप, दिल की बीमारी और पक्षाघात के भी शिकार हो सकते हैं। सबसे महत्त्वपूर्ण अंक 'नौ' और-'एक' हैं। सबसे घटनापूर्ण वर्ष 'नौ' मूलांक वाले रहेंगे। 'एक' या 'नौ' मूलांकों वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति आप गहरा लगाव महसूस करेंगे। अपना प्रभाव बढ़ाने के लिए मंगल (लाल) और सूर्य (पीला, सुनहरा, भूरा, नारंगी) के रंग के कपड़े पहनिए। 27 अप्रैल को जन्मे लोग नीले रंग के भी कपड़े पहन सकते हैं।

भग्य रत्न हैं—लाल, तामड़ा, हीरा, पुखराज और अम्बर। 27 अप्रैल को जन्मे लोग फीरोजा और नीले नग भी धारण कर सकते हैं।

मई

मई 1, 10, 19, 28, मूलांक 1

इसके कारक ग्रह शुक्र और सूर्य हैं। यह बहुत शक्तिशाली योग है और यदि सोच-समझकर काम किया जाए तो आपको काफी सफलता मिल सकती है।

28 मई को बुध के स्वामित्व वाली आगामी राशि मिथुन शुरू हो जाती है। अत: इस दिन जन्म लेने पर आपकी मानसिक शक्ति और भी तेज होगी। अपने पर काफी भरोसा होगा। सभी योजनाएं रचनात्मक और मौलिक होंगी। यदि ईर्ष्या या गुप्त प्रयासों से आपको क्रोध न दिलाया जाए तो आप बहुत धैर्यवान तथा विनम्र रहेंगे। लेकिन योजनाओं, आकांक्षाओं का विरोध होने पर कभी-कभी गुस्से से उबल भी पड़ेंगे। जिस काम में भी लगे हों दृष्टिकोण व्यापक होगा, किन्तु किसी प्रकार का हस्तक्षेप, चिड़चिड़ापन या आलोचना आपको सहन नहीं होगी। जनता के सामने लाने वाले किसी भी काम में सफल होंगे। दफ्तरी या प्रशासनिक काम में ही जैसे, अस्पताल, संस्थानों और बड़े उद्यमों के प्रमुख के रूप में सफलता मिलती रहेगी।

शरीर सुगठित और माप में प्रचुर जीवनी-शक्ति होगी। कभी-कभी अपनी योजनाओं में अत्यधिक शक्ति लगाने और ठीक से विश्राम या शयन न करने के कारण उसे आघात पहुंचाएंगे। जुकाम की उपेक्षा करने से फेफड़े और छाती प्रभावित हो सकते हैं, किन्तु स्वच्छ हवा और सूर्य स्नान से आप ऐसी बीमारियों से बचे रहेंगे। 28 मई को जन्म होने पर स्नायु-प्रणाली अत्यधिक तनावग्रस्त और संवेदनशील हो

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

सकती है। महत्वाकांक्षाएं पूरी करने के लिए सबसे महत्वपूर्ण अंक एक, दो तथा छः और इन्हीं मूलांकों वाली तिथियां हैं।

सबसे घटनापूर्ण वर्ष भी इन्हीं मूलांकों वाले व इन्हीं मूलांकों वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति आप गहरा लगाव महसूस करेंगे।

अपना प्रभाव बढ़ाने के लिए सूर्य (सुनहरा, नारंगी, पीला, भूरा), चंद्र (हरा, सफेद, क्रीम) तथा शुक्र (नीला) के रंगों का अधिक-से-अधिक उपयोग करें। 28 मई को जन्मे व्यक्ति बुध के हल्के रंगों का प्रयोग कर सकते हैं। भाग्य-रत्न हैं : हीरा, पुखराज, अम्बर, चन्द्रकांत मणि और फीरोजा। 28 मई वालों के लिए सभी चमकीले नग।

2, 11, 20, 29, मूलांक 2

इसके कारक ग्रह, चंद्र, नेप्यचून और शुक्र हैं; लेकिन 29 मई को जन्म लेने पर शुक्र के बजाय बुध के प्रभाव में आते हैं, जो नई राशि मिथुन का स्वामी है। चन्द्रमा अपनी उच्च राशि में होने के कारण अधिक प्रभावित करता है। कल्पनाशील, रूमानी और कलाप्रिय होंगे। आदर्शवान, रहस्यवाद, गुप्त विद्याओं और अध्यात्मवाद के अध्ययन की ओर निश्चित झुकाव होगा। ये बातें अपनी ओर आकर्षित करेंगी और जीवन पर काफी प्रभाव डालेंगी। अपनी प्रतिभा को साहित्य कला, संगीत और नाटक में व्यक्त करना चाहेंगे।

अपने घर को सुन्दर वस्तुओं से सजाने का प्रयास करेंगे। मनोनुकूल वातावरण से आपके संवेदनशील स्वभाव को संतोष मिलेगा। अपने निवास को कई बार बदलेंगे। मन यात्रा के लिए बेचैन रहा आएगा, लेकिन स्थिर राशि में जन्म लेने के कारण इस इच्छा की पूर्ति में काफी कठिनाई होगी।

20 और 29 मई को पैदा हुए व्यक्तियों के लिए यह कठिनाई इतनी नहीं आएगी। दूसरों के दुःख देखकर आपकी सहानुभूति शीघ्र उमड़ पड़ेगी। इसमें समय भी खर्च हो सकता है। स्वभाव सहज ही मधुरता लिए होगा। अजनबियों को भी आकर्षित करेंगे और आप नए वातावरण में बहुत जल्द रच-खप जाएंगे।

अनगिनत मित्र होंगे, इतने कि उनसे भला नहीं होगा, लेकिन आमतौर से भाग्यशाली रहेंगे, विशेषकर विपरीत लिंगियों के साथ सम्बन्धों में ही। अद्‌भुत अंत-प्रेरणा होगी और आपके सपने बहुत सच हो सकते हैं।

पृथ्वी और उससे पैदा सभी वस्तुएं आपके लिए शुभ रहेंगी लेकिन बहुत अधिक भोग, मनोरंजन और अच्छी-अच्छी वस्तुएं पाने की इच्छा से सावधान रहना होगा।

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

आर्थिक दशा बहुत उतार-चढ़ाव की रहेगी। कभी भाग्य जोर मारेगा। फिर उतना ही समय उतार का रहेगा। कोई काम ठीक होता दिखाई नहीं देगा।

हर प्रकार की सट्टेबाजी से बचना चाहिये और फिजूलखर्ची की अपनी प्रवृत्ति पर रोक लगानी चाहिये।

स्वास्थ्य के मामले में नजला-जुकाम और इन्फलुएंजा से सावधान रहना चाहिये। ये श्वासनली, फेफड़ों और गले को प्रभावित कर सकती है। मध्यम आयु में नाक की हड्डी बढ़ने की या साइटिक की बीमारी हो सकती है और सुनने में कुछ दोष आ सकता है। सबसे महत्वपूर्ण अंक 'दो', 'सात' और 'छ:' हैं। इन्हीं मूलांकों वाली तिथियों को अपनी योजनाएं पूरी कीजिये। 29 मई को पैदा हुए लोगों के लिए अंक 'पांच' भी इतना ही महत्त्वपूर्ण होगा।

सबसे घटनापूर्ण वर्ष 'दो', 'सात', 'छ:' मूलांक वाले ही होंगे। 'एक' 'दो, 'छ:' और 'सात' मूलांकों वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति आप विशेष लगाव महसूस करेंगे। 29 मई को जन्मे व्यक्ति 'पांच' मूलांक वाली तिथियों को पैदा हुए व्यक्तियों के प्रति आकर्षित होंगे। अपना प्रभाव बढ़ाने के लिये, चंद्र (हरा, सफेद तथा क्रीम), शुक्र (नीला) और नेप्यचून (कबूतरी तथा शोख) रंग के कपड़े पहनिए। 19 मई को जन्मे लोग बुध के रंग के चमकीले कपड़े पहनें। आपके भाग्य रत्न हैं : जेड पन्ना, चंद्रकांत मणि, लहसुनिया, मोती, फीरोजा, सभी नीले नग। 29 मई वालों के लिए सभी चमकीले नग हैं।

3, 12, 21, 30, मूलांक 3

आपके कारक ग्रह गुरु और शुक्र हैं। यह योग बहुत शुभ है। यदि आप शुक्र या अपने स्वभाव के प्रेम-पक्ष को अधिक हावी न होने दें, तो बहुत सफल होना चाहिये। अपनी आकांक्षाओं को खुलकर खेलने का अवसर देना चाहिये और सामाजिक या व्यापारिक क्षेत्र में अपने से ऊंचे व्यक्तियों में सम्पर्क बढ़ाने का प्रयास करना चाहिये। हर अन्याय का विरोध करेंगे और जहां सहानुभूति होगी, वहां संघर्ष में शोषितों का पक्ष लेने की कोशिश करेंगे। धर्म के बारे में आपके बहुत दृढ़ और स्वतंत्र विचार होंगे। अपना निजी दर्शन बनाना चाहेंगे। अपने सभी विचारों में ओजस्वी और संकल्पवान होंगे तथा अपनी योजनाओं पर अमल में कुछ हठी भी होंगे।

कम आयु में ही विवाह करना चाहेंगे, लेकिन संभावना यह है कि दो तीन विवाह करेंगे और उनमें आखिरी विवाह सबसे शुभ रहेगा। जीवन में कुछ प्रेम-प्रसंग असाधारण भी हो सकते हैं। स्वभाव हर अर्थ में अत्यंत कलाप्रिय होगा। आप

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

चित्रकला, संगीत साहित्य और अनेक प्रकार के जनजीवन में श्रेष्ठता का परिचय देंगे, किन्तु प्रतिभा इतनी बहुमुखी होगी कि यह निश्चय करना कठिन होगा कि क्या किया जाये। घर और मातृभूमि के प्रति गहरा लगाव होगा। अपने देश के लिए लाभकारी राष्ट्रीय परियोजनाओं को आगे बढ़ाने का प्रयास करेंगे। परोपकारी और धर्मार्थ संस्थाओं की सहायता करेंगे, उनके लिए समय भी देंगे। समाज से सम्मान मिलेगा। अपने संप्रदाय के अत्यंत सम्मानित सदस्य हो सकते हैं।

आर्थिक मामलों में डर की कोई बात नहीं। रास्ते में महान अवसर आएंगे। न कुछ से भी बहुत कुछ कर लेंगे। एकमात्र खतरा यही है कि दांव लगाने की बड़ी-बड़ी योजनाओं में अपने साधन गंवा सकते हैं। शुरू के वर्ष बीत जाने पर आपका स्वास्थ्य और शक्ति अच्छी रहेगी। अधिक परिश्रम और सेवा-कार्यों के लिए आपके कार्य ही आपके स्वास्थ्य के एकमात्र दुश्मन होंगे।

आपका मूलमंत्र होगा, 'घिसो, लेकिन जंग मत लगने दो।' इसीलिए आप दीर्घायु नहीं मांगेंगे। आप में फेफड़ों और गले की कमजोरी की प्रवृत्ति रहेगी लेकिन मध्य आयु तक पहुंच लेने के बाद आप उससे पार पा लेंगे। सबसे महत्त्वपूर्ण अंक 'तीन' और 'छ:' हैं। 30 मई को जन्मे व्यक्तियों के लिए 'पांच' भी महत्वपूर्ण है। अपनी योजनाएं इन्हीं मूलांकों वाली तिथियों को पूरी करने का प्रयास कीजिये। सबसे घटनापूर्ण वर्ष भी इन्हीं मूलांकों वाले होंगे। इन्हीं मूलांकों वाली तिथियों को पैदा हुए व्यक्तियों के प्रति आप गहरा लगाव महसूस करेंगे। 30 मई को जन्मे लोगों के लिए 'पांच' अंक भी जोड़ लेना चाहिये। अपना प्रभाव बढ़ाने के लिए गुरु : बैंगनी, फालसई जामुनी और शुक्र : नीला रंग के रंग धारण कीजिये। 30 मई वालों के लिए बुध के हल्के और चमकीले रंग भी। आपके भाग्य रत्न हैं : कटैला, (अमेथिस्थ), बैंगनी रंग के नग और फीरोजा। 30 मई वालों के लिए हीरा और चमकदार नग हैं।

4, 13, 22, 31 मूलांक 4

आपके कारक ग्रह यूरेनस, सूर्य और शुक्र हैं। 31 मई को जन्मे व्यक्ति बुध के स्वामित्व वाली मिथुन राशि के प्रभाव में आते हैं। यह विचित्र योग है, जो सबसे अलग और असामान्य जीवन की संभावना देता है। दार्शनिक, लेखकों और संगीतकारों के लिए यह योग अत्यंत शुभ है। हो सकता है, दुनियावी दृष्टि से आप भाग्यशाली न ठहरें। आर्थिक मामलों में अनेक परिवर्तन आते रहने की संभाव है, लेकिन वे हमेशा आकस्मिक या अप्रत्याशित होंगे। दूसरे लोगों के विचारों के साथ आसानी से मन नहीं बैठा पाएंगे और आपके काम तथा विचारों का आमतौर से विरोध होगा।

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

लेकिन बाधाओं को चीरने और अवसर के अनुकूल ऊपर उठने में अपने सर्वोत्तम गुणों का परिचय देंगे। चिंतन में मौलिक होने के कारण नए विचार और तरीके आकर्षित करेंगे। नए आवष्किार या असाधारण बातें भी, विवाह भी असाधारण होगा, अधिकतर परीक्षण के लिए या किसी खास उद्देश्य के लिए अपने विचारों और राय पर कट्टर होंगे। निष्कर्ष पर पहुंचने के लिए पूरा विश्लेषण और समीक्षा करेंगे। लोगों और वातावरण में आप बहुत रच-पच नहीं सकेंगे। अपने तक अधिक सीमित रहेंगे और कम ही साथियों की चिन्ता करेंगे, लेकिन जिन्हें चाहेंगे, उनका पूरा ध्यान रखेंगे। बहुत असाधारण कलाकार, लेखक या आविष्कारक बनने की क्षमता है, लेकिन जो भी करेंगे उस पर आपके गहरे व्यक्तित्व का कुछ-न-कुछ रंग अवश्य रहेगा। रुपए-पैसे के मामले में आपकी अजीब हालत रहेगी। यहां भी अप्रत्याशित के घटने की संभावना है। आपके मस्तिष्क से पैदा मौलिक विचार और योजनाएं दूसरे लोगों के विचारों से मेल नहीं खाएंगी। असाधारण ढंग से पैसा कमाएंगे। आविष्कर्ता या परम्परा से अलग लेखक, चित्रकार या संगीतज्ञ बन सकते हैं। रोजमर्रा का साधारण काम-काज आपको आकर्षित नहीं करेगा और दूसरों के साथ मिलकर काम करना अत्यधिक कठिन होगा।

स्वास्थ्य की भी विचित्र दशा रहती है। बीमारी आकस्मिक और अप्रत्याशित होगी। कभी-कभी उसका निदान भी कठिन होगा। जैसे पेट में दर्द और मरोड़, अंदरूनी घाव, बिना चेतावनी के नजला-जुकाम, इन्फ्लुएंजा, फेफड़ों की सूजन आदि का योग है।

हल्का, लेकिन थोड़ी-थोड़ी देर में भोजन करना चाहिये और आम भोजन करने के बजाय यह देखना चाहिये कि क्या खाना अनुकूल है ?

'चार', 'छः' और 'आठ' अंक आपके मामलों में बार-बार आएंगे और महत्त्वपूर्ण भूमिका अदा करेंगे। जीवन के सबसे घटनापूर्ण वर्ष 'चार' और 'छः' मूलाकों वाले होंगे। इन्हीं मूलांकों वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति आप गहरा लगाव महसूस करेंगे। 31 मई वालों के लिए 'पांच' का मूलांक भी महत्वपूर्ण है। अपना प्रभाव बढ़ाने के लिए सूर्य (सुनहरा, पीला, नारंगी, भूरा) यूरेनस (सिलेटी और शोख) तथा शुक्र (नीला) के रंगों को धारण कीजिये। 31 मई वाले इसमें बुध के सफेद, क्रीम और हल्के चमकीले रंग भी जोड़ सकते हैं। आपके भाग्य रत्न पुखराज, अम्बर, हीरा, नीलम हैं।

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

5, 14, 23 मूलांक 5

इसके कारक ग्रह बुध और शुक्र हैं। मानसिक पक्ष के लिए यह एक शुभ योग है। यह मस्तिष्क को असाधारण गहराई, मौलिकता और सतर्कता देता है। आपमें तर्क करने की अच्छी शक्ति होगी। आलोचना, विश्लेषण और निरीक्षण करने वाले रहेंगे। भावना में बहुत स्वतन्त्र होंगे लेकिन लोगों का और वातावरण का, अपने पर किसी तरह का प्रभाव न पड़ने देकर उनमें बहुत आसानी से रच-खप जाएंगे। आप बहुमुखी काम वाले होंगे और यदि मन में पर्याप्त दिलचस्पी पैदा कर सकें, तो किसी काम में भी सफल हो सकते हैं। किसी एक वस्तु या व्यक्ति से आसानी से लगेंगे नहीं। फलतः जीवन और वृत्ति में अनेक बार परिवर्तन की संभावना भी है।

आपके विपरीत लिंगियों का काफी प्रभाव होगा। फिर भी विचित्र बात यह है कि आप उनसे स्वतंत्र रहेंगे। आपके अनेक प्रेम-प्रसंग होंगे, लेकिन आप अपने प्रेम पात्रों को बदलते रहेंगे। आप कम आयु में विवाह कर सकते हैं, लेकिन ऐसा विवाह अधिक समय तक टिकने वाला नहीं होगा। उससे आपकी वृत्ति में बाधा और निराशा पैदा होगी।

आर्थिक मामलों में आप अपने मित्रों के लिए और अपने लिए पहेली बने रहेंगे। आप उलटे-सीधे और असामान्य ढंग से पैसा कमाएंगे। यदि इरादा करें, तो आमतौर से पैसा बनाने और सम्पत्ति जमा करने में भाग्यशाली रहेंगे, विशेषकर जमीन मकान, या सट्टेबाजी के सम्बन्ध में। असामान्य वृत्ति अपनाकर दुनिया में नाम और पद प्राप्त करने की संभावना है।

स्वास्थ्य में आप स्नायुविक परेशानियों के शिकार हो सकते हैं। आपको शल्य चिकित्सक के चाकू का भी कई बार अनुभव करना पड़ सकता है। सिर, चेहरे, दांतों और जबड़े में चोट लगने की संभावना है। जननेंद्रिय कमजोर होगी और सूजन तथा नजले से पीड़ित होने की प्रवृत्ति रहेगी। लेकिन 23 मई को जन्मे लोगों को ये व्याधियां इतना नहीं सताएंगी, जितना 5 और 14 मई को जन्मे लोगों को।

सबसे महत्वपूर्ण अंक 'पांच' और 'छः' हैं। सबसे घटनापूर्ण वर्ष भी इन्हीं मूलांकों वाले रहेंगे। इन्हीं मूलांकों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति आप गहरा लगाव अनुभव करेंगे। अपना प्रभाव बढ़ाने के लिए बुध (हल्के और चमकीले), शुक्र (नीले) और चंद्र (हरे, क्रीम व सफेद) रंग के कपड़े पहनिए। आपके भाग्य रत्न : हीरा, फीरोजा, पन्ना, हरा जेड और सभी चमकीले नग हैं।

6, 15, 24 मूलांक 6

आपके कारक ग्रह शुक्र और चंद्र हैं। आपके लिए आपके स्वभाव का

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

प्रेम-पक्ष सम्बन्धी कोई भी मामला या स्वयं मानव-प्रेम सबसे महत्वपूर्ण रहेगा। इसके लिए आप कुछ भी करने, कोई भी बलिदान देने या कोई भी कठिनाई झेलने के लिए तैयार रहेंगे ही।

अत्यन्त भावुक, समर्पित, अपने उद्देश्य के लिए उत्साह में बह जाने वाले होंगे, चाहे वह युद्ध या क्रांति में घसीट ले जाएं, चाहे धर्मोपदेशक, कलाकार, लेखक का शांतिपूर्ण मार्ग अपनाएं, चाहे अपने प्रेमपात्रों के लिए केवल अपना कर्तव्य-पालन कर रहे हों, कट्टर उत्साह की इस अन्तर्धारा के बिना जीवन में कोई आनन्द ही नहीं आयेगा। वृषभ और शुक्र के सभी गुण और कमजोरियां अपनी पूरी मात्रा में होंगी। आप दुहरे शुक्र के प्रभाव में हैं, लेकिन मंगल की विरोधी दृष्टि उस पर है। आप पूरी गहराई से या तो प्यार करेंगे या घृणा। आपकी भावनाएं आपको देवता बना सकती हैं या शैतान। यदि अपने स्वभाव को अच्छी तरह काबू में नहीं रखेंगे, तो ईर्ष्या से खतरा है। यदि आपका ऐसा ख्याल है कि मानवता के भले के लिए क्रांति आपके जीवन का उद्देश्य है, तो आप उसके लिए कोई कसर उठा नहीं रखेंगे।

दिल में सुलगती हुई भावना और उत्साह को काबू में रखकर आपको किसी ऊंचे आदर्श में अपने आपको लगाना चाहिये और दुनिया में अपनी निशानी छोड़ जानी चाहिये। स्वभाव का एक अच्छा पक्ष यह है कि प्रकृत्ति के गहन प्रेमी होंगे।

सुन्दर दृश्यों, बागों और फूलों की पूजा करेंगे और अपने घर में अत्यन्त कला प्रेमी होंगे। संगीत और हर प्रकार की कलाएं आपको आकर्षित करेंगी और इस दिशा में आप में प्रचुर प्रतिभा होगी। अपने मित्रों को आनन्द प्रदान करने में सुख अनुभव करेंगे। सामाजिक जीवन में, मेलों, दावतों और हर प्रकार के तमाशों का आयोजन करने में विशेष सफल होंगे। बच्चों से बहुत प्यार होगा। अपने बच्चे न होने पर दूसरों के बच्चों को गोद ले लेंगे। विपरीत लिंगियों के साथ आपकी अनेक दोस्तियां होंगी, लेकिन वासना से अधिक उनमें प्रेम और बन्धुत्व की भावना रहेगी। आप अपनी जवानी बनाए रखेंगे और जीवन भर युवा दिखाई देंगे।

अनेक सुअवसर प्राप्त होंगे और आमतौर से रुपये-पैसे के मामले में अधिक ही भाग्यशाली रहेंगे। यदि व्यापार में जाना पड़ा, तो जीवन को शानो-शौकत प्रदान करने वाले उद्यमों में अधिक लाभ होगा, जैसे घरों की साज-सज्जा, महिलाओं के शिरोवस्त्र, पोशाकें, फूल की दुकानें अथवा रेस्तरां या होटल आदि। आपके स्वभाव का दूसरा पक्ष आपको किसी कलात्मक धंधे की ओर धकेलेगा, जैसे संगीत, चित्रकला, लेखन, रंगमंच या भाषण कला। इनमें अच्छी सफलता प्राप्त कर सकते हैं। वैसे

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

सुगठित काया से जीवन की शुरूआत करेंगे, लेकिन भोग-विलास और शानो-शौकत से रहने की प्रवृत्ति के कारण अपनी कब्र स्वयं खोदते दिखाई देंगे। बहुत मिठाइयां और गरिष्ठ पकवान खाकर अपने छरहरे बदन को बर्बाद कर लेंगे।

चर्बी बढ़ जाने से दिल की बीमारी पकड़ सकती है। बाद के वर्षों में जलोदर की शिकायत हो सकती है। इच्छा-शक्ति से इस पर काबू पाना आपके अपने हाथ में है। फेफड़ों, श्वास नलिका और गले में भी कमजोरी की प्रवृत्ति हो सकती है।

सबसे महत्वपूर्ण अंक 'दो', 'तीन' और 'छः' हैं। 'दो' का अंक बताने का कारण यह है कि चन्द्र मई मास में अपनी उच्च राशि में होता है। 'नौ' का अंक इतना शुभ नहीं है, क्योंकि वह आमतौर से विरोध में काम करता है।

आपके जीवन के सबसे घटनापूर्ण वर्ष 'दो' और 'छः' मूलांकों वाले हैं। 'दो', 'तीन' या 'छः' मूलांकों वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति आप काफी आकर्षण अनुभव करेंगे। अपना प्रभाव बढ़ाने के लिए चंद्र (हरे, सफेद, क्रीम), शुक्र (नीले) और गुरु (बैंगनी, फालसई, जामुनी) रंग के कपड़े पहनिए। आपके भाग्य-रत्न: चन्द्रकांत मणि, लहसुनिया, जेड, उपल, पन्ना, सभी हरे नग और कटैला भी हैं।

7, 16, 25 मूलांक 7

इस अंक के कारक ग्रह नेप्यचून, चंद्र और शुक्र हैं। 25 मई को जन्म होने पर आप बुध (ओज) के स्वामित्ववाली मिथुन राशि के प्रभाव में भी आ जाएंगे। यह तिथि वृष और मिथुन के संधि-काल में है। स्वभाव का विनम्र या अधिक स्वप्नदर्शी पक्ष उभरकर आगे आएगा। 25 मई वालों में प्रबल मानसिक गुण अधिक होंगे। इन ग्रहों का योग आपको विचित्र वस्तुओं के प्रति प्रेम, रहस्यवाद, गुप्त विद्या तथा इन विषयों से जुड़ी बातों की ओर प्रवृत्त करेगा। कभी-कभी अद्भुत सपने आएंगे, अजनबियों के साथ सम्पर्क में विचित्र अनुभव होंगे, मानव-जाति से सम्बन्धित भावी घटनाओं का आभास होगा। असामान्य ढंग के आविष्कारों की ओर झुकाव होगा। नये विचारों और वायरलैस, टेलीविजन, रेडियो जैसी वस्तुओं में बहुत-सफलता मिलेगी।

किसी प्रकार की एकरसता में आनन्द नहीं आएगा, लेकिन असाधारण कामों में या जन-कल्याण के मानवीय कार्यों से जुड़ी किसी वृत्ति में सफलता की आशा कर सकते हैं। यदि पास खर्च करने को पैसा हुआ तो उसे क्लीनिक, अस्पताल या परोपकारी संस्थाओं की सहायता में लगाना चाहेंगे।

ऐसी गुप्त संस्थाओं या राजनीतिक संगठनों में रुचि लेने की आशा है जिनका

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

विशाल जनसमुदाय से पाला पड़े। लिखने और बोलने का वरदान होगा, जिससे आपको व्यापाक क्षेत्रों में पद और महत्व मिलेगा।

जीवन के सामान्य आनन्दों की परवाह नहीं करेंगे और आपके रहन-सहन के ढंग से लोग आपको अजीब या सनकी समझ सकते हैं। स्वभाव से दयालु और उदार होंगे, लेकिन आप अपने पैसे का क्या करें, इस बारे में आपके अपने विचार होंगे। स्वयं को विवाहित जीवन के अनुकूल ढालने में कठिनाई होगी और यदि बचना सम्भव हो तो छोटी आयु में विवाह मत कीजिये। असाधारण विचारशक्ति होगी और लेखक, कवि, चित्रकार, संगीतज्ञ या आविष्कर्ता के रूप में सफल हो सकते हैं। प्रारंभिक वर्षों में आपको अनेक असुविधाओं का सामना करना पड़ेगा। इसके बावजूद श्रेष्ठ मानसिक शक्ति की बदौलत, जो भाग्य या अवसर पर निर्भर नहीं होगी, आप काफी आर्थिक सफलता प्राप्त कर सकते हैं।

आमतौर से अपने को बहुत शक्तिशाली महसूस नहीं करेंगे और परिश्रम से शीघ्र थकान महसूस कर सकते हैं। अंतड़ियों के मार्ग में भी कुछ गड़बड़ी हो सकती है। भोजन के बारे में पूरी सावधानी बरतिए। जितना स्नायविक बल, धैर्य और सहनशक्ति होगी उतना शारीरिक स्टैमिना नहीं होगा। कभी-कभी उदासी छा जाएगी। निराशा के मूड से बचने के लिए नशीली और उत्तेजना देने वाली दवाओं से दूर रहिये।

सबसे महत्वपूर्ण अंक 'सात', 'दो' और 'छः' हैं। अपने कार्यक्रम या योजनाएं इन्हीं मूलांकों वाली तिथियों को पूरी करने का प्रयास कीजिये। सबसे घटनापूर्ण वर्ष भी इन्हीं मूलांकों वाले रहेंगे। 'दो', 'सात' और 'एक' व 'चार' मूलांकों वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति अधिक आकर्षित होंगे।

अपना प्रभाव बढ़ाने के लिए नेप्पचून (कबूतरी, शोख) चंद्र (हरे, क्रीम, सफेद) और शुक्र (नीले) रंग के कपड़े पहनिए। आपके भाग्य रत्न : पन्ना, मोती, चंद्रकांत मणि और फीरोजा हैं।

8, 17, 26 मूलांक 8

शनि, चंद्र और शुक्र आपके कारक ग्रह हैं। 26 मई को जन्मे व्यक्ति बुध के स्वामित्व वाली मिथुन राशि के संधि-काल से पैदा होने के कारण बुध के प्रभाव में भी होंगे। बहुत असाधारण जीवन और वृत्ति की आशा कर सकते हैं या तो बहुत भाग्यशाली और शक्तिशाली रहेंगे या एकदम उलटे रहेंगे। 'भाग्य की संतान' कह सकते हैं। परिस्थितियां और वातावरण आपके जीवन में अत्यन्त महत्वपूर्ण भूमिका

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

अदा करेंगे। दूसरों से स्नेह के लिए लालायित रहेंगे और जीवन में बहुत अकेला महसूस करेंगे। आप अपनी भावनाओं का प्रदर्शन नहीं करेंगे, उन्हें व्यक्त करने में भारी कठिनाई होगी। दूसरों के लिए विशेषकर अपने सम्बन्धियों और प्रेम-पात्रों के लिए भारी त्याग करेंगे तथापि महसूस करेंगे कि आपको उसका उचित प्रतिदान नहीं मिला। सम्बन्धी लोग काफी दुःख और हानि पहुंचाएंगे। सभी प्रेम-प्रसंगों में अनेक गंभीर परीक्षणों से गुजरना होगा। अपनी निजी महत्वाकांक्षाएं पूरी करने में अनेक बाधाएं और कठिनाइयां आड़े आएंगी। बहुत ऊंचा पद प्राप्त कर सकते हैं, किन्तु हमेशा काम का भारी बोझ या दायित्व डाल दिया जाएगा। स्वभाव चिंतनशील, गहन, अपने तक सीमित और निजी वृत्ति के बारे में सावधानी का होगा।

26 मई को जन्मे लोग व्यक्तियों और परिस्थितियों में अधिक रच-खप सकेंगे।

कठोर, किफायत, सावधानी और बुद्धिमानी से किए गए ठोस पूंजी विनियोग से आपको लाभ होगा, शीघ्र अमीरी के नुस्खों या दांव खेलने से नहीं। भूमि और खानों के विकास और मकान खड़े करने की भी काफी योग्यता होती है।

शरीर स्वस्थ और कसा हुआ होगा, लेकिन काफी कुछ उत्साह से रहित। फोड़ों, आंतरिक घावों, अपेंडिसाइटिस, अंतड़ियों में रुकावट आदि की प्रवृत्ति रहेगी। गठिया के गंभीर दौरे होने की भी आशंका है। जहां तक संभव हो, ऊंचे और शुष्क जलवायु वाले क्षेत्र में रहने का प्रयास कीजिये। 'चार' और 'आठ' के अंक अनेक असामान्य तरीकों से आपके जीवन में आते दिखाई देंगे। सबसे घटनापूर्ण वर्ष भी इन्हीं मूलांकों वाले रहेंगे। इन्हीं मूलांकों वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति आप गहरा लगाव महसूस करेंगे।

अपना प्रभाव बढ़ाने के लिए सूर्य (सुनहरा, पीला, भूरा, नारंगी), चंद्र (हरा, क्रीम, सफेद), शुक्र (नीला) के रंगों को धारण करें। आपके भाग्य रत्न : काला हीरा, पुखराज, अम्बर, हरा जेड, मोती, नीलम और फीरोजा हैं।

9, 18, 27 मूलांक 9

आपके कारक ग्रह मंगल, शुक्र और चन्द्र हैं। 27 मई को पैदा होने पर आप मिथुन राशि के संधि-काल या बुध (ओज) के प्रभाव में भी आ जाते हैं।

यह असाधारण शक्तिशाली योग आपके जीवन को बहुत घटनापूर्ण बनाएगा, लेकिन वह अधिकतर दुस्साहस, खतरा, प्यार और रोमांस पर आधारित होगा। इन गुणों के पीछे, अच्छा या बुरा, आपका साहस, दृढ़ इच्छा-शक्ति और उद्देश्य का

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

संकल्प रहेंगे।

आप में पर्याप्त संगठन-प्रतिभा, बड़ी-बड़ी महत्वाकांक्षी योजनाओं की इच्छा और धन तथा सम्पत्ति जमा करने की योग्यता है, किन्तु साथ ही अपने सभी उद्यमों में आपके भारी खर्च से बंध जाने की प्रवृत्ति है।

आप शक्तिशाली दुश्मन और भारी विरोध पाल लेंगे। कभी-कभी खतरे और हिंसा का भी सामना करना पड़ेगा। आप लम्बी और खर्चीली मुकद्दमेबाजी के लिए बाध्य होंगे और भारी आर्थिक हानि भी उठा सकते हैं।

यदि अपने पर काबू पा सकें, तो अपने महान गुणों से काफी लाभ उठा सकेंगे। लेकिन खतरा यह है कि कहीं मंगल आपको धोखा न दे और आपका जल्दबाजी का स्वभाव आपके निर्णय पर हावी हो और विरोध खड़ा कर दे।

विपरीत लिंगी आपकी ओर आकर्षित होंगे। ईर्ष्या का भी खतरा है। शायद ही आप चोट, घाव और संभवत: हिंसक मृत्यु के बिना पूरी आयु भोग सकें। इस योग के साथ पैदा हुए स्त्री और पुरुष दोनों में मद्यपान की प्रवृत्ति होगी, सफलता के बजाए विफलता की अवधि में अधिक।

आपमें बहुत व्यावहारिक गुण होंगे। प्रबंधक, निरीक्षक या किसी दायित्वपूर्ण अधिकारी पद की भारी योग्यता होगी। सेना, नौसेना या सरकारी कार्य में तेजी से उन्नति करेंगे। इच्छा शक्ति और आत्मविश्वास से अपनी हर महत्वाकांक्षा को पूरा करने में सफल होंगे।

आप व्यापार में या उद्योग में अच्छा पैसा कमा सकेंगे। अपने जिद्दी स्वभाव पर काबू पा सकें तो पैसा जमा करने के अनेक अवसर भी मिलेंगे, अन्यथा आपका यह स्वभाव खर्चीला मुकद्दमेबाजी और शक्तिशाली दुश्मनों से आपके अच्छे भाग्य को तबाह भी कर सकता है।

अपनी संगठन-शक्ति और जनता को प्रभावित करने की योग्यता से आप पैसा बनाएंगे, लेकिन व्यक्तियों के साथ निपटने और विवाद टालने में नीति से काम लेना सीखना चाहिये।

आप हाजिर जवाब होंगे और योजनाएं बनाने में दूरदर्शिता का परिचय देंगे, लेकिन विलम्ब या विरोध होने पर धैर्य खो बैठेंगे।

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

जून

1, 10, 19, 28 मूलांक 1

आपके कारक ग्रह, सूर्य, यूरेनस और बुध हैं। 28 जून को जन्म लेने पर मिथुन के बजाय कर्क राशि के क्षेत्र और उसके स्वामी चंद्र के प्रभाव में आ जाते हैं। अत्यधिक दयालु और सहानुभूति दिखाने वाले होंगे। सहानुभूति और प्रशंसा से आसानी से प्रभावित हो जाएंगे, जिससे प्राय: अहित भी होगा। बहुत संवदेनशील, आदर्शवादी और मुखर कल्पनाशील योग्यता वाले होंगे। दिमाग बहुत तेज होगा और किसी आपात स्थिति के लिए सदा तैयार रहेगा। महत्वाकांक्षी होंगे और अपनी महत्वाकांक्षा पूरी करने में आपको भारी कठिनाइयों से गुजरना होगा। एक ही समय में दो व्यवसायों में लगे होने की संभावना है, लेकिन अपने ढंग से काम करेंगे, क्योंकि दूसरों का हस्तक्षेप सहन नहीं कर सकते। दुहरे स्वभाव के होंगे और दूसरे लोगों के लिए समझना कठिन होगा।

चंचल, हमेशा गतिशील और यात्रा तथा परिवर्तन की तीव्र इच्छा लिए रहेंगे। इसके बावजूद विज्ञान की सभी समस्याओं में गहरी दिलचस्पी लेते रहेंगे। अच्छा तर्क करने वाले और बाल की खाल निकालने वाले होंगे।

अध्ययनशील भी होंगे और स्वयं को लेखक के रूप में अभिव्यक्त करना चाहेंगे। मन में सुखद घरेलू जीवन की इच्छा होगी और उसके लिए पूरा प्रयास भी करेंगे, लेकिन इसमें भारी कठिनाइयां आने की संभावना है। हर समय किसी-न-किसी काम में लगे रहेंगे और बहुमुखी प्रतिभा वाले होंगे।

28 जून को पैदा होने पर आपका व्यक्तित्व बड़ा आकर्षक होगा और अपने विचारों में असाधारण रूप से स्वतंत्र होंगे।

अपनी आर्थिक सफलता के लिए, लेकिन अपने ही मानसिक प्रयासों से आपके ग्रहयोग बहुत अच्छे हैं। शेयरों और उद्योगों के उत्तार-चढ़ाव के बारे में पूर्वाभास हो जाया करेगा। सट्टेबाजी और दांव लगाने की ओर प्रबल झुकाव होगा। अपने निजी विचारों और अंत प्रेरणा पर चलें, तो सफल होने की संभावना है।

शरीर तगड़ा न होकर—दुर्बल और मोटा न होकर, छरहरा होगा। अपने स्नायुओं से काम लेंगे और कभी-कभी अत्यधिक परिश्रम से बिजली की तरह चुक लेंगे। फिर से शक्ति लाने के लिए विश्राम और निद्रा की आवश्यकता होगी।

अपच के अलावा कोई खास बीमारी नहीं होगी। बचपन में फेफड़ों में परेशानी

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

की भी शिकायत हो सकती है।

सबसे महत्त्वपूर्ण अंक 'एक' 'चार' और 'पांच' हैं। महत्वपूर्ण योजनाएं और कार्यक्रम इन्हीं मूलांकों वाली तिथियों पर करने का प्रयास कीजिये। सबसे घटनापूर्ण वर्ष इन्हीं मूलांकों वाले रहेंगे। इन्हीं मूलांकों वाली तिथियों को पैदा हुए व्यक्तियों के प्रति गहरा लगाव महसूस करेंगे। 28 जून को जन्मे व्यक्ति 'दो और सात' मूलांकों वाले व्यक्तियों के प्रति भी ऐसा ही अनुभव करेंगे।

अपना प्रभाव बढ़ाने के लिए सूर्य (सुनहरा, पीला, भूरा, नारंगी) यूरेनस (सिलेटी) और बुध (हल्के-चमकीले) रंगों के कपड़े पहनिए।

28 जून को जन्मे लोग हरे, विशेषकर हल्के रंग के कपड़े भी पहन सकते हैं। आपके भाग्य-रत्न हैं : हीरा, पुखराज, अम्बर, नीलम और चमकीले नग। 28 जून वालों के लिए चन्द्रकांत मणि, लहसुनिया और मोती भी।

2, 11, 20, 29 मूलांक 2

आपके कारक ग्रह बुध ओज के साथ चंद्र और नेप्यचून हैं। 29 जून को जन्म लेने पर बुध के बजाय चंद्र के प्रभाव में आते हैं। अधिक नम्र और कल्पनाशील गुणों की अधिकता रहेगी। आमतौर से नए विचारों को ग्रहण करने के लिए तैयार रहेंगे। उदार विचार वाले और दूसरों के प्रति सहानुभूति रखने वाले हैं। लड़ाई-झगड़े या युद्ध से आपको स्पष्ट घृणा होगी। कूटनीति से या बातचीत से झगड़े निपटाने में कुशल होंगे, लेकिन प्रायः कठिन परिस्थितियों में फंस जाएंगे। कूटनीति या कला से जुड़ा व्यवसाय अपनाना चाहिये। पुस्तकों, साहित्य और इतिहास से आपको गहरा प्रेम होगा।

बहुत यात्राएं करेंगे और अनेक बार स्थान तथा लिबास बदलेंगे। साहित्य में सफल हो सकते हैं। समरस या व्यापारी ढंग का जीवन अनुकूल नहीं होगा। आजीविका के लिए लेखकों के या कलाकारों के लिए लिखा-पढ़ी करना, स्वयं साहित्य रचना, विशेषकर कल्पनाशील ढंग का, ठीक रहेगा।

आर्थिक मामलों में आप बहुत समझदार नहीं हो सकते। धन खींचने के काम के नहीं हैं। मानसिक, बुद्धिजीवी वर्ग के हैं और यदि तत्काल जरूरतें पूरी करने लायक पैसा मिल जाए तो धन की अधिक चिन्ता नहीं करेंगे। सपनों की दुनिया में रहने वाले आशावादी वर्ग से हैं; किन्तु अक्सर सपने सच में बदल जाने की संभावना है।

आपको ग्रह योग बहुत तगड़ा या शारीरिक दृष्टि से मजबूत होने का आश्वासन

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

नहीं देता। पेट का ऊपरी भाग कमजोर होने की संभावना है।

भोजन पर ध्यान देना और सोच-समझकर खाना ठीक रहेगा। इससे आप गंभीर बीमारी से बचे रहेंगे और लम्बी आयु भोग सकेंगे, हालांकि बहुत ताकतवर कभी नहीं रहेंगे।

सबसे महत्वपूर्ण अंक योजनाएं और आकांक्षाएं पूरी करने के लिए 'दो' और 'सात' हैं। सबसे घटनापूर्ण वर्ष 'दो' और 'पांच' मूलांकों वाले रहेंगे। 'दो' 'पांच' और 'सात' मूलांकों वाली तिथियों को और 'एक' तथा 'चार' मूलांकों वाली तिथियों को भी पैदा हुए व्यक्तियों के प्रति आप गहरा लगाव महसूस करेंगे।

प्रभाव बढ़ाने के लिए चंद्र (हरा, क्रीम, सफेद), नेप्यचून (कबूतरी शोख) और बुध (हल्के चमकीले) रंगों के कपड़े पहनिए।

आपके भाग्य रत्न हैं : जेड चन्द्रकांत मणि, लहसुनिया, मोती, नीलम, हीरा और चमकीले नग।

3, 12, 21, 30 मूलांक 3

इसके कारक ग्रह बुध के साथ गुरु हैं। 30 जून को जन्मे व्यक्ति कर्क राशि के प्रभाव में आते हैं, जिसके स्वामी चन्द्र और नेप्यचून हैं। सबसे प्रमुख गुण अपने काम को सफलता तक पहुंचाने की आकांक्षा होगा। इसमें काफी ऊंचाइयों तक पहुंच सकते हैं, फिर भी कभी संतुष्ट नहीं होंगे। अंत तक उस दिशा में सोचते रहेंगे। पर्याप्त संगठन कुशलता है। बड़े व्यापार के प्रभुत्व या सरकारी नगरपालिकाओं, बड़े निगमों आदि के अधिकारी रूप में अच्छा काम कर सकते हैं। छोटे तौर पर यात्री या किसी व्यापारिक संस्थान के प्रतिनिधि के रूप में और नए आविष्कारों का प्रचार कर सफल होंगे। जहां जाएंगे दोस्त बना लेंगे और लोगों को शीघ्र प्रभावित कर लेंगे। अपनी बहुमुखी प्रतिभा से आप श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर लेंगे।

किसी भी विषय पर बोल सकते हैं। दिमाग में आविष्कार का रूझान है। विमान यात्रा, टेलीविजन, वायरलेस या खोज सम्बन्धी सभी मामलों में आपके दिलचस्पी लेने की संभावना है। इसमें और साहित्यिक तथा वैज्ञानिक कार्य में आपको भाग्यशाली रहना चाहिये।

आसानी से धन कमाने, सम्पत्ति जमा करने और ऊंचे पद प्राप्त करने की स्थिति में होना चाहिये, लेकिन फिर भी कभी संतोष नहीं होगा और कुछ ऐसी बात की लालसा करते रहेंगे, जो पहुंच से बाहर होगी। रुपए-पैसों के मामले में अत्यंत उदार होंगे।

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

परोपकारी संस्थाओं को पैसा देकर और अपने सम्बन्धियों तथा सुसरालियों की सहायता कर जमा-पूंजी कम कर लेने की प्रवृत्ति बनी रहेगी।

अधिक परिश्रम या थकान से आपमें स्नायविक टूटन की प्रवृत्ति रहेगी। शीघ्र बीमार पड़ जाएंगे लेकिन उतनी ही जल्दी ठीक भी हो जाएंगे।

भारी सिर दर्द, मानसिक रोगों, फेफड़ों में गड़बड़ या श्वास लेने में आम परेशानी से आप पीड़ित हो सकते हैं। आंखों के प्रति विशेष सावधानी बरतनी चाहिये।

चश्मा पहनना पड़े तो बदलते रहिए, जिससे आंखों पर जोर न पड़े। बदन इकहरा होगा। आप लम्बे समय तक थकान का अनुभव करते रहेंगे।

सबसे महत्वपूर्ण अंक 'तीन' और 'पांच' है। 30 जून को जन्मे व्यक्ति 2-6 अंकों को भी काम ले सकते हैं। सबसे घटनापूर्ण वर्ष 'तीन' के प्रति गहरा लगाव महसूस करेंगे।

30 जून को जन्मे व्यक्ति दो-सात मूलांकों वालों के प्रति भी आकर्षित होंगे। अपना प्रभाव बढ़ाने के लिए गुरु (बैंगनी, फालसई, जामुनी) और बुध (हल्के चमकीले रंगों को धारण कीजिए। 30 जून वाले इनमें हरे रंग के वस्त्र जोड़ सकते हैं।

आपके भाग्य रत्न : कटैला, बैंगनी नग, हीरे और चमकीले नग हैं। 30 जून वालों के लिए कटैला और बैंगनी नग के साथ मोती, चन्द्रकांत मणि और लहसुनिया भी ठीक है।

4, 13, 22 मूलांक 4

इस अंक के कारक ग्रह बुध के साथ यूरेनस और सूर्य हैं। यूरेनस और बुध के प्रभाव से जीवन असामान्य रहने की सम्भावना है। अलग व्यक्तितत्व होगा। खास लोगों या वस्तुओं को ही पसन्द करेंगे। आकस्मिक और अप्रत्याशित घटनाएं जीवन में सबसे बड़ी भूमिका निभाएंगी। अपने सभी कामों में भारी मौलिकता का परिचय देंगे। नई खोजों, नए विचारों, समाज-सुधार और असमान्य अध्ययन के लिए अद्भुत अंत:प्रेरणा या रुझान प्राप्त होने की संभावना है। टेलीविजन, टेलीपैथी, बिजली, वायु तथा विमान-यात्रा सम्बन्धी खोजों जैसे विषयों की ओर आकर्षित होंगे। सरकारी समस्याओं और सामाजिक प्रश्नों के बारे में विचित्र विचार होंगे। विमानों, तूफानों, बिजली और हवा से जुड़ी सभी वस्तुओं से खतरा हो सकता है। जब तक अपनी विचारधारा वाला साथी ही न मिले, विवाह आपके लिए शुभ रहने की संभावना नहीं है।

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

रहस्यवाद की किसी शाखा की ओर आकर्षित होने की संभावना है। ऐसा हुआ तो साहित्यिक कृतियों द्वारा और सम्भवत: भाषणों द्वारा भी, उसे जनता के सामने ला सकेंगे।

सम्बन्धियों की ओर से काफी चिढ़ और परेशानी होने की सम्भावना है। बहुत स्वतन्त्र स्वभाव के होने के कारण उनसे अलग होकर रहना पसंद करेंगे। काफी मुकद्दमेबाजी का सामना करना पड़ेगा।

कुछ अजीब और अनिश्चित हालत होगी। अकस्मात् धन प्राप्त कर सकते हैं लेकिन उसे हाथ में रख पाने की संभावना नहीं है। विचार अपनी पीढ़ी से बहुत आगे होंगे। दांव खेलने की इच्छा होगी, लेकिन आम तौर से आप पिछड़े लोगों की सहायता करना चाहेंगे। आपके सबसे अच्छे अवसर, बिजली-सम्बन्धी खोजों, वायरलेस, रेडियो, टेलीविजन, टेलीफोन, सिनेमा कोई असाधारण इमारत बनाने में और साहित्य या अत्यन्त कल्पनाशील रचना में भी हैं।

तगड़े होने की सम्भावना नहीं है, लेकिन रहस्यमय बीमारियां होंगी। डाक्टरों की बातों में आसानी से नहीं आएंगे और बार-बार उन्हें बदलेंगे। दवाओं के प्रति अत्यंत संवदेनशील रहेंगे। जरा-सी दवा भी शरीर पर बड़ा असर करेगी।

अपने पर अनेक प्रयोग करेंगे, विशेषकर मानसिक उपचार में। नए ढंग के अच्छे डाक्टर बन सकते हैं लेकिन काफी विरोध और गलतफहमी होगी। तब गए अब गए, वाली स्थिति में रहने पर भी दीर्घजीवी होने की आशा है।

सबसे महत्वपूर्ण अंक 'चार' और 'पांच' हैं।

'तीन' का अंक और 'तीन' मूलांक वाली तिथियों को पैदा हुए लोग भी आपके जीवन में अक्सर आएंगे, लेकिन विरोध की परिस्थितियों में अधिक।

आप इस 'अंक' को काम में लेने से बचिए। 'आठ' के अंक को भी टालिए।

सबसे घटनापूर्ण वर्ष 'चार' और 'पांच' मूलांकों वाले होंगे। 'चार' और 'एक' मूलांकों वाली तिथियों को पैदा हुए व्यक्तियों के प्रति गहरा लगाव महसूस करेंगे। अपना प्रभाव बढ़ाने के लिए बुध (हल्के चमकीले) और यूरेनस (सिलेटी व शोख) रंगों के वस्त्र पहनिए। आपके भाग्य-रत्न : नीलम हीरे और सभी सफ़ेद या चमकीले नग हैं।

5, 14, 23 मूलांक 5

यह अंक दुहरा बुध होने से इन तिथियों को पैदा हुए व्यक्तियों पर बुध का प्रभाव दुगना हो जाता है। दिमाग अत्यंत चंचल, साधन-सम्पन्न और तत्काल सोचने

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

तथा अमल करने वाला होगा। धीमी गति से आगे बढ़ेंगे और एकरस काम को नापसंद करेंगे। ऐसे साझेदार या सहयोगी पाना कठिन होगा जिनके साथ जमकर काम करें। फलस्वरूप यह आशा करनी चाहिये कि जीवन या वृत्ति अनेक बार परिवर्तनों से प्रभावित होगी। शीघ्र धन कमाने की सभी योजनाएं आकर्षित करेंगी, विशेषकर जब जून के मध्य में जन्म हो।

रुझान सट्टेबाजी में होगा। शेयरों में या ऐसे व्यापार में जोखिम उठना चाहेंगे, जिसमें पैसा आने का आश्वासन रहे। कभी भारी सफलता भी मिलेगी और फिर अनेक दुर्भाग्यों से पाला पड़ेगा। फलस्वरूप, यदि सम्पन्न परिवार में पैदा नहीं हुए हैं और सम्पत्ति दूसरों के नियंत्रण में नहीं है, तो दुर्दिनों के लिए, जो आते ही हैं, पैसा बचाकर रखना चाहिये।

अत्यंत चंचल होंगे। कंई बार घर बनाएंगे लेकिन उनमें अधिक काल तक टिकेंगे नहीं। यात्रा की बलवती भावना होगी, एक क्षण की सूचना पर चल देने के लिए तैयार रहेंगे और सबसे तेज वाहन पकड़ेंगे।

विमान, एक्सप्रेस गाड़ी और तीव्रगामी कारों से चलना नियति का अंग होगा।

गति के लिए हर क्षण जीवन को खतरे में डालने को तैयार रहेंगे। कई बार बाल-बाल बचेंगे, लेकिन आमतौर से ऐसे मामलों में भाग्यशाली रहेंगे। लोगों में दिलचस्पी अधिक समय तक नहीं रहेगी। अपनी संवेदना में अति उदार होंगे, लेकिन मुख्य गुण 'आंखों से दूर' होगा।

दुहरे स्वभाव वाले होंगे। प्राय: सदा दो या अधिक कामों में उलझे रहेंगे। एक ही साथ दो व्यक्तियों को प्यार करेंगे और यह निश्चय नहीं कर पाएंगे कि किसे अधिक प्यार करते हैं। जीवन में किसी समय दो परिवार रखने और दो विवाह करने की भी सम्भावना है। शीघ्र सोचने वाला कुशल दिमाग भारी अवसर प्रदान करेगा।

कभी बहुत सम्पन्न होने की आशा और कभी इसका ठीक उल्टा। जब पैसा होगा, आप दोनों हाथों से लुटाएंगे। जब नहीं होगा, तो विपन्नता में ही गुजारा कर लेंगे। दरअसल, सबसे बड़ा खतरा यही है कि स्वभाव से दूसरे व्यक्तियों और परिस्थितियों में तत्काल रच-खप जाते हैं।

अपने स्वभाव पर काबू पा सकें, तो जिस उद्यम, उद्योग या काम से सम्बद्ध होंगे, उसी में आसानी से सफलता प्राप्त करेंगे, यह उन सभी लोगों के लिए बहुत शुभ ग्रहयोग है, जिन्हें जनता की निगाह में आना होता है।

आप स्वास्थ्य के मामले में अपने दुश्मन स्वयं होंगे। शरीर उत्तम किन्तु अति

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

संवेदनशील होगा। हर प्रकार से अपनी शक्ति का बहुत अपव्यय करेंगे। चलते रहने के लिए कभी-कभी उत्तेजक दवाओं का भी प्रयोग करेंगे, जो पाचन अंगों को हानि पहुंचाएंगी। कायदे-कानूनों से घृणा करते हैं, इसलिए अपनी चर्या में नियमित नहीं होंगे।

दिन-रात में कभी खा सकते हैं और जब मिल जाए, सो सकते हैं। इस प्रकार अपने शानदार स्वास्थ्य को चौपट कर सकते हैं। आपको स्नायुओं की परेशानी, पलकें झपकाने, जिह्वा या बोलने में कुछ दोष, छाजन और त्वचा की बीमारियां हो सकती हैं।

सबसे महत्वपूर्ण अंक पांच है। सबसे घटनापूर्ण वर्ष इसी मूलांक वाले रहेंगे। इसी मूलांक वाली तिथियों को पैदा हुए व्यक्तियों के प्रति आप आकर्षित होंगे। आपको बुध के हल्के-चमकीले रंगों के कपड़े पहनने चाहिये। आपके भाग्य रत्न : हीरा और सभी सफेद चमकीले नग हैं।

6, 15, 24 मूलांक 6

कारक ग्रह शुक्र और बुध हैं। जहां तक जनता की निगाहों में आने की बात है, यह एक बहुत शुभ ग्रह योग है। आप एक से अधिक सूत्रों से धन प्राप्त करेंगे और जीवन में बड़े-बड़े अवसर पाएंगे। इस ग्रहयोग वाला एक वर्ग निश्चित रूप से कल्पनाशील होता है और संगीत, कला या साहित्य में और अच्छे वक्ता या धर्म प्रचारक के रूप में सफल होता है।

सफलता और यश की आशा कर सकते हैं, किन्तु भाग्यवाद की अंतर्धारा के साथ, जो कभी-कभी आपको निराशा और उदासी के दौर से गुजारेगी।

आप में प्रबल आकर्षण है। विपरीत लिंगी आपकी ओर सबसे अधिक आकर्षित होंगे। अनेक असाधारण प्रेम-प्रसंग और रोमांस होंगे तथा जीवन घटनापूर्ण रहेगा। किसी प्रकार के अंकुश को पसन्द नहीं करेंगे। मन में स्वतंत्रता की तीव्र उत्कंठा और अपने साथियों से ऊपर उठने की आकांक्षा रहेगी।

रुपए-पैसे के मामले में आपके भाग्यशाली रहने की अधिक सम्भावना है। आपको अनेक उपहार और सम्पत्ति विरासत में मिलेगी।

आपके संवदेनशील स्नायुओं के पीड़ित होने की सम्भावना है। कभी-कभी हाई-फीवर, श्वास नली में सूजन और दमे की शिकायत हो सकती है। सबसे महत्वपूर्ण अंक 'छः' और 'पांच' हैं। सबसे घटनापूर्ण वर्ष इन्हीं मूलांकों वाले रहेंगे। इन्हीं मूलांकों वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति आपका लगाव होगा। अपना

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

प्रभाव बढ़ाने के लिए बुध (हल्के-चमकीले) और शुक्र (नीले) रंगों के वस्त्र पहनिए। आपके भाग्य रत्न हैं : हीरा, मोती, पन्ना, फीरोजा, सभी नीले और चमकीले सफेद नग।

7, 16, 25 मूलांक 7

कारक ग्रह नेप्यचून, चंद्र और बुध हैं। आपका स्वभाव दूसरों के विचारों के लिए अति ग्रहणशील होगा, हालांकि अपने स्वभाव के इस पक्ष को आप तानाशाही ढंग से छिपाने की कोशिश कर सकते हैं। दिल में आप असाधारण आदर्शवादी, संवदेनशील, उदात्त विचारों वाले, काव्य-प्रतिभा के धनी, स्वप्नदर्शी और भावी घटनाओं का पूर्वभास पा जाने वाले होंगे। रहस्यवाद के प्रति मन में गहरा आकर्षण होगा। इस दिशा में आपके अनेक असामान्य अनुभव रहेंगे। आपकी आकांक्षाएं आम नहीं होंगी। वे इतनी प्रबल होंगी कि आपके आस-पास के व्यक्तियों को भी प्रभावित कर सकेंगी।

आप नए विचारों के किसी रूप, मनोविज्ञान, झाड़-फूंक और ऐसे अध्ययनों में ठीक रह सकते हैं। इन पर अच्छी तरह बोल या लिख सकते हैं या इन गुणों को आप लोगों से छिपाकर रख सकते हैं।

आप में लम्बी यात्राओं के लिए, विशेषकर जल मार्ग से, प्रबल उत्कंठा रहेगी। समुद्र, नदी या झील के निकट रहना आपको सबसे भला लगेगा। इस दृष्टि से, निकट सम्बन्धियों द्वारा पैदा की गई परेशानियों के कारण पारिवारिक जीवन काफी अस्त-व्यस्त रहने की सम्भावना है। विवाह के बहुत शुभ होने की आशा नहीं है। ऐसे मामलों में आपके बारे में काफी गलतफहमी रहेगी।

जितना हो सके, बुढ़ापे के लिए पैसा बचाकर अलग रख लेने का प्रयास करना चाहिये। आपको षड्यंत्रकारी, बेईमान लोग धोखा दे सकते हैं। आप प्रकृति के हर रूप से प्यार करेंगे। कला में आपकी गहरी रुचि होगी और आप विचित्र तथा सुन्दर वस्तुओं का संग्रह करना चाहेंगे।

25 जून को कर्क राशि के संधि काल में जन्म लेने पर आपके खून में और भी अधिक घुमक्कड़ प्रवृत्ति होगी और आप परिवर्तन तथा समुद्री-यात्राओं से प्रेम करेंगे।

रुपए-पैसे के मामले में विचित्र अनुभव होने की सम्भावना है। आपके लिए वसीयत में छोड़ा गया धन देकर कोई आपसे ले लेगा और आपको उसका उचित भाग मिलने में कठिनाई होगी।

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

आर्थिक दशा बहुत अनिश्चित-सी रहेगी। आपको सट्टेबाजी के फेर में कभी नहीं पड़ना चाहिये, जो कुछ पास हो उसे सावधानी से बचाकर रखना चाहिये।

मन के शरीर पर प्रभाव से आपको कुछ विचित्र अनुभव होने की सम्भावना है। चिन्ता या दु:खद वातावरण से पेट और पाचन अंग शीघ्र गड़बड़ा जाएंगे । समय-समय पर निराशा और उदासी की प्रवृत्ति आपके स्वास्थ्य को प्रभावित करेगी। आप जुकाम, फेफड़ों और दुर्लभ रक्त संचार के शिकार होंगे।

आपके सबसे महत्वपूर्ण अंक 'दो', 'पांच' और 'सात' हैं। सबसे घटनापूर्ण वर्ष 'दो' और 'सात' मूलांकों वाले रहेंगे। इन्हीं मूलांकों वाली तिथियों को पैदा हुए लोगों के प्रति आप आकर्षित होंगे।

अपना प्रभाव बढ़ाने के लिए चंद्र (हरा, क्रीम, सफेद), दूध (हल्के चमकीले) और नेप्च्यून (कबूतरी) रंग के कपड़े पहनिए। आपके भाग्य रत्न हैं : हरा जेड मोती, चंद्रकांत मणि, हीरा।

8, 17, 26 मूलांक 8

आपका बुध के साथ शनि कारक ग्रह है। 26 जून को पैदा होने पर आप कर्क राशि के संधि-काल में आते हैं और उसके गुण आपके स्वभाव में प्रमुखता से रहेंगे। आप में भाग्यवादी गुण अधिक प्रकट होंगे। आपके सभी काम प्रबल व्यक्तिवाद से प्रेरित रहेंगे। आप बहुत कुछ भाग्य की संतान रहेंगे और आप पर ऐसी परिस्थितियों तथा दशाओं का प्रभाव होगा, जिन पर आपका बहुत कम या बिल्कुल काबू नहीं होगा।

दुर्भाग्यपूर्ण कानूनी मामलों में फंसने की सभावना है और यदि आप अधिकतम सावधानी नहीं बरतेंगे तो वे आपके विरुद्ध जा सकते हैं।

आप दुष्प्रचार, बदनामी और गुप्त शत्रुओं से अपना बचाव करने के लिए बाध्य होंगे तथा पड़ोसियों, सजातियों और निकट संबंधियों के साथ परेशानी में उलझेंगे। आप महसूस करेंगे कि संकट-काल में बहुत कम मित्रों पर आप भरोसा कर सकते हैं। आप बंधनकारी वातावरण से मुक्त हो सकें और दूसरे लोगों के मामलों से स्वतन्त्र हो जाएं तो आप पर्याप्त सफलता की आशा कर सकते हैं, विशेषकर विज्ञान, गंभीर साहित्य में और दर्शन या किसी धर्म के अध्ययन में।

अपने व्यवसाय या ध्येयपूर्ति में आपका अकेले रहना ही अच्छा है क्योंकि दूसरे लोग आपको काफी गलत समझेंगे। अपने विषय के आप गहन चिन्तनशील छात्र होंगे। हर बात में बात की खाल निकालेंगे। छोटी-छोटी गलतियों से काफी चिढ़

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

महसूस करेंगे।

नए विचारों के शौकीन होंगे, लेकिन आपके विचार आपके आसपास के लोगों से अलग रहेंगे।

परेशानियों और गलतफमियों के बीच अपने को शांत रखने के लिए आपको जीवन के प्रति दार्शनिक दृष्टिकोण अपनाना होगा। जहां तक संभव हो, विमान से यात्रा करने से बचें।

धन के बारे में आप समझ और सतर्कता से काम लेंगे। व्यापार में धीर-गंभीर उपाय पसंद करेंगे और धीरे-धीरे तथा कुछ कष्ट के साथ भी पैसा बनाएंगे।

अपने में सीमित रहेंगे और बहुत कम लोगों का विश्वास करेंगे। सावधानी के बावजूद आपको हानि उठानी पड़ेगी और जहां रहेंगे वहां नौकरों तथा भाड़े पर लगे लोगों द्वारा चोरी के शिकार हो सकते हैं। स्नायविक प्रणाली आपको सबसे अधिक परेशान करेगी। क्रोध, चिन्ता या निराशा के प्रभावों से आप शीघ्र अस्त-व्यस्त हो जाएंगे और आपके स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव पड़ेगा। अंतड़ियों में गड़बड़, रक्त में विष और नशीली वस्तुओं से पीड़ित हो सकते हैं। हरी शाक-सब्जियां खूब खाइए और ढेर-सा पानी पीजिये। आप सिर दर्द से भी पीड़ित हो सकते हैं। आंखों की ठीक से देखभाल कीजिये।

सबसे महत्वपूर्ण अंक 'आठ' और 'चार' हैं, लेकिन आपको यथासंभव उनसे बचने का प्रयास करना चाहिये। जीवन के सबसे घटनापूर्ण वर्ष इन्हीं मूलांकों वाले रहेंगे। इन्हीं मूलांकों वाली तिथियों को पैदा हुए लोगों के प्रति आपका लगाव होगा।

प्रभाव बढ़ाने के लिए गहरे काले रंगों के वस्त्रों से बचिए और हल्के रंगों के कपड़े पहनिए। आपके भाग्य रत्न : काला मोती, काला हीरा, काला नीलम है।

9, 18, 27 मूलांक 9

इसमें बुध (ओज) के साथ मंगल आपका कारक ग्रह है। आपको गहरी तीक्ष्ण बुद्धि प्रदान करेगा, लेकिन मानसिक रूप से आपको झगड़ालू और बहस करने वाला बना सकता है। मुंहफट होंगे और वाग्बाणों से चोट पहुंचाकर लोगों को शत्रु बना लेंगे। आविष्कारक, यांत्रिक और विलक्षण बुद्धि वाले होंगे। रसायन, गणित और विज्ञान से आपको प्रेम होगा। डायनमो जैसी बिजली रहेगी, जिसकी चिनगारियां चारों ओर छिटकती दिखाई देंगी। लेखन और आम अभिव्यक्ति में अपनी साफगोई और व्यंग्य शैली से आप काफी विरोधी पैदा कर लेंगे। सम्बन्धियों से आपका तनाव रहेगा और भाइयों, बहनों तथा परिजनों से परेशानी।

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

बहुमुखी प्रतिभा वाले और कुशल होंगे; किन्तु लीक पर चलना आपके बस का नहीं होगा। आप स्वतंत्रता प्रेमी होंगे और किसी भी अंकुश का विरोध करेंगे।

जुलाई

1, 10, 15, 28 मूलांक 1 व 2, 11, 20, 29 मूलांक 2

आपके कारक ग्रह चंद्र, सूर्य, यूरेनस और नेप्यचून हैं। आप में कल्पनाशील गुण अधिक प्रकट होंगे। आप बड़े-बड़े सपने देखेंगे और संभावना यह है कि वे पूरे होंगे। आप अपना हर काम उत्साह से करेंगे और दूसरों के लिए कायदे-कानून बनाने में अत्यन्त तानाशाही रुख का परिचय देंगे। आप ऐसी नाटकीय परिस्थितियां पैदा कर देंगे, जिनमें आपकी प्रमुख भूमिका रहेगी और आपका नाम फ़ैलेगा।

मन से आप कलाप्रिय, ज्ञानी और भावुक होंगे। आप कविता, साहित्य, संगीत और नाटक के प्रेमी होंगे। दूसरों की भावनाओं को जगाने की आप में काफी योग्यता रहेगी। आप एकरस जीवन को नापसंद करेंगे। अन्य देशों को देखने के लिये समुद्र यात्राएं करना चाहेंगे और सफलता प्राप्त करेंगे। कभी-कभी आप तेज-तर्रार भी हो सकते हैं और अपनी रूखी वाणी से लोगों को दुश्मन बना लेंगे।

लेखक, संगीतज्ञ या कलाकार के रूप में आप भारी कल्पनाशक्ति का परिचय देंगे और आपकी प्रतिभा बहुमुखी होगी।

आप क्यूरियोज, पुरावस्तुओं, पुराने फर्नीचर आदि के शौकीन होंगे और जहां तक हो सकेगा, उनका अधिक से अधिक संग्रह करेंगे। आप नदियों, झीलों और समुद्र के निकट रहना पसंद करेंगे। यात्रा-कथाएं पढ़ने के बहुत शौकीन होंगे और विदेशों के बारे में काफी जानकारी पैदा कर लेंगे, आप अपना कोई अलग रास्ता बनाएंगे। जो भी वृत्ति अपनाएंगे, उससे आपके किसी प्रमुख पद पर पहुंचने की संभावना है।

आर्थिक दशा भी बदलती हुई रहेगी। अनिश्चय की भावना रहने की संभावना है। पैसा पैदा करने के लिए किसी भी अवसर का लाभ उठा लेने की इच्छा होगी। अंत में एक दुश्चक्र बन जाने की संभावना है, जो आयु के साथ बदतर हो सकता है। आपको आर्थिक मामलों में अत्यन्त सावधानी से काम लेना चाहिये। सट्टेबाजी और दांव लगाने के सभी प्रयासों से बचिए। वैसे मूलांक 1 पर यह लागू नहीं होता है।

धीरे-धीरे ही सही, पूंजी जमा करने का प्रयास कीजिये। शीघ्र धन कमाने की योजनाओं से दूर रहिये। हो सके, तो जमे-जमाए कारोबार से अपने को जोड़िए या

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

उसके लिए काम कीजिये। आपके ग्रह जहाजरानी, आयात-निर्यात, माल तथा मनुष्यों की ढुलाई या अविकसित देशों की खोज जैसे कामों के लिए शुभ हैं।

स्वास्थ्य का विश्लेषण कर पाना कठिन है या तो बहुत तगड़े और गठीले होंगे, या एकदम उल्टे। 29 जुलाई वाले व्यक्ति दूसरे वर्ग में आते हैं। वे अगली राशि सिंह में प्रवेश कर चुके होते हैं। यह बहुत संभावनाओं वाली राशि है, लेकिन सफलता के लिए अपनी प्रबल महत्वाकांक्षा को जगाना होगा।

आप 2, 11 या 20 जुलाई को पैदा हुए हैं, तो चंद्र की महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी। आप अपने वातावरण के प्रति अत्यंत संवेदनशील होंगे। यदि वह भाग्यशाली और अनुकूल हुआ तो आप बीमारी से अधिक परेशान हुए बिना जीवन काट देंगे।

इसके विपरीत यदि निराशाजनक या दु:खद परिस्थितियां हुईं तो आपको बीमारियों से काफी कष्ट उठाना होगा। आम प्रवृत्ति अंदरूनी अंगों में दर्द और ऐंठन की रहेगी। आंतों में फोड़े, रुकावट या बंध की भी कुछ संभावना है। इन तिथियों को पैदा हुए पुरुष और स्त्री दोनों के लिए बहुत सादा भोजन करना और अधिक से अधिक पानी पीना लाभकारी रहेगा। मूलांक 1 के लिए ऐसा कोई बंधन नहीं है।

सबसे महत्वपूर्ण अंक 'एक' 'दो' और 'सात' हैं। सबसे घटनापूर्ण वर्ष 'दो' और 'सात' मूलांकों वाले रहेंगे। 'एक', 'दो' और 'सात' मूलांकों वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति आप गहरा लगाव महसूस करेंगे। मूलांक 1 के लिए 3, 5, 9 शुभ हैं और प्रिय।

अपना प्रभाव बढ़ाने के लिए चंद्र (हरा, क्रीम, सफेद) सूर्य (सुनहरा, पीला, नारंगी, भूरा) और नेप्यचून (कबूतरी व शोख) रंगों के कपड़े पहनिए। आपके भाग्य-रत्न हैं : जेड मोती, चंद्रकांत मणि, पुखराज, अम्बर, हीरा। मूलांक 1 के लिए नीलम।

3, 12, 21, 30 मूलांक 3

इसके कारक ग्रह गुरु, नेप्यचून और चंद्र हैं। यह योग आपके व्यक्तित्व को बढ़ाएगा और आपके जीवन तथा वृत्ति को अधिक महत्वाकांक्षी करेगा, विशेषकर 30 जुलाई को जन्म लेने पर। आप बहुत स्वतंत्र भावना वाले और अपने विचारों तथा राय में निडर और साहसी होंगे। फिर भी उदार, दूसरों के साथ उपकार करने वाले तथा सहानुभूति रखने वाले होंगे।

आप अपने से छोटे और समकक्ष दोनों लोगों में लोकप्रिय होंगे, विशेषकर यदि आप समय-समय पर मिलने वाले दायित्वों को कंधे पर ले लें। आप जीवन को

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

अधिक ऊंचे और बौद्धिक धरातल से देखेंगे। दूसरों पर अधिकार के पदों, सरकारी, नगरपालिका या सार्वजनिक कार्यों या बड़े उद्यमों के प्रमुख के रूप में आपको अच्छी सफलता मिलनी चाहिये। परिवार और देश के प्रति आपके मन में बहुत गहरा प्रेम होगा और साथ ही यात्रा कर दूसरे देशों की दशा जानकार ज्ञान बढ़ाने की मन में प्रबल उत्कंठा होगी।

आप उद्यम या व्यापार खड़े करने में बहुत सफल होंगे, किन्तु इतनी ही आसानी से किसी पेशेवर, सार्वजनिक या राजनैतिक जीवन को अपना सकेंगे। प्रारम्भिक जीवन में सम्भवत: आपको ऊपर उठने में कठिनाई हो और हर लाभ के लिए अपने भरोसे रहना पड़े।

ऐसा हुआ, तो करीब 30 या 35 वर्ष की आयु तक आपका मार्ग कठिन हो सकता है, उसके बाद भाग्य आपका पूरी तरह साथ देगा। आप अपने समाज या देश से सम्मान और जिम्मेदारी के पदों की आशा कर सकते हैं। रुपए-पैसे के मामले में डरने की कोई आवश्यकता नहीं। एक बार प्रारंभ के वर्ष कटे और नींव फल मिलने शुरू हुए, आप सम्पत्ति और पद दोनों प्राप्त करेंगे।

शरीर स्वस्थ होगा और जीवन प्रसन्न दृष्टिकोण से ठीक रहेगा। आप संयमी और नियम से चलने वाले होंगे और बहुत गंभीर बीमारियों के शिकार होंगे। यथासंभव अधिक-से-अधिक बाहर जाते रहेंगे। आपके साथ सबसे बड़ा खतरा यह है कि अपने कंधों पर बहुत अधिक जिम्मेदारियां उठा लेंगे और अतिश्रम से अपनी आयु को कम कर लेंगे।

सबसे महत्वपूर्ण अंक तो 'दो' और सात हैं। सबसे घटनापूर्ण वर्ष भी इन्हीं मूलांकों वाले रहेंगे। इन्हीं मूलांकों वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति आप गहरा लगाव महसूस करेंगे।

अपना प्रभाव बढ़ाने के लिए गुरु (बैंगनी, फालसई, जामुनी) और नेप्यचून, (कबूतरी व शोख) रंगों के कपड़े पहनिए। आपके भाग्य रत्न हैं : कटैला, बैंगनी रंग के नग, हीरा, चंद्रकांत मणि, मोती।

4, 13, 22, 31 मूलांक 4

आपके कारक ग्रह यूरेनस, सूर्य, नेप्यचून और चंद्र हैं। यह ग्रहयोग आपको बहुत असाधारण व्यक्तित्व प्रदान करेगा, लेकिन सम्मानित घटनाओं या सम्पर्क में आने वाले व्यक्तियों के साथ उसका तालमेल बैठना आसान नहीं होगा।

आप में मौलिकता के प्रति प्रबल रुझान होगा, जो सनकीपन की ओर झुकाव

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

लिए होगा। सम्बन्धियों द्वारा अथवा उन्हें माध्यम बनाकर और घरेलू मामलों में आपके लिए काफी परेशानी और तनाव पैदा होने की संभावना है।

आप अनेक मुकद्दमों में फंस सकते हैं और अनेक बार भारी अन्याय का अनुभव करना पड़ेगा। आपको साझेदारियों, सम्बन्धों और विवाहों के मामलों में अत्यंत सावधान रहना चाहिये। आप में उच्च अंत:प्रेरणा होगी और स्वप्न, पूर्वज्ञान आदि के मामलों में विचित्र अनुभव होंगे, लेकिन इतने संवदेनशील होंगे कि उसका रहस्य कुछ चुने हुए मित्रों को ही बताएंगे। आप में सामान्य मानसिक योग्यता होगी और जो वृत्ति अपनाएंगे, उसमें ऊंचा पद प्राप्त करेंगे। अत्यंत सफल होने पर भी आपको काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा और आराम नहीं मिलेगा।

आप बहुत कम व्यक्तियों के साथ आर्थिक मामलों में जुड़ना पसंद करेंगे। आप में पसंदगी और नापसंदगी की तीव्र भावनाएं होंगी और आपको अपनी अंत:प्रेरणा के अनुसार चलना चाहिये।

सबसे अच्छा यह होगा कि आप अपनी योजनाओं पर अकेले काम करें। आप कुछ विचित्र आविष्कार भी कर सकते हैं, जो आपके लिए भाग्यशाली होंगे। आपके विचित्र ढंग से, लीक से हटकर पैसा पैदा करने की संभावना है।

स्वास्थ्य के बारे में आपको अनेक असामान्य अनुभव होंगे। डॉक्टरों के लिए आपको समझाने में कठिनाई होगी। वे आपके बताए लक्षणों पर विश्वास नहीं करेंगे। आपके अपने सम्बन्धियों को भी आपके बारे में काफी गलतफहमी होगी। कहीं विष का प्रभाव न हो जाए, इसके लिए आपको अपने भोजन में भारी सतर्कता बरतनी चाहिये। मछली, घोंघे, केंकड़े आदि समुद्री भोजन के बारे में विशेष सावधानी की जरूरत है और इनसे बचना चाहिये। सबसे महत्वपूर्ण अंक 'चार' और 'आठ' रहेंगे। सबसे घटनापूर्ण वर्ष इन्हीं मूलांकों वाले होंगे। इन्हीं मूलांकों वाली तिथियों को पैदा हुए व्यक्तियों के प्रति आप गहरा लगाव महसूस करेंगे।

आपके लिए सबसे अच्छे रंग नीले या सुनहरी, पीला, नारंगी व भूरा रहेंगे। आपके भाग्य-रत्न : नीलम, मोती, हीरा, चन्द्रकांत मणि हैं।

5, 14, 23 मूलांक 5

आपके कारक ग्रह बुध, चन्द्र और नेप्यचून हैं। आप व्यक्तियों और वातावरण दोनों के प्रति अत्यंत संवदेनशील और उन पर अपनी छाप छोड़ने वाले होंगे। दया के सभी कामों से आप तत्काल प्रभावित होंगे। आपके स्वभाव के लिए प्रशंसा और प्रोत्साहन वही काम करेंगे, जो फूलों के लिए पानी करता है। प्रारभिक वर्षों में आप

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

स्वयं में और अपनी योग्यताओं में विश्वास करने में अत्यंत कठिनाई महसूस करेंगे। एक बार पांव पर खड़े हो जाएं फिर आगे बढ़ते ही जाएंगे और अपनी उद्देश्यपूर्ति में कभी नहीं लड़खड़ाएंगे। आपका दिमाग बहुत तेज होगा। बौद्धिक वस्तुओं के लिए प्रबल इच्छा होगी और जो भी वृत्ति चुनेंगे उसमें, दूसरों पर प्रभुत्व पाने की बलवती आकांक्षा होगी। परलोक-विषयक प्रश्नों की खोजबीन के लिए आपके मन में ललक होगी।

आपका सबसे बड़ा दोष यह होगा कि आप अपनी योजनाओं पर आवश्यकता से अधिक जोर देकर लोगों को दुश्मन बना लेंगे और भारी विरोध पैदा कर लेंगे। आपमें यात्रा की, विशेषकर जलमार्ग से तीव्र लालसा रहेगी और जहां तक परिस्थितियां अनुमति देंगी, आप इसे पूरा करेंगे। रुपए-पैसे के मामले में आपका भाग्य कभी-कभी चमकेगा, लेकिन उसे हाथ में रखने में आपको भारी कठिनाई होगी।

आप दृढ़ इच्छाशक्ति और आत्म-विश्वास पैदा कर सकते हैं, क्योंकि आपको असाधारण बुद्धि का वरदान मिला हुआ है।

आप में काफी नीति कुशलता है। यदि आपकी दिलचस्पी जाग जाए तो आप राजनयिक के रूप में बहुत सफल हो सकते हैं। आप दूसरे देश के लोगों के अनुरूप स्वयं को ढाल सकते हैं और उनका दृष्टिकोण समझ सकते हैं, भले ही उनके विचार आपके विचारों के विपरीत क्यों न हों।

आप अपनी अंत:प्रेरणा पर चलें और अपने ढंग से काम करें तो पैसा कमाने में बहुत सफल हो सकते हैं। आपका दिमाग इतना तेज़ और बहुमुखी है कि आप लीक वाले या एकरस जीवन से शीघ्र ऊब जाएंगे। आप गंभीर बीमारी से भी शीघ्र उठ खड़े होंगे। प्रमुख कठिनाई अत्यंत संवेदनशील स्नायुओं और पर्याप्त विश्राम न कर पाने से ही होगी, बुढ़ापे में चेहरे और आंखों की नसों में तनाव आ सकता है। टांगों तथा पैरों में चोट या पक्षाघात का भी खतरा है।

सबसे महत्वपूर्ण अंक 'पांच' और 'दो' तथा 'सात' हैं। अपने महत्वपूर्ण कार्यक्रम या योजनाएं इन्हीं मूलांकों वाली तिथियों को पूरी करने का प्रयास कीजिये। आपके सबसे घटनापूर्ण वर्ष पांच मूलांकों वाले होंगे। 'पांच' तथा 'सात' मूलांकों वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति आप गहरा लगाव महसूस करेंगे।

सबसे शुभ रंग हैं : बुध (हल्के रंग), चंद्र (हरा, सफेद, क्रीम), नेप्पचून (कबूतरी)। आपको काले या गहरे रंग के वस्त्र नहीं पहनने चाहिये। आपके भाग्य रत्न : हीरा, मोती, सफेद चमकीले नग हैं।

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

6, 15, 24 मूलांक 6

आपके कारक ग्रह शुक्र, चंद्र और नेप्यचून हैं। इस ग्रहयोग में आपका जीवन दिलचस्प और असामान्य रहेगा, लेकिन प्यार, रोमांस और महत्वाकांक्षा बड़ी भूमिका अदा करेंगे। दयालु, उदार, दूसरों पर अपनी छाप डालने वाले और अत्यंत आकर्षक होंगे किन्तु अंत में आपकी सफलता का राज आपकी महत्वाकांक्षा ही होगी, रहस्यवाद के प्रति आपकी काफी रुचि होगी, लेकिन इसे अच्छी तरह नियंत्रण में रखेंगे और बेकार के अंधविश्वास को हावी नहीं होने देंगे। साथ ही आप भाग्य में विश्वास करने वाले होंगे।

परिवार को, विशेषकर मातृ पक्ष को बहुत प्यार करेंगे। आप सम्बन्धियों के हितों को साधेंगे और इससे आपके कंधों पर जो बोझ आएगा उससे घबराएंगे नहीं। विवाह और आपका निजी घरेलू जीवन विशेष भाग्यशाली रहने की आशा नहीं है।

आर्थिक मामलों में आप अधिक भाग्यशाली रहेंगे। विपरीत लिंगियों के साथ भाग्यशाली होंगे। विवाह से पैसा मिलने की संभावना है।

विरासत में सम्पत्ति भी मिल सकती है अथवा आप अपनी निजी मनोशक्ति से पैसा कमाएंगे।

प्रारम्भिक वर्षों में शरीर कसा हुआ और शक्ति से भरपूर होगा। लेकिन बाद में अधिक परिश्रम और तनाव से आप अपने स्वास्थ्य को चौपट कर सकते हैं। आपको आंतरिक बीमारियां हो सकती हैं, जैसे आंतों में रुकावट, ट्यूमर, अपेंडीसाइटिस, हार्निया आदि। सावधानी से रहने और सादे भोजन से ये शिकायतें ठीक की जा सकती हैं।

महत्वपूर्ण अंक 'छः', 'दो' और 'सात' हैं। इन्हीं मूलांकों वाली तिथियों को अपने कार्यक्रम और योजनाएं पूरी कीजिये। सबसे घटनापूर्ण वर्ष छः मूलांक वाले रहेंगे। 'छः', 'नौ' मूलांकों वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति आकर्षण महसूस करेंगे लेकिन इनमें 'नौ' का मूलांक इतना शुभ नहीं है।

आपके महत्वपूर्ण रंग हैं, सफेद, हल्का नीला (आसमानी) और हल्का हरा। रत्न : जेड, हल्का नीलम और श्वेत (स्फटिक) मोती।

7, 16, 25 मूलांक 7

कारक ग्रह नेप्यचून और चंद्र हैं। यदि आप चरित्र बल और इच्छाशक्ति का विकास करें भी तो यह ग्रहयोग आपकी बौद्धिक उपलब्धियों से आपको दूसरों से अधिक लाभकारी स्थिति में पहुंचाएगा। आप असामान्य मानसिक व्यवसाय की ओर

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

जाना चाहेंगे। भावुक, कलाप्रिय और कल्पनाशील होंगे तथा आपको ऊंचे दर्जे की प्रेरणा और आध्यात्मिक शक्ति का वरदान होगा। इस पृष्ठभूमि में आप चित्रकार, लेखक, संगीतज्ञ, वक्ता या धर्म-प्रचारक के रूप में काफी सफल हो सकते हैं।

आपकी इच्छाएं भौतिक धरातल की न होने के कारण आपको प्रारंभिक वर्षों में अपने काम से पैसा कमाना बहुत कठिन होगा, जब तक कि आप साधन-सम्पन्न न हों। आपकी रुचि और आदर्शों में परिष्कार की भावना होगी और आपका जीवन किन्हीं दशाओं या परिस्थितियों में प्रारंभ हुआ हो, आपकी इच्छाएं महान होंगी।

अध्ययन से अपने मानसिक गुणों का हर प्रकार का विकास करने का प्रयास करेंगे। यह ग्रहयोग दार्शनिक और गम्भीर धार्मिक स्वभाव प्रदान करता है। 25 जुलाई को जन्मे व्यक्ति आगामी राशि, सूर्य के स्वामित्व वाली सिंह राशि के संधि-काल में प्रवेश कर जाने से भौतिक दृष्टिकोण से अधिक सफल हो सकते हैं। वे सार्वजनिक मामलों में अधिक प्रकाश में आएंगे, लेकिन दार्शनिक रुझान फिर भी पृष्ठभूमि में रहा आएगा।

7, 16, या 25 जुलाई को पैदा हुए सभी लोगों में समुद्र-यात्रा या लम्बी भूमि यात्राओं की तीव्र उत्कंठा रहती है। परिस्थितियां अनुकूल होने पर वे अज्ञात देशों के अन्वेषक बन सकते हैं। घर के प्रति गहरा लगाव होने पर भी घरेलू जीवन में उनके अनुभव असाधारण होते हैं। विवाह होता है, तो विचित्र परिस्थितियों में। जितनी देर हो, उतना ही अधिक उसके सफल रहने का अवसर होता है।

आर्थिक मामलों में इन लोगों के अत्यंत असाधारण अनुभव रहने की संभावना है। एकदम अजनबी व्यक्ति सहसा उनके जीवन में आकर उनमें और उनकी प्रतिभा में गहरी दिलचस्पी लेने लगते हैं और फिर अकस्मात् छोड़कर चल देते हैं।

यही बात सम्बन्धियों के बारे में है; कभी भारी दिलचस्पी लेंगे और सहायता करेंगे, कभी इसका उल्टा होगा। उन्हें सशर्त विरासत मिलने की संभावना होती है। आत्मविश्वास पैदा करने का प्रयास करें, अपनी प्रतिभा को बनाए रखें और अपने हृदय में सदा आशा, आकांक्षा की ज्योति जगाए रखें।

इस नियम पर चलने पर कभी-न-कभी उनके बौद्धिक गुण उन्हें वांछित पद तक पहुंचा देंगे।

स्वास्थ्य की दशा मनःस्थिति पर निर्भर रहती है। आप शरीर से इतने मोटे-ताजे नहीं होंगे, लेकिन यदि आपका दिमाग किसी निश्चित उद्देश्य को पूरा करने में जुट जाए तो आप भारी सहनशक्ति का परिचय देंगे। शरीर से आप किसी विचित्र बीमारी

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

के शिकार हो सकते हैं। ट्यूमर, आंतरिक अंगों में घाव और नजला-जुकाम और इन्फलुएंजा की संभावना है। लेकिन प्रसन्न मुद्रा में रहने पर ये प्रवृत्तियां गायब हो सकती है।

सबसे महत्वपूर्ण अंक 'सात' और 'दो' हैं। इन्हीं मूलांकों वाली तिथियों को अपने काम या योजनाएं पूरी कीजिये। आपके सबसे घटनापूर्ण वर्ष इन्हीं मूलांकों वाले होंगे। इन्हीं मूलांकों वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति आप गहरा लगाव महसूस करेंगे। 15 जुलाई को जन्मे लोग 'एक-चार' मूलांकों वाली तिथियों को पैदा हुए लोगों के प्रति भी आकर्षित होंगे।

प्रभाव बढ़ाने के लिए नेप्यचून (कबूतर) और चंद्र (हरा, क्रीम, सफेद) रंगों के वस्त्र पहनिए। 25 जुलाई वाले लोग सुनहरे, पीले, नारंगी तथा भूरे रंग को इस्तेमाल कर सकते हैं। आपके भाग्य रत्न : हरा जेड, चंद्रकांत मणि, लहसुनिया, मोती हैं।

8, 17, 26 मूलांक 8

8 और 17 जुलाई को पैदा हुए लोगों के लिए कारक ग्रह हैं : शनि, नेप्यचून तथा चन्द्र। 26 जुलाई को सूर्य कर्क राशि छोड़कर अपनी राशि सिंह में प्रवेश कर लेता है।

यह तिथि उन लोगों के लिए बहुत शुभ है, जो पादरी, लेखक आदि के रूप में काम करते हैं जिनका काम आम जनता को आकर्षित करना है।

यदि आप 8 या 17 जुलाई को पैदा हुए हैं तो बहुत गंभीर स्वभाव, दृढ़ इच्छा शक्ति वाले और अपनी राय में बहुत स्पष्ट होंगे। मध्य आयु तक दूसरे लोगों के बाधा डालने से आप पर अंकुश और जिम्मेदारियां रहने की सम्भावना है। आप पिंजड़े में बंद कैदी के समान होंगे जो सींखचों से बाहर की दुनिया को देख तो सकता है, लेकिन अपनी हालत नहीं बदल सकता। कम या अधिक 'भाग्य की संतान' होंगे, जहां आपकी परिस्थितियों का निर्माण दूसरे लोग करेंगे। आप अपनी भावनाओं में अत्यंत गंभीर और ईमानदार होंगे, लेकिन प्रदर्शन नहीं करेंगे और न यह व्यक्त कर पाएंगे कि आपके मन में क्या है ?

प्रारम्भिक वर्षों में दूसरों के लिए आपकी बलि चढ़ाई जाएगी और आपको अपने काम के लिए बहुत कम लाभ या श्रेय मिलेगा।

प्यार के मामले में आपको कुछ बहुत बड़े परीक्षणों और भारी जिम्मेदारियों से गुजरना होगा। मध्य आयु तक आपको अपनी आकांक्षाएं पूरी करने में अनेक

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

बाधाओं का सामना करना पड़ेगा, लेकिन अंत में आप अपने संकल्प और दृढ़ता का पुरस्कार मिलने की आशा कर सकते हैं।

दो बातें हो सकती हैं। आप उन व्यक्तियों में हो सकते हैं, जिन्हें वातावरण और पारिवारिक मजबूरियां किसी लीक वाले काम में धकेल देती हैं और जहां उन्हें दूसरों के लिए काम करते हुए अपने जीवन का अधिकांश भाग व्यतीत करना होता है।आप अधिक भाग्यशाली वर्ग में से हो सकते हैं, जैसे धीरे-धीरे धन जमा करने और भाग्याधीन शक्ति बनने का अधिक शीघ्र अवसर मिल जाता है। आमतौर से इन तिथियों को जन्मे व्यक्तियों का प्रारम्भिक जीवन भारी कठिनाई में बीतता है। ऐसे व्यक्ति या तो अत्यंत धार्मिक स्वभाव के होते हैं या उससे बिल्कुल उल्टे। उनके लिए सबसे अच्छा काम किसी ठोस धंधे को अपनाना रहेगा, वैसे भूमि या खान का विकास, तेल या धरती से निकलने वाले द्रव्यों का व्यापार।

यदि आप सट्टेबाजी के फेर में न पड़ें, तो आपका अध्यवसाय और संकल्प आपको पैसा बचाने और बनाए रखने का अवसर देगा। 'चार' और 'आठ' अंकों को बार-बार अपने जीवन में देख पाएंगे। वे और उनसे जुड़े व्यक्ति आपके मामलों में महत्वपूर्ण भूमिका निबाहेंगे।

पाचन अंगों, गुर्दा, जिगर और बड़ी आंतों को प्रभावित करने वाली बीमारियों के शिकार होंगे। आपके अंदर अम्ल का प्रकोप होने और विशेषकर घुटनों, एड़ियों और पांवों में गठिया की शिकायत होने की संभावना है।

आपके सबसे महत्वपूर्ण अंक 'चार' और 'आठ' हैं। आपको जहां तक हो सके, 'नौ' नम्बर से बचने की सलाह है। 26 जुलाई वाले लोगों के लिए 'एक' और 'चार' के अंक अधिक महत्वपूर्ण होंगे, किन्तु 'आठ' का अंक भी समान महत्व का रहेगा। आपके सबसे घटनापूर्ण वर्ष 'चार' और 'आठ' के मूलांकों वाले होंगे। रंग : हल्का हरा और पीला शुभ हैं।

भाग्य रत्न : काला मोती, काला हीरा, गहरे रंग का पन्ना या हरे रंग, विशेषकर चांदी प्लेटीनम में जड़े हुए।

9, 18, 27 मूलांक 9

9 या 18 जुलाई को जन्म लेने पर कारक-ग्रह मंगल, चंद्र और नेप्यचून होंगे। 27 जुलाई को जन्मे व्यक्ति सूर्य और मंगल के प्रभाव में आते हैं। यह एक बहुत प्रबल योग है और जो भी वृत्ति आप अपनाएंगे उसी में बहुत सफलता और यश की आशा कर सकते हैं।

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

आप किसी भी जिम्मेदारी और उच्च पद के लिए उपयुक्त रहेंगे। आपका स्वभाव हंसमुख, आशावादी और हिम्मतवाला होगा। आपात या संकट काल में अपने सर्वोत्तम गुणों का परिचय देंगे। कर्क में मंगल अपनी नीच राशि में होता है। अत: यदि आप 9 या 18 जुलाई को पैदा हुए हैं तो आपका जीवन विरोधाभास से पूर्ण होगा और अपने लक्ष्य व आकांक्षा की पूर्ति के लिए दृढ़ इच्छाशक्ति और चरित्र-बल का विकास जरूरी है।

आप में अंकुशों के विरुद्ध विद्रोह करने की प्रवृत्ति होगी। व्यवहार में व्यवहार-कुशलता और समझदारी लानी होगी। आप निडर और आजाद होंगे, लेकिन प्रारम्भिक जीवन में आवेश के दौरे पड़ने की सम्भावना है। उन पर ठीक से काबू पाकर प्रेरक शक्ति के रूप में उनसे काम लेना होगा। आप अपने सभी कामों में दबंग और उद्यमी होंगे। एक प्रकार की नेतृत्व भावना और दुस्साहस से प्रेम होगा।

अपने निवास को बार-बार बदल भी सकते हैं और अधिक समय तक एक स्थान पर जमकर बैठना आपके लिए आसान नहीं है। सम्बन्धियों से आपका काफी मन-मुटाव रहने की सम्भावना है। विवाह कम आयु में न करना होगा। जहां तक खतरों और दुर्घटनाओं की बात है, आपके जीवन में विचित्र घटनाएं घटेंगी, विशेषकर आग्नेयाशास्त्र, तूफान, भूकम्प और पानी से।

आपको सदा अच्छा बीमा कराकर रखना चाहिये और बुढ़ापे के लिए पैसा बनाकर अलग रख छोड़ना चाहिये, नहीं तो आर्थिक कठिनाइयों का सामना भी करना पड़ सकता है।

बचपन में और जवानी के प्रारंभ में अनेक छोटी-मोटी बीमारियां हो सकती हैं, विशेषकर बुखार, गठिया, रक्त में हीनता, फोड़े-फुंसी आदि। करीब 28 वें वर्ष से आप स्वस्थ और जीवित हो जाएंगे।

वैसे भी सबसे महत्वपूर्ण अंक 'एक' और 'चार' हैं। महत्वपूर्ण योजनाएं या कार्यक्रम पूरे करने के लिए इन्हें काम में लीजिये। सबसे घटनापूर्ण वर्ष भी 'एक' और 'चार' मूलाकों वाले ही रहेंगे। इन्हीं मूलाकों वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति आप गहरा लगाव महसूस करेंगे।

अपना प्रभाव बढ़ाने के लिए आप सूर्य (सुनहरा, पीला, नारंगी, भूरा) और यूरेनस (सिलेटी, गहरा नीला, शोख) के रंगों के कपड़े पहनिए। रत्न : पुखराज और नीलम हैं।

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

अगस्त

1, 10, 19, 28 मूलांक 1

इस मूलांक के कारक ग्रह सूर्य, यूरेनस, मंगल हैं। 28 अगस्त को जन्म लेने वाले आगामी राशि कुंभ के क्षेत्र में प्रवेश कर चुके होते हैं। ग्रहयोग मिश्रित फल वाला होता है। अतएव जीवन में उतार-चढ़ाव आता रहता है। वैसे जातक भाग्य विश्वासी अधिक होते हैं। अगस्त को जन्म लेने वाले जातक अधिक भाग्यशाली होते हैं। अपने जीवन में वह प्रायः अनेक सफलताएं प्राप्त करते हैं, पर अपनी उग्रता, क्रोध के कारण हानि भी कर बैठते हैं। बना-बनाया काम बिगड़ जाता है।

10 अगस्त को जन्मा जातक कितना ही निर्धन क्यों न हो, अपने जीवन का अंतिम भाग वह सुखपूर्वक व्यतीत करता है। व्यापार में सफल होता है। उसके जीवन में अनेक चमत्कारिक घटनाएं होती हैं। वह अपने को अनायास सफल या असफल पाता है। उसका वैवाहिक जीवन सुखी सम्पन्न होता है। स्वास्थ्य अवश्य ऊंचा-नीचा चलता रहता है।

19 अगस्त को जन्म लेने वाले व्यक्ति स्त्री या पुरुष श्रेष्ठ पद प्राप्त करते हैं। अत्यन्त कुशाग्र बुद्धि और व्यापार कुशल होते हैं। वह समाज में प्रतिष्ठित और सम्मानित व्यक्ति माने जाते हैं। सरकारी नौकरी या राजनीति में वह सफलता अवश्य प्राप्त करते हैं।

मूलांक 1 वाले व्यक्ति अगर धैर्य, संयम से काम लें तो बहुत कुछ धन, यश, सफलता प्राप्त कर सकते हैं। जल्दबाजी या क्रोध के कारण अकारण अपनी हानि कर बैठते हैं और बाद में पश्चाताप करते हैं।

इनके जीवन में, 3, 5, 7 मूलांक वाले बड़े सहायक शुभचिंतक होते हैं। 1, 2, 4, 6, 8, 9 मूलांक वाले सदा शत्रु के समान व्यवहार करते हैं। 2, 4, मूलांक वाले विपरीत किसी समाज से उनको विशेष आकर्षण होता है। वैवाहिक जीवन मिश्रित सुख-दुःख वाला होता है। स्वास्थ्य प्रारंभ में अच्छा रहता है, पर बुढ़ापे में नाना प्रकार के रोग घेर लेते हैं। वैसे उच्च या न्यूनतम रक्तचाप की बीमारी सारे जीवन रहती है। खान-पान पर विशेष नियंत्रण रखना पड़ता है।

इस मूलांक वाले दर्शन, साहित्य, विज्ञान, शिक्षा, लाभ के क्षेत्र में प्रायः बड़ा यश प्राप्त करते हैं। इनमें देशभक्ति की भावना होती है। विदेश यात्रा का बहुत कुछ संयोग है। संतान से कोई सुख प्राप्त नहीं होता है।

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

रंग, सलेटी, हल्का हरा और बैंगनी शुभ हैं। रत्न : नीलम, मूंगा और मणिक, हीरा उत्तम हैं।

2, 11, 20, 29 मूलांक 2

इसके कारक ग्रह चंद्र, नेप्यचून और सूर्य हैं। 29 अगस्त को जन्म लेने पर आप आगामी राशि कन्या के क्षेत्र में प्रवेश कर चुके होते हैं और तब सूर्य के प्रस्थान पर बुध के प्रभाव में आ जाते हैं। ग्रह योग बहुत शुभ हैं। यह मानसिक और सामाजिक रूप से ऊपर उठाएगा और लोगों का विश्वास पैदा करेगा और आपकी वृत्ति में आगे बढ़ने के अनेक अवसर प्रदान करेगा। विपरीत-लिंगियों में लोकप्रिय होंगे, आदर्शवादी प्रेम-प्रसंग, रोमांस आपके जीवन में विचित्र और असाधारण घटनाओं को जन्म देंगे।

संगीत, साहित्य कला या नाटक में आप काफी प्रतिभा का परिचय दे सकते हैं। अपने जीवन वृत्त में आप प्रमुख पद प्राप्त करेंगे और भारी व्यवहार-कुशलता, कूटनीति तथा सुप्रबंधक का परिचय देंगे। आप अपने मित्रों और प्रेम-पात्रों के प्रति अत्यंत वफादार होंगे। इतने उदात्त और विशाल हृदय कि कोई दुश्मन नहीं होगा। भले ही वह विचारों से मतभेद रखने वाला होगा।

दूसरों में सर्वोत्तम गुणों को ही देखना चाहेंगे और संभव हुआ तो उन्हें निखारने में सहायंता भी करेंगे। भाषण या लेखन कला के वरदान से विकास करने में समर्थ होना चाहिये। धर्म-प्रचारक, शिक्षक या जज के रूप में सफल हो सकते हैं। आम लोगों के बारे में गहरा अंतर्ज्ञान होगा। कठोर आलोचना की दृष्टि से नहीं उन्हें समझने और समझाने की दृष्टि से।

रुपए-पैसे के मामले में भाग्यशाली होंगे, फिर भी आपके लिए उसका अधिक मूल्य नहीं होगा।

पैसा विचित्र ढंग से आएगा, उपहार से, विरासत से, वसीयत से, लेकिन कभी-कभी अपनी उदारता से स्वयं को गरीब बना सकते हैं। अपने मानसिक गुणों से जैसे—भाषण देना, कला, संगीत, लेखन आदि से व्यापार की अपेक्षा अधिक धन प्राप्त कर सकते हैं।

स्वास्थ्य के बारे में सदा सावधान रहना चाहिये और अपनी जीवनी शक्ति को जहां तक हो सके, संचित रखना चाहिये।

फेफड़ों और गले में कमजोरी, दिल की धड़कन में अनियमितता और रक्त का ठीक से संचार न होना आदि की शिकायतें हो सकती हैं। आपके सबसे महत्वपूर्ण

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

अंक 2-7 और उसके बाद 1-4 हैं। 29 अगस्त वालों के लिए भी ये ही अंक रहेंगे। घटनापूर्ण वर्ष 'दो' और 'सात' मूलांकों वाले ही रहेंगे। इन्हीं मूलांकों और 'एक' तथा 'चार' मूलांकों वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति आपका गहरा लगाव होगा। अपना प्रभाव बढ़ाने के लिए चंद्र (हरा, क्रीम, सफेद) नेप्यचून (कबूतरी), सूर्य (सुनहरा, पीला, नारंगी, भूरा) और यूरेनस (सिलेटी और शोख) रंगों के वस्त्र पहनिए। आपके भाग्य-रत्न मोती, चंद्रकांत मणि, जेड, पुखराज, नीलम और अम्बर हैं।

3,12, 21, 30 मूलांक 3

कारक ग्रह गुरु, सूर्य और यूरेनस हैं। 30 अगस्त को आगामी राशि कन्या का क्षेत्र आरम्भ हो जाता है, अतः उस दिन जन्म लेने वाले के कारक ग्रह गुरु और बुध (सौम्य) हैं। स्वभाव में प्रबल महत्वाकांक्षा है, साधारण सफलता से आपको भी संतोष नहीं होगा।

देर-सबेर आपके मन में अपने समाज के प्रमुख और जिम्मेदार पदों पर पहुंचने की तीव्र इच्छा जाग उठेगी। आप पूरी क्षमता और ईमानदारी से अपना काम करेंगे और उसमें अपने को भी नहीं बख्शेंगे। फलस्वरूप आप अपनी शक्ति को कम कर लेंगे। बहुत आदर्शवादी होंगे, अनेक मित्र भी बनाएंगे, लेकिन प्रेम के मामले में अनेक निराशाओं और दिल टूटने का सामना करना पड़ेगा।

ग्रहयोग हर प्रकार की सरकारी नौकरी अथवा राजनीति या नगरपालिका के कामों में सफलता का आश्वासन देते हैं।

अधिकारी पदों पर दूसरों से अधिक योग्यता का परिचय देंगे। आपके आस-पास के लोग आपको सराहेंगे; प्रशंसा और बढ़ावे से आप बिगड़ेंगे नहीं, उल्टे इनसे और आगे बढ़ने के लिए बल मिलेगा। स्वभाव बहुत स्नेह भरा है। आप में पारिवारिक जीवन की गहरी समझ है। बच्चों से भारी प्यार है या उन्हें सिखाने पढ़ाने की भावना है। आपकी उच्च आकांक्षाएं हैं। चाहे झुग्गी में पैदा हुए हों, लेकिन स्वभाव में कुछ-न-कुछ राजसीपन आवश्य रहेगा। ऊंचे पद भी प्राप्त करेंगे।

एकमात्र खतरा यह कि महत्वाकांक्षा की कोई सीमा नहीं होगी। अपने कंधों पर बहुत अधिक बोझ उठाने का प्रयास करेंगे, ऐसे काम हाथ में लेने चाहेंगे, जिनके भार से दबकर और अत्यंत परिश्रम कर आप अपने को खत्म कर लेंगे। पूंजी लगाने में सफल होंगे, बशर्ते कि अपनी अंतःप्रेरणा से कार्य करें और खुशामदियों के बहकावे में न आएं। आप जैसे पदों पर होंगे, उनसे ऐसे व्यक्तियों से पाला पड़ना सुनिश्चित है।

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

अच्छे निर्णय से आप सम्पत्ति और आर्थिक स्थिति में बराबर सुधार की आशा कर सकते हैं।

व्यापार तथा उद्योग पर प्रभाव डालने वाले घटनाक्रम पर आपकी अलौकिक पकड़ होगी।

पैसा जमा नहीं करेंगे, बल्कि बड़ी-बड़ी योजनाओं को आगे बढ़ाने के लिए उसका खुलकर सदुपयोग करेंगे।

आप गरिष्ठ भोजन का लोभ संवरण कर सकें तो जीवन भर अच्छे स्वास्थ्य की आशा कर सकते हैं।

सार्वजनिक भोजों के कारण कभी-कभी ऐसा करना कठिन होगा। आपको सबसे बड़ा खतरा अत्यधिक परिश्रम के कारण उच्च रक्तचाप या दिल के दौरे का होगा। आपके सबसे महत्वपूर्ण अंक 'तीन' 'एक' और 'चार' हैं।

इनमें 'तीन' और 'एक' सबसे शक्तिशाली हैं। अपनी योजनाएं और कार्यक्रम इन्हीं मूलांकों वाली तिथियों को पूरे करने का प्रयास कीजिये। सबसे घटनापूर्ण अंक 'एक' और 'तीन' मूलांकों वाले ही रहेंगे। 'चार' मूलांक वाले वर्ष घटनापूर्ण और महत्वपूर्ण हो सकते हैं, लेकिन शुभ नहीं होंगे।

अपना प्रभाव बढ़ाने के लिए गुरु (बैंगनी, फालसई, जामुनी), सूर्य (सुनहरा, पीला, नारंगी, भूरा) और यूरेनस (गहरा नीला और शोख सिलेटी) रंगों के कपड़े पहनिए। आपके भाग्यरत्न : कटैला, जामुनी नग, हीरा, अम्बर, पुखराज, नीलम हैं।

4, 13, 22, 31 मूलांक 4

आपके यूरेनस और चन्द्र कारक ग्रह हैं। 31 अगस्त को जन्म लेने पर अगली राशि कन्या का क्षेत्र प्रारंभ हो चुका होगा और आप पर सूर्य, यूरेनस तथा बुध (सौम्य) का प्रभाव अधिक रहेगा। यूरेनस के प्रभाव से चरित्र का व्यक्तिगत पक्ष अधिक प्रमुखता से उभरकर आएगा।

आपमें विचारों तथा कार्य की स्वतंत्रता के लिए निश्चित मोह होगा। इस प्रकार से लीक से हटकर चलना चाहेंगे। बहुत कुछ सनकी समझा जाएगा और आप दूसरों की योजनाओं में आसानी से नहीं बैठ सकेंगे। आपके अपने लोग और निकट के सम्बन्धी ही आपका साथ देने में सबसे अधिक कठिनाई महसूस करेंगे।

अंकुश और आलोचना सहन नहीं करेंगे। यदि ऐसा करने की स्थिति में हुए तो घर-बार छोड़कर लम्बी यात्राओं पर चल देंगे। भारी धैर्य के विकास की जरूरत होगी, विशेषकर निकट के सम्बन्धियों के साथ व्यवहार में। शायद किसी असामान्य कार्य या

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

वृत्ति में सफलता प्राप्त करेंगे। धर्म और जीवन के प्रति आपके विचार लीक से हटकर होंगे। अपने मुंहफट स्वभाव से आप अनेक लोगों को दुश्मन भी बना सकते हैं।

जीवनकाल में अनेक दुस्साहसिक अभियान करेंगे। प्रेम-प्रसंगों में अनेक निराशाओं का सामना करना पड़ेगा, विशेषकर पारिवारिक जीवन में। 31 अगस्त को जन्मे व्यक्तियों पर यह बात इतनी लागू नहीं होती है।

आर्थिक दशा को समझ पाना कठिन होगा। प्रकटतः आप रुपए-पैसे की परवाह नहीं करेंगे, फिर भी उसकी शक्ति से प्रभावित होंगे। व्यापार में या तो सम्बद्ध व्यक्तियों पर आंख मूंदकर भरोसा करेंगे या उसके प्रति संदेहशील होंगे। आपके लिए अकेले काम करना अच्छा रहेगा। हर प्रश्न के दोनों पहलू देख सकते हैं और उन पर समान रूप से वाद-विवाद भी कर सकते हैं।

साहूकार के रूप में सफल हो सकते हैं। देर-सबेर आपके दिमाग में कोई ऐसा नया विचार आने की सम्भावना है, जो आपको बहुत धन की प्राप्ति करा सकता है।

स्वास्थ्य अच्छा होगा, किन्तु अधिकतर इस पर निर्भर होगा कि वातावरण सौहार्दपूर्ण है या नहीं।

मन की स्थिति का स्वास्थ्य की अच्छाई-बुराई पर भारी प्रभाव पड़ेगा। दुःखी होने पर चिन्ता करेंगे, उदास हो जाएंगे और अपने में सिमट जाएंगे। विष फैलने, रुकावटें और कठिनाई से निदान होने वाली बीमारियों की भी प्रवृत्ति होती है।

चोट से विशेष सतर्क रहना होगा। रीढ़ में कमजोरी या चोट की भी संभावना है। आप में दो वर्ग विशेष रूप से मिलते हैं। एक वर्ग उन लोगों का है, जिन्हें मध्य आयु के बाद तेजी से मोटापा चढ़ने लगता है।

यदि आप इस वर्ग में हैं, तो दिल की बीमारी या मस्तिष्क के ज्वर से अपनी रक्षा कीजिये। इसके विपरीत यदि आप उन लोगों में से हैं, जो मध्य आयु के बाद तेजी से पतले होने लगते हैं, तो सभी प्रकार की स्नायविक बीमारियों से सावधान रहिये। ऐसा न करने पर बाद में पक्षाघात का खतरा रहता है। आपका सबसे महत्वपूर्ण अंक 'चार' है, जो जीवनभर महत्वपूर्ण रहेगा। 21 जून से अगस्त के अंत तक और 21 दिसम्बर से 19 फरवरी तक 'आठ' का अंक विशेष महत्वपूर्ण होगा।

आप उक्त मूलांकों वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति गहरा लगाव महसूस करेंगे। पायेंगे कि आपके भाग्य में उनकी बहुत-कुछ निर्णायक भूमिका रहती है। आपके सबसे घटनापूर्ण वर्ष 'चार' और 'आठ' मूलांक वाले ही होंगे। आपको सफलता प्रदान करने वाले रंग वे ही हैं, जो जुलाई में इन तिथियों को जन्मे व्यक्तियों

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

के लिए हैं : गहरा नीला या समुद्री नीला और सुनहरा, पीला, नारंगी तथा भूरा। भाग्य रत्न : नीलम, हीरा, लाल और पुखराज हैं।

5, 14, 23 मूलांक 5

कारक ग्रह बुध, सूर्य और यूरेनस हैं। यह एक अच्छा मानसिक ग्रह योग है। इससे बौद्धिकता और निर्णय की शक्ति बढ़ती है। मुख्य खतरा यह है कि यह व्यक्ति को जल्दबाज बनाता है।

यह महत्वाकांक्षी स्वभाव प्रदान करता है। लेखकों, कलाकारों, अभिनेताओं आदि के लिए यह योग विशेष लाभकारी है। बुध और सूर्य का योग आत्म-विश्वास और आर्थिक योग्यता देता है, लेकिन कभी-कभी सट्टेबाजी में भारी जोखिम उठाने की प्रवृत्ति भी देता है।

इस प्रवृत्ति को ठीक से काबू में रखने पर यह एक भाग्यशाली योग है। बुध और यूरेनस का योग जीवन में आकस्मिक और अप्रत्याशित परिवर्तन लाएगा, वृत्ति या व्यवसाय में भी।

साथ ही स्वभाव में चंचलता और स्थान-परिवर्तन या यात्रा की बलवती उत्कंठा देता है। आप अत्यंत संवेदनशील और आमतौर से भारी तनाव की स्थिति में रहेंगे।

छोटी अवधि के किसी निश्चित लक्ष्य की सिद्धि के लिए काम करने में आपमें इच्छा शक्ति और आत्मसंयम दोनों रहेंगे।

देर तक चलने वाले कामों या एकरसता से घृणा करेंगे। सबसे अधिक सफलता आकस्मिक आपात् स्थिति में काम करने अथवा अपनी मनपसंद योजना, उद्देश्य या आदर्श के लिए धुआंधार गति से काम करने में मिलेगी। प्रेम-प्रसंगों में भी आप परिवर्तन चाहेंगे। नया चेहरा सदा आपको लुभाएगा। नयापन रहने तक आप व्यक्तियों और परिस्थितियों में खूब रच-खपकर रहेंगे।

नृत्य, गीत और चंचलता या शीघ्रता चाहने वाले सभी खेलों के शौकीन होंगे। विमानों और तेज मोटरकारों में, दरअसल दूरी घटाने वाले सभी साधनों में दिलचस्पी लेंगे।

सलाह देना या समझना आसान नहीं होगा, क्योंकि आप में अपने ही कायदे-कानूनों पर चलने की प्रवृत्ति है।

दूसरों के लिए योजनाएं बनाने में आप अत्यधिक कुशल होंगे। इतने बहुमुखी और हर काम के अनुरूप अपने को ढाल लेने वाले होंगे कि कोई काम आपसे छूटेगा नहीं। सबसे बड़ा खतरा ऐसे अवांछनीय परिचितों से होगा, जो सम्हलने से पहले ही

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

आपको बहुत परेशानी में डाल सकते हैं।

अपने स्नायुओं से बहुत अधिक काम लेंगे और अपने को थका लेंगे। शरीर के विभिन्न भागों में नसों के दर्द से पीड़ित हो सकते हैं। कभी-कभी अपचन की तीव्र शिकायत और अंदरूनी अंगों में गड़बड़ी की शिकायत होगी।

इस स्थिति में आप ऐसे उपायों की ओर दौड़ेंगे, जो आपको जल्दी-से-जल्दी आराम दे सकें। आप मादक द्रव्यों या उत्तेजक दवाओं के आदी हो सकते हैं। आपका सबसे महवपूर्ण अंक, विशेषकर जून और सिम्बर में 'पांच' है। इसके बाद 'एक' है।

आपको अपने कार्यक्रम और योजनाएं इन्हीं मूलांकों वाली तिथियों पर पूरी करने का प्रयास करना चाहिये। जहां तक अंक का नियम है, पांच अंक वाले व्यक्ति उससे सबसे कम प्रभावित होते हैं। वे सभी अंकों और व्यक्तियों के अनुरूप अपने को ढाल लेते हैं। यही बात रंगों के बारे में है। आप कोई भी रंग पहन सकते हैं किन्तु दिल से हल्के रंगों को पसंद करेंगे। आपके भाग्य रत्न : हीरा, मोती और चमकीले नग हैं।

सबसे घटनापूर्ण वर्ष 'पांच' मूलांक वाले होंगे। इसी मूलांक वाली तिथियों को पैदा हुए व्यक्तियों के प्रति आप कुछ लगाव भी महसूस कर सकते हैं।

6, 15, 24, मूलांक 6

शुक्र, सूर्य, और यूरेनस कारक ग्रह हैं। जीवन और वृत्ति में शुक्र का स्नेही या प्रेमी स्वभाव प्रमुख रूप से प्रकट होगा। आप स्वभावत: सम्पर्क में आने वाले सभी व्यक्तियों के साथ सहानुभूति और उदारता से पेश आएंगे। विपरीत लिंगी आपकी ओर आकर्षित होंगे।

आपमें प्रेम की तीव्रता इतनी अधिक होगी कि उसके किसी न किसी रूप के बिना जी नहीं सकेंगे। इसका यह मतलब नहीं है कि वासना या पाशविक वृत्ति आपके जीवन में छायी रहेगी।

इसके विपरीत यह योग आपको परिवार के प्रति आशा से अधिक स्नेहालु और उच्च आदर्शों वाला बनाएगा। आप जहां कहीं होंगे, आसानी और तेजी से मित्र बना लेंगे। आप सामाजिक जीवन के लिए तरसेंगे।

मित्रों का सत्कार करना, सामर्थ्य के अनुसार उन्हें अच्छे-से अच्छा खिलाना-पिलाना चाहेंगे।

पूरी संभावना यह है कि अपनी इस इच्छा के कारण आप शुक्र का एक या अधिक गुण अपना लेंगे, जैसे संगीत, कला, विशेषकर मंचकला, फिल्मी दुनिया,

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

साहित्य, कविता, गायन, नृत्य आदि। आप युवकों में गहरी दिलचस्पी लेंगे और सदा उनसे घिरे रहेंगे। शायद इसीलिए न कभी बूढ़े दीखेंगे और न बुढ़ापा महसूस करेंगे। इस पक्ष को जीवंत रखने के लिए आप इस बात के लिए लालायित रहेंगे कि आपका घर हमेशा नए-नए चेहरों से भरा रहे।

आपको बहुत गलत भी आंका जाएगा और यहीं आपकी जीवन-नौका के ध्वस्त होने का खतरा है।

यूरेनस के प्रभाव से आप विचित्र, लीक से अलग चलने वाले लोगों को काफी आकर्षित करेंगे। उदार स्वभाव के कारण आप अपने मित्रों के दोषों की उपेक्षा कर देंगे और जिस बदनामी को आप टाल सकते हैं, उसे अपने सिर पर ले लेंगे। फिर भी यह ग्रह शुभ है और आप आशा से अधिक भाग्यशाली रहेंगे।

अपने मित्रों और सम्बन्धियों के प्रति अति उदार मत बनिए, दिखावे के चक्कर में अपव्यय कर अपने आर्थिक कोष को खाली मत कीजिये। लेकिन आमतौर से आप भाग्यशाली और सफल जीवन बिताएंगे तथा जो भी वृत्ति अपनाएंगे, उसी में महत्वपूर्ण पद प्राप्त करेंगे।

धन कमाने के बारे में आश्वस्त हो सकते हैं। पूंजी लगाना आपके लिए आम तौर से भाग्यशाली रहेगा और आप धनी व्यक्ति बनेंगे।

संगीत, साहित्य, नृत्य, रंगमंच आदि अपनी किसी प्रतिभा को विकसित कर भी धन कमाएंगे।

बहुत स्वस्थ जीवन होना चाहिये। कुछ और खतरा पशुओं से भी रहेगा। शायद उनके प्रति आपका प्रेम इसका कारण हो। बुढ़ापे में दिल की कमजोरी से कुछ परेशानी हो सकती है।

आपके सबसे महत्वपूर्ण अंक 'छः' 'एक' और 'चार' हैं। अपनी योजनाएं पूरी करने के लिए 'चार' अंक को काम में लेने की आवश्यकता नहीं है। इसके प्रभाव पर नजर रखिये।

यह आपके जीवन में बार-बार आएगा, लेकिन आशा के बजाए चेतावनी के रूप में। आपके सबसे घटनापूर्ण वर्ष 'एक' और 'छः' मूलांकों वाले रहेंगे। 'एक' 'चार' 'तीन' या 'छः' मूलांकों वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति आप लगाव महसूस करेंगे। आपके लिए सबसे शुभ रंग नीला और सुनहरा, पीला, नारंगी, भूरे हैं। आपके भाग्यरत्न : फीरोजा, सभी नीले रंग, हीरा, पुखराज और अम्बर हैं।

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

7, 16, 25 मूलांक 7

नेप्यचून, चन्द्र, सूर्य और यूरेनस आपके कारक ग्रह हैं। यह एक बहुत विचित्र ग्रहयोग है। नेप्यचून आपको अत्यंत महत्वाकांक्षी बनाएगा लेकिन सामान्य ढंग से नहीं। यह महत्वाकांक्षा दूसरों पर प्रभुत्त्व या शासन की नहीं होगी, बल्कि आपके काम से सम्बन्धित होगी, आपकी सफलता के लिए। आपके मन में गुप्त विद्याओं और दार्शनिक विषयों के साथ ही सभी ललित कलाओं के प्रति प्रेम होगा, जैसे संगीत, चित्रकला, काव्य, मंचकला, आपेरा आदि। आपका व्यवहार शांत और शालीन होगा।

आपमें भावुकता होगी, जिसका झुकाव बहुत कुछ आध्यात्मवाद की ओर होगा। अपने साथियों के प्रति आप सहृदय और उनका भला करने वाले होंगे।

आपके प्रेम-प्रसंगों में अनेक दर्द और निराशाएं होंगी, लेकिन उनके कारण आपन अपनी भावनाओं को कठोर और कटु नहीं होने देंगे। आप अपने विचारों और दूसरों की राय के बारे में मौलिक लीक से हटकर और स्वतंत्र होंगे।

स्पष्ट पसंद और नापसंद वाले होंगे। आपके जीवन में लोमहर्षक अभियान और असामान्य तथा विचित्र प्रेम-प्रसंग आएंगे, जिनकी आलोचना होगी तथा आपको परेशानी होगी।

किसी ऐसे काम में सफल होंगे, जिसमें आप विशुद्धत: अपने व्यक्तित्त्व पर निर्भर रहें, व्यापार-व्यवसाय में नहीं। सदा यात्रा और स्थान-परिवर्तन की तीव्र इच्छा रहेगी, लेकिन आपको अपने स्वभाव की चंचलता को अच्छी तरह नियंत्रण में रखना चाहिये। आप व्यक्तियों और वातावरण दोनों के प्रति अत्यंत संवेदनशील होंगे।

प्रेरणा और अंतर्ज्ञान का वरदान होगा। रहस्यवादी या गुप्त विषयों पर लिखने में या कल्पनावादी चित्रकारी में या अपने निजी व्यक्तिवादी दृष्टिकोण से साहित्य-रचना में अच्छी सफलता प्राप्त करेंगे।

आपको न तो रुपए-पैसे से मोह होगा और न लीक वाले व्यापारिक जीवन से। फिर भी दूसरों के कल्याण के लिए आत्मत्याग की भावना से धन कमाना चाहेंगे और अपने मन को पसन्द पद स्वीकार कर लेंगे।

इसका यह मतलब नहीं कि आप धन नहीं कमा सकेंगे, बल्कि आपके लिए स्वभाव के अनुकूल कुछ कर पाना कठिन होगा। जो प्रयासों से अगर आये तो सट्टेबाजी से या दूसरों की सलाह पर चलकर उसे बढ़ाने का प्रयत्न कीजिये।

स्वास्थ्य का प्रश्न पूरी तरह आपके मन पर निर्भर होगा। आप देखने में बहुत तगड़े नहीं होंगे, पर तगड़े दीखने वाले लोगों से आपमें सहन शक्ति अधिक होगी।

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

भोजन के बारे में विचित्र धारणा रखेंगे और इसमें आपको अपनी अन्त:प्रेरणा के अनुसार चलना चाहिये।

आपके लिए 'सात' और 'दो' अंक विशेष महत्वपूर्ण रहेंगे। 21 जून से 30 अगस्त तक और 25 दिसम्बर से मार्च के अंत तक उनका और भी विशेष मतलब होगा।

अपने कार्यक्रम निश्चित करने में इन अंकों का अधिक से अधिक उपयोग करना चाहिये। आपको इन्हीं अंकों वाले मकानों में रहने का प्रयास करना चाहिये।

जीवन के सबसे घटनापूर्ण वर्ष 'दो' और 'सात' के मूलांकों वाले होंगे। इन्हीं मूलांकों वाली तिथियों को जन्मे व्यक्ति के प्रति आप गहरा लगाव महसूस करेंगे।

सबसे भाग्यवर्द्धक रंग हल्के हरे, कबूतरी, नारंगी, पीले या सुनहरी हैं। नीला रंग भी चलेगा, लेकिन गहरे और काले रंगों से यथासंभव बचिए। आपके भाग्य रत्न चंद्रकांत मणि, हीरा, मोती, जेड और अम्बर हैं।

8, 17, 26 मूलांक 8

आपके कारक ग्रह शनि, यूरेनस और सूर्य हैं। 'चार' और 'आठ' के अंकों का आपके जीवन या वृत्ति में भारी महत्व रहेगा। यह एक विचित्र योग है। यदि आपको अपने जीवन से अधिक-से-अधिक लाभ प्राप्त करना है, तो अधिकतम समझदारी से काम लेना होगा।

यह योग आपके चरित्र और जीवन को विरोधों से पूर्ण बनाएगा, जिससे दूसरे लोगों के लिए आपको समझना या आपके लिए परिस्थितियों का लाभ उठाना बहुत कठिन होगा। स्वभाव उदार और दूसरों का भला करने वाला होगा, लेकिन आपको उसका उचित श्रेय नहीं मिलेगा। अत्यधिक दृढ़ इच्छा शक्ति होगी, लेकिन कठिनाई या विरोध को देखते हुए आप में हठी होने की प्रवृत्ति रहेगी। आपमें भारी महत्वाकांक्षा होगी, लेकिन दूसरों की योजनाओं से उसका मेल नहीं बैठेगा। इसलिए आपका सभी प्रकार की साझेदारियों से दूर रहना अच्छा रहेगा।

एकदम विरोधी दो विचारधाराओं में आप एक पक्ष को चुनेंगे। आप या तो धर्म के प्रति अनास्थावान और नास्तिक बन जाएंगे अथवा इसके एकदम उल्टे अर्थात् बहुत कुछ कट्टर और अंध श्रद्धा वाले।

अपने हर काम में तीव्र भावनाओं तथा इच्छाओं का परिचय देंगे। दरअसल अपनी प्रसन्नता और भौतिक सफलता के लिए तो बहुत ही अधिक। एक विचित्र विरोध की बात यह होगी कि यदि आप प्रारम्भिक आयु में अनास्थावादी या

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

भौतिकतावादी हैं, तो बाद में आपके इसका ठीक उल्टा बन जाने की पूरी सम्भावना है।

इसी प्रकार यदि प्रारम्भ में कट्टर और अंध श्रद्धा वाले हैं, तो बाद में अनास्थावादी या भौतिकतावादी हो जाएंगे। हर हालत में आपको विचित्र अनुभव हो सकते हैं। आपके अनेक गुप्त शत्रु होंगे और अनेक बार बदनामी तथा घोटालों का सामना करना होगा।

आप किसी पद पर पहुंच जाएं, हमलों का खतरा रहेगा ही। अतः आपके लिए सभी प्रकार की क्षतियों और दुर्घटनाओं के लिए बीमा करा लेना अच्छा रहेगा। पारिवारिक जीवन और विवाह दोनों में असामान्य अनुभव होने की संभावना है। अपने और ससुराल वाले सम्बन्धियों से दुःख या परेशानी हो सकती है। आपके सबसे अच्छे मित्र या साथी असामान्य लोग या साधारण धंधों में लगे लोग होंगे। निराशा या गलत समझे जाने की भावना से सावधान रहना चाहिये।

रुपए-पैसे के लेन-देन में आपको भारी सतर्कता बरतनी होगी। दूसरों पर भरोसा नहीं कर सकेंगे। नौकर या छोटे लोग आपको लूट सकते हैं या धोखा दे सकते हैं। सफल होने के लिए अपने कारोबार को अपने हाथों में रखना चाहिये।

पुराने जमे-जमाए कारोबार में अथवा भूमि, मकान, खान और खनिज के व्यापार में आप पैसा कमा सकते हैं।

स्वास्थ्य के सम्बन्ध में भी परस्पर-विरोधी बातें होंगी। असाधारण रूप से तगड़े होंगे या इसके उल्टे। कुछ रहस्यमय मानसिक प्रभाव ऐसे व्यक्तियों के जीवन का नियंत्रण करते हैं। अपने विरोधियों का विचार ही आपको बीमार कर सकता है।

ऐसी हालत में बीमारी भी विचित्र होगी और साधारण उपायों से उसे ठीक कर पाना आसान नहीं होगा। बढ़िया-से-बढ़िया डॉक्टर भी गलत इलाज कर बैठेंगे। आप अंदरूनी दर्दों से पीड़ित हो सकते हैं, जिनका निदान बहुत कठिन होगा। आप पर दवाओं का विष शीघ्र प्रभाव करेगा।

आंतों में रुकावट होने की सम्भावना है। इसके बावजूद आप उतने ही रहस्यपूर्ण उपायों से ठीक हो जाएंगे। संभावना लम्बी आयु भोगने की है।

अनेक दुर्घटनाओं के शिकार भी हो सकते हैं। इनमें पैरों की हड्डियां टूटने या मोच आने की संभावना है। गठिया से भी यातना भोग सकते हैं। आपके महत्त्वपूर्ण अंक 'चार' और 'आठ' हैं। इनके भाग्यवर्द्धक होने का आश्वासन नहीं है, क्योंकि ये बहुत-कुछ भाग्याधीन हैं। उनका सामना करने के लिए आप पहले

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

से तैयार रहें।

सबसे घटनापूर्ण वर्ष 'चार' और 'आठ' मूलांकों वाले रहेंगे। इन्हीं मूलांकों वाली तिथियों को पैदा हुए व्यक्तियों के प्रति आप गहरा लगाव महसूस करेंगे।

गहरे रंग, विशेषकर गहरा जामुनी, काला, गहरा नीला, आपके लिए अनुकूल रहेंगे। आपके भाग्य रत्न : काला हीरा, काला नीलम, काला मोती और सभी काले नग है।

9, 18, 27 मूलांक 9

आपके कारक ग्रह, मंगल, सूर्य और यूरेनस हैं। मंगल आपको काफी ऊर्जा शक्ति देगा, लेकिन अपने काम को बहुत आवेशी भी बनाएगा। बोलने में जल्दबाजी से काम लेंगे, बहुत मुंहफट होंगे, शीघ्र क्रोध में आने वाले होंगे और अपने अड़ियल कामों से लोगों को दुश्मन बना लेंगे। आपका स्वभाव अत्यन्त स्वतंत्रप्रिय होगा।

किसी प्रकार का अंकुश या आदेश दिया जाना पसंद नहीं करेंगे। न्याय और कानून की गहरी समझ होगी और सभी विवादों में आमतौर से कमजोर पक्ष का साथ देंगे। आप बहुत ईमानदार होंगे और दूसरों से सीधे व्यवहार पर बल देंगे। उद्यमी भावना के कारण अपने कंधों पर बहुत अधिक बोझ उठा लेने का रुझान होगा।

अपनी सुरक्षित शक्ति को नियंत्रण में और बचाकर न रखेंगे, तो अपने को थका डालेंगे और औसत आयु नहीं भोग पाएंगे।

सबसे अच्छा उपयोग व्यापार में या नगरपालिका, सरकारी दफ्तर, राजनीति, सरकार में या सैनिक मामलों में जिम्मेदारी के पदों पर भी हो सकता है।

जीवन में अनेक उतार-चढ़ाव आने की संभावना है। सभी उच्च पदों पर आसीन हो सकते हैं और कभी प्रकटत: घटनाक्रम से मेल न खाने के कारण निष्क्रिय होकर बैठ सकते हैं। जाने-अनजाने में आप जो कुछ करेंगे, उसमें काफी दुश्मनी और अपनी योजनाओं का विरोध पैदा कर लेंगे। आप ऐसे दुश्मन पाल सकते हैं, जिनकी दुश्मनी जीवन भर चलेगी। दिल से आप वास्तव में उदात्त और उदार होंगे, लेकिन लड़ाई जारी रहने तक इन गुणों को प्रकट नहीं कर सकेंगे। जब दुश्मन पिट चुकेगा, तब संभवत: आप उसे अपने पैरों पर खड़े रहने में उसे सहायता करें।

अनेक सामान्य स्थितियों, हिंसा, आग, विस्फोट, आग्नेयास्त्रों से खतरा आदि का सामना करना पड़ सकता है। दुर्घटनाओं में सिर या पांवों को चोट पहुंच सकती है। लेकिन मृत्यु का सबसे बड़ा खतरा अत्यधिक परिश्रम के फलस्वरूप मूर्च्छा से या दिल के दौरे से हो सकता है।

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

अनेक विचित्र प्रेम-प्रसंग, गुप्त मैत्रियां और रूमानी सम्बन्ध रहने की संभावना है, लेकिन आमतौर से गलत आदमियों के साथ। उनमें प्रायः खतरे का भी कुछ तत्व रहेगा। दमदार खेलों और जोखिम से भरे दुस्साहसपूर्ण अभियानों के शौकीन होंगे। आपमें मशीनों से काम लेने, उनका कारोबार करने और उनसे सम्बन्धित आविष्कारों की काफी योग्यता होगी।

आपको अपने से उच्च पदों पर बैठे व्यक्तियों से मेल रखना चाहिये। आपको सबसे अधिक परेशानी छोटे लोगों या अपने नौकरों से होगी।

रुपए-पैसे के मामले में शुरू के वर्षों में काफी कठिनाइयों और निराशा का सामना करना पड़ेगा।

36 वर्ष के बाद व्यापारिक संगठनों और वित्तीय मामलों में आमतौर से बहुत सफल होने की आशा है। सभी प्रकार की सट्टेबाजी और शेयरों की खरीद से बचना चाहिये।

शरीर तगड़ा और जोशीला होगा, लेकिन अकस्मात् तापमान बढ़ने और बुखार चढ़ने की प्रवृत्ति रहेगी। कमर में लचक या चोट की सम्भावना है। अनेक दुर्घटनाओं और हाथ-पैरों में चोट की भी प्रवृत्ति रहेगी।

सबसे भाग्यवर्द्धक अंक 'नौ' और 'एक' हैं। सबसे घटनापूर्ण वर्ष 'नौ' मूलांकों वाले रहेंगे। 'नौ' और 'एक' मूलांकों वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति आप काफी लगाव महसूस करेंगे।

आपके भाग्यवर्द्धक रंग : लाल, सुनहरा, पीला, नारंगी, भूरे हैं। आपके भाग्य-रत्नः लाल, तामड़ा, रक्तमणि, हीरा, पुखराज हैं।

सितम्बर

1, 10, 19, 28 मूलांक 1

आपके कारक ग्रह सूर्य, यूरेनस और बुध (सौम्य) हैं। इस राशि में सूर्य आपको बहुत सक्रिय मस्तिष्क देगा जिससे ज्ञान को आसानी से ग्रहण कर सकेंगे।

आप जो भी काम या अध्ययन हाथ में लेंगे, उसी में विचारशील प्रकृति के सच्चे अध्येता और परिश्रमी होंगे।

आपका भाषा पर अच्छा अधिकार होगा। सुन्दरता के हर रूप को प्यार करेंगे। लेकिन अपना सच्चा व्यवसाय चुनने में भारी कठिनाई होगी। आप अनेक दिशाओं में प्रयास करेंगे। अंततः जिस रास्ते पर चलना है, उस पर पांव जमाने के लिए मध्य आयु

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

या उसके बाद तक प्रतीक्षा करनी होगी। आपमें सम्पत्ति प्राप्त करने की काफी उत्कंठा होगी, लेकिन शुरू के वर्षों में उसका संग्रह करने में भारी कठिनाई होगी।

आपका मुख्य दोष यह है कि बड़ी आसानी से ऊब जाते हैं और बहुत अधिक चिन्ता करने लगते हैं। आपको एकाग्रचित होने, अपने में तथा अपने लक्ष्य में विश्वास पैदा करने और अपनी योजनाओं के अमल में विलम्ब या उत्साह भंग को बाधक न बनने देने का प्रयास करना चाहिये। इस प्रकार करने से अंत में आप अधिकांश अन्य लोगों से अधिक सफल होंगे।

पैसा कमाने के लिए आपकी परिस्थितियां आमतौर से बहुत शुभ हैं। आप आसानी से दूसरों का विश्वास प्राप्त करेंगे और वे आपको विश्वास तथा जिम्मेदारी के पदों पर बिठाएंगे। स्वयं पूंजी लगाने में और उद्योग या व्यापार जमाने में भाग्यशाली होंगे।

आप अच्छे स्वास्थ्य और शक्ति की अपेक्षा कर सकते हैं, लेकिन एकदम ठीक रहने के लिए अधिक-से-अधिक ताजा हवा और व्यायाम कीजिये। स्वभाव से आप तंग बस्तियों में या घर में घुसकर रहने वाले व्यक्ति नहीं हैं।

आपका सबसे महत्वपूर्ण अंक 'एक' है।'पांच' भी महत्वपूर्ण भूमिका अदा करेगा। सबसे घटनापूर्ण वर्ष 'एक' मूलांक वाले रहेंगे। 'एक', 'दो', 'चार' और सात मूलांकों वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति आप काफी लगाव महसूस करेंगे।

आपके लिए सभी हल्के रंग भाग्यवादी रहेंगे, विशेषकर हल्का पीला, सुनहरी, नारंगी और हल्का नीला। आपके भाग्यरत्न : हीरा, पुखराज, नीलम हैं।

2, 11, 20, 29 मूलांक 2

आपके कारक ग्रह चन्द्रमा, नेप्यचून और बुध हैं।

आप में बहुत उर्वर कल्पना शक्ति और उत्तम मानसिक क्षमता होगी किन्तु बार-बार परिवर्तन का चाव आपको अपनी योग्यताओं से पूरा लाभ उठाने नहीं देगा। आपमें सभी बौद्धिक अध्ययनों की गहरी इच्छा होगी और व्यावसायिक क्षेत्र में जाने के बजाय अन्य काम करना अधिक पसन्द करेंगे।

आप में आडम्बर नहीं होगा, बल्कि बिना दिखावे का शांत जीवन पसंद करेंगे। जिस काम में भी लगे होंगे, पूरे भरोसे और ईमानदारी से काम करेंगे, लेकिन पर्याप्त आत्मविश्वास और अपनी योग्यता पर यकीन न होने के कारण उत्साह का अभाव रहेगा। प्रयत्न से आप अपनी इस दुर्बलता को दूर कर सकते हैं।

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

आप शोध छात्र के रूप में, साहित्य में, कलात्मक काम में और कैमिस्ट या किसी विज्ञान के काम में अच्छी सफलता पा सकते हैं। आपको फूलों, बागवानी और प्रकृति से घनिष्ठ रूप में जुड़ी वस्तुओं तथा धरती के पदार्थों से प्रेम होगा, लेकिन, व्यावसायिक भावना न होने से उनसे आर्थिक लाभ न उठा सकेंगे।

आपमें मित्र बनाने और मित्रता बनाये रखने की क्षमता है, विशेषकर अपने विपरीत लिंगियों से। आप अनेक बार स्थान परिवर्तन और यात्राएं करेंगे।

अपने जीवन साथी के चुनाव में विशेष सावधानी बरतिए और जल्दबाजी से निर्णय मत कीजिये। अच्छा हो यदि बड़ी आयु में विवाह करें; क्योंकि मध्य आयु के लगभग या बाद में आपके विचारों में क्रांतिकारी परिवर्तन हो सकता है।

कभी-कभी आपको निराशा और उदासी के दौरे पड़ने की भी संभावना है। उनके अध्ययन से पता चलेगा कि चन्द्रमा का आप पर कितना प्रभाव है। आपका सबसे अच्छा समय शुक्ल पक्ष का होगा। इसी में अपनी योजनाएं पूरी करने का प्रयास करना चाहिये। कृष्ण पक्ष में चुपचाप रहे आना बेहतर होगा। निराशा और उदासी से दूर रहिये, क्योंकि इसका आपके पाचन अंगों और स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव पड़ेगा।

आप दूसरों का मन पढ़ने के गुणों का विकास कर सकते हैं; किन्तु उन्हें बहुत कुछ अपने तक सीमित रखेंगे।

आप व्यापार के बजाय दिमागी काम से धन कमाएंगे, किन्तु धन की इच्छा से आकर्षित होने पर बड़े उद्यमों के प्रमुख के रूप में भी अच्छा काम कर सकते हैं। आप साहित्य आलोचक, पुस्तक समीक्षक, प्रूफरीडर के रूप में, शिक्षक, सचिव या नई-नई वस्तुओं के लिए यात्री के रूप में अच्छा काम कर सकते हैं। आप अल्पव्ययी और पैसे को सावधानी से खर्च करने वाले होंगे। भविष्य के बारे में बहुत चिन्तित रहेंगे लेकिन अपनी आवश्यकताओं के लायक आपके पास काफी धन होने की आशा है।

पाचन अंगों, पेट और आंतों की गड़बड़ी से आपको अनेक धक्के लगेंगे। भोजन का अध्ययन कर और अपने शरीर के अनुकूल पदार्थ चुनकर उनसे बच सकते हैं। कच्चे-पक्के खाने के प्रति आप अत्यधिक संवेदनशील होंगे।

आपके सबसे महत्वपूर्ण अंक 'दो' और 'सात' हैं। सबसे घटनापूर्ण वर्ष 'दो' के मूलांक वाले रहेंगे। 'दो-सात' मूलांकों वाले व्यक्तियों के प्रति आप लगाव महसूस करेंगे।

आपके लिए भाग्यवर्द्धक रंग हैं : हल्के हरे, सिलेटी और नीले। आपको काले,

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

गहरे रंगों से बचना चाहिये। आपके भाग्यरत्न : जेड, चंद्रकांत मणि, मोती पर हरा जेड सर्वोत्तम रहेगा।

3, 12, 30 मूलांक 3

आपके कारक ग्रह गुरु और बुध हैं।

दिल से आप अत्यन्त महत्वाकांक्षी होंगे और अपने जन्म के तथा प्रारंभिक जीवन के वातावरण से ऊंचे उठने के लिए संकल्पबद्ध होंगे। आप किसी पद पर पहुंच जाएं, आसानी से संतुष्ट नहीं होंगे। आप बेहताशा गति से आगे बढ़ना चाहेंगे। यदि इस प्रवृत्ति पर नियंत्रण नहीं लगाया तो कभी-कभी निढाल होकर बैठ जाने का खतरा है।

आपके लिए अपने आस-पास के लोगों पर प्रभुत्व जमाना एकदम स्वाभाविक है। अपनी योजनाएं पूरी करने के लिए आपमें दृढ़ इच्छाशक्ति और संकल्प होगा, लेकिन साथ ही दूसरों के विरोध के मुकाबले में बहुत आगे तक नहीं बढ़ेंगे और अपने को वश में रखेंगे।

सम्पत्ति जमा करने की इच्छा में आप सांसारिकता बरतते दिखवाई देंगे, किन्तु अपने ढंग से उदार और उदात्त भी होंगे। अपने व्यवहार में आप विवेक और समझ से काम लेंगे। आपका मस्तिष्क व्यावहारिक ढंग का होगा और सामने आने वाले किसी भी मामले का शीघ्र विश्लेषण कर देंगे।

आप वैज्ञानिक जांच-पड़ताल और शोध से आकर्षित होंगे, लेकिन अपनी लक्ष्यपूर्ति के लिए लापरवाह की भांति उपयोग करेंगे। यदि सम्पत्तिवान हुए तो विश्वविद्यालयों को दान देंगे और शोध कार्य में छात्रों की सहायता करेंगे। आपका सबसे अच्छा काम उत्तरदायित्व अधिकार और विश्वास के पदों पर होगा।

आप अच्छे संगठनकर्ता होंगे। दूसरों के लिए कानून बनाएंगे लेकिन अपने कानून आप स्वयं होंगे। सम्भवतः आपको अपनी योजनाएं पूरी करने में कुछ भी अनुचित या लीक से हटकर दिखाई नहीं देगा। आप उच्च श्रेणी के बुद्धिजीवी होंगे। कार्यकाल के विभिन्न चरणों में सामने आने वाली कठिन-से-कठिन समस्याओं को भी मन से स्वीकार कर लेंगे।

आप दूसरों की जमकर आलोचना करने वाले मित्रों तथा परिचितों के चुनावों में सावधान होंगे। कुछ ही लोग आपके निकट आ पाएंगे। विचित्र अनुभव रहने की सम्भावना है। विवाह अपने से नीचे काम करने वाले या ऐसे व्यक्ति से करेंगे, जिस पर आप मानसिक रूप से छाए हुए हों।

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

आपको भूमि या मकान में पूंजी लगाने अथवा देश के विकास में पहल करने, अथवा विदेशों या जन्म स्थान से बहुत दूर के स्थानों में सम्पर्कों से लाभ होगा। आप जन-जीवन में या जनता के सामने लाने वाले किसी धंधे में भी सफल होंगे।

आपके जीवन का पूरा रुख सफलता का रहेगा। एकमात्र खतरा सीमा से बाहर निकलने या किसी अति महत्वाकांक्षी योजना में सब-कुछ दांव पर लगा देने का है। यदि आप अपने को नियंत्रण में रखेंगे, तो अपने साथियों से कहीं ऊंचे उठने की आशा कर सकते हैं।

आपको अधिक डरने की आवश्यकता नहीं है, हालांकि आप अति चिन्तित हो सकते हैं। आप किसी ढंग के काम से चिपके नहीं रहेंगे, लेकिन कई कामों में अपने पांव फंसाए रहेंगे। आप में अपार दूरदर्शिता और निर्णय बुद्धि होगी तथा अपने काम में सदा अपने प्रतिस्पर्धी से एक कदम आगे ही रहने का प्रयास करेंगे।

स्वास्थ्य के सम्बन्ध में प्रमुख प्रवृत्ति पेट के ऊपरी भाग, जिगर, तिल्ली और पाचन अंगों में गड़बड़ी और मधुमेह की होगी। आप अपने को मशीन समझकर अपना इलाज खुद करना चाहेंगे और डाक्टर को उसी भांति बुलाएंगे, जैसे मशीन ठीक करने के लिए मैकेनिक को बुलाते हैं।

आपके सबसे महत्वपूर्ण अंक 'तीन' 'पांच' और 'छः' हैं। अपनी योजनाएं इन्हीं मूलांकों वाली तिथियों को पूरी करने का प्रयास कीजिये। सबसे घटनापूर्ण वर्ष तीन मूलांक वाले रहेंगे। 'तीन' 'पांच' या 'छः' मूलांकों वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति गहरा लगाव महसूस करने की सम्भावना है।

30 सितम्बर को जन्मे व्यक्तियों के लिए आगामी राशि तुला शुरू हो जाती है। आपमें सितम्बर की 'तीन' मूलांक वाली अन्य तिथियों को जन्मे व्यक्तियों जैसे ही गुण होंगे, लेकिन उनसे अधिक भाग्यशाली रहेंगे।

आपके लिए सभी हल्के रंग और उनके साथ जामुनी, फालसई तथा बैंगनी रंग भाग्यवर्द्धक रहेंगे। आपके भाग्यरत्न : हीरा, सभी चमकीले नग और कटैला हैं।

4, 13, 22 मूलांक 4

आपके कारक ग्रह यूरेनस, सूर्य और बुध हैं। यूरेनस के प्रभाव का बड़ा दिलचस्प महत्व है। यह आपको विचारों और कार्य में इतना मौलिक और स्वतन्त्र बनाएगा कि अधिकांश लोग शायद आपको विचित्र और सनकी समझें। यदि आपको दूर के लोगों से घुलने-मिलने के लिए विवश होना पड़ा तो आमतौर से इसे बहुत कठिन और परेशानी वाला पाएंगे।

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

आप आसानी से मित्र बनाने वाले व्यक्ति नहीं होंगे और जिन्हें मित्र बनाएंगे, उनके, आपके और आपकी योजनाओं के लिए सहायक होने की आशा नहीं है। आप जीवन को अधिकांश लोगों से भिन्न कोण से देखेंगे। अन्य लोगों के और विशेषकर अपने परिजनों के विचारों से आपके विचार मेल नहीं खाएंगे।

आप असाधारण रूप से प्रबल इच्छा शक्ति और संकल्प वाले होंगे। हठी भी हो सकते हैं। आर्थिक दृष्टि से आप दूसरों जैसे सफल नहीं रहेंगे क्योंकि प्राय: अपने हितों के विरुद्ध काम करेंगे और सामने उठने वाले प्रश्न के भौतिक या आर्थिक फलितार्थ की अधिक चिन्ता नहीं करेंगे।

आप अनेक लोगों को दुश्मन बना लेंगे, क्योंकि आपके उद्देश्यों को ठीक से नहीं समझा जाएगा। आपको ऐसे लोगों से विचित्र अनुभव होंगे। वे आपको गिराने की योजना और षड्यंत्र रचेंगे और कभी-कभी आपको भारी परेशानी में भी डाल सकते हैं।

आपके बारे में झूठी कहानियां और गुमनाम पत्र प्रचारित किए जाएंगे। बार-बार गुप्त सूत्रों से घोटाले और बदनामी की खबरें उड़ने की भी संभावना है। आपके लिए यथासंभव मुकद्दमेबाजी से दूर रहना उचित होगा, क्योंकि आपको निजी तौर पर या अपने उद्देश्य के लिए न्याय मिलना कठिन है।

किसी अदृश्य कारण से दूसरे लोग आपके मामलों में एक के बाद एक तालमेल पैदा करेंगे और मामलों को सीधा करने के लिए आपके प्रयासों में भारी रोड़ा अटकाएंगे। ऐसा होने पर यदि आप अपनी पहल पर काम करें और अपने निर्णय तथा अंत:-प्रेरणा पर भरोसा करें, तो आप अधिक भाग्यशाली रहेंगे।

आप किसी प्रश्न पर वाद-विवाद की गर्मी में फैसला न करें। आपका स्वभाव तर्क के उल्टे पक्ष को देखने का है। इससे मामला उलझेगा ही और लोग आपके विरोधी हो जाएंगे।

यदि आप किसी स्वतंत्र पद पर हैं और दूसरे लोगों के विचार के अनुसार नहीं चलना होता तो आप अपने लीक से हटे विचारों पर अमल कर पाएंगे और अपनी मौलिकता से सफल होंगे। लेकिन यदि इतने शक्तिशाली नहीं हैं कि दूसरे लोगों के विचारों की चिन्ता न करें, तो हर हालत में आलोचना के शिकार बनेंगे। आपके साथ और आपके लिए कुछ 'अप्रत्याशित' ही घटेगा।

इस ग्रहयोग के साथ साझेदारी या विवाह से प्रसन्नता मिलना बहुत सन्देहास्पद है। विवाह में सफलता तभी मिल सकती है, जब आपका जीवन साथी आपके विचारों

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

और योजनाओं को अपना ले।

आप सबसे अधिक बौद्धिक वस्तुओं की चिन्ता करेंगे। आप 'नए विचारों' पर चलेंगे। दर्शन, विज्ञान, रसायन शास्त्र, बिजली, टेलीविजन या रेड़ियो, दरअसल लीक से हटकर किसी भी काम से सम्बन्धित बातों में आपको सफलता मिलने की आशा है।

वसीयत में कमी या मुकद्दमेबाजी से आपका रुपया-पैसा छिन सकता है। धन कमाने के लिए अधिकतर अपने प्रयासों पर निर्भर रहना होगा। लीक से हटकर रचानात्मक कामों से आप ऐसा कर सकते हैं, लेकिन सदा अकेले काम करते हुए ही सफल होंगे। आपको कर्मचारियों, नौकरों और अपने से छोटे लोगों की धोखा-धड़ी का शिकार भी होना पड़ सकता है।

आप डाक्टरों के लिए पहेली रहेंगे। अधिकांशतः दुर्बोध ढंग की आकस्मिक और असमान्य बीमारियां होंगी। जितनी जल्दी बीमार पड़ेंगे, उतनी ही जल्दी ठीक होते जाएंगे। मन के संकल्प से आप अपेक्षाकृत दूसरों से अधिक स्वयं को ठीक कर लेंगे।

ये सभी लक्षण 22 सितम्बर को जन्मे व्यक्तियों के बारे में इतने प्रबल नहीं होंगे। देर-सबेर ये लोग अपने जीवन में 'चार' और 'आठ' अंकों के महत्व को देखेंगे। इन्हें 'भाग्यवर्धक अंक नहीं माना जाता, क्योंकि आमतौर से उनके गंभीर या भाग्याधीन परिणाम होते हैं।

सबसे घटनापूर्ण वर्ष 'चार' और 'आठ' मूलांकों वाले होंगे। इन्हीं मूलांकों वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति आप काफी लगाव महसूस करेंगे।

आप नीले, सुनहरे, पीले और भूरे रंगों के वस्त्र पहनिए। आपके भाग्यरत्न : नीलम, पुखराज, हीरा और चमकीले नग हैं।

5, 14, 23 मूलांक 5

इसका कारक ग्रह बुध है, जिसका मूलांक पांच है। आप इस अंक से अन्य लोगों की अपेक्षा अधिक प्रभावित होंगे।

वैसे इस अंक में अन्य सभी अंकों के अनुरूप अपने को ढाल लेने का विचित्र गुण है। 'पांच' अंक वाला व्यक्ति भी अपने सम्पर्क में आने वाले तरह-तरह के लोगों के अनुरूप अपने को बना लेने की क्षमता रखता है। 21 अगस्त से 23 सितम्बर तक जन्मे व्यक्तियों पर अन्य वर्गों की अपेक्षा भाग्य का प्रभाव कम पड़ता है। उनको काम करने की अधिक स्वतंत्रता रहती है। सम्भवतः इसी कारण यह किसी विशेष कार्यक्षेत्र में न मिलकर सभी कार्यक्षेत्र में मिलते हैं।

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

आप ऐसे किसी काम से सफल हो सकते हैं, जिसमें दिमाग और मानसिक योग्यता चाहिये। लेकिन आपका सबसे बड़ा दोष यह है कि आप बहुमुखी होंगे, कई नावों पर सवार रहेंगे और अनेक बार अपना रास्ता बदलेंगे।

आप किसी भी एकरस काम को नापसंद करेंगे। आपको सबसे अधिक लाभ ऐसे व्यवसाय में होगा जिसमें आप शीघ्र पैसा कमा सकें। दूसरों के प्रभाव में आए बिना यदि आप अपने रुझान का काम अपनाएं तो बहुत सफल होंगे, लेकिन दूसरों के प्रभाव में आना बहुत कुछ निश्चित ही है, क्योंकि सौम्य बुध के प्रभाव के कारण आप में ओज का अभाव रहेगा। आप दूसरों की सलाह से बहकर या तात्कालिक सनक में अपना धंधा बदलकर अपने सर्वोत्तम अवसर गंवा देंगे। अतः इन तिथियों में पैदा होने पर आपको अधिक दृढ़ और ओजस्वी बनने का प्रयास करना चाहिये और जो भी काम करें, प्रयास जारी रखने की आदत डालनी चाहिये।

आप जहां भी जाएंगे, आसानी से मित्र बना लेंगे। विदेशों की परिस्थितियों के अनुसार अपने को ढाल लेंगे। आप भाषाएं सीखने के बजाए बोलना पसन्द करेंगे। आप किसी भी क्षण चल देने के लिए तैयार रहेंगे। आपके अनेक घर होंगे, लेकिन स्वयं उनमें रहने के बजाय, कम-से-कम कुछ समय तक टिककर, दूसरों के लिए घर बनाने की ओर आपका झुकाव होगा।

आपमें काफी व्यवहार कुशलता और कूटनीतिक प्रतिभा होगी। आप मिलनसार और कुशल सत्कारकर्ता होंगे। जहां जाएंगे, वहीं लोग आपके आसपास घिरे रहेंगे।

लेकिन अब आप अपना दूसरा पहलू देखिए—यदि आप सावधान नहीं रहे तो आपके स्वभाव के ये ही गुण आपके पतन का कारण बन जाएंगे। आपके मिलनसार स्वभाव पर दूसरे लोग आसानी से छा सकते हैं। कुशल बहुमुखी दिमाग और शीघ्र पैसा कमाने की भावना का लाभ आर्थिक मगरमच्छ उठा सकते हैं। मित्र बनाने और दूसरों के अनुरूप अपने को ढालने की प्रवृत्ति से आप हर प्रकार के खतरे में पड़ सकते हैं। उनमें कुछ परिवर्तन आपकी गहरी उत्कंठा और आवेश के फलस्वरूप हो सकते हैं। यदि आप अपने को ठीक से अंकुश में रखें, तो यह सब कुछ घटना जरूरी नहीं है।

आपमें नई-नई बातों की खोज के लिए काफी प्रतिभा, मानसिक योग्यता और अपनापन है। अतः आप साहित्य या पत्रकारिता में अच्छा काम कर सकते हैं। कठिनाई यही है कि आप जमकर प्रयास नहीं करना चाहते और किसी भी अंकुश या एकरस काम को नापसन्द करते हैं।

विवाह बहुत भाग्यशाली रहने के संकेत नहीं हैं और एक से अधिक विवाहों

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

की निश्चित संभावना है।

धन कमाने के लिए कोई एक धंधा अपनाना प्रायः असम्भव होगा। आप किसी भी पद और किसी भी काम में पैसा कमा सकते हैं। कभी-कभी सौभाग्य के क्षण भी आएंगे, लेकिन आप बुढ़ापे के लिए पैसा जमा नहीं कर सकेंगे। मेरी सलाह है कि अच्छे दिनों में वार्षिकी ऋणपत्र आदि खरीद रखिए, जो भविष्य में जरूरत के समय काम आ सकें।

आप आमतौर से कृशकाय होंगे और अपने स्नायुओं से बहुत काम लेंगे। सदा ऊंचे तनाव की स्थिति में रहेंगे, जिसका परिणाम स्वाभाविक टूटन में हो सकता है। आपके चेहरे के किसी भाग में फड़कन, हकलाहट, जिह्वा की नसों में परेशानी और बुढ़ापे में पक्षाघात या पांवों में ऐंठन हो सकती है। आप कम सोने वाले या अनिद्रा के शिकार हो सकते हैं और आपको पर्याप्त विश्राम तथा नींद नहीं मिल पाएगी।

आप अपनी योजनाएं या कार्यक्रम 'पांच' मूलांक वाली तिथियों को पूरे करने का प्रयास कीजिए, हालांकि अंकों और तिथियों का आपके लिए इतना महत्व नहीं होगा। आपके जीवन में सबसे घटनापूर्ण वर्ष 'पांच' मूलांक वाले रहेंगे। इसी मूलांक वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति, विशेषकर आपके अपने महीने—जून और फरवरी में पैदा हुए लोगों के प्रति लगाव महसूस कर सकते हैं।

आप किसी खास रंग तक सीमित नहीं रहेंगे, लेकिन आमतौर से सभी हल्के रंग अधिक शुभ रहेंगे। आपके भाग्य रत्न : हीरा और सभी चमकीले नग हैं।

6, 15, 24 मूलांक 6

आपके कारक ग्रह शुक्र और बुध हैं। शुक्र के गुण विशेष रूप से परिलक्षित होंगे।

आपका स्वभाव अत्यन्त सहानुभूतिपूर्ण होगा ऐसा कि जहां प्यार और रोमांस महत्वपूर्ण भूमिका अदा करेंगे। लेकिन प्रेम-प्रसंगों से काफी कठिनाइयां आने की संभावना है। प्रायः सदा एक साथ दो प्रेम-प्रसंग चलेंगे। प्रारंभिक वर्षों में आप गलत व्यक्ति की ओर झुकते दिखाई देंगे—पहले से विवाहित या आपके पद से छोटा व्यक्ति। बाद में आप इन सबको उलटकर ठीक से विवाह करेंगे।

आपमें शीघ्र वयस्क होने की प्रवृत्ति होगी—'जवान कंधों पर बुजुर्ग सिर।' शुरू से ही आपके सामने दो रास्ते खुले होंगे। एक भक्ति भाव या गहरे धर्मभाव के रुझान वाला, बहुत कठोर, शुद्ध जीवन होगा, जिस पर आपके परिवार और लालन-पालन का भारी प्रभाव होगा। दूसरा घर के वातावरण से मुक्ति की भावना का, दुस्साहसिक

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

अभियान और सक्रिय जीवन से प्रेम का रास्ता होगा। प्रारम्भिक जीवन की परिस्थितियों और प्रेमसम्बन्धों के अनुसार उनमें से आप एक या दूसरा रास्ता चुनेंगे।

आप खुले जीवन के शौकीन, हर प्रकार के खेलों में उत्तम और कुत्तों, घोड़ों तथा जानवरों से भारी लगाव रखने वाले होंगे। आप खेतीबाड़ी में या किसी बड़े कृषि विकास कार्य में या देशों की खोज में बहुत सफल हो सकते हैं।

आपके स्वभाव का एक दूसरा पक्ष भी है, जो इतना ही प्रबल होगा। शुक्र और बुध के ग्रहयोग में जन्मे होने के कारण आप संगीत, चित्रकारी या मंच जैसा कोई कलात्मक व्यवसाय अपना सकते है। इनमें आपको काफी सफलता मिलेगी। कुछ भी हो, आप जो भी वृत्ति अपनाएंगे, उसी में कोई ऊंचा पद प्राप्त करेंगे।

आपके लिए यह भाग्यशाली सवाल है। कठिनाई के समय लोगों या मित्रों से सहायता मिलेगी। विरासत और उपहारों से लाभ मिलेगा। अपनी ओर से अच्छी जगह पूंजी लगाएंगे, विशेषकर घर, भूमि, सम्पत्ति आदि में।

इस सवाल से अधिक परेशान नहीं रहना चाहिये, क्योंकि आपका काम बढ़िया होगा, लेकिन शान-शौकत से लगाव के कारण आप उसे आघात पहुंचा सकते हैं। बीमारियों से आपको गले, श्वास-नलिका और फेफड़ों की परेशानी, छाती, कंधों भुजाओं तथा पांवों में घाव या चोट की संभावना है।

आपके लिए सबसे महत्त्वपूर्ण अंक 'पांच' और 'छः' हैं। आपकी योजनाएं और कार्यक्रम जहां तक हो सके, इन्हीं मूलांकों वाली तिथियों में पूरे करने का प्रयास कीजिये। आपके सबसे घटनापूर्ण वर्ष भी इन्हीं मूलांकों वाले होंगे। इन्हीं मूलांकों वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति आप लगाव महसूस करेंगे।

आपके लिए भाग्यवर्द्धक रंग : नीले, सफेद, क्रीम और चमकीले हैं। भाग्य-रत्न : फीरोजा और नीले नग, हीरा, मोती और हल्के चमकीले नग हैं।

7, 16, 25 मूलांक 7

आपके कारक ग्रह नेप्चून, चंद्र और बुध हैं। जून की इन्हीं तिथियों को पैदा हुए व्यक्तियों के स्वभाव से भी आपके स्वभाव की बहुत-सी बातें मिलती-जुलती रहेंगी। उनके साथ आपकी पटरी भी बैठेगी, लेकिन आप उन जैसे ओजस्वी नहीं होंगे। आपमें वैसे ही आदर्श, विचारों का परिष्कार और कल्पना-क्षमता होगी, किन्तु आप उनसे अधिक भौतिकवादी होंगे।

आप भी रहस्यवाद और गुप्त विद्याओं की ओर काफी आकर्षित होंगे, लेकिन आलोचना करने वाले और शक्की होंगे। हर बात को तर्क से समझना चाहेंगे। एक

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

बार संतुष्ट हो जाने पर अपने विश्वास में अत्यन्त ईमानदार रहेंगे, लेकिन अपने विचार दूसरे लोगों पर लादेंगे नहीं। इन विषयों पर शोधकार्य में आप काफी समय लगाएंगे। ऐसी संभावना है कि अपने विश्वास पर अन्तिम रूप से पहुंचने से पहले आप अनेक धर्मों और विश्वासों की छानबीन करेंगे।

आप मनोविज्ञान और ऐसे अन्य विषयों में और लेखक, संगीतज्ञ, रसायन शास्त्री या उद्योगों के संगठनकर्ता के रूप में भी अच्छी सफलता प्राप्त करेंगे।

भौतिक दृष्टि से जीवन के प्रारंभिक वर्ष अच्छे रहने की सम्भावना नहीं है, लेकिन बाद की आयु में अपनी वृत्ति में धन, अच्छा पद और सफलता, सभी का आश्वासन रहेगा।

आप बूढ़ों को अपनी ओर अधिक आकर्षित करेंगे और आपके सबसे अच्छे मित्र विचित्र सनकी और अपने काम तथा विचारों में सबसे अलग लोग होंगे।

आर्थिक मामलों में आप अति चिन्ताग्रस्त दिखाई देंगे। आप दूसरे लोगों के हिसाब-किताब की अच्छी व्यवस्था करेंगे और उन्हें धन कमाकर दे सकते हैं, लेकिन निजी मामलों में इतने सतर्क रहेंगे कि मार्ग में आने वाले अवसरों का पूरा लाभ नहीं उठा पाएंगे।

आपके स्वास्थ्य पर भी आपके मन का भारी प्रभाव पड़ेगा। चिन्ता से शीघ्र अस्त-व्यस्त और तनावग्रस्त हो जाएंगे। पाचन अंग भी आपको काफी परेशान कर सकते हैं।

आपका सबसे महत्वपूर्ण अंक 'सात' और उसके बाद 'दो' है। अपनी योजनाएं और कार्यक्रम इन्हीं मूलांकों वाली तिथियों पर पूरे करने का पूरा प्रयास कीजिये। आपके सबसे घटनापूर्ण वर्ष इन्हीं मूलांकों वाले होंगे। इन्हीं मूलांकों वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति आप लगाव महसूस कर सकते हैं।

अपना प्रभाव बढ़ाने और भाग्य चमकाने के लिए नेप्यचून (कबूतरी व हल्के) और चन्द्र (हल्का हरा, क्रीम, सफेद) के रंगों के कपड़े पहनिए। आपके भाग्य-रत्न : हरा, जेड, मोती, चन्द्रकांत मणि, चमकीले नग हैं।

8, 17, 26 मूलांक 8

आपके कारक ग्रह शनि और बुध (सौम्य) हैं। आपके स्वभाव में भी बहुत-सी बातें ऐसी होंगी, जो जून में इन्हीं तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के स्वभाव में हैं। आपकी उनके साथ अच्छी पटरी भी बैठेगी, अन्तर यही होगा कि आप अपने विचारों में उनके जैसे ओजस्वी या उग्र नहीं होंगे।

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

प्रारंभिक वर्षों में, लगभग 35 वर्ष की आयु तक, आपको अनेक बाधक प्रभावों का सामना करना पड़ेगा। उसके बाद आप अपने प्रतिकूल वातावरण से मुक्त हो जाएंगे और आपकी आकांक्षाएं पूरी होंगी।

आप धीर-गंभीर होंगे, पर असामान्य विषयों का अध्ययन करना चाहेंगे और आप में अपने ही खेल में रहे आने की प्रवृत्ति होगी। आम लोगों के बारे में आपका रुझान उनकी अति आलोचना करने और शंकालु होने का होगा।

अपने काम में आप पूरे ईमानदार होंगे, लेकिन उसमें जितना दिमाग लगाएंगे, उसका आपको उचित श्रेय नहीं मिलेगा। आप पुरानी पुस्तकें, पुस्तकालय और संग्रहालय पसन्द करेंगे और ऐसे विषय पर पुस्तकें लिखना या संकलित करना चाहेंगे।

लेकिन यदि आप 26 सितम्बर को पैदा हुए हैं तो आप आगामी राशि तुला के संधि-काल में इतने आगे बढ़ चुके होंगे कि ये सभी गुण पृष्ठ-भूमि में पड़ने के साथ ही आप भौतिक दुनिया में अधिक आगे आएंगे। आपकी आम वृत्तियां भी अधिक प्रकट होंगी।

हर हालत में अति-सतर्कता की भावना के कारण आप धन कमाने के अनेक अच्छे अवसर गंवा देंगे। इसके लिए आप प्रायः पश्चाताप भी करेंगे। लेकिन आप कुछ ठोस धंधों में या कोयला खान, भूमि और मकान जैसी सम्पत्ति में अच्छी पूंजी लगाएंगे।

आप शरीर से बहुत तगड़े होंगे और दिमागी काम में भी भारी सहन-शक्ति और क्षमता होगी। बहुत अधिक बैठकर काम करने से आतों की रुकावट, हर्निया, खुजली जैसे रोगों के आप शिकार हो सकते हैं। खुले में जितना व्यायाम कर सकते हों, कीजिये। अनेक दुर्घटनाओं का सामना करने और मृत्यु की भी आशंका है।

'चार' और 'आठ' के अंक आपके जीवन में बार-बार आते रहेंगे। सबसे घटनापूर्ण वर्ष भी इन्हीं मूलांकों वाले रहेंगे। इन्हीं मूलांकों वाली तिथियों को पैदा हुए व्यक्तियों के प्रति काफी लगाव महसूस करेंगे।

अपना प्रभाव बढ़ाने के लिए गहरे रंगों से बचिए और हल्के रंगों के कपड़े पहनिए। आपके भाग्य रत्न हैं : काला मोती, काला हीरा, गहरा नीलम और सभी काले नग।

9, 18, 27 मूलांक 9

9 या 18 सितम्बर को जन्मे होने पर आप मंगल और बुध के प्रभाव में आते हैं। आपके गुण बहुत कुछ वैसे ही होंगे, जैसे जून में इन तिथियों को जन्मे व्यक्तियों

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

के। अंतर इतना ही होगा कि आप विचारों में या अपनी योजनाएं पूरी करने में अधिक कूटनीति दिखाएंगे।

मेरे मत से मंगल और बुध एक दूसरे के मित्र हैं। मंगल बुध को अपना काफी जोश, ऊर्जा और संकल्प प्रदान करता है। यह ग्रहयोग आपको मन से बहुत सक्रिय बनाएगा और जोखिम तथा दुस्साहस से प्रेम देगा। 9 और 18 जून को पैदा हुए व्यक्तियों की तरह आप भी अपने मुंहफटपन से और वाणी से सीधी चोट कर दूसरों को अपना दुश्मन बना लेंगे।

कभी-कभी आप व्यंग्य में बात करेंगे। बहुत पारखी, आलोचक और छोटी-छोटी बातों पर चिढ़ जाने वाले होंगे। उद्यमों में, इंजीनियरी में या कारखाने के निर्माण में, रचनात्मक काम के लिए आप बहुत उपयुक्त रहेंगे। अपने उद्यमों में मशीनों का काफी उपयोग करेंगे।

शल्य-चिकित्सक या दंत-चिकित्सक के रूप में और महीन औजारों से काम लेने में भी आप में काफी योग्यता होगी। सभी नई वैज्ञानिक खोजों में आपकी गहरी दिलचस्पी होगी। दार्शनिक, विचारक या लेखक के रूप में अपने को अभिव्यक्त करने में आपको सफलता मिलेगी।

अपने स्वभाव के एक और पक्ष से आप कृषि भूमि के विकास में या रुई मशीनों से काम लेने में माहिर होंगे।

जून की इन्हीं तिथियों को पैदा हुए लोगों की भांति आप दुर्घटनाओं और मशीनों से कुछ अधिक ही दुर्घटनाग्रस्त होंगे। पशुओं, विमानों और विमान-यात्रा में भी खतरा हो सकता है।

27 सितम्बर को पैदा होने पर दुर्घटनाएं अधिक गंभीर होंगी। आग और आग्नेयाशास्त्रों से भी खतरा है। आपके कारक ग्रह मंगल बुध के साथ शुक्र भी है। वैसे 9, 18 तथा 27 सितम्बर को पैदा हुए व्यक्ति, जो भी काम करेंगे, उसी में सफल होंगे।

आप पैसा कमाने में आमतौर से सफल होंगे। जो काम करेंगे, उसी में अपने नए विचारों से बहुत धनी हो जाएंगे।

आप बीमारी के बजाय दुर्घटनाओं के अधिक शिकार होंगे। 27 सितम्बर को पैदा होने पर अनेक बार शल्य-चिकित्सक के चाकू का भी अनुभव करने की संभावना है।

आपके सबसे महत्वपूर्ण अंक 'नौ' और 'पांच' हैं। हो सके तो अपनी

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

महत्त्वपूर्ण योजनाएं और कार्यक्रम इन्हीं मूलांकों वाली तिथियों को पूरा कीजिये। 27 सितम्बर को जन्मे लोग 'छः' और 'नौ' अंकों को सबसे महत्त्वपूर्ण पाएंगे।

सबसे घटनापूर्ण वर्ष 'नौ' मूलांक वाले होंगे। आपके 'तीन' 'छः' और 'नौ' मूलांकों वाले व्यक्तियों के प्रति आकर्षित होने की संभावना है।

अपना प्रभाव बढ़ाने के लिए लाल, गुलाबी और हल्के रंगों के कपड़े पहनाए। आपके भाग्य-रत्न हैं : लाल तामड़ा, लाल या गुलाबी नग, हीरा, रक्तमणि।

अक्तूबर

1, 10, 19, 28 मूलांक 1

आपके कारक ग्रह सूर्य, यूरेनस, शुक्र और शनि हैं, लेकिन 28 अक्तूबर को जन्मे व्यक्ति वृश्चिक राशि के प्रभाव में आते हैं, जिसका स्वामी मंगल है। 28 अक्टूबर तक शुक्र अपनी सौम्य राशि में है, शनि उच्च का है, मंगल अस्त राशि में है और सूर्य नीच का है।

यह ग्रहयोग बहुरूपी स्वभाव प्रदान करेगा। साधारणतः यह यश के लिए शुभ योग है। अपने निजी गुणों के विकास की दृष्टि से आपको अनेक सुअवसर मिलेंगे।

सूर्य न्याय से प्यार और संतुलन देगा। अपने वातावरण में शांति और सौहार्द पैदा करने की भावना होगी। आपमें 'शांति दूत' की प्रवृत्ति होगी। जब तक अपनी प्रबल न्याय-भावना से इसके लिए विवश ही न हो जाएं, आप हर प्रकार के रक्तपात और युद्ध से घृणा करेंगे। शुक्र अपने सौम्य भाव में होने से आप प्यार के लिए तरसेंगे। आप त्याग करेंगे और फिर भी आपको बहुत कम संतोष मिलेगा।

आप में भारी महत्त्वाकांक्षा रहेगी, लेकिन उसे पूरा करने में अनेक बाधाएं आएंगी। आपकी योजनाओं का हमेशा काफी विरोध होता रहेगा।

दूसरों के प्रति न्याय की भावना आपके स्वभाव में इतनी समाई हुई है कि आप कानून के अध्ययन में भारी योग्यता प्राप्त कर सकते हैं। आप ईमानदार वकील या जज के रूप में प्रसिद्ध होंगे। आप किसी प्रकार के राजनीतिक जीवन में भी सफल हो सकते हैं, लेकिन साधारण राजनीतिज्ञ की दृष्टि के बजाय कानूनों में सुधार की दृष्टि से। आप चिकित्सक और सभी तरह के शोध-कार्यों में भी सफल रहेंगे।

अपने इकट्ठे किए प्रमाणों को जोरदार ढंग से पेश करने की तीव्र उत्कंठा से आप अनेक लोगों को शत्रु बना लेंगे। जो लोग तर्कपूर्ण ढंग से बात नहीं कर सकते, उनका आपके लिए कोई उपयोग नहीं है। अक्तूबर में इन तिथियों को जन्मे

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

व्यक्ति अनेक प्रकार की वृत्तियां अपना सकते हैं।

यदि आप 28 अक्तूबर को जन्मे हैं तो आपका सूर्य तुला के संधिकाल से निकलकर वृश्चिक में प्रवेश कर चुका है। अपने बारे में जानकारी के लिए आप नवम्बर में 'एक' मूलांक वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों की भी जानकारी प्राप्त कीजिये।

आपके लिए साधारण ढंग के कामों की अपेक्षा मानसिक व्यवसायों से पैसा कमाने और अपनी निजी महत्वाकांक्षाएं पूरी करने की संभावना अधिक है। आप निजी संग्रह कि बजाय अपने ध्येय के लिए सम्पत्ति की इच्छा करेंगे।

औसत शक्ति से आपको स्वास्थ्य के बारे में कम शिकायत होगी। जब तक पूरे तनाव से काम करेंगे, ठीक रहेंगे। निष्क्रियता का आपके लिए मतलब है मौत। यदि कभी कष्ट हुआ, तो दुर्घटनाओं से चोट लगने के कारण ही होगा। दुर्घटनाओं के घाव सिर और कंधे पर आने की अधिक संभावना है, लेकिन आपको पेट और आंतों का आपरेशन कराना पड़ सकता है।

आपके सबसे महत्त्वपूर्ण अंक 'एक' और 'छः' हैं। 'चार', 'आठ' तथा 'नौ' भी जीवन में बार-बार आएंगे, लेकिन मैं आपको इन्हें अपना 'अंक' चुनने की सलाह नहीं दूंगा। सबसे घटनापूर्ण वर्ष 'एक', 'छः' और 'आठ', मलांकों वाले रहेंगे। 'एक', 'चार', 'छः' और 'आठ' मूलांकों वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति लगाव महसूस करेंगे।

अपना प्रभाव बढ़ाने के लिए सूर्य (सुनहरा, पीला, नारंगी, भूरा) यूरेनस (सिलेटी या शोख) और शुक्र (नीले) रंग के कपड़े पहनिए। आपके भाग्य रत्न : हीरा, पुखराज, अम्बर, नीलम।

2, 11, 20, 29 मूलांक 2

आपके कारक ग्रह चन्द्र, नेप्यचून, शुक्र और शनि हैं। आप कोई वृत्ति अपनाएं, आपको प्रेरणा का वरदान प्राप्त होगा। आपातकाल में आप में पूर्व ज्ञान की गहरी समझ रहेगी। आप अपनी योजनाओं के निष्कर्ष को पहले से ही भांप लेंगे और फिर विरोध के बावजूद उन्हें पूरी करेंगे।

आम बातों में आप में अति-संवेदनशील होने और आलोचना को महसूस करने की प्रवृत्ति होगी, लेकिन आपातस्थिति पैदा होते ही आपके स्वभाव का प्रबल पक्ष गति में आ जाएगा। इसलिए महत्त्वपूर्ण मामलों पर फैसला उस समय लीजिए, जब आप अकेले हों और दूसरों के विचारों के प्रभाव से मुक्त हों। कभी-कभी आपको निराशा

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

के दौरे पड़ेंगे और आपको अपनी कार्यक्षमता पर ही संदेह होता दिखाई देगा।

दिल से आपका स्वभाव बहुत स्नेही हैं और आप प्यार की गहरी आवश्यकता महसूस करेंगे। लेकिन इन मामलों में आप इतने संवदेनशील और कटु आलोचक होंगे कि अच्छे अवसर गंवा सकते हैं। 2, 11, 20 या 29 तारीखों को जन्मे लोग यदि कम आयु में विवाह नहीं कर लेते, तो प्रायः कुंआरे ही रहे आते हैं। आगामी राशि वृश्चिक में 29 अक्तूबर को पैदा हुए लोग अपने विपरीत लिंगियों से काफी प्रभावित होंगे और उनके जीवन में अनेक रूमानी प्रसंग आएंगे। वे यात्रा के और जन्म स्थान से दूर देशों में रहने के भी बहुत शौकीन होते हैं। समुद्र या विशाल जलराशि से उन्हें मोह होता है लेकिन यात्रा के दौरान डूबने या दुर्घटनाग्रस्त होने का काफी खतरा रहता है।

आपके मन में संगीत, चित्रकला, काव्य और सभी ललितकलाओं के प्रति गहरा प्रेम होगा। यदि इन्हें वृत्ति के रूप में अपनाने का अवसर मिला, तो काफी सफलता मिलेगी। कपड़ों में आपकी गहरी रुचि होगी। भोग और दूसरों की नकल की भी इच्छा होगी।

20 अक्तूबर को पैदा हुआ व्यक्ति, जब सूर्य वृश्चिक के संधि-काल में प्रवेश कर रहा होता है, 2 या 11 अक्तूबर को पैदा हुए व्यक्ति से अधिक आत्मविश्वासी होगा। 19 अक्तूबर को पैदा हुए लोग और भी आत्मविश्वासी होंगे। उनके लिए सफलता की संभावना भी अधिक रहेगी, विशेषकर कला, साहित्य, संगीत, काव्य या नाटक में।

जब तक आप से लाभ उठाने का प्रयास करने वाले व्यक्तियों से आत्मरक्षा के लिए आप नाकेबंदी नहीं करेंगे, आपके लिए यह विषय शुभ नहीं होगा। व्यवसाय और लीक वाला काम आपको अरुचिकर होगा, लेकिन आपात्स्थिति में कल्पना तथा प्रेरणा के वरदान से आप धन कमा सकते हैं और सफल हो सकते हैं। परिस्थितियां अनुकूल होने पर आप बहुत यात्राएं करेंगे, विदेशों में रुचि लेंगे और उनके सम्बन्ध में सफलता प्राप्त करेंगे।

प्रारंभिक वर्षों में आपके मोटे-ताजे या शक्तिशाली होने की संभावना नहीं है। मन से आप बहुत सक्रिय होंगे और दिवास्वप्न वास्तविक लगेंगे। आप कमर या रीढ़ की विचित्र कमजोरी के शिकार हो सकते हैं और कमर झुक सकती है, आपको शीघ्र सर्दी-जुकाम पकड़ सकता है और सावधानी नहीं बरती, तो गले, फेफड़ों, नासिका-रन्ध्रों और कानों में परेशानी हो सकती है।

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

आपके सबसे महत्वपूर्ण अंक हैं : 'दो' और 'सात।'। अपनी योजनाएं और कार्यक्रम इन्हीं मूलांकों वाली तिथियों को पूरे करने का प्रयास कीजिये। आपके सबसे घटनापूर्ण वर्ष 'दो' और 'सात' मूलांकों वाले ही होंगे। इन्हीं मूलांकों वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति आप गहरा लगाव महसूस करेंगे।

अपना प्रभाव बढ़ाने के लिए चंद्र (हरा, क्रीम, सफेद) शुक्र (नीला), नेप्यचून (कबूतरी, हल्के और शोख) रंगों के वस्त्र पहनिए। आपके भाग्य रत्न : हरा जेड, मोती, चंद्रकांत मणि, पुखराज, अम्बर, फीरोजा हैं।

3, 12, 21, 30 मूलांक 3

इसके कारक ग्रह गुरु, शुक्र और शनि हैं। गुरु के प्रभाव के कारण आपके दृढ़तर गुण अधिक प्रकाश में आएंगे, जैसे महत्त्वाकांक्षा, इच्छा शक्ति, संकल्प। यह ग्रह योग इतना शुभ है कि आपका कोई ध्येय हो, आपको जीवन में काफी सफलता मिलेगी।

आपमें इतनी महत्वकांक्षा होगी कि कोई साधारण पद आपको संतोष नहीं दे पाएगा, किन्तु महत्वाकांक्षा बहुत उदात्त ढंग की होगी। अपने साथियों से ऊंचे उठकर आप जिम्मेदारी तथा विश्वास के पदों पर पहुंचेंगे, लेकिन आपका सबसे अधिक प्रयास आम मानवता के कल्याण के लिए होगा।

कुछ भी करें, स्वभाव से आप ईमानदार होंगे। आप न्यायप्रिय, अत्यन्त उदार और दानशील तथा सार्वजनिक संस्थाओं, अस्पताल, अनाथालय आदि में समय और धन लगाने वाले होंगे। व्यक्ति की बजाय संस्थाओं की अधिक सहायता करेंगे। यदि आपके परिवारीजन आपकी सलाह पर चलेंगे, तो उनके प्रति भी इतने ही उदार होंगे।

मूर्ख और लम्पट व्यक्तियों से आपको कुछ लेना-देना नहीं होगा। आपकी जेब उनके लिए एक बार खुल सकती है, दो बार नहीं। आप न्यायप्रिय ही होंगे, लेकिन साथ ही कठोर भी होंगे। किसी का आप से लाभ उठाने का प्रयास आपको अच्छा नहीं लगेगा।

उच्च पदस्थ लोगों को, विशेषकर धर्म, कानून या सरकार के महत्वपूर्ण पदों पर आसीन व्यक्तियों को शीघ्र अपना मित्र बना लेंगे। आप कानून और व्यवस्था के उत्साही समर्थक होंगे, साथ ही अपने नीचे काम करने वालों के लिए एक अच्छे मालिक सिद्ध होंगे।

आपका वैवाहिक सम्बन्ध और घरेलू जीवन सुखद रहने की आशा है। बच्चों से भारी सुख मिलेगा।

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

कभी-कभी शत्रुता का भी सामना करना पड़ेगा और ईर्ष्यालु प्रतिस्पर्धी आपके सम्मान को चोट पहुंचाएंगे। ऐसी बातों की आप कम ही चिन्ता करेंगे और अपने ध्येय से तिल भर नहीं डिगेंगे।

21 अक्तूबर को जन्मे व्यक्तियों का सूर्य, वृश्चिक के संधि-काल में पहुंच चुका होता है। उनमें बहुत कुछ 3 और 12 अक्तूबर को जन्मे व्यक्तियों जैसे ही गुण होंगे, किन्तु पारिवारिक जीवन इतना सुखद नहीं रहेगा। 30 अक्तूबर को जन्मे व्यक्ति वृश्चिक राशि में प्रवेश कर गए होते हैं। उनको भी सांसारिक सफलता के लिए शुभ परिस्थितियां हैं।

आप व्यापार, आर्थिक लेन-देन या उद्योग में आमतौर से काफी भाग्यशाली रहेंगे। शक्तिशाली मित्रों, विपरीत लिंगियों या विवाह से लाभ होगा।

प्रारम्भिक वर्षों के बाद स्वास्थ्य आमतौर से अच्छा रहेगा। 21 वर्ष की आयु इस बारे में मोड़ हो सकती है। किसी बीमारी का नाम लेना कठिन है, लेकिन दुर्घटनाओं से चोट खा सकते हैं, विशेषकर कार, रेल, या ट्रक दुर्घटना से।

आपके सबसे महत्त्वपूर्ण अंक 'तीन' और 'छः' हैं। 'आठ' और 'चार' के अंक भी जीवन में आएंगे, लेकिन आमतौर से विरोध या दुःख लेकर आएंगे। आपके सबसे घटनापूर्ण वर्ष 'तीन' और 'छः' मूलांकों वाले ही होंगे। इन्हीं मूलांकों वाली तिथियों को पैदा हुए व्यक्तियों के प्रति आप गहरा लगाव महसूस करेंगे।

अपना प्रभाव बढ़ाने के लिए गुरु (बैंगनी, फालसई, जामुनी) तथा शुक्र (नीले) रंगों के कपड़े पहनिए। आपके भाग्य रत्न : कटैला, सभी जामुनी नग, फीरोजा, सभी नीले नग हैं।

4, 13, 22, 31 मूलांक 4

आपके कारक ग्रह यूरेनस, सूर्य, शुक्र और शनि हैं। 4, 13 या 22 अक्तूबर को जन्मे होने पर यूरेनस तथा शनि के मिले-जुले प्रभाव से जीवन असामान्य होने की संभावना है। अनेक ऐसे परिवर्तन और विचित्र अनुभव होंगे, जिन पर आपका नियन्त्रण नहीं रहेगा। शुक्र के अपने सौम्य भाव में होने से प्रेम और विवाह के सम्बन्ध में अनोखे अनुभव होंगे। आप विचित्र और बहुत कुछ सनकी व्यक्तियों की ओर आकर्षित होंगे, जो सांसारिक दृष्टि से आपके लिए भाग्यशाली नहीं रहेंगे।

यदि आप किसी को गहराई से चाहेंगे, तो उसके कामों की कितनी ही आलोचना हो, आपके प्रेम में कमी नहीं आएगी। ऐसे मामलों में आप काफी जिद्दी होंगे। अपने परिवार के सदस्यों के विरोध और मनमुटाव का भी सामना करना पड़

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

सकता है। सम्पर्क में आने वाले व्यक्तियों के कारण आपको दुःखांत या सनसनीखेज अनुभव हो सकते हैं और निर्दोष होते हुए भी बदनामी या घोटालों की सम्भावना है।

आपके विचार लीक से हटकर कुछ सनकीपन लिए हुए होंगे। आपको साहित्यिक और कलात्मक कार्य में अपने को अभिव्यक्त करने का खासा वरदान मिला हुआ है, इसका लाभ उठा सकते हैं।

साझेदारियां या विवाह सम्बन्ध तभी ठीक हो सकते हैं, जब असामान्य परिस्थितियों में हों और आप काफी आत्म-त्याग का परिचय दें।

आप में गुप्त विद्याओं के अध्ययन की प्रवृत्ति और सम्मोहन—या दूसरों के मन को पढ़ने की योग्यता हो सकती है। आपको आग्नेयास्त्र, विस्फोटों आदि से दुर्घटना का खतरा है। तूफान, बिजली, विमान-दुर्घटना जैसे हवाई खतरे भी आपके जीवन में आ सकते हैं।

यदि आप 31 अक्तूबर को पैदा हुए हैं, तो आपका सूर्य वृश्चिक राशि के प्रारंभ में होगा। जहां तक निजी प्रगति और भौतिक सफलता की बात है, यह आपके लिए अधिक शुभ है।

आपके प्रारम्भिक वर्ष आमतौर से आर्थिक कठिनाई में गुजरेंगे या तो मां-बाप आपके लिए अधिक पैसा नहीं छोड़ेंगे या आप कोई ऐसा धंधा चुनेंगे, जिसमें शुरू में योग्यता दिखाने की अधिक गुंजाइश नहीं होगी। लेकिन बाद में आप सफल होंगे, विशेषकर यदि 22 या 31 अक्तूबर में पैदा हुए हों। आपको सबसे बड़ा खतरा यह है कि कितना भी पैसा कमा लें, बुढ़ापे के लिए कुछ भी बचाकर नहीं रखेंगे और प्रायः गरीबी की दशा में मरेंगे।

4 या 13 अक्तूबर को जन्मे व्यक्ति अकस्मात् किसी असमान्य बीमारी के शिकार हो सकते हैं। उन्हें गले, नाक, चेहरे और अन्दरूनी अंगों का आपरेशन भी कराना पड़ सकता है।

22 या 31 अक्तूबर को जन्मे व्यक्ति बचपन में आमतौर से कमजोर होंगे, लेकिन 31 वर्ष की आयु के बाद बीमारी से लड़ने की भारी शक्ति पैदा कर लेंगे।

आपके सबसे महत्त्वपूर्ण अंक 'चार' और 'आठ' हैं। लेकिन कभी भी अपनी ओर से इन अंकों से काम लेने की सलाह नहीं है। 'एक' या 'छः' के अंक आपके लिए अधिक भाग्यशाली रहेंगे। आपके सबसे घटनापूर्ण वर्ष 'चार' और 'आठ' मूलांकों वाले ही रहेंगे। इन्हीं मूलांकों वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति आप गहरा लगाव महसूस करेंगे।

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

कपड़ों में आप सुनहरे, पीले, भूरे, नारंगी और नीले रंग का प्रयोग कीजिये। आपके भाग्य-रत्न: पुखराज, हीरा, फीरोजा हैं।'

5, 14, 23 मूलांक 5

आपके करक ग्रह बुध, शुक्र, शनि और सूर्य हैं। यह बहुत दिलचस्प ग्रह योग है और आमतौर से आपके चरित्र को बल प्रदान करने में बहुत महत्त्वपूर्ण भी।

उच्च शुक्र के शनि के साथ अपने सौम्य भाग में होने से आप प्रेम-प्रसंगों में असामान्य परीक्षाओं की आशा कर सकते हैं। अधिकांश जीवनकाल में आप माता-पिता या किसी सम्बन्धी के प्रति प्रबल कर्त्तव्य-भावना से प्रेरित होकर आत्म-त्याग करते रहेंगे। इस उच्च ध्येय के लिए अपनी योजनाओं तथा महत्त्वाकांक्षाओं को भी तिलांजलि दे देंगे। आपके लिए यह इस भावना के कारण और भी कठिन होगा कि आपको औसत से अधिक बुद्धि मिली हुई है और यदि आपको खुलकर काम करने की और अवसरों से पूरा लाभ उठाने की छूट मिले, तो आप अपनी प्रतिभा से बहुत कुछ कर सकते हैं।

आपका स्वभाव अत्यन्त शालीन होगा, जरा-सा भी अक्खड़पन या भद्दापन आपको चुभेगा। हर पीड़ित के प्रति आपके मन में दया, सहानुभूति और करुणा होगी, फिर भी आप सही निर्णय और उत्तम-तर्क-शक्ति की क्षमता से सम्पन्न व्यावहारिक तथा ठंडे दिमाग से सोचने वाले व्यक्ति होंगे। व्यवहार में शांत और सरल, सिद्धातों के पक्के। आपकी सबसे बड़ी भावना अपने आस-पास के लोगों में सौहार्द और शांति स्थापित करने की होगी। आप रक्त बहाने वाले योद्धा नहीं होंगे। आप विवाद या झगड़े नापसन्द करेंगे, लेकिन अपने सिद्धांतों पर अडिग रहेंगे और अन्याय के विरुद्ध अन्तिम दम तक लड़ेंगे।

ऐसी तिथियों में जन्मे व्यक्ति बहुमुखी प्रतिभा वाले और परिस्थितियों के अनुकूल अपने को ढाल लेने वाले दोनों होते हैं। जिस काम में भी हाथ डालेंगे, कर सकेंगे। वे हर प्रकार के व्यक्तियों में रच-खप सकते हैं, केवल उनको छोड़कर जो अपनी रुचियों और विचारों में भद्दे और शालीनता रहित होते हैं। वे महल और कुटिया दोनों में एक जैसे धीर-गंभीर रहते हैं। वे धन के लिए मरते नहीं, लेकिन भविष्य की चिन्ता अवश्य करते हैं। इसलिए वे किफायतदारी से सावधानी से खर्च करने वाले होते हैं तथा बुढ़ापे के लिए उचित व्यवस्था करने का जी-तोड़ प्रयास करते हैं।

14 अक्तूबर को जन्मे लोगों में ये गुण सबसे अधिक होते हैं, लेकिन प्रेम और सम्बन्धों के कारण सबसे अधिक कष्ट भी वे ही भोगते हैं। वे बहुत युवा और

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

हंसमुख दिखाई देते हैं और बुढ़ापे में भी दिल से युवा बने रहने के लिए अपना कोई दर्शन बना लेते हैं।

वे बहुत अच्छे समालोचक और प्रूफरीडर भी होते हैं। दूसरे कामों से समय निकाल सकें तो अच्छे लेखक भी बन जाते हैं।

आप दूसरों को अच्छी आर्थिक सलाह दे सकेंगे, लेकिन स्वयं उस पर नहीं चलेंगे। 23 से 50 वर्ष की आयु तक किसी व्यवसाय में या मानसिक योग्यता से अच्छी आय होगी। लेकिन कितना भी धन कमा लेंगे, अपनी उदारता के कारण बुढ़ापे के लिए शायद ही अधिक बचा पाएं।

आप भारी उत्तेजना के शिकार रहेंगे। काया कृश होगी, लेकिन उसमें रोगों से लड़ने की काफी शक्ति रहेगी। सारी आयु पेट प्रायः नाजुक बना रहेगा, पाचन अंग भी। आप अन्य लोगों की भांति नहीं खा सकते और भोजन के बारे में विशेष साव-धान रहेंगे। आंखों, चेहरे, हाथ-पैरों में नसों की फड़कन हो सकती है। जिह्वा और मुख में विकार तथा तीव्र न्यूरोल्जिया भी हो सकता है।

आपके सबसे महत्त्वपूर्ण अंक 'पांच' और उसके बाद 'छः' हैं। सबसे घटनापूर्ण वर्ष 'पांच' मूलांक वाले रहेंगे। 'पांच', 'छः' और 'आठ' मूलांकों वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति काफी लगाव महसूस करेंगे।

रंगों और रत्नों का आप पर अधिक प्रभाव नहीं होगा। सभी हल्के रंगों के वस्त्र और हीरे तथा चमकीले नग ठीक रहेंगे।

6, 15, 24 मूलांक 6

आपके कारक ग्रह शुक्र और शनि हैं। शुक्र अपने सौम्य भाव में आपके जीवन में बहुत महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। जहां कहीं रहेंगे, आपके मित्रों की बड़ी संख्या होगी और आप काफी लोकप्रिय होंगे। विपरीत लिंगियों के लिए भारी आकर्षण और प्रभाव होगा।

आप दूसरों का सत्कार करना पसंद करेंगे और उस पर काफी खर्च भी करेंगे, लेकिन घर बर्बाद करने वाले या अल्पखर्च नहीं। आपमें थोड़े से खर्च से बड़े ठाठ-बाट पैदा कर देने की क्षमता है।

आपके अनेक प्रेम-प्रसंग और एक से अधिक विवाह होंगे। लेकिन ऐसे मामले में अनेक परेशानियों, निराशाओं और विचित्र अनुभवों से भी गुजरना होगा।

अपनी निजी प्रतिभा से आप उच्च सामाजिक पदों पर पहुंचेंगे और उच्च पदस्थ तथा धनी व्यक्तियों से सम्बन्ध बनाएंगे।

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

साहित्य, संगीत, चित्रकला, काव्य, नाटक और ललितकलाओं में आमतौर से आपकी भारी रुचि होगी। यदि स्वयं नहीं अपनाएंगे, तो उन्हें संरक्षण प्रदान करेंगे और कलाकारों में दिलचस्पी लेंगे। यदि आप किसी कला को वृत्ति के रूप में अपनाना चाहेंगे तो आपको उसमें भारी सफलता मिलेगी।

पूंजी-विनियोग और आर्थिक मामलों में आप भाग्यशाली रहेंगे, विशेषकर अपनी प्रेरणा के अनुसार चलने पर आम जनता से जुड़ी साझेदारियां व्यापारिक विनियोग में शुरू होंगी।

आपकी काया में शीघ्र ठीक हो जाने का गुण है, अत: आपको खास बीमारी नहीं होगी। कभी-कभी खरोंचों से फोड़े बन सकते हैं। प्रारम्भिक वर्षों में टॉसिल फूलने और जिह्वा के पिछले भाग तथा गले में भी कुछ गड़बड़ी होने की सम्भावना है।

आपका सबसे महत्वपूर्ण अंक 'छ:' है, विशेषकर मई और अक्तूबर के महीनों में। सबसे घ्टनापूर्ण वर्ष इसी मूलांक वाले होंगे। इसी मूलांक वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति आप भारी लगाव महसूस करेंगे।

अपना प्रभाव बढ़ाने के लिए शुक्र (नीला) और सूर्य (सुनहरा, पीला, नारंगी, भूरा) रंगों के वस्त्र पहनिए। आपके भाग्य रत्न : हीरा, पुखराज, अम्बर, फीरोजा है।

7, 16, 25 मूलांक 7

आपके कारक ग्रह नेप्यचून, शुक्र और शनि हैं, लेकिन यदि आप 25 अक्तूबर को पैदा हुए हैं तो आगामी राशि वृश्चिक के संधि-काल में काफी आगे निकल चुके होंगे और गुण पूर्व तिथियों पर जन्मे व्यक्तियों से अधिक प्रखर होंगे।

आपको उच्च मानसिकता का वरदान है। यदि संतुलन बनाए रख सकें, तो जो भी वृत्ति अपनाएंगे, उल्लेखनीय काम कर दिखाएंगे; विशेष रूप से काव्य, साहित्य, चित्रकला, संगीत या ललितकलाओं जैसे कल्पनाप्रधान क्षेत्रों में।

7 अक्तूबर को पैदा हुए व्यक्ति प्राय: इतने संवदेनशील होते हैं कि वे अपने काम में पीछे हटकर खड़े होते हैं। 16 अक्तूबर को पैदा हुए लोग बहुत शीघ्र आपा खो बैठते हैं। 25 अक्तूबर को पैदा हुए लोग अपने काम में अधिक साहसी और आवेश में काम करने वाले होते हैं।

अपने सभी कामों में इन तीनों प्रकार के व्यक्तियों का लीक से हटकर रुझान होता है। विशेषकर उनकी कटु आलोचना और बदनामी होती है। अनेक मामलों में घोटाले भी होते हैं। जब तक भारी सावधानी न बरती जाए, यह जन्मकाल विवाह

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

तथा साझेदारियों के लिए शुभ नहीं है।

आपके आर्थिक मामलों में काफी उतार-चढ़ाव आएगा। कभी काफी अमीरी होगी, कभी इसका उल्टा। आमतौर से आप सट्टेबाजी में भाग्यशाली नहीं रहेंगे, क्योंकि बईमान लोग आपका पैसा हड़प लेंगे। आपको यही सर्वोत्तम सलाह है कि आप अवश्य सरकारी बांडो में पैसा लगाइए। कम लेकिन भरोसेमंद ब्याज से गुजारा कीजिये। सबसे अधिक बुढ़ापे के लिए वार्षिकी (यूनिट) खरीदकर रखिये।

स्वास्थ्य के बारे में अनेक विचित्र अनुभव होने की संभावना है। कभी विष का खतरा भी हो सकता है, खाने में, संयोग से या आपकी अपनी असावधानी से। गुर्दे, तिल्ली और अपेंडिक्स परेशान कर सकते हैं।

आपके सबसे महत्त्वपूर्ण अंक 'सात' और 'दो' हैं। इन्हीं मूलांकों वाली तिथियों को अपनी योजनाएं तथा कार्यक्रम पूरे करने और इन्हीं मूलांकों के मकानों में रहने का प्रयास कीजिये। सबसे घटनापूर्ण वर्ष 'दो' और 'सात' मूलांकों वाले ही होंगे। इन्हीं मूलांकों वाले व्यक्तियों के प्रति आप लगाव महसूस करेंगे।

अपना प्रभाव बढ़ाने के लिए चन्द्र (हरा, क्रीम, सफेद) नेप्यचून (कबूतरी, हल्के या शोखे) और शुक्र (नीले) रंगों के वस्त्र पहनिए। आपके भाग्य-रत्न : हरा जेड, मोती, चंद्रकांत मणि, फिरोजा हैं।

8, 17, 26 मूलांक 8

आपके कारक ग्रह शनि और शुक्र हैं लेकिन यदि आप 26 अक्तूबर को पैदा हुए हैं, तो आप आगामी राशि वृश्चिक के संधि-काल में काफी आगे बढ़ चुके होंगे और आपकी परिस्थितियां अधिक अनुकूल होंगी।

यदि विरासत में आपको पैसा नहीं मिला है तो आपका समय आमतौर से आराम से नहीं बीतेगा और आपको आगे बढ़ने के लिए परिश्रम करना होगा।

आप उच्च बुद्धिजीवी होंगे। सामाजिक जीवन में आने के बजाय किसी गम्भीर अध्ययन में अपना समय लगाना चाहेंगे। पुरुष अच्छे डॉक्टर, वैज्ञानिक और वकील बन सकते हैं। महिलाएं पढ़ाकू, प्रायः सामाजिक सुधारों पर लिखने वाली होती हैं, वे जनता को प्रभावित करने वाले व्यापक राजनीतिक प्रश्नों में दिलचस्पी लेने लगती हैं, अथवा पूरे दिलो-दिमाग से किसी ऐसे काम में लग सकती हैं जो मानवता के लिए कल्याणकारी समझती हैं, किन्तु स्त्री और पुरुष दोनों कोई मुश्किल वृत्ति चुनेंगे, जिसमें अपने विचारों के लिए उन्हें भारी विरोध का सामना करना पड़ेगा।

सांसारिक दृष्टिकोण से आप प्रायः पैसे वाले बन जाएंगे। ऐसा होने पर अपना

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

पैसा किसी असाधारण काम में लगाएंगे, जैसे वैज्ञानिक शोध को आगे बढ़ाने के लिए संस्थाओं तथा अस्पतालों की स्थापना अथवा कोई राजनीतिक सुधार का काम।

इन तिथियों को पैदा हुए लोगों को भारी दुःख या कष्ट उठाने पड़ते हैं। किसी प्रियजन की क्षति, माता-पिता या निकट सम्बन्धी की बीमारी तथा मृत्यु या परिवार में तनाव। इस अवधि में शनि इतना शक्तिशाली रहता है कि ये व्यक्ति किसी उच्च पद पर पहुंच जाते हैं ? लेकिन बुढ़ापे में उनके हाथों से सभी कुछ निकल जाता है और उन्हें बदनामी तथा घोटालों का भी शिकार होना पड़ता है।

ये लोग यदि कर्मचारियों के रूप में काम करेंगे, तो शायद ही कभी मनोनुकूल पदों पर पहुंचें और बहुत दुःखी जीवन बिताते हैं। दूसरे, लोग उन्हें बहुत गलत समझते हैं। शांत स्वभाव के होने के कारण ठीक से अपनी सफाई भी नहीं दे सकते। अक्सर उन्हें कार्यभंग और अपने वरिष्ठ अधिकारियों से कठोर व्यवहार मिलता है।

आर्थिक दृष्टि से आप आमतौर से भाग्यशाली नहीं होंगे। पैसा कमाएंगे तो तत्काल खर्च हो जाएगा। आप भविष्य के प्रति अति चिन्तित रहेंगे। एकाकी रहने पर विचित्र स्थानों पर पैसा जमा करने की प्रवृत्ति होगी। प्रायः वह खो जाएगा या लूट लिया जाएगा। हर प्रकार की सट्टेबाजी या जुए से बचिए। वैज्ञानिक, डॉक्टर, वकील जैसे लोगों को भी अपनी मेहनत का पैसा पाने में भारी कठिनाई होगी।

मानसिक निराशा से और अपने साथ हुए अन्यायों के बारे में सोचते रहने से आप अनेक बीमारियों के शिकार हो जाएंगे। अनेक मामलों में आप यह विचार मन में पाल लेंगे कि आप शहीद हैं और अपनी गलतियों का वास्तविक या प्रायः काल्पनिक चिन्तन करेंगे। इसके फलस्वरूप पैदा होने वाली उदासी के कारण मन और शरीर दोनों की स्थिति बदतर होगी।

आमतौर से स्वास्थ्य सदा विचित्र होगा। खाना आसानी से हजम नहीं होगा, अपच रहेगा, मंदाग्नि होगी और भारी सिरदर्द रहेगा। संभव हो तो खुला जीवन बिताइए, ढेर सारा व्यायाम कीजिये, सादा भोजन कीजिये और अधिक-से-अधिक फल, सब्जियां लीजिये।

आपके जीवन में 'चार' और 'आठ' के अंक एकदम अप्रत्याशित ढंग से आएंगे। देर-सवेर आप स्वयं देखेंगे कि आपके धंधे में और निजी जीवन में इन अंकों का कितना महत्व है। पहले सोचे बिना ही इन अंकों वाले घरों की ओर और उन व्यक्तियों की ओर आकर्षित होंगे, जिनकी जन्म तिथि इन अंकों वाली है। आपके सबसे घटनापूर्ण वर्ष 'आठ' मूलांक वाले होंगे।

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

आपके लिए सबसे उपयुक्त रत्न, काला मोती, काला हीरा और सभी काले नग रहेंगे।

9, 18, 27 मूलांक 9

आपके कारक ग्रह मंगल, शनि और शुक्र हैं। यदि 27 अक्तूबर को पैदा हुए हैं, तो आप आगामी राशि वृश्चिक में प्रवेश कर चुके होंगे। यह मंगल (सौम्य) का भाव है और इसका अंक 'नौ' है। यह आप में मंगल के गुणों को बढ़ाएगा, जिसकी आपके जीवन की वृत्ति में महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी।

आप में जल्दबाजी और आवेश की प्रवृत्ति इतनी अधिक होगी कि उससे अधिक अहित हो सकता है। अपनी विवादप्रियता और अपने विचारों तथा सिद्धांतों के लिए लड़ने की भावना से आप विरोध पैदा करेंगे और अनेक लोगों को अपना दुश्मन बना लेंगे। ऐसे मामलों में अपने मन को काबू में रखना और अधिक कूटनीति से काम लेना बेहतर होगा हालांकि आपके स्वाभाविक गुण आपको सफल वकील या वक्ता बना सकते हैं, तथापि अपनी कटु आलोचना से आप ऐसी वृत्ति से भी मुश्किलें पैदा कर लेंगे।

शल्य-चिकित्सक के रूप में भी आप सफल होंगे। मंगल आपको शल्य के लिए चाकू चलाने और तेजी से आपरेशन करने की योग्यता देता है। नये विचार और उससे सम्बन्धित विचारों में भी आपका दिमाग खूब चलेगा, लेकिन अपने विचारों में भी आप इतने आग्रही होंगे कि उनका काफी विरोध उठ खड़ा होगा।

यदि किसी व्यवसाय में उतरे तो काफी बड़े उद्यमी रहेंगे, लेकिन जो भी काम करेंगे, उसमें कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ेगा। संगठनकर्ता के रूप में और बड़े संस्थानों के प्रमुख के रूप में भी आप अच्छा काम कर सकते हैं और सफल भी हो सकते हैं, लेकिन आपको कर्मचारियों के विरोध हड़तालों और जान पर हमले तक का सामना करना पड़ सकता है। सबसे बढ़िया आप किसी महत्त्वपूर्ण सरकारी पद पर रहेंगे, जहां अपनी संगठन-क्षमता से आपको अच्छा लाभ होगा।

विपरीत लिंगियों को आपके प्रति भारी आकर्षण रहेगा, लेकिन प्रेम-प्रसंगों में तनाव से काफी चिन्ता और चिढ़न होगी। अपनी अधीर प्रवृत्ति के कारण आप कम आयु में ही विवाह की ओर दौड़ सकते हैं। फिर अपने जीवन साथियों से विवादों तथा असहमति में फसेंगे। विस्तार की बात यह होगी कि बच्चों से आपको काफी संतोष मिलेगा। उनका ऊंचा बौद्धिक स्तर होने की संभावना है। व्यवसाय में आप अकेले काम करते हुए अधिक सफल होंगे।

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

आमतौर से आप सफल तो रहेंगे व जिम्मेदारी और अधिकार के पदों पर भी पहुंचेंगे, किन्तु यदि अपनी अधीर प्रकृति, क्रोध और कूटनीति की कमी पर काबू नहीं किया तो अधिक समय तक वहां नहीं टिक पाएंगे।

प्रारम्भिक वर्षों में नाजुक स्वास्थ्य, बुखार, गैस की परेशानी और फोड़े-फुंसी आदि होंगी, लेकिन इक्कीस वर्ष की आयु से स्वास्थ्य का एक नया चक्र शुरू होगा। आप में शक्ति ऊर्जा का संचार होगा। आपको आग, विस्फोटकों तथा दुर्घटनाओं में जान पर हमले का खतरा है। दांतों, जबड़े और सिर की हड्डी में परेशानी हो सकती है। घाव या चोटें भी लग सकती हैं।

आपका सबसे महत्त्वपूर्ण अंक 'नौ' और उसके बाद 'छः' रहेगा। अपनी योजनाएं और कार्यक्रम इन्हीं मूलांकों वाली तिथियों को पूरे करने का प्रयत्न कीजिये। इन्हीं तिथियों को पैदा हुए व्यक्तियों के प्रति आप लगाव महसूस करेंगे। आपके सबसे घटनापूर्ण वर्ष 'नौ' मूलांक वाले रहेंगे।

जहां तक हो सके, मंगल (लाल) और शुक्र (नीले) रंगों के कपड़े पहनिए। आपके भाग्यरत्न : लाल, तामड़ा, रक्तमणि, हीरा, फीरोजा हैं।

नवम्बर

1, 10, 19, 28 मूलांक 1

आपके कारक ग्रह शुक्र, शनि और यूरेनस हैं। 28 नवम्बर को जन्मे व्यक्ति विशेष रूप से भाग्यशाली होंगे। नाना प्रकार की सफलताएं सरलता से मिल जाएंगी। आपका जीवन सीधा-सादा रहेगा और वैवाहिक जीवन भी सुखमय। वृद्धावस्था में आपको थोड़ा कष्ट उठाना पड़ेगा, पर अंतिम समय आनंद से व्यतीत होगा। अगर 28 नवम्बर की मध्य रात्रि के उपरांत (28-29 के बीच) आपका जन्म है तो पूर्वार्द्ध आपका कष्टकारक होगा, जबकि उत्तरार्द्ध उत्तम होगा।

1 नवम्बर को जन्मे व्यक्ति नेता होंगे या भारी अपराधी। इस तारीख को जन्मे व्यक्तियों का जीवन बड़ा रोमांचकारी, जोखिम भरा या विविधतापूर्ण होगा। जीवन में अप्रत्याशित घटनाएं होंगी। साहस भरे कार्यों में यश प्राप्त होगा। शरीर से स्वस्थ रहेंगे। जलयात्राएं निश्चित रूप से होंगी और समाज में सदा विवाद का केन्द्र बने रहेंगे।

10 नवम्बर को जन्मे जातक का जीवन कभी सुख-ही-सुख और कभी दुःख-ही-दुःख से भरा रहेगा। सारा जीवन उतार-चढ़ाव में व्यतीत होगा। 30 साल की उम्र के बाद कोई न कोई बीमारी शरीर में अवश्य रहेगी। धन के मामले से सदा

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

परेशान रहेंगे। वृद्धावस्था में थोड़ा सुख मिलने की सम्भावना है।

यदि आपका जन्म 19 नवम्बर का हैं, तो आप सफल नेता, सफल व्यापारी हो सकते हैं। आपका जन्म निर्धनता में भी होगा, तो भी आप अपने कौशल या व्यापार से 40 साल की उम्र के पश्चात् धनी जीवन व्यतीत करेंगे। शरीर आपका दुबला-पतला रहेगा, पर आप यदाकदा ही अस्वस्थ होंगे। विदेश यात्राओं का भी बड़ा योग रहेगा। वैवाहिक जीवन दुःख-सुख मिश्रित होगा। पत्नी से अधिक अन्य स्त्रियों की ओर आपका रुझान रहेगा।

नवम्बर के मूलांक 1 में जन्मे व्यक्तियों के महत्वपूर्ण अंक 1, 2, 4, 7 हैं। जिन वर्षों का योग मूलांक शुरू होगा—वे वर्ष सबसे अधिक सुखद होंगे। एक मूलांक वाले जातक शिक्षिक, वकील, लेखक, कवि आदि होते हैं। बौद्धिक वर्ग में उनकी गणना होती रहेगी। पेट, गले, छाती, और कान संबंधी रोग तंग करेंगे। पारिवारिक जीवन, जिनका शुक्र प्रबल है, कलहपूर्ण रहेगा। शनि, यूरेनस वालों का गृहस्थ-जीवन सुखी रहेगा। हां, आपको मेरी सलाह है कि बुढ़ापे के लिए बचत करें, क्योंकि बुढ़ापा कष्टदायक होने की संभावना है।

रंग : पीला, सुनहरा, भूरा और नारंगी।

रत्न : पुखराज, अम्बर, हीरा, चन्द्रकांत मणि हैं।

2, 11, 20, 29 मूलांक 2

2, 11, या 20 नवम्बर को जन्मे व्यक्तियों के लिए कारक ग्रह चन्द्र, नेप्यचून और मंगल हैं। 29 नवम्बर इस वर्ग में नहीं है, क्योंकि यह तिथि धनु के प्रभाव में है जिसका स्वामी गुरु (ओज) है।

मंगल (सौम्य) के भाव वृश्चिक में नीच का चंद्र विचित्र और परस्पर-विरोधी दशाओं वाला ग्रह योग बनाता है। चन्द्र के लिए यह स्थित शुभ नहीं है। अतः नवम्बर की इन तिथियों को जन्मे व्यक्तियों को अपने सुझावों की बहुत सावधानी से परख करनी चाहिये। उन्हें अपने निर्णय में स्पष्ट और अधिक आत्म-निर्भर बनना चाहिये। इन लोगों को प्रारम्भिक वर्षों में अपनी वृत्ति का निश्चय कर पाना प्रायः असम्भव होता है।

उनमें कलात्मक या कल्पनाशील कार्य के लिए काफी प्रतिभा होती है किन्तु वे अपने ही सपनों के संसार में रहे आते हैं और उस प्रतिभा का व्यावहारिक उपयोग नहीं कर पाते।

दूसरों को संकट से उबारने के लिए वे उन पर भरोसा करके उनकी सहायता

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

के लिए तैयार रहते हैं। फलस्वरूप उन्हें अनेक कटु निराशाओं का सामना करना पड़ता है। जीवन उनके लिए एक कठोर युद्ध क्षेत्र बन जाता है, जिसके लिए वे बिल्कुल तैयार नहीं होते। महिलाएं पुरुषों से अधिक कष्ट उठाती हैं। अपनी अति भावुकता में वे प्राय: गलत व्यक्ति से विवाह कर लेती हैं और अनजाने में अपने सर्वनाश को न्यौतती हैं। 2 नवम्बर को जन्मी फ्रांस की रानी मेरी एंतोइनी इसका उदाहरण है। उसने राजा से विवाह किया था लेकिन उसका यह कार्य उसे गिलोटीन की ओर खींच कर ले गया।

स्त्री-पुरुष दोनों रोमांस की चकाचौंध में फंसकर अपने तथाकथित प्रेम की भारी कीमत चुकाते हैं। वे विपरीत लिंगियों की ओर शीघ्र आकर्षित हो जाते हैं, लेकिन उनका प्रेम का बंधन बहुत कम टिक पाता है। तलाक से कुछ समय के लिए तो उनके मन को चोट पहुंचती है, लेकिन आमतौर से यह गलती वे हर बार दुहराते हैं।

फिर भी, यदि वे अपनी भावुकता पर काबू करने का प्रयास करें और किसी गुप्त प्रतिभा को प्रकट होने का अवसर दें, तो वे क्या नहीं हो सकते। जरा सोचिए, कितने कवियों, चित्रकारों, लेखकों या संगीतज्ञों की यह तिथियां छिपी रहती हैं। यदि आप इनमें से किसी तिथि को पैदा हुए हैं तो आपको मेरी नेक सलाह है कि किसी एक विषय पर मन को केन्द्रित कीजिये। उसमें सफलता पाने के बाद फिर जितना जी चाहे, प्रेम की पींग बढ़ाइए।

29 नवम्बर को जन्मे व्यक्तियों को 2, 11 तथा 20 दिसम्बर को जन्मे व्यक्तियों के साथ अपनी मूल प्रकृति और स्वभाव की जानकारी प्राप्त करनी चाहिये। वैसे लोगों का चरित्र अधिक ओजस्वी होगा और अपनी योजनाओं को सफलता तक पहुंचाने में ये अधिक भाग्यशाली रहेंगे।

यदि आप पूरी बुद्धिमत्ता और सावधानी से काम नहीं लेंगे, तो आर्थिक मामलों में चिन्ता रहेगी। कभी अपने निजी प्रयासों से अथवा विवाह से आपको धन और संपत्ति मिल सकती है, लेकिन उसके टिकने की संभावना नहीं है। आप अपनी निजी प्रतिभाओं का विकास कर धन कमा सकते हैं, दूसरों के वायदों के भरोसे नहीं।

आपके बहुत मोटे-ताजे होने की सम्भावना नहीं है। अपनी शक्ति का अधिक-से-अधिक संचय कर रखिए और अपने को अधिक थकाइए नहीं। आपमें आंतरिक दुर्बलता या कामांगों में सूजन की प्रवृत्ति होगी। नासिका-रंध्रों, गले और कानों से परेशान हो सकते हैं। आप अति संवदेनशील होंगे और दु:खद वातावरण का

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

आपके स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। आपको निराशा के दौरे पर काबू पाने का जी तोड़ प्रयास करना चाहिये।

आपकी योजनाओं और कार्यक्रमों के लिए सबसे महत्त्वपूर्ण अंक 'दो' और 'सात' हैं। इन्हीं मूलांकों और 'एक' व 'चार' मूलांकों वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति आप गहरा लगाव महसूस करेंगे। आपके सबसे घटनापूर्ण वर्ष भी 'दो' और 'सात' मूलांकों वाले ही रहेंगे।

अपना प्रभाव बढ़ाने के लिए चंद्र (हरा, क्रीम, सफेद) और नेप्च्यून (कबूतरी, हल्के, शोख) के रंगों के वस्त्र धारण कीजिये। आपके भाग्य रत्न हैं : हरा जेड, मोती, चन्द्रकांत मणि, लाल।

3, 12, 21, 30 मूलांक 3

यदि आप 3, 12 तथा 21 नवम्बर को पैदा हुए हैं तो आपके कारक ग्रह गुरु और मंगल हैं। 30 नवम्बर को जन्मे व्यक्ति धनु राशि के अन्तर्गत आते हैं और उनके कारक ग्रह गुरु और सूर्य हैं।

गुरु और मंगल का योग बहुत शक्तिशाली है। इसके ठीक से उपयोग करने पर आपको अपनी वृत्ति में निश्चय ही सफलता और प्रमुखता मिलेगी। आपमें काफी आत्मविश्वास रहेगा, जो देर-सवेर कंधों पर आने वाली जिम्मेदारियां निभाने में काम आएगा।

जीवन के प्रारम्भिक वर्षों में अनेक बाधाओं और कठिनाइयों का सामना करना होगा। माता या पिता की मृत्यु, फलस्वरूप उसकी छत्र-छाया न मिल पाना और संभवत: धन का अभाव भी ऐसी बाधाएं हो सकती हैं। लेकिन कठिनाइयां प्रच्छन्न वरदान सिद्ध होंगी। तब कम आयु में ही आपको जिम्मेदारियां उठाना सिखा देंगी।

बचपन की ओर से आप पाएंगे कि प्राय: एक या दूसरे कारण से आपके छोटे कंधों को दूसरों का भार उठाना पड़ा। आयु के साथ-साथ जिम्मेदारियां भी बढ़ती हैं। एक प्रकार से आप परिवार के मुखिया बन गए। शुरू में इन सब बातों से कठिनाई हुई होगी। आपको योजनाओं और ध्येय की पूर्ति में विलम्ब भी हुआ होगा। लेकिन चरित्र-निर्माण के लिए यह आवश्यक था जिसका उद्देश्य शायद अंत में वृश्चिक राशि में आपके गुरु और मंगल की योग्य संतान बनाना था।

आप पुरुष हों या महिला, बिना आत्मभ्रमित या आत्मप्रवंचित हुए आपके मन में सदा बड़प्पन की चेतना रही है। आप दिल से जानते थे कि आपमें बड़े-बड़े काम करने की क्षमता है और अवसर मिलने पर आप उन्हें करेंगे भी। इसीलिए आपने

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

किसी जिम्मेदारी से मुंह नहीं मोड़ा। जब जो भी, जैसा पद मिलाकर आपने उसे स्वीकार कर लिया। बाद में उसके अध्यक्ष बन गए। इस प्रकार सदा ऊंचे चढ़ते चले गये। महिला होने पर भी आपने शायद यही रास्ता अपनाया अथवा आपको घर की जिम्मेदारियां सम्हालने, बच्चे पालने आदि से छुट्टी न मिल पाई हो।

अच्छे लोगों में भी कुछ-न-कुछ दोष तो होते ही हैं। आप पुरुष हों या महिला, खतरा यह है कि आप कंधों पर बहुत अधिक बोझ उठाकर अपने को थका मारेंगे। आपमें अधिकार या तानाशाही की प्रवृत्ति भी आ सकती है जिससे नौकरों, कर्मचारियों या अधीनस्थों से परेशानी पैदा हो सकती है। इस कमजोरी से अपने दुश्मन पाल लिए होंगे और आपके मन में कटुता, निराशा आ गई होगी। ऐसा है तो आप अपने मूल पर लौट आइए, अपने कंधों पर दोष लीजिए और सब कुछ नए सिरे से शुरू कीजिये। जान लीजिये कि अपनी कमजोरी को जीतने के लिए आपको यह करना है। यदि आप 30 नवम्बर को पैदा हुए हैं, जो गुरु (ओज) की धनु राशि में मूलांक 'तीन' की प्रथम तिथि है, तो आप अपने प्रयासों में काफी सफलता की आशा कर सकते हैं।

ईश्वर ने आपको जो भी काम सौंपा हो, उसी में आप पैसा कमा सकेंगे। खतरा यह है कि अति-प्रयासों से आप सीधा हार मानने लग सकते हैं या स्वास्थ्य में टूट सकते हैं, जिससे कुछ समय के लिए धंधे से अलग हो जाएंगे।

यदि आप अत्यंत परिश्रम से अपने स्वास्थ्य को खराब कर लें, तो इसके लिए स्वयं को ही दोषी ठहराना चाहिये। लेकिन आपको यह जानकर प्रसन्नता होनी चाहिये कि आपका जन्म सम्भवतः अन्य सभी राशियों की तुलना में अधिक स्वस्थ परिस्थितियों में हुआ है। केवल चिन्ता और भय से ही आप बीमार हो सकते हैं। लेकिन बीमार होंगे, तो काफी गंभीर रूप से होंगे और पुनः स्वस्थ होने में लम्बा समय लगाएंगे। फिर ठीक होंगे।

आयु बढ़ने के साथ दिल परेशान कर सकता है। उच्च रक्तचाप और निरंतर सिरदर्द की शिकायतें हो सकती हैं। इलाज और बीमारी आपके अपने हाथों में है—जिम्मेदारियां कम कीजिये, सादा भोजन कीजिये और अधिक-से-अधिक सोइए।

आपके सबसे महत्वपूर्ण अंक 'तीन' और 'नौ' हैं, विशेषकर नवम्बर, दिसम्बर, फरवरी, मार्च, अप्रैल और मई में। इन्हीं मूलांकों वाली तिथियों को अपनी योजनाएं और कार्यक्रम पूरे करने का प्रयास कीजिये। इन्हीं तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

प्रति आप लगाव महसूस करेंगे। सबसे घटनापूर्ण वर्ष भी इन्हीं मूलांकों वाले रहेंगे।

अपना प्रभाव बढ़ाने के लिए गुरु (बैंगनी, फालसई, जामुनी) और मंगल (लाल) रंगों के कपड़े पहिनए। आपके भाग्य रत्न हैं : कटेला, सभी बैंगनी-जामुनी और लाल नग।

4, 13, 22 मूलांक 4

आपके कारक ग्रह यूरेनस, सूर्य और मंगल हैं। वृश्चिक में यह एक विचित्र और जटिल ग्रहयोग है। ध्यान रखना चाहिये कि यूरेनस और मंगल सौरमंडल के सबसे विध्वंसक ग्रह हैं और मंगल (सौम्य) के भाव वृश्चिक में उनके साथ-साथ रहने से अघटित की ही संभावना करनी चाहिये।

प्रसिद्ध ज्योतिषी विलियम लिली ने 1647 में ही यूरेनस के बारे में लिखा था : इस ग्रह के प्रभाव वाले व्यक्ति असामान्य विषयों के अध्ययन में रुचि लेते हैं। उनमें उल्लेखनीय आविष्कारक क्षमता होती है और उनके द्वारा नई-नई खोजें होने की पूरी संभावना है।

एक अन्य प्रसिद्ध ज्योतिषी इवेंजनील एडम्स का 1930 में प्रकाशित अपनी पुस्तक 'एस्ट्रोलोजी' में वृश्चिक में यूरेनस के बारे में कहना है—'यूरेनस और वृश्चिक के बीच स्वभावत: एक प्रबल आकर्षण है। कुछ व्यक्तियों में वैज्ञानिक खोजबीन प्रबलता से प्रकट होगी, जो वृश्चिक का महत्वपूर्ण तत्व है, कुछ में इस रहस्यमय राशि का कपटी तथा सूक्ष्म बुद्धि वाला गुण प्रकट होगा। और एक तीसरे वर्ग में बहुत गहरी कामवासना पाएंगे।

31 अक्तूबर (वृश्चिक में 'चार' अंक वाली पहली तिथि), 4, 13 तथा 22 नवम्बर को जन्मे व्यक्ति यूरेनस के प्रभाव से उल्लेखनीय काम कर सकते हैं। मैं यहां कह दूं कि सम्पूर्ण नभचक्र में ऐसा कोई ग्रह योग नहीं है, जिस पर इतने आत्मसंयम की आवश्यकता हो, इन तिथियों को जन्मे व्यक्ति यदि कोई काम करने का दृढ़-निश्चय कर लें तो वे आविष्कार के अपने वरदान, मौलिकता और सनकीपन तक का, जो उनके स्वभाव का निश्चित अंग हैं, अच्छा उपयोग कर भारी यश प्राप्त करते हैं। लेकिन उन्हें अपने इन गुणों पर अपनी इच्छा शक्ति और संकल्प की लगाम दृढ़ता से थामे रहना चाहिये। इन लोगों का लक्ष्य अपने मन के आध्यात्मिक पक्ष का विकास करने का होना चाहिये, जिससे वे कठोर भाग्य के थपेड़ों और प्रहार से मुक्त रह सकें। ऐसा न करने पर दूसरे लोगों के व्यवहार पर उनके मन में कटुता भर जाएगी। उन्हें यह मानकर चलना चाहिये कि उनके विचारों और कामों को गलत समझा

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

जाएगा, उनकी मौलिकता तथा सनक का मजाक उड़ाया जाएगा, उनके साथ भारी अन्याय होगा और दुनिया आमतौर से उनके प्रति बहुत कठोर होगी।

यदि उनके 'महान उद्देश्य' पर से उनका विश्वास हिल गया, उन्होंने अपने स्वभाव के पीछे रहने वाले मानसिक मंगल को यूरेनस की तोड़-फोड़कारी शक्तियों के साथ मिल जाने दिया, तो उनके सभी अच्छाइयों के विरुद्ध उठ खड़े होने की सम्भावना है। इससे उनको आम मानवों की तुलना में कहीं बहुत अधिक पीड़ा भोगनी पड़ सकती है। इन व्यक्तियों को अपने स्वभाव के सनकीपन को काबू में रखना चाहिये।

इस ग्रहयोग में जन्मे व्यक्तियों के अच्छे गुणों में अपने कर्तव्य के प्रति लगन तथा देश के कानूनों या सामाजिक जीवन में सुधार की भावना है। इन लोगों को यह सलाह है कि अपने वातावरण में सौहार्द और प्रेम पैदा करने का लक्ष्य बनाएं। मन में शांति मिल जाने पर वे अपने स्वभाव के सद् और आध्यात्मिक पक्ष का विकास करें।

इन लोगों को आर्थिक मामलों में सावधानी और बुद्धि से काम करना चाहिये। वे दूसरों की सहायता या वायदों पर कम-से-कम निर्भर रहें। मिल-जुलकर काम करने या साझेदारियों के लिए यह राशि शुभ नहीं है, लेकिन ये व्यक्ति लीक से अलग अपने मौलिक विचारों से सफलता प्राप्त कर सकते हैं। कभी-कभी साहित्य सृजन में या बिजली, वायरलेस, रेडियो, सिनेमा, टेलीविजन आदि के क्षेत्र में विकसित ढंग की खोजों में सफल होते हैं।

इन लोगों को ध्यान रखना चाहिये कि अस्वास्थ्य केवल उनकी मन की भावना की उपज होगा। यदि वे वृश्चिक में मंगल और यूरेनस विध्वसंक तत्वों को हावी होने देंगे, तो इन ग्रहों से प्रतिबिम्बित बीमारियों के शिकार हो सकते हैं। चिन्ता से नर्वस डिस्थेप्सिया, पेट की गड़बड़ी, आंतरिक घाव, भोजन-विष, ट्यूमर, दिल की कमजोरी, दुर्बल रक्त-संचार जैसे रोगों के आ घेरने की संभावना है। उन्हें जीवन के प्रति आशावादी दृष्टिकोण अपनाना चाहिये और वातावरण के अनुकूल अपने को ढालने का प्रयास करना चाहिये।

आपके महत्वपूर्ण अंक 'चार', 'आठ' और 'नौ' हैं। इन्हीं मूलांकों वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति आप लगाव महसूस करेंगे। आपके घटनापूर्ण वर्ष भी इन्हीं मूलांकों वाले होंगे।

आपके लिए सबसे शुभ रंग नीले और लाल रहेंगे। आपके भाग्य रत्न हैं :

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection; Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

नीलम, लाल तामड़ा, सभी लाल नग और रक्तमणि।

5, 14, 23 मूलांक 5

आपके कारक ग्रह बुध और मंगल हैं। मंगल (सौम्य) के भाव में बुध आपको बहुत हाजिर जवाब बनाएगा। आप में भारी मानसिक योग्यता, संगठन-क्षमता और साथियों की अच्छी परख होगी। आप चतुर, लेकिन दूसरों के प्रति संदेही और अविश्वासी होंगे। असाधारण ढंग से या किसी असामान्य पेशे या वृत्ति से धन कमाएंगे। कला और सौन्दर्य के प्रति आपको गहरा प्रेम होगा और आपको कल्पनाशील कामों का भी वरदान होगा।

आप विपरीत लिंगियों के प्रति काफी आकर्षक होंगे। आपके अनेक प्रेमप्रसंग होंगे, लेकिन आपकी रुचि सदा बदलती हुई अस्थिर होगी। इनमें से किसी प्रसंग का आपके स्वभाव पर गहरा या स्थायी प्रभाव नहीं पड़ेगा। अपने इस स्वभाव को देखते हुए अच्छा हो यदि आप विवाह न करें, कम-से-कम मध्य आयु निकल जाने तक।

आप अशांत रहेंगे, परिस्थितियों के अनुसार अधिक-से-अधिक यात्राएं करेंगे और अपना निवास भी कई बार बदलेंगे।

आर्थिक मामलों में आपके बहुत भाग्यशाली रहने की संभावना है, कम-से-कम सौभाग्य के क्षणों में। लेकिन मंगल के योग के कारण आप उड़ाऊ-प्रकृति के होंगे और लाभ को हाथ में रख नहीं पाएंगे।

प्रारम्भिक वर्षों में सभी बाल रोग आपको परेशान करेंगे। बाद में आप कृशकाय होंगे। बीमारी को शीघ्र उतार फेंकेंगे, लेकिन हमेशा भारी तनाव में रहेंगे।

छोटी-छोटी बातों पर शीघ्र चिढ़ जाना और क्रोध करना आपके शरीर में विष घोल देगा। सब मिलाकर आप स्वस्थ जीवन बिताएंगे, लेकिन सम्भावना लम्बी बीमारी के बिना अकस्मात् जीवन का अंत होने की है।

आपके महत्वपूर्ण अंक 'पांच' और 'नौ' हैं। इन्हीं मूलांकों वाली तिथियों को पैदा हुए व्यक्तियों के प्रति आप कुछ लगाव महसूस करेंगे। आपके घटनापूर्ण वर्ष भी इन्हीं मूलांकों वाले रहेंगे।

आपके लिए सबसे शुभ रंग हल्के रंग होंगे, जैसे सफेद, क्रीम, चमकीले और लाल भी। आपके भाग्य रत्न हैं : सभी हल्के चमकीले नग, लाल तामड़ा और लाल नग।

6, 15, 24 मूलांक 6

आपके कारक ग्रह शुक्र और मंगल हैं। मंगल (सौम्य) के भाव में शुक्र की

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

स्थिति अनेक प्रकार से शुभ है, केवल प्रेम में निराशा और आम स्नेह सम्बन्धों में परेशानी उठानी होती है।

ऐसे व्यक्तियों का स्वभाव अत्यंत स्नेही होता है। सम्बन्धियों या माता-पिता के प्रति उनमें काफी आत्म-त्याग की भावना होती है। आमतौर से उन्हें सदा किसी-न-किसी की देखभाल करनी ही होती है। प्रारंभिक वर्षों में उन्हें अनेक कठिनाइयों के लिए तैयार रहना चाहिये, जैसे माता या पिता में से किसी एक की मृत्यु। इससे उनके कंधों पर जिम्मेदारी आ जाती है और उन्हें अपनी महत्वाकांक्षा पूरी करने में बाधा पहुंचती है।

सम्पन्न या उच्च समाज में पैदा होने पर स्थिति इतनी ही कठिन होगी। उन्हें अपना प्रिय शौक छोड़ना पड़ सकता है और दूसरों की इच्छा के अनुसार ही जीवन व्यतीत करना पड़ सकता है। ऐसी दशा में अपने से नीचे स्तर के व्यक्ति आपके परेशानी पैदा कर सकते हैं।

इन व्यक्तियों में विपरीत-लिंगियों के लिए प्रबल आकर्षण रहता है लेकिन उनकी पसंद प्रायः ठीक नहीं होती—प्यार दूसरा कारण इसका बनता है। अन्य मामलों में वे विवाह में काफी देर लगाते हैं और फिर जल्दबाजी में गलत जीवन साथी चुन बैठते हैं। उन्हें प्रेम-प्रसंगों में गंभीर दुर्घटनाओं और ईर्ष्या का सामना करना पड़ता है। वृश्चिक में शुक्र वाले लोग जितनी देर से विवाह करेंगे, सुख, सफलता के उतने ही अधिक अवसर होंगे।

कलाओं में उनकी प्रतिभा अधिक चमकती है। सगीत, चित्रकला, मूर्ति कला या अभिनय में, कभी-कभी लेखक के रूप में अच्छी सफलता प्राप्त करेंगे। प्रायः उन पर भारी जिम्मेदारी के पद लाद दिए जाते हैं और उनका काफी नाम होता है।

परिस्थितिवश यदि उन्हें अपने धंधे में रोजमर्रा का काम करना पड़े तो वे कठोर परिश्रम करते हैं और पूरी ईमानदारी से मालिक की सेवा करते हैं। इन तिथियों को जन्मे व्यक्तियों का यश तथा सम्मान प्राप्त करना प्रायः निश्चित है और अनेक लोग सम्पत्ति तथा उच्च पद भी प्राप्त करते हैं।

ये लोग यदि अपनी प्रेरणा पर चलेंगे तो, आर्थिक मामलों में आमतौर से भाग्यशाली रहेंगे। परिधान और टीपटाप के शौकीन होते हुए भी वे धन कमा सकते हैं और जोड़ भी सकते हैं। महिलाएं प्रायः धनी लोगों से विवाह करती हैं, विशेषकर जब वे बड़ी आयु में विवाह करें।

आमतौर से ये व्यक्ति बहुत स्वस्थ और दृढ़काय होते हैं। मुख्य खतरा आयु

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

बढ़ने के साथ-साथ मोटापा चढ़ने का है और अंतिम वर्षों में वे दिल की बीमारी के शिकार हो सकते हैं। फेफड़ों, गले, नासिका-रन्ध्रों और कान में सूजन की सम्भावना हो सकती है।

आपके सबसे महत्वपूर्ण अंक 'छ:' और 'नौ' हैं। इन्हीं मूलांकों वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों की ओर आप लगाव महसूस करेंगे। सबसे घटनापूर्ण वर्ष भी इन्हीं मूलांकों वाले रहेंगे।

अपना प्रभाव बढ़ाने के लिए शुक्र (नीला) और मंगल (लाल) रंगों के कपड़े पहनिए। आपके भाग्य रत्न : फिरोजा या सभी नीले नग, लाल, तामड़ा और लाल नग हैं।

7, 16, 25 मूलांक 7

आपके कारक नेप्यचून, चंद्र और मंगल हैं। नेप्यचून मानसिक ग्रह है और मन के गुप्त गुणों पर उसका अधिकार है, जैसे उपचेतन, स्वप्न, दिवास्वप्न, उच्च स्वप्न है। सौम्य मंगल और चंद्र को भी मानसिक ग्रह ही कहा जा सकता है।

व्यक्तियों और अपने वातावरण के प्रति आप अति-संवदेनशील होंगे। दु:खद परिस्थितियों में बहुत दु:खी और असंतुष्ट रहेंगे पर अपनी भलाई का बहुत ख्याल रखेंगे और दूसरे लोगों के साथ घुलने-मिलने में कठिनाई होगी। गुप्त विद्याओं से आपको गहरा प्रेम होगा, जैसे उच्च रसायनशास्त्र, हर प्रकार की वैज्ञानिकों शोधी में अथवा मनोवैज्ञानिक के रूप में आप सफल होंगे।

आप भौतिकता से दूर रहना चाहेंगे। इससे आपको सनकी समझा जा सकता है। निजी विचारों पर चलकर भी आप प्रमुखता प्राप्त कर सकते हैं। अपने काम में आप असाधारण लगन का परिचय देंगे। आप अपने मन की बात छिपाने वाले और आत्मकेन्द्रित व्यक्ति होंगे।

यह ग्रह योग विद्याओं, रहस्यवाद, सम्मोहन-विद्या आदि के अध्ययन के लिए भी सम्मान देता है। इसमें आप भौतक से अधिक मानसिक पक्ष की ओर आकर्षित होंगे। आप ओझा भी बन सकते हैं। आपको बहुत गलत समझा जाएगा। हालांकि आप दूसरे लोगों के कार्यों के प्रति अति संवदेनशील है तथापि उनकी ऐसी राय पर अधिक ध्यान नहीं देंगे।

आप अपनी योग्यताओं से भौतिक लाभ कमाना नहीं चाहेंगे, फिर भी आपको विचित्र ढंग से आर्थिक लाभ होने की संभावना है। उपहार और विरासत से, वैज्ञानिक खोजों या आविष्कार से अथवा अपने निजी पूर्व ज्ञान से भी आपको बहुत लाभ हो

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

सकता है।

आप बहुत दृढ़काय होंगे। आप अपने मन पर बहुत बोझ डालेंगे। साथ ही भोजन के सम्बन्ध में अपने लिए किसी विचित्र प्रकार का विकास कर लेंगे जिससे आप औसत से अधिक आयु भोग सकेंगे।

आपके महत्वपूर्ण अंक 'दो', 'सात' और 'नौ' हैं । इन्हीं मूलांकों वाली तिथियों को अपनी योजनाएं या कार्यक्रम पूरे करने का प्रयास कीजिये। सबसे घटनापूर्ण वर्ष 'दो' और 'सात' मूलांकों वाले होंगे। 2-7 और 1-4 मूलांकों, वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति आप लगाव महसूस करेंगे।

अपना प्रभाव बढ़ाने के लिए चंद्र (हरा, क्रीम, सफेद) नेप्यचून (कबूतरी, हल्के शोख) और मंगल (लाल) रंगों के कपड़े पहिनए। आपके भाग्य रत्न हैं : सिलेटी जेड, चन्द्रकांत मणि, मोती, लाल तामड़ा और लाल नग।

8, 17, 26 मूलांक 8

आपके कारक ग्रह शनि और मंगल हैं। मुझे यह कहते हुए खेद है कि इन तिथियों में जन्म लेने वालों के लिए यह ग्रह योग कदापि शुभ नहीं है, जब तक कि आप आत्मसंयम से काम न लें, अपने कुछ सद्‌गुणों का पूरा उपयोग करने के लिए कोई कसर न करेंगे। शनि को अनेक ज्यातिषियों ने सौरमंडल का बूढ़ा स्कूल मास्टर कहा है। वह निश्चय ही अपने दावों की जमकर पिटाई करता है, विशेषकर प्रारंभिक वर्षों में।

इस अवधि में मंगल अपनी सौम्य राशि में आपकी पीठ पर है। शनि के भाग्याधीन प्रभाव को दूर करने में वह आपको मानसिकता द्वारा सहायता करता है। अपने मानसिक गुणों का विकास कर ही आप आगे बढ़ सकते हैं और दूसरों के सामने सफलता प्राप्त कर सकते हैं। अपने पर विजय ही सबसे बड़ी विजय है।

यदि आप 8 या 17 नवम्बर को पैदा हुए हैं, तो आप मनमर्जी से काम करने वाले होंगे और आपके साथ निर्वाह कठिन होगा। सही हो या गलत, आप अपने विचारों पर अड़े रहेंगे। आप हर चीज को एक ही आंख से देखेंगे। लोगों के काम पर संदेह करेंगे, भले ही वे आपकी भलाई के लिए हों। यह महसूस करेंगे कि सभी लोग आपके विरोधी हैं। यदि आप इस भावना पर काबू नहीं करेंगे, तो आप 'उत्पीड़न-भावना' से ग्रसित हो जाएंगे।

बदनाम प्रेम-प्रसंगों और गुप्त मैत्रियों से आपको काफी दुःख उठाना पड़ सकता है। ऐसे मामलों में आप जिद्दी होंगे और किसी की सलाह मानने को तैयार

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

नहीं होंगे।

इसके बावजूद आप अति चतुर हैं। अपने व्यय को पूरा करने में आप अपने अड़ियलपन का अच्छा उपयोग कर सकते हैं। अपने तीव्र प्रेम-भाव को आत्म-त्याग से संचित विचार तक पहुंचा सकते हैं। आपके प्रबल भावुक-स्वभाव को यदि काबू में न रखा जाए तो यह आपके मार्ग की बाधाएं दूर करने और आपके लिए समर्थक जुटाने का साधन बन सकता है।

आमतौर से पहले पैंतीस या चालीस वर्ष आपके लिए सबसे कठोर होंगे, विशेषकर 17 नवम्बर को जन्मे लोगों के लिए यह समय बिना किसी दुर्घटना के निकाल देने पर प्रारंभिक प्रवृत्तियां दूर हो जाने की आशा है। फिर अगले पैंतीस वर्ष अच्छे होंगे।

यह आप पर निर्भर है कि आप भारी सफलता प्राप्त करते हैं या विफलता। आपके लिए कोई मध्य मार्ग नहीं है—इस पार या उस पार। शांत स्वभाव से आप अपने ध्येय में आगे बढ़ सकेंगे।

आप अत्यंत सबल होंगे या अत्यंत दुर्बल। कार्बंकल, फोड़े आदि के शिकार हो सकते हैं। गठिया या रुमैटिक बुखार भी हो सकता है। मादक द्रव्यों या शराब से बचिए। इसका दुष्प्रभाव आपके दिमाग पर पड़ेगा। कभी-कभी भारी तनाव या उत्तेजना से मानसिक संतुलन खो सकते हैं। यह आपके आत्म-संयम पर निर्भर है कि आप बीमार रहते हैं या स्वस्थ।

'चार, 'आठ' 'नौ' अंक आपके लिए बहुत महत्त्वपूर्ण हैं पर मैं 'चार' और 'आठ' को चुनने की सलाह नहीं दूंगा। आप सावधानी से उन पर नजर रखिए। आप 'चार' और 'आठ' मूलांकों वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति लगाव महसूस करेंगे। सबसे घटनापूर्ण वर्ष भी इन्हीं मूलांकों वाले होंगे।

गहरे रंगों के कपड़ों से बचिए, हालांकि उनकी ओर आपका झुकाव होगा। लाल फलक वाले हल्के रंग के कपड़े पहनना बेहतर रहेगा। आपके भाग्य रत्न : लाल, तामड़ा, रक्तमणि और सभी लाल नग हैं।

9, 18, 27 मूलांक 9

आप दुहरे मंगल के प्रभाव वाले हैं, लेकिन 27 नवम्बर को जन्मे होने पर आप गुरु (ओज) के भाव धनु, राशि के संधि-काल में काफी आगे निकल चुके होंगे, जो आपके जीवन तथा वृत्ति पर एकदम भिन्न प्रभाव डालेगा।

मंगल आग का प्रतीक है। आप कह सकते हैं कि दुहरे मंगल का क्या मतलब

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

हो सकता है। वृश्चिक में 'नौ' का अंक अथवा मंगल 27 अक्तूबर से प्रारंभ होता है। अमरीका के राष्ट्रपति थियोडोर रुजवेल्ट का जन्म इसी तिथि को हुआ। सभी जानते हैं कि यह व्यक्ति मन से कितना लड़ाका था। न्यूयार्क के गर्वनर के रूप में दुराचार और भ्रष्टाचार को दबाने के लिए उसने हर विरोधी से टक्कर ली। बाद में स्पेनिश-अमरीकी युद्ध में उसने 'रुजवेल्ट्स रफ राइडर्स' का गठन किया। अमरीका के राष्ट्रपति के रूप में वह अपने काल का लौह पुरुष था। ऐसे महत्त्वपूर्ण पदों पर पहुंचने वाले सभी मंगली व्यक्ति जान पर हमले के शिकार होते हैं, वह भी अपवाद नहीं रहा। 14 अक्तूबर 1912 को एक अराजकतावादी द्वारा हत्या के प्रयास में वह घायल हुआ।

'दुहरा मंगल' मेष राशि में आता है और 27 मार्च, 9 तथा 18 अप्रैल को जन्मे लोगों को प्रभावित करता है।

यदि आप 27 अक्तूबर, 9 नवम्बर या 18 नवम्बर को पैदा हुए हैं तो, आप में भारी कार्यकारी शक्ति और संगठन क्षमता होगी। आप ओजस्वी, दृढ़ संकल्प वाले और सरकारी कार्य तथा प्रशासन में उत्तम होंगे। निजी जीवन में आप शल्य-चिकित्सक के रूप में या ऐसे धंधों में श्रेष्ठता प्राप्त करेंगे, जिनमें काटने वाले औजारों को काम में लिया जाता है। इंजीनियरिंग से निर्माण-कार्य अथवा व्यापारी उद्यमों में अधिकारी पदों पर भी।

अपने आजाद स्वभाव, दृढ़ इच्छा-शक्ति और दबंगपन से आप अनेक लोगों को अपना दुश्मन बना लेंगे, लेकिन जो भी काम करेंगे, उसमें बढ-चढ़कर सफलता प्राप्त करेंगे। 27 नवम्बर भी, जो गुरु के प्रभाव में होता है, इतना ही बलवान है।

प्रारंभिक वर्षों में कठोर संघर्ष के बाद आप हर काम में सफल होंगे। आप सभी बाधाओं और कठिनाइयों से पार पाने तथा धन और पद प्राप्त करने की आशा कर सकते हैं। 27 नवम्बर को पैदा होने पर आप प्रारम्भिक वर्षों में अधिक भाग्यशाली रहेंगे। बुढ़ापे के लिए सावधानी से पैसा बचाने का प्रयास कीजिये।

सभी प्रकार के ज्वर, उच्च रक्तचाप और दिल पर अधिक तनाव की शिकायतें हो सकती हैं। अनेक दुर्घटनाओं से पाला पड़ेगा। मुख्यतः मशीनों से तथा आग्नेयास्त्रों से भी। आप पर प्राणघातक हमला हो सकता है। दिल के दौरे से या दिमाग में रक्त का दबाव बढ़ जाने से आकस्मिक मृत्यु भी हो सकती है।

आपका सबसे महत्वपूर्ण अंक 'नौ' है। इसी मूलांक वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति आप गहरा लगाव महसूस करेंगे। सबसे घटनापूर्ण वर्ष भी इसी

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

मूलांक वाले रहेंगे।

अपना प्रभाव बढ़ाने के लिए लाल रंग का प्रयोग कीजिये। आपके भाग्यरत्न हैं : लाल तामड़ा और सभी लाल नग।

27 नवम्बर को जन्मे व्यक्तियों के लिए 'तीन' और 'नौ' के अंक अधिक शुभ रहेंगे। रंगों में फालसाई, बैंगनी तथा जामुनी भी शुभ हैं। आप 'तीन' और 'नौ' मूलांकों वाली तिथियों को पैदा हुए व्यक्तियों के प्रति लगाव महसूस करेंगे।

दिसम्बर

1, 10, 19, 28 मूलांक 1

आपके कारक ग्रह, सूर्य, यूरनेस और गुरु हैं। 28 नवम्बर को भी दिसम्बर के क्षेत्र में शामिल किया जाना चाहिये, क्योंकि तब तक धनु राशि प्रारंभ हो चुकी होती है। वास्तव में 28 नवम्बर इस राशि की प्रथम अंक 1 तिथि है। इसी प्रकार 28 दिसम्बर की तिथि धनु राशि के क्षेत्र से निकलकर आगामी राशि मकर के क्षेत्र में प्रवेश कर गई होती है।

इन तिथियों में जन्मे व्यक्ति हंसमुख और आशावादी स्वभाव के होते हैं। कोई कठिनाई उनके उत्साह को शिथिल नहीं कर सकती। दूसरों के प्रति वे विचार में भी उदार होते हैं, यद्यपि बात करने में मुंहफट और खुले दिल वाले रहते हैं। वे अत्यन्त उद्यमी और साहसी होते हैं। एक दिशा में विघ्न होने पर दूसरी दिशा में और फिर तीसरी दिशा में प्रयास करेंगे और अंत में सफलता प्राप्त करके ही रहेंगे।

वे अपना सर्वस्व देने के लिए तैयार रहते हैं। कम भाग्यशाली लोगों की सहायता की इच्छा से स्वयं गरीबी ओढ़ने के लिए भी उद्यत रहते हैं। साथ ही वे शायद ही धोखा खाते हैं। जो लोग उन्हें झांसा देना चाहते हैं, उन्हें वे अपने अंतर्ज्ञान से पहचान लेते हैं। लेकिन उनके प्रति भी दुर्भावना नहीं दिखाते और उनकी सहायता के लिए तैयार रहते हैं।

जातक में अत्यधिक ऊर्जा होती है, काम करते समय अपने को बख्शते नहीं। वे किसी की अधीनता में काम पसन्द नहीं करते, इसीलिए आमतौर से अपने बल पर ही आगे बढ़ते हैं। उनमें भारी महत्वाकांक्षा होती है, लेकिन उस पर पूरी तरह काबू रखते हैं। कभी असम्भव की मांग नहीं करते अथवा बौने की भांति चन्द्रमा को छूने का प्रयास नहीं करते।

वे अत्यन्त सम्मानप्रिय होते हैं और ऐसा कोई कर्जा नहीं लेते जिसे अदा न

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

कर सकें। दिल से वे कानून और व्यवस्था का भारी सम्मान करते हैं। उन पर कर्तव्य-पालन में वैध-सत्ता की सहायता के लिए भरोसा किया जा सकता है।

वे मैदानी खेलों को पसन्द करते हैं और आमतौर से उनमें महारत हासिल करने की भावनाएं होती हैं, लेकिन उन्हें वे अच्छी तरह से अपने वश में रखते हैं।

विज्ञान, दर्शन और धर्म के लिए उनके मन में गहरा आदर होता है, और वे प्राय: उत्तम धर्म प्रचारक या पादरी बनते हैं लेकिन शब्दाडम्बर तथा पाखंड से दूर रहते हैं। वे अच्छे वक्ताओं को सुनना पसन्द करते हैं, अपने निजी विचार भी प्रकट करना चाहते हैं लेकिन अति संवदेनशील होने के कारण उनकी भाषणकला का जौहर तभी देखने को मिलता है जब वे कोई संदेश देना चाहते हैं। उनका कहा हुआ वाक्य तीर की भांति अपने लक्ष्य पर चोट करता है।

वे हर काम से पैसा पैदा कर सकते हैं, लेकिन उनका झुकाव जोखिम उठाने की ओर होता है और कभी-कभी वे सट्टे में भारी रकम गंवा बैठते हैं। हानि होने पर भी वे निराश नहीं होते और न उसके लिए दूसरों को दोष देते हैं। शांति से अपने काम में जुट जाते हैं और पुन: रकम जोड़ना शुरू कर देते हैं।

उन्हें उत्तम स्वास्थ्य का वरदान मिला होता है। एकमात्र खतरा अधिक परिश्रम से स्नायविक टूटन का है।

आपके सबसे महत्वपूर्ण अंक 'एक' और 'तीन' हैं। इन्हीं मूलांकों वाली तिथियों पर अपनी योजनाएं और कार्यक्रम पूरे करने का प्रयास कीजिये। इन्हीं मूलांकों वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति लगाव महसूस करेंगे। आपके सबसे घटनापूर्ण वर्ष भी इन्हीं मूलांकों वाले रहेंगे।

अपना प्रभाव बढ़ाने के लिए सूर्य, (सुनहरा, पीला, नारंगी, भूरा) और गुरु (फालसई, जामुनी, बैंगनी) रंगों के कपड़े पहनिए। आपके भाग्य रत्न : हीरा, पुखराज, अम्बर और कटैला हैं।

2, 11, 20, 29 मूलांक 2

आपके कारक ग्रह चंद्र, नेप्यचून और गुरु हैं। 29 नवम्बर को इन्हीं तिथियों के साथ शामिल कर लेना चाहिये, जबकि 29 दिसम्बर धनु राशि के क्षेत्र से निकलकर मकर राशि में प्रवेश कर चुका होता है। उसके गुण भिन्न होते हैं।

इस मास की दो मूलांक वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों में एक मूलांक वाले व्यक्तियों जैसा दबंगपन नहीं मिलता। वे अधिक विनम्र, कम आशावादी और कम आत्म-विश्वासी होते हैं। वे भौतिक विचारों से धरती आध्यात्मिक धरातल पर रहते

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

हैं। साथ ही उन्हें बहुत उच्च स्तर का मानसिक वरदान मिला होता है। उनमें दर्शन, धर्म, रहस्यवाद और गुप्त विद्याओं के अध्ययन के लिए रुझान रहेगा। वे स्वप्नदर्शी और भविष्यवक्ता होते हैं। कम-से-कम घटनाओं के मोड़ के बारे में उन्हें पूर्वाभास हो जाता है। आमतौर से वे इतने संवदेनशील होते हैं कि अपनी प्रतिभा का तब तक अधिक उपयोग नहीं कर पाते, जब तक उनके दृष्टिकोण से पूरी सहानुभूति रखने वाले लोग न मिलें।

वे स्वाभाविक गुरु दिखाई देते हैं और इस रूप में अथवा दुर्बोध वैज्ञानिक विषयों के अध्ययन में सफलता प्राप्त करते हैं। वे भारी प्रकृति प्रेमी होते हैं और यात्रा करने तथा दूर देशों में जाकर वहां के प्राकृतिक आचार्यों को देखने के लिए उनका मन सदा लालायित रहता है। उनकी रुचि परिष्कृत होती है।

अत्यन्त संवेदनशील और कलाप्रिय होने से स्वभावत: सुन्दर वस्तुएं उन्हें आकर्षित करती हैं, जैसे कलाकृतियां, संगीत, चित्रकला, काव्य, उच्च स्तर का साहित्य और भाषण-कला । उन्हें इस बात की बहुत कम परवाह होती है कि वे अमीर हैं या गरीब। उनकी सम्पत्ति उनके अपने मन में रहती है और साधारणत: वे अपन दशा से प्रसन्न और संतुष्ट रहते हैं। 11 तथा 20 दिसम्बर को जन्मे व्यक्ति अपने कार्यों तथा विचारों में अधिक ओजस्वी तथा संकल्पवान होते हैं।

यदि आप 29 दिसम्बर को पैदा हुए हैं तो आप शनि (ओज) के भाव मकर में दो अंक वाले व्यक्तियों के वर्ग में आते हैं। यह कठोर परिश्रमी स्वभाव प्रदान करता है और आप दूसरों के लिए भारी जिम्मेदारियां ओढ़ने के लिए तैयार रहते हैं।

वे लोग पैसा कमाने के मामले में बहुत कुछ उदासीन होते हैं, लेकिन प्राय: ऊंचे पदों पर पहुंच जाते हैं। जीवन में किसी ध्येय के लिए या दूसरों की सहायता के लिए वे पैसा कमाने का काम कर सकते हैं, लेकिन व्यक्तिगत लाभ के लिए शायद ही ऐसा करें।

बड़ा चौखट होते हुए भी ये लोग शायद ही दृढ़काय होते हों। भोजन से उनको पूरा पोषण नहीं मिलता। यदि ऊंचे और शुष्क स्थानों में नहीं रहेंगे तो फेफड़ों की परेशानी, श्वास नलिका की कमजोरी, गले में परेशानी और जोड़ों में दर्द की शिकायत हो सकती है।

आपके महत्त्वपूर्ण अंक 'दो', 'तीन' और 'सात' हैं। इन्हीं मूलांकों वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति लगाव महसूस करेंगे। आपके सबसे घटनापूर्ण वर्ष भी इन्हीं मूलांकों वाले ही रहेंगे।

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

कपड़ों में हरे, सफेद, क्रीम, कबूतरी, फालसई, बैंगनी तथा जामुनी रंगों का प्रयोग कीजिए। आपके भाग्य-रत्न : मोती, चन्द्रकांत मणि, हरा सिलेटी जेड, कटैला और सभी जामुनी नग।

3, 12, 21, 30 मूलांक 3

आपके कारक ग्रह गुरु और सूर्य हैं। 30 दिसम्बर की तिथि इस वर्ग में नहीं आती, वह आगामी राशि मकर के अन्तर्गत आती है। 3, 12 या 21 दिसम्बर को जन्मे व्यक्ति गुरु (ओज) के भाव में 'तीन' अंक वाले होने के कारण दुहरे गुरु के प्रभाव में होते हैं। 30 नवम्बर की तिथि को भी इन्हीं के साथ शामिल किया जाना चाहिये।

यह एक अत्यन्त बलवान ग्रहयोग है। इन तिथियों को जन्मे लोग कोई वृत्ति अपनाएं, उसी में वह पर्याप्त सफलता की आशा कर सकते हैं। अपने समाज के नेता के आंदोलनों में, आमतौर से सम्मान, पुरस्कार और सरकारी ऊंचे पद प्राप्त करते हैं। रेलों, परिवहन, जहाजरानी के भी उत्तम ठेकेदार, निर्माता और डिजाइनर बनते हैं अथवा औद्योगिक संस्थानों के प्रमुख बनते हैं। यदि सरकारी क्षेत्र में जाएं तो, वहां भी प्रतिष्ठा के पद प्राप्त करते हैं।

उक्त तिथियों को पैदा हुए कुछ लोग आध्यात्मिक और धार्मिक रुझान वाले भी होते हैं अथवा इसके एकदम उल्टे, सभी धर्मों के प्रति अनास्थावादी हो सकते हैं।

कलम की शक्ति में उनका गहरा विश्वास होता है और प्रायः उच्च स्तर पत्र-पत्रिकाओं की स्थापना करते हैं अथवा अपने विशेष विचारों के प्रचार के लिए प्रचार-सामग्री का प्रकाशन करते हैं।

अपनी शानदार-प्रतिभा के बावजूद बुढ़ापे में अपने धन को अपनी आंखों के सामने ही लोप होते देखते हैं और इसे रोकने के लिए कुछ नहीं कर पाते हैं।

ऐसे लोगों को चेतावनी यह है कि सम्पन्न के दिनों में कुछ पैसा भविष्य के लिए बचाकर अवश्य रखें। पचास वर्ष की आयु के बाद दुर्दिनों से उनके प्रभावित होने की सम्भावना है।

ये लोग शानदार काया वाले होते हैं और साठ वर्ष की आयु तक बहुत कम बीमारियां उन्हें परेशान कर पाती हैं। उस समय परिवर्तन दिखाई पड़ने लगता है। यदि अपनी जिम्मेदारियां कम नहीं करेंगे, तो स्नायविक प्रणाली टूटनी शुरू हो जाएगी। कुछ मामलों में रीढ़, हाथ और दिमाग का पक्षाघात हो सकता है।

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

आपका महत्वपूर्ण अंक 'तीन' है, जिसकी 'छः' और 'नौ' से भी अदला-बदली हो सकती है। इन तीनों मूलांकों वाली तिथियों के जन्मे व्यक्ति आपको आकर्षित करेंगे, लेकिन 30 दिसम्बर वालों को 'तीन' और 'आठ' वाले सबसे अधिक आकर्षित करेंगे। सबसे घटनापूर्ण वर्ष 'तीन' के मूलांक वाले रहेंगे।

आपके भाग्य-रत्न कटैला और बैंगनी नग हैं। इसके बाद फीरोजा, लाल तामड़ा और लाल नगों का नम्बर है। 30 दिसम्बर वालों को लाल नग न पहनकर उनकी जगह नीलम पहनना चाहिये।

4, 13, 22, 31 मूलांक 4

आपके कारक ग्रह यूरनेस, सूर्य और गुरु हैं। 31 दिसम्बर का अंक 'चार' है तथा अप्रत्याशित मोड़ आते रहते हैं। उन पर यूरेनस का प्रबल प्रभाव रहता है, जो 'शनि का जुड़वां भाई' कहलाता है। शनि के प्रभाव में पैदा हुए व्यक्तियों की भांति वे भी बहुत-कुछ 'भाग्य की संतान' होते हैं।

वे कुशल, अत्यन्त बुद्धिमान, अपनी विशेषता लिए हुए अद्‌भुत् मानसिक गुणों वाले होते हैं। उन्हें आश्चर्यजनक कल्पना का और प्राय: शोधकार्य का वरदान होता है। वे दूसरों से भिन्न जीवन जीने लगते हैं और आम लोग उन्हें बहुत गलत समझते हैं। आमतौर से वे क्रूरतम बदनामी के शिकार होते हैं और अपनी सफाई देने में असहाय लगते हैं।

उनके मन का झुकाव दिवास्वप्नों, विचित्र सपनों और पूर्वज्ञान की ओर होता है। देर-सवेर उनमें गुप्त विद्याओं के अध्ययन के लिए प्रेम जाग उठता है।

उनका स्वभाव अत्यन्त स्वतन्त्र होता है और वे विचार तथा कार्य की स्वतन्त्रता के लिए ललकते हैं। उनका जीवन क्रमश: लीक से अलग होता है और वे किसी प्रकार का बंधन या अंकुश सहन नहीं कर सकते। शायद इसीलिए उनका विवाहित जीवन कदाचित ही सफल रहता हो। अपने जीवन साथी से उनका मनमुटाव चलता रहता है।

वे शायद ही जोखिम, आग और खतरों से मुक्त रह पाते हों और आग, कार, लगाम तोड़कर भागे घोड़ों आदि से अनेक दुर्घटनाओं के शिकार हो जाते हैं। उन्हें विमान से कभी यात्रा नहीं करनी चाहिये। करेंगे तो देर-सवेर नुकसान होगा।

वे धार्मिक सम्प्रदायों या गुप्त संस्थाओं के विरोध और आक्रोश के शिकार होते हैं। ऐसी संस्थाओं से जुड़ना उनके हित में नहीं होगा। भौतिक दृष्टि से वे दिमागी कार्यों से या किसी असाधारण साहित्यिक कार्य से तथा संगीत और चित्रकला से भी

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

धन कमा सकते हैं, लेकिन कदाचित् ही हाथ में रख पाते या बचा पाते हों। खुले दिमाग के और अत्यन्त उदार होने पर भी रुचि-अरुचि में दृढ़ होते हैं, जिस पर अंकुश लगा पाना उनके लिए कठिन होता है।

इन लोगों के लिए यह बहुत अनिश्चित प्रश्न है। पैसा अचानक या विचित्र ढंग से आ सकता है। वे कदाचित् ही देर तक उसे अपने हाथ में रख सकें। लेकिन जीवन को दार्शनिक ढंग से देखते हैं—कोई-न-कोई उनकी सहायता को आगे आएगा ही और आश्चर्य की बात है कि प्रायः ऐसा हो भी जाता है।

इन लोगों में दो वर्ग होते हैं। एक वर्ग जरा भी आभास के बिना सभी प्रकार की विचित्र या रहस्यमय बीमारियों का शिकार होता है, जैसे पेट में मरोड़, तीव्र-सर्दी, बुखार, फेफड़े, गले और नाक की परेशानी। दूसरा वर्ग दृढ़काय न होते हुए भी किसी गंभीर बीमारी के बिना जीवन काट देता है, केवल दुर्घटनाओं का शिकार होता है।

इनके महत्वपूर्ण अंक 'चार' और 'आठ' हैं। लेकिन इन्हें स्वयं चुनने की सलाह नहीं है। आप 'एक' और 'तीन' के 'अंक' चुनिए। 'एक' तीन', 'चार' तथा 'आठ' मूलांकों वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति आप लगाव महसूस करेंगे। आपके सबसे घटनापूर्ण वर्ष 'चार' और 'आठ' मूलांकों वाले रहेंगे।

आपके कपड़ों के लिए सबसे शुभ रंग सुनहरा, पीला, नारंगी, भूरा, फालसई, जामुनी, बैंगनी है। आपके भाग्य-रत्न : नीलम, हीरा, पुखराज, अम्बर, हरा या पीला जेड हैं।

5, 14, 23 मूलांक 5

आपके कारक ग्रह बुध और गुरु हैं। आपके जीवन में बुध का प्रभाव बहुत महत्वपूर्ण भूमिका अदा करेगा। आप मन से असामान्य रूप से चंचल, कुशल तथा हाजिर-जवाब होंगे। आपको दिमाग या हाथों से किसी-न-किसी काम में लगे ही रहना आवश्यक है।

आप महत्वाकांक्षी, आजाद तबियत और विचारों में ओजस्वी हैं। अपनी रुचि-अरुचि में भी आप जल्दबाज तथा आवेशी हैं। साथ ही आपको दिमागी शक्ति का शानदार आधार मिला हुआ है। अपनी चंचलता को काबू में रखें तो अपने सभी कार्यों में सफल होंगे।

आमतौर से आप खेलों के बेहद शौकीन होंगे, विशेषकर घुड़दौड़ या पशुओं से सम्बन्धित खेलों के। आप पर गति का भूत सवार होगा। परिस्थितियां ऐसी हुईं तो तेज कारों या विमानों में जीवन को या हाथ-पैरों को जोखिम में डालेंगे। आप शायद

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

ही किसी भयंकर दुर्घटना को टाल पाएं। नहीं भी मरे—तो अपंग तो हो ही जाएंगे।

जमकर बैठने पर आप साहित्य-सेवा, विमान, चिकित्सा, कानून या संकटकालीन नेता के रूप में सफल होंगे। आप तर्क या वाद-विवाद के बेहद शौकीन होंगे। कटु व्यंग्योक्ति भी कर सकते हैं, लेकिन जहां बहस समाप्त हुई, आप विरोधी के प्रति कोई शत्रुता या मनमुटाव नहीं रखेंगे।

विपरीत लिंगियों की ओर आपका काफी आकर्षण होगा। आमतौर से विवाह सुखद रहेगा।

ये व्यक्ति प्राय: धन कमाने वाले होते हैं, लेकिन किसी विचित्र ढंग से। अपने पूर्व ज्ञान के विनियोग में प्राय: भाग्यशाली रहते हैं, लेकिन धन को अधिक महत्व नहीं देते।

ऐसे लोग बहुत कम किसी गम्भीर बीमारी के शिकार होते हैं। यदि होते भी है तो अपनी असावधानी और धैर्यपूर्वक भोजन न करने से। आंखों या चेहरे में फड़कन और बोलने में हकलाहट या तुतलाहट की शिकायत हो सकती है।

'तीन' और 'पांच' के अंक आपके जीवन में बार-बार आएंगे। आप भी इन्हें अधिक-से-अधिक काम में लीजिये। इन्हीं मूलांकों वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति आप आकर्षित होंगे। आपके सबसे घटनापूर्ण वर्ष 'पांच' मूलांक वाले रहेंगे।

आपके लिए सबसे शुभ रंग फालसई या जामुनी फलक लिए हल्के रंग रहेंगे। आपके भाग्य रत्न : कटैला, हीरा और चमकीले नग हैं।

6, 15, 24 मूलांक 6

आपके कारक ग्रह शुक्र और गुरु हैं। गुरु (ओज) के भाव में शुक्र की स्थिति अत्यन्त शुभ है। ये दोनों ग्रह एक-दूसरे के मित्र कहे जाते हैं।

6, 15 या 24 दिसम्बर को पैदा हुए व्यक्ति प्रसन्नचित और हंसमुख स्वभाव के होते हैं। वे प्रकृति के वैभव और सभी प्रकार की सुन्दरता के प्रेमी होते हैं। उनके बारे में कोई ओछी बात नहीं होती। अपने मित्रों को खिलाने-पिलाने में प्रसन्नता का अनुभव करते हैं। मैदानी खेलों और पशुओं से, विशेषकर कुत्तों और घोड़ों से प्रेम करते हैं। घुड़दौड़ पसन्द करते हैं और आमतौर से घोड़े पालते भी हैं। ऐसे उद्यमों में उन्हें भारी सफलता और धन की प्राप्ति होती है। वे अपने आसपास सौहार्दपूर्ण वातावरण पसन्द करते हैं। सबसे अधिक पीड़ा उन्हें ऐसे लोगों के सम्पर्क में आने से होती है, जो कंधे पर अड़ंगा लिए जीते हैं।

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

धनु राशि में पैदा होने से उनकी आय के कई साधन होते हैं। उनके लिए हर बात दुहरी और लाभदायक रहती है। महिला होने पर उसके दो पति और दो बच्चे होना प्रायः निश्चित है। इन तिथियों को पैदा हुए व्यक्ति प्रायः विदेशियों से या अपने जन्म स्थान से दूर पैदा हुए व्यक्तियों से विवाह करते हैं। सभी विपरीत लिंगियों के प्रति तीव्रता से आकर्षित होते हैं—प्रेमी नहीं होते, तो भी अच्छे साथी जरूर बन जाते हैं।

वे कुछ दम्भी होते हैं और उच्च सामाजिक पद या प्रभाव वाले व्यक्तियों को अपनी ओर आकर्षित करते हैं, जैसे सरकारी अधिकारी, उपाधिकारी या धार्मिक नेता।

वे यात्रा के बेहद शौकीन होते हैं और यात्रा के दौरान आजीवन मित्र बना लेते हैं। नर-नारी दोनों बड़े-बड़े विचारक होते हैं और अपनी योजनाओं को पूरा करने के लिए प्रायः आवश्यक धन खींच लेते हैं।

वे विद्वानों का भारी आदर करते हैं, साहित्य, चित्र-कला, संगीत आदि में नाम कमाने वालों को अपने घर बुलाते हैं। भले ही स्वयं कोई बौद्धिक कार्य न करें, लेकिन उसमें काफी रुचि लेते हैं। उनका घर कलाकृतियों और सुन्दर वस्तुओं से भरा रहता है।

धन कमाने का प्रयास करें या न करें, प्रारंभिक वर्षों में आमतौर से भाग्यशाली रहते हैं। उनको विवाह, विरासत और उपहारों से लाभ होता है। लेकिन भाग्य जीवन भर साथ नहीं देता। अच्छा हो, वे बुढ़ापे के लिए धन बचाकर रखें।

स्वास्थ्य के मामले में भी वे इतने ही भाग्यशाली होते हैं। केवल जब बहुत अधिक शान से रहने के चक्कर में पड़ते हैं, जो आमतौर से उनकी कमजोरी होती है, तो उनका स्वास्थ्य बिगड़ता है। जीवन के अन्तिम दिनों में प्रायः आंतों और छाती में कैंसर तथा ट्यूमर की प्रवृत्ति रहती है।

आपके महत्वपूर्ण अंक 'तीन', 'छः' और 'नौ' हैं। इन्हीं मूलांकों वाली तिथियों को अपनी योजनाएं या कार्यक्रम पूरे करने का प्रयास कीजिये। इन्हीं तिथियों को पैदा हुए व्यक्तियों के प्रति आप आकर्षित होंगे। कभी 'पांच' अंक वालों के प्रति भी लगाव होगा, लेकिन वे आपके जीवन में अधिक काल तक नहीं रहेंगे और न आपके लिए उतने भाग्यशाली होंगे। सबसे घटनापूर्ण वर्ष 'तीन' और 'छः' मूलांकों वाले रहेंगे।

आपके कपड़ों के लिए सबसे शुभ रंग फालसई, बैंगनी, जामुनी, नीले और लाल रंग की झलक लिए हुए होंगे। आपके भाग्य रत्न : कटैला, फीरोजा, लाल तामड़ा और लाल नग है।

7, 16, 25 मूलांक 7

आपके कारक ग्रह नेप्यचून, चन्द्र और गुरु हैं। 25 दिसम्बर को आगामी राशि

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

काफी भिन्न प्रभाव डालेगी।

गुरु (ओज) के प्रभाव में नेप्यचून और चंद्र की तिथि कुछ बहुत महत्वपूर्ण संकेत देती है। एक प्रकार से वे परस्पर-विरोधी हैं। नेप्यचून और चंद्र विनम्र और झुकने वाले हैं, जबकि गुरु अपने निजी भाव धनु में दबंग, महत्त्वाकांक्षी और तानाशाही स्वभाव रखता है।

नेप्यचून का शरीर से अधिक मन पर प्रभाव है, विचित्र सपनों, दिवास्वप्नों, प्रेरणा और रहस्यमय अनुभवों से यह व्यक्ति को प्रभावित करता है। यह जाग्रत अवस्था में अवचेतन मन पर प्रभाव डालता है। चन्द्र के साथ नेप्यचून, रहस्यवादी, कवि, चित्रकार, संगीतज्ञ या अध्यात्मवादी लेखक बनाता है। यदि गुरु की महत्वाकांक्षी प्रकृति सक्रिय न हो तो ऐसे गुण, संभवतः सपनों की दुनिया में खोए रहते हैं।

यहीं विरोधाभास महसूस होता है। नेप्यचून और चन्द्र के अलग अपने-अपने स्वभाव के विपरीत कर्म में ठेल दिए जाते हैं। वे पदार्थ पर मन की शक्ति का अहसास कराने की पुकार सुनते हैं। यदि वे इसी बात से संतुष्ट रहें, तो ठीक है। लेकिन इस ग्रहयोग में जन्मे व्यक्तियों का एक वर्ग भी ऐसा होता है, जो अपनी अधिकार-भावना को दूसरी सभी बातों पर हावी हो जाने देते हैं। देर-सवेर इससे अपनी मौत बुला लेते हैं।

दूसरा वर्ग जो अध्यात्म को भौतिकता पर हावी होने देता है, कवि, चित्रकार, संगीतज्ञ, लेखक या नेता के रूप में यश कमाकर प्रायः दुनिया में अपना नाम छोड़कर जाता है।

इन लोगों के आर्थिक मामले विचित्र रहते हैं। यदि धन कमाते हैं तो कदाचित ही किसी आम व्यवसाय से। बुढ़ापे में विनियोगों से भारी हानि उठाने की संभावना है। बेईमान नकली संस्थाओं के शिकार हो जाते हैं या अपनी योजनाओं में सीमा का अतिक्रमण कर बैठते हैं। 25 दिसम्बर को जन्मे व्यक्तियों को अधिक निराशाओं का सामना करना पड़ता है।

इन लोगों का साथ बहुत अच्छा नहीं होता। उनमें समय-बे-समय खाने की प्रवृत्ति होती है और वे अपने शरीर का पर्याप्त ख्याल नहीं रखते। अत्यधिक संवदेनशील होने से वे अपने को पूर्ण स्वस्थ महसूस नहीं करते। मन से अपने को बहुत अधिक थका लेते हैं और शायद ही कभी ठीक से सो या विश्राम कर पाते हों और कार्यक्रम इन्हीं मूलांकों वाली तिथियों को पूरे करने का प्रयत्न कीजिये। इन्हीं तिथियों और कभी-कभी 'तीन' मूलांकों वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

आप लगाव महसूस करेंगे। आपके सबसे घटनापूर्ण वर्ष भी 'दो' और 'सात' मूलांकों वाले ही रहेंगे।

आपको हरे, क्रीम, सफेद, कबूतरी और हल्के रंगों के कपड़े पहनने चाहिये। आपके भाग्य रत्न हैं : हरा जेड, मोती, चन्द्रकांत मणि, कटैला तथा जामुनी नग।

8, 17, 26 मूलांक 8

आपके कारक ग्रह शनि और गुरु हैं। 26 दिसम्बर आगामी राशि मकर के संधिकाल में बहुत आगे है, अत: उस पर शनि का प्रभाव अधिक है। वस्तुत: यह मकर राशि की पहली 'आठ' अंकवाली तिथि है।

गुरु के भाव में शनि भारी शक्ति और संकल्प-बल-प्रदान करता है। जीवन के प्रारंभ में प्राय: सदा कठिनाई रहती है और महत्वाकांक्षा की पूर्ति में भारी बाधा आती है। 8, 17 या 26 दिसम्बर को पैदा हुए लोगों में प्रबल सहन शक्ति होती है। उनका कोई काम आसानी से नहीं होता, लेकिन अपने धैर्य और अध्यवसाय से वे अपने लिए ठोस स्थिति का निर्माण कर लेते हैं।

वे उत्तम न्यायाधीश, वकील या व्यापारी बनते हैं। दूसरे लोगों के हित में काम करते हुए वे विशेषकर बहुत सतर्क रहते हैं। वे अपने काम में बहुत ईमानदार होते हैं। लेकिन यदि अधिक पहल और आत्मविश्वास से काम लें, तो भौतिक दृष्टि से अपना ज्यादा भला कर सकते हैं।

वे आत्म-केन्द्रित और अपने रहस्य छिपा लेने वाले होते हैं तथा निन्दा या आलोचना से शीघ्र आहत हो जाते हैं। जब अन्याय के विरुद्ध उठ खड़े होते हैं, तो निडरता से उसका प्रतिरोध करते हैं और अपने स्पष्ट रवैये से अनेक लोगों को कटु दुश्मन बना लेते हैं।

वे बहस में तीव्र कटोक्तियों को सदा हथियारों की भांति काम में लेते हैं।

26 दिसम्बर को जन्मे लोग प्राय: बहुत उच्च पदों पर पहुंचते हैं और सम्मान प्राप्त करते हैं लेकिन कोई असावधानी कर बैठने से या अतिउदारता दिखाने से ढुलमुल लोगों को अपने विरुद्ध कर लेते हैं और अपना पद खो देते हैं । स्पेनिश-अमेरीकी युद्ध का हीरो एडमिरल ड्यूई इसका उदाहरण है। राष्ट्र ने उसे उपहारों से लाद दिया और वाशिंगटन में एक बंगला भी दिया। लेकिन उसने यह बंगला जब अपनी पत्नी को दे दिया तो तूफान उठ खड़ा हुआ और उसकी लोकप्रियता उसी को भारी पड़ गई।

ऐसे लोग धीरे-धीरे लेकिन लगातार धन-संचय कर लेते हैं आमतौर से कम

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

सफल सम्बन्धी या पारिवारिक बंधनों से उनके साधनों का ह्रास होता है। वे प्राय: जुए और शीघ्र धन पाने वाली योजनाओं से बचते हैं तथा सरकारी सिक्योरिटियों में या ठोस उद्यमों में अपना धन लगाते हैं, लेकिन सतर्कता के बावजूद जीवन के अंतिम दिनों में प्राय: गंभीर हानि उठाते हैं।

इन लोगों की काया मुख्यत: अच्छी और मांसल होती है, लेकिन वे आंतरिक रोगों के काफी शिकार होते हैं और प्राय: गंभीर शल्य-चिकित्सा करानी होती है।

आपके जीवन पर 'चार' और 'आठ' अंकों का और इससे सम्बद्ध व्यक्तियों का भारी प्रभाव पड़ेगा। इन लोगों के प्रति आप गहरा लगाव महसूस करेंगे। सबसे घटनापूर्ण वर्ष 'आठ' मूलांक वाले रहेंगे।

आपको गहरे रंगों के कपड़े पहिनने चाहिये और काला मोती, काला हीरा तथा कत्थई नग धारण करने चाहिये।

9, 18, 27 मूलांक 9

आपके कारक ग्रह मंगल और गुरु हैं। 27 दिसम्बर की तिथि मकर राशि की 'नौ' अंक वाली तिथि होने के कारण 9 या 18 दिसम्बर के प्रभाव में भिन्न है। वह मंगल और शनि के प्रभाव में है।

9, 18 और 27 दिसम्बर की तिथियां गुरु, मंगल और शनि जैसे बलवान ग्रहों के प्रभाव से भारी महत्वाकांक्षा तथा संकल्प वाले व्यक्तियों को जन्म देती है। ऐसे लोग अपने विचारों में ओजस्वी और काम में तानाशाही प्रवृत्ति वाले होते हैं।

वे आपातकाल में विशेष रूप से सफल रहते हैं। उनमें नैतिक और शारीरिक साहस होता है तथा डर नाम की चिड़ियां को जानते भी नहीं। मिलने पर वे घर से बाहर का परिश्रमी जीवन पसंद करते हैं। घोड़ों और आम पशुओं पर उनका भारी प्रतिकार होता है। विपरीत लिंगियों के लिए उनके मन में गहरा आकर्षण रहता है और आमतौर से विवाह के मामले में भाग्यशाली रहते हैं, लेकिन एक से अधिक सम्बन्धों की संभावना की जा सकती है।

हर प्रकार के दुस्साहस के प्रति असाधारण रूप से शौकीन होते हैं और उत्तम खोजकर्ता बन सकते हैं। उनका मन चंचल होता है और उनमें यात्रा की, विशेषकर सुदूर या अनजान क्षेत्रों की, तीव्र उत्कंठा रहती है। हर समय किसी भी जोखिम के लिए तैयार रहते हैं और अपने ध्येय की पूर्ति में प्राय: भारी खतरे उठाते हैं।

रुपये-पैसे के प्रति वे एक प्रकार से उदासीन होते हैं। परेशानी में पड़े लोगों के लिए बहुत उदार होते हैं। पैसा पास हो, तो धर्मार्थ संस्थाओं को विपुल दान देते

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

हैं। पैसा पास न हो, तो अपना समय तथा दिमाग लगाते हैं।

मशीन के बारे में उनमें काफी जानकारी रहती है, विशेषकर गतिशील मशीनों के बारे में।

ये लोग आर्थिक मामलों में आमतौर से भाग्यशाली रहते हैं। उन्हें अप्रत्याशित विरासत, विवाह या सट्टे से लाभ होता है। कुछ मामलो में वे काफी पैसा जमा कर लेते हैं, लेकिन ऐसा होने पर दानशील बन जाते हैं।

कुछ मामलों में, उद्यम में, हिम्मत से काम लेकर या शीघ्र आमदनी वाला व्यवसाय खड़ा कर अर्थ प्राप्ति में सफल होते हैं। व्यवसायों की अपेक्षा वह आमतौर से कुछ व्यक्तिगत ढंग के दिमागी काम में अधिक सफल होते हैं। 27 दिसम्बर को जन्मे लोग इनमें सबसे अधिक बुद्धिमान होते हैं। शनि का प्रभाव मंगल के स्वभाव पर अंकुश लगाकर भारी बोझ और जिम्मेदारी सौंपता है।

स्वास्थ्य के मामले में अपने दुश्मन ये स्वयं होते हैं। शायद ही कभी अपने स्वास्थ्य की परवाह करते हों बल्कि हमेशा कुछ करते रहने की भावना से उसे जोखिम में डालते हैं। अट्ठारह वर्ष की आयु के बाद वे तगड़े हो जाते हैं, लेकिन चौवन वर्ष से स्नायविक तनाव अपना प्रभाव दिखाने लगता है। वे शायद ही गंभीर दुर्घटनाओं से बच पाते हों। आम तौर से ये दुर्घटनाएं बंदूक, आग, विस्फोट से अथवा कार, विमान या पशुओं से होती हैं।

आपका सबसे घटनापूर्ण अंक 'नौ' है। इसी मूलांक वाली तिथियों को अपनी योजनाएं या कार्यक्रम पूरे करने का प्रयास कीजिये। आपके सबसे घटनापूर्ण वर्ष भी इसी मूलांक वाले रहेंगे। 'तीन', 'छः' और 'नौ' मूलांकों वाली तिथियों को जन्मे व्यक्तियों के प्रति आप लगाव महसूस करेंगे।

आपके वस्त्रों के लिए सबसे शुभ रंग लाल है। आपके भाग्य रत्न हैं : लाल तामड़ा और सभी लाल नग।

❖❖❖

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

अन्य अंक

1 से 9 तक के अंकों के लक्षण तथा प्रभाव पहले ही बताये जा चुके हैं। अब 10 से 70 तक के अंकों के लक्षण व प्रभाव बताये जा रहे हैं :

10—यह प्रतिष्ठा तथा आत्मविश्वास का अंक है। इस अंक वाला व्यक्ति अपनी इच्छानुसार बुराई या भलाई के लिए विख्यात होगा। इस व्यक्ति के इरादे तथा महत्वाकांक्षाएं पूरी होती हैं।

11—यह अंक शुभ नहीं है। ऐसे व्यक्ति को अन्य लोगों से भय, दगाबाजी आदि की आशंका रहती है। असंभावित स्थानों से भी अचानक धोखा होता है।

12—यह अंक मानसिक चिन्ता या कष्ट का द्योतक है और अन्य लोग अपनी कार्य साधना के लिए अपनी स्वार्थ की वेदी पर इनके हितों की बलि चढ़ा देते हैं।

13—इस अंक वाले व्यक्ति के इरादों और कार्यक्रमों में सदैव परिवर्तन होता रहेगा। स्थान परिवर्तन भी हो सकता है। बहुत से लोगों की यह धारणा है कि यह अशुभ अंक है, पर वास्तव में ऐसी बात नहीं है। 13 ऐसी शक्ति का प्रतीक है जो यदि उचित रूप में प्रयुक्त की जाये तो लाभकारी हो सकती है।

अंग्रेजी अक्षर	*हिन्दी लिपि*	*हिन्दी अक्षर*	*कीरो का मत चाल्डियन*	*सिपफेरियल का मत (हिब्रू)*	*पाइथोगोरियन मत*
A	ए	अ	1	1	1
B	बी	ब	2	2	2
C	सी	स	3	2	3
D	डी	द-ड	4	4	4
E	ई	इ	5	5	5
F	एफ	फ	8	8	8
G	जी	ज-ग	3	3	7
H	एच	ह	5	8	8

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

I	आई	ई	1	1	9
J	जे	ई	1	1	1
K	के	क	2	2	1
L	एल	ल	3	3	2
M	एम	म	4	4	3
N	एन	न	5	5	4
O	ओ	ओ	7	7	5
P	पी	प	8	8	6
Q	क्यू	क	1	1	7
R	आर	र	2	2	8
S	एस	स	3	3	9
T	टी	ट	4	4	1
U	यू	ऊ	6	6	2
V	वी	व	6	6	7
W	डब्लू	व	6	6	7
X	एक्स	क्ष	5	6	3
Y	वाई	य	1	1	4
Z	जेड	ज़	7	7	5

14—इस अंक से गति तथा जन एवं वस्तु की समुदायात्मक प्रवृत्ति प्रकट होती है। आंधी, पानी, तूफान, भूकम्प आदि भय की आशंका होती है। कार्य परिवर्तन, धन तथा सट्टे के लिए यह अंक शुभ है; किन्तु अन्य मनुष्यों की गलती से जातक को कुछ भय की आशंका रहती है।

15—यह मंत्रशास्त्र के रहस्य से सम्बन्धित अंक है। यदि किसी नाम के एक शब्द के अंकों का योग 15 आये तो शुभ होता है। दूसरों से धन प्राप्ति के लिए यह अंक शुभ है। इस अंक वाले व्यक्ति संगीत तथा कला के प्रेमी और अच्छे वक्ता होते हैं।

16—इस अक वाले व्यक्ति जीवन में बहुत उन्नति करते हैं किन्तु बाद में उनके अध:पतन की आशंका रहती है। इनको दुर्घटना से बचना चाहिये। ये लोग बहुत महत्वाकांक्षी होते हैं परन्तु इनकी सारी महत्वाकांक्षाएं पूर्ण नहीं होतीं।

17—यह अंक आत्मिक शक्ति से सम्बन्ध रखता है। इस अंक वाले व्यक्ति

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

कठिनाइयों और विपत्तियों को पार कर नाम और यश कमाने में सफल होते हैं और उनके जीवन के बाद भी उनकी कीर्ति रहती है। यह एक शुभ अंक है।

18—इस अंक से कलह और शत्रुता प्रकट होती है। इस अंक वाला व्यक्ति कौटुम्बिक कलह तथा अन्य जनों की शत्रुता से पीड़ित रहता है। प्राय: ऐसे व्यक्ति शत्रुता द्वारा तथा ध्वंसात्मक प्रवृत्तियों द्वारा भी धन कमाने में प्रवृत्त होते हैं।

19—यह शुभ अंक है यह सूर्य का प्रतीक है। इससे हर्ष, सफलता, प्रतिष्ठा तथा मानवृद्धि प्रकट होती है।

20—इस अंक को भी शुभ ही माना गया है। यह अंक जागृति तथा न्याय का प्रतीक है। इससे नवीन योजनाएं तथा महत्वाकांक्षाएं प्रकट होती हैं; किन्तु सफलता निश्चित होगी, यह नहीं कहा जा सकता। कार्य में बाधाएं तथा विलम्ब होता है।

21—इससे उन्नति, प्रतिष्ठा, पद वृद्धि आदि प्रकट होती है। कार्य की सफलता प्रकट होती है।

22—इस अंक वाला व्यक्ति बहुधा स्वप्न की दुनिया में रहता है। मिथ्या आशाओं में अपना समय बरबाद करता रहता है और जब विपत्ति बिल्कुल सिर पर आ जाती है तब चौकन्ना होता है। इस अंक से यह भी प्रकट होता है कि जो धारणा बना रखी है, वह मिथ्या है।

23—अपने से उच्च अधिकारियों की कृपा या अपने से श्रेष्ठ जनों की सहायता द्वारा उन्नति तथा सफलता प्रकट होती है।

24—यह शुभ अंक है। अपने कार्य में उच्च पदाधिकारियों के सहयोग तथा उनकी सहायता व्यक्त होती है। किसी पुरुष को किसी स्त्री के प्रेम तथा सहायता से और किसी स्त्री को किसी पुरुष (पति, पिता, भाई आदि) के स्नेह तथा सहायता से लाभ होता है।

25—इससे प्रकट होता है कि अनुभव द्वारा शक्ति इकट्ठी होगी और दूसरों की गतिविधि देखने से लाभ होगा। प्रारंभिक जीवन में बहुत संघर्ष और कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है, तब कहीं जाकर सफलता प्राप्त होती है।भविष्य विषयक प्रश्न में इसका परिणाम शुभ होता है।

26—दूसरों के संसर्ग या सहयोग से भारी विपत्ति तथा आशंका प्रकट होती है। दूसरों की सलाह, संयोग, साझेदारी, विवाह तथा सट्टे आदि से घाटा या भारी नुकसान होने का अंदेशा जाहिर होता है।

27—इससे हुकूमत तथा उच्चाधिकारिता प्रकट होती है। बुद्धि चातुर्य के

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

फलस्वरूप अच्छे परिणाम निकल सकते हैं। ऐसे व्यक्तियों को अपने स्वयं के विचारों को कार्यान्वित करना चाहिये। भविष्य प्रश्न में वह संख्या बहुत शुभ फल सूचित करती है।

28—इस संख्या से दो विरुद्ध दशा में जाने वाली शक्तियां सूचित होती हैं। ऐसे व्यक्तियों को अपने कार्य से बहुत प्राप्ति तथा सफलता की आशा होती है, परन्तु सावधानी न बरतें तो उनके पल्ले कुछ नहीं पड़ता। दूसरों में अन्धविश्वास रखने से, व्यापार में प्रतियोगियों के विरोध से, अदालत, मुकद्दमे या कानूनी कार्यवाही के फलस्वरूप घाटे की संभावना रहती है भविष्य विषयक प्रश्न में इस संख्या से शुभ परिणाम प्रकट नहीं होता।

29—के अंक से अस्थिरता या अनिश्चित स्थिति प्रकट होती है। ऐसे व्यक्ति के मित्र विश्वास के योग्य नहीं होते और उनके कारण उसे अचानक धोखा, भय, कष्ट और हानि की संभावना रहती है। इस अंक वाले पुरुषों को स्त्रियों से और इस अंक वाली स्त्रियों को पुरुषों से धोखा और कष्ट उठाना पड़ता है।

30—इस अंक के व्यक्ति बुद्धिमान् तथा प्रतिभा सम्पन्न होते हैं और आर्थिक संचय की ओर विशेष ध्यान न देकर विद्या संचय की ओर चित्तवृत्ति तथा बुद्धि को लगाते हैं। इस कारण इस अंक को न शुभ कह सकते हैं, न अशुभ।

31—की संख्या का भी प्रायः वही फल है, जो 30 का है बल्कि इस संख्या वाला व्यक्ति और भी एकाकी और अन्तर्मुखी वृत्तिवाला, सबसे दूर और अलग रहने की प्रवृत्ति के कारण सांसारिक सफलता से हीन ही रहता है। इस कारण यह संख्या शुभ नहीं है।

32—के अंक में वही चमत्कार है जो 5, 14 की संख्या में है। इससे बहुत व्यक्तियों या राष्ट्रों का समुच्चय या समुदाय इंगित होता है। इस संख्या वाला व्यक्ति अपने इरादों को स्वयं कार्यान्वित करे तो उसे सफलता मिलेगी परन्तु यदि वह अन्य व्यक्तियों की जिद्द या मूर्खता से पूर्ण सलाह को मान्यता देगा, तो सफलता प्राप्त न होगी। भविष्य विषयक प्रश्न में यह संख्या शुभ है।

33—इस संख्या की अपनी कोई विशेष शक्ति नहीं है। इसका प्रभाव 24 की संख्या जैसा है।

34—इसका प्रभाव 25 की संख्या जैसा है।

35— ,, 26 ,,

36— ,, 27 ,,

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

37—एक विशेष शक्ति सम्पन्न संख्या है। ऐसे व्यक्ति को प्रेम (स्त्री-पुरुष) तथा मित्रता दोनों में भाग्योदय प्राप्त होता है। ऐसे व्यक्ति किसी की साझेदारी में काम न करें, तो उससे उन्हें लाभ होता है।

38—संख्या—का प्रभाव 29 के समान है।

39—	,,	30	,,
40—	,,	31	,,
41—	,,	32	,,

42—इसका प्रभाव 29 के सदृश है।

43—यह अशुभ संख्या है। सफलता, बाधा, लड़ाई, झगड़ा, गड़बड़, क्रांति आदि अशुभ परिणाम होते हैं।

44—इसका प्रभाव		26	के समान है।
45—	,,	27	,,
46—	,,	37	,,
47—	,,	29	,,
48—	,,	30	,,
49—	,,	31	,,
50—	,,	32	,,

51—की संख्या में बहुत शक्ति है। इससे साहस तथा विजय का संकेत मिलता है। ऐसा व्यक्ति जो भी कार्य करे, उसे सफलता प्राप्त होती है। सैनिकों के लिए यह विशेष शुभ है। नेताओं के लिए भी सफलता की सूचक है; किन्तु इस संख्या वाले के बहुत से शत्रु भी होते हैं। उनसे भय तथा शारीरिक कष्ट की आशंका रहती है।

52—इसका फल 43 के समान है।

53—अंक वाला व्यक्ति गुप्तचर का कार्य अच्छा कर सकता है। सैनिक नेतृत्व में भी सफलता प्राप्त होती है। यह अंक उन्नतिसूचक है।

54—इस अंक वाले व्यक्ति को बहुत प्रतिष्ठा प्राप्त होती है। वह क्षणिक धनवान् तथा विद्वान् होता है, परन्तु उसके लंगड़े होने की आशंका रहती है।

55—का अंक नेतृत्व का है। ऐसा व्यक्ति प्रखर बुद्धि का तथा धार्मिक विचारों का होता है और अन्य जनों का नेतृत्व करता है।

56—यह अंक शुभ तथा अशुभ दोनों है। यह व्यक्ति सौभाग्यशाली होता है तथा दूसरों पर हुकूमत करने की चेष्टा करता है। परन्तु कई बार उसकी आकांक्षाएं

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

निम्न प्रकार की होती हैं। वह घबराया हुआ तथा बेचैन-सा रहता है। उसे आत्मसंयम का उपयोग करना चाहिये।

57—यह अंक कार्य या व्यवसाय में सफलता का सूचक है। ऐसा व्यक्ति खुशमिजाज व क्रियाशील होता है।

58—इस अंक वाले व्यक्ति अच्छे चिकित्सक हो सकते हैं। ये लोग स्पष्ट व्यवहार करने वाले होते हैं तथा दूसरों से स्नेह करते हैं।

59—इस अंक वाले व्यक्ति की भय और विपत्तियों से सदैव रक्षा होती रहती है। ऐसा व्यक्ति बहुत प्रकार के कार्य करता है और यात्रा भी बहुत करता है। जल यात्रा विशेष सफलता की द्योतक है। यदि बैंक या दलाली का काम करे, तो भी पूर्ण सफल होता है। ऐसे व्यक्ति में थोड़ी बेईमानी की प्रवृत्ति भी होती है। ऐसा व्यक्ति प्राय: विजय प्राप्त करता है और दीर्घजीवी होता है। दोष यही है कि इसकी सट्टे और बेईमानी की ओर प्रवृत्ति होती है।

60—इस अंक वाला व्यक्ति खुशमिजाज होता है और डाक्टर, नर्स आदि के कार्य में सफलता प्राप्त होती है।

61—इस अंक वाला व्यक्ति यात्रा का शौकीन, शन्तिप्रिय तथा आत्म-संयमी होता है।

62—इसका प्रभाव 53 अंक के समान है।

63—इस अंक वाला व्यक्ति स्वस्थ, दूसरों की उन्नति चाहने वाला तथा उपकार के कार्य करने वाला होता है। प्राचीन सामाजिक प्रथाओं के संशोधन की ओर उसका विशेष ध्यान रहता है। व्यापार में भी सफल होता है, किन्तु फिजूलखर्च भी होता है।

64—इस अंक वाले व्यक्ति को व्यापार की अपेक्षा नौकरी या अपना पेशा जैसे डाक्टरी, वकालत आदि विशेष लाभप्रद होती है। साहित्यिक प्रवृत्ति भी होती है। वैवाहिक जीवन के बंधन से अरुचि होती है।

65—इस अंक वाले व्यक्ति को बड़े मनुष्यों का आश्रय प्राप्त होता है। वैवाहिक जीवन भी सुखमय होता है; किन्तु चोट लगने या दुर्घटना की आशंका भी होती है।

66—इसका प्रभाव	57 के समान है।	
67— ,,	58	,,
68— ,,	59	,,

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

69—इस अंक से सम्मान, प्रतिष्ठा, सौभाग्य तथा कीर्ति सूचित होती है।

70—यह सौभाग्य सूचक अंक है, पर बहुत शक्तिशाली नहीं।

ऊपर जो विवरण दिया गया है उसमें कीरो के मत के हिसाब से जो अंक दिए हैं वह चाल्डियन मत से हैं और उनके हिसाब से जो अंक श्री जवाहरलाल नेहरू के अंग्रेजी नाम के हिज्जी से बने, वह जवाहर के 24 और नेहरू के 23 होते हैं। 23 का फल आपने देखा कि श्रेष्ठ जनों की सहायता द्वारा उच्चपद की प्राप्ति हुई। 24 से भी यही सब शुभ फल हुए। श्रीमति इन्दिरा गांधी का अंक 14 बराबर 5 आया। इस अंक से जन एवं वस्तु की सामुदायिक प्रवृत्ति प्रकट होती है। परिवर्तन के लिए यह अंक शुभ है। इंदिरा गांधी का अंक 19 आया, यह अंक भी शुभ है। हर्ष, सफलता, प्रतिष्ठा तथा मानवृद्धि का सूचक है। आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ बनाने में भी 14 का अंक सहायक होता है। 19 का अंक सूर्य का प्रतीक है। 9 और एक को जोड़ 10 अर्थात् 1 होता है। इन्दिरा का 5 और गांधी का 1 संयुक्तांक मिलाकर 6 हुआ। अपने पिता की नीतियों को पूरा करने में यह पूर्ण सफल हुई। उनकी जन्म तिथि 19-11-1917 है जिसका जोड़ 66 होता है। 1966 का वर्ष इनका बहुत भाग्यशाली रहा। (19 जमा 11 जमा 19 जमा 17 बराबर 66) और 66 वर्ष की आयु पर इनका भाग्य बहुत बुलन्दी पर रहा। यह हिसाब अंग्रेजी के अक्षरों से ही अधिक ठीक बैठता है और उसी से लगाना चाहिये।

इसी प्रकार शहरों और नगरों के नामों के भी संयुक्तांक बनाए जा सकते हैं। और यह देखा जा सकता है कि उस शहर का नाम शुभ है या अशुभ और किसके लिए कैसा है ?

अब कीरो के मत से, जो चाल्डियन मत है, नाम के अक्षरों से संयुक्तांक इस प्रकार बनते हैं।

1. J A W A H A R L A L   N E H R U

ज अ व आ ह अ र ल आ ल   न ए ह र ऊ

1 1 6 1 5 1 2 3 1 3   5 5 5 2 6

संयुक्तांक 24+संयुक्तांक 23=47

मूलांक=2

2. V I N O B A   B H A V E

व ई न ो व   अ व ए

6 1 5 7 2 1   2 5 1 6 5

22+19 =41 मूलांक 5

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

3. I N D I R A G A N D H I

इ न द ई र आ ग आ न द ह ई

1 5 4 1 2 1 3 1 5 4 5 1

संयुक्तांक 14 + संयुक्तांक 19=33

4. S A N J A Y G A N D H I

स अ न ज अ य ग आ न द ह ई

3 1 5 1 1 1 3 1 5 4 5 1

संयुक्तांक 12+संयुक्तांक 19=31 × मूलांक 4

5. M A H A T M A G A N D H I

म अ ह अ त म आ ग अ न द ह ई

4 1 5 1 4 4 1 3 1 5 4 5 1

संयुक्तांक 20+संयुक्तांक 19=39

मूलांक 3

6. J A I P RA K A S H N A R A I N

ज य प र क अ श न अ र य अ ण

1 1 1 8 2 1 2 1 3 5 1 2 1 1 5

3 + 22 + 15=40

मूलांक =4

महात्मा गांधी का मूल अंक (नाम से) 3 है। इसका स्वामी बृहस्पति है। अनुशासनप्रियता, धर्म में आस्था, उत्तम चरित्र, ईश्वर में विश्वास आदि गुणों का प्रतीक है। संयुक्तांक 20, 19, 39 का फल ऊपर के विवरण में देख सकते हैं। 19 अंक सूर्य का प्रतीक है। अद्वितीय संगठन शक्ति, व्यवस्था, विश्वख्याति, अद्‌भुत आत्मिक व मानसिक शक्ति, ध्येय पर पहुंचने का दृढ़ निश्चय, स्वतन्त्र विचार, सफल जीवन। यह इस अंक की (मूलांक 1 संयुक्तांक 19) विशेषताएं हैं।

श्री जवाहरलाल नेहरू का मूल अंक (नाम से) 2 तथा संयुक्तांक 24, 23 व 47 है। मूलांक 2 का फल कलाप्रिय, प्रेमी, स्नेह शील, कल्पना-शक्ति, उत्तम, बुद्धिमान, विवेकशील, परिवर्तन प्रिय आदि।

संयुक्तांक 23-24 अपने से श्रेष्ठजनों की सहायता द्वारा (महात्मा गांधी)

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

सफलता, 47 का फल 29 के समान है।

(श्रीमति इन्दिरा गांधी का मूलांक नाम से 6 है। इसके फलस्वरूप इनमें आकर्षक शक्ति, मिलनसारी, लोकप्रियता थी। इनके साथ रहने वाले लोग इनसे प्रेम करते, श्रद्धा रखते तथा मान देते थे। सौंदर्य प्रेम, कला, सुन्दर वस्त्र व वस्तुओं का प्रेम, अतिथि सत्कार, सजावट पर ध्यान देना आदि फल इसके प्रभाव से हैं। नाम से संयुक्तांक 14, 19 तथा 33 हैं। 14 का फल—गतिशील, जन-समुदायात्मक प्रवृत्ति, परिवर्तन योग, अन्य मनुष्यों की गलती से हानि की आशंका थी।

19 अंक का फल मूल अंक 1 (सूर्य का प्रतीक)। हर्ष, सफलता, प्रतिष्ठा तथा मानवृद्धि।

33 का फल 24 अंक के समान। उच्चपदस्थ श्रेष्ठ व्यक्तियों की सहायता, सहयोग, किसी पुरुष (पति, पिता) आदि के स्नेह तथा सहायता से लाभ।

श्रीमति गांधी की जन्मतिथि 19-11-1917 है जिसका मूलांक 1 है तथा संयुक्तांक 3 है। मूलांक 1 का फल ऊपर दिया हुआ है। 3 का फल भी सहायता गांधी के उदाहरण में दिया हुआ है। इसकी एक और मिसाल यहां दी जा रही है।

श्रीमति गांधी की जन्म तारीख	19-11-1917= 3
नामांकन पत्र भरने की तारीख	3-12-1979= 3
चुनाव का दिन	3 जनवरी= 3
जन्म तिथि मूलांक	19= 1
मतदाता सूची में क्रमसंख्या	—649 = 10 = 1
जन्म स्थान इलाहाबाद का संयुक्तांक	— 21 = 3
निवास स्थान दिल्ली का संयुक्तांक	— 11 = भ (3× 3)
वर्ष 1980 का संयुक्तांक	— 9 = 3×3 = 3
जन्म वर्ष 1917 का संयुक्तांक	= 9 = 3×3 = 9
पार्टी की अध्यक्षा बनीं—	11-1-1980 = 31 = 3
आयु वर्ष (1980-1917)	63 = 9
शपथ ग्रहण	14-1-1980 = 24= 3×3 = 6

(3) श्री संजय गांधी का संयुक्तांक 12, 19, 31 तथा मूलांक 4 हुआ।

12 अंक का फल: मानसिक चिन्ता तथा कष्ट का द्योतक है। अन्य लोग इस अंक वाले को अपनी स्वार्थसिद्धि का साधन बनाते हैं। 1977 का वर्ष जिसका योग 6 होता है और जो (12 या 3) का गुणक है, यह फल प्रकट हुए।

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

19 अंक का फल: यह शुभ सूर्य का प्रतीक है। प्रतिष्ठा, सफलता तथा मानवृद्धि प्रकट होती है। 9-1-1980 का योग, 28 का योग भी एक होता है। इस दिन इनके चुनावों में विजय की घोषणा हुई।

31 अंक का फल: ऐसे व्यक्ति बहुत बुद्धिमान तथा प्रतिभासम्पन्न होते हैं और आर्थिक संचय की ओर विशेष ध्यान न देकर विद्या संचय की ओर ध्यान देते हैं।

मूलांक 4: सहसा प्रगति आश्चर्यजनक कार्य पद्धति, असंभावित घटनायें। आम धारणा से भिन्न प्रगतिशील विचारधारा। जमाने से काफी आगे, सुधारक, पुरानी प्रथाओं के विरोधी, नई-नई प्रथाओं के पोषक। सामाजिक, राजनैतिक, धार्मिक किसी भी क्षेत्र में हों, नये कीर्तिमान स्थापित करना। खुश रहने का स्वभाव।

श्री जयप्रकाश नारायण: मूल अंक 4 का फल उदाहरण (4) में दिया जा चुका है। संयुक्तांक 22 का फल ऊपर के विवरण में देख लीजियेगा। स्वर्गीय जे० पी० ने अपनी धारणायें कई बार बदली थीं। आरम्भ में कम्युनिस्ट विचारधारा, फिर कांग्रेसी, फिर समाजवादी, फिर सर्वोदयी और सबके अन्त में सम्पूर्ण क्रान्ति के सूत्रधार बने। संयुक्तांक 15 का फल: उत्तम वक्ता दूसरों से धन प्राप्त करने में यह संख्या शुभ है, कली-प्रेमी। योग अंक 40 का फल 31 के समान है। अन्तर्मुखी वृत्ति, सांसारिक सफलता से रहित, संसारी लोगों के लिए यह संख्या शुभ नहीं है।

श्री विनोबा भावे : 22 का अंक जे. पी. के उदाहरण में भी है। कैसा साम्य है। दोनों ही महान् सर्वोदयी, संसार त्यागी नेता। 19 का फल श्रीमति गांधी, श्री संजय गांधी तथा महात्मा गांधी के उदहारणों में आ चुका है। इसी अंक साम्य के कारण विनोबा जी महात्मा गांधी के अनुगत तथा श्रीमती गांधी तथा श्री संजय गांधी पर कृपालु रहे।

ऊपर जो अक्षरों के अंक दिये गए हैं, वह अंग्रेजी वर्णमाला के हैं। पुराने जमाने में चाल्डियन देश में यह विद्या बहुत प्रचलित थी, उनसे हिब्रू लोगों ने प्राप्त की। कीरो ने चाल्डियन अंकों को मान्यता दी है। पाइथागोरस यूनानी दार्शनिक था, जो सिकन्दर महान् के साथ भारत आया था और सिकन्दर के आदेश पर उसने भारत की अन्य विद्याओं के साथ-साथ अंक ज्योतिष का भी गहन अध्ययन किया था। पाइथागोरस ने भारत, मिस्र और अन्य देशों की यात्रा की थी और अंक ज्योतिष के सिद्धांतों का सब जगह प्रचार किया था। उसी ने ज्यामिति शास्त्र की शुरूआत की थी।

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

पाइथागोरस के अंकशास्त्र पर हम आगे के पृष्ठों में विस्तृत विवेचन करेंगे। इन पृष्ठों में हमने चाल्डियन विधि से, जिसे कीरो ने सबसे उपयुक्त समझा, नामाक्षरों के अंक बनाने की विधि आपको बताई है। अन्य मूल अंकों के बारे में आपको कुछ तो बताया जा चुका है और बाकी आगे के पृष्ठों में बताया जाएगा।

आपके मूल अंक से मिलने वाला मूल अंक सम होता है। ऐसी वस्तुएं, ऐसी तारीखें, ऐसे व्यक्ति जिनका मूल अंक आपके मूल अंक से मलता है, तो वह आपके लिए शुभ तथा सहायक होते हैं। लाभदायक और अच्छे परिणाम के सूचक होते हैं। जिस मूल अंक को आपके मूल अंक के साथ जोड़ने से यदि वह अत्यन्त शुभांक 10 हो जाए तो वह आपका पूरक अंक है। उसके साथ भी आपकी मित्रता अच्छी निभेगी, इस अंक की तारीखें, वस्तुयें आदि भी अनुकूल रहेंगी।

मित्र और शत्रु अंक नीचे दिए जा रहे हैं।

मूल अंक	मित्र अंक	शत्रु अंक	मूल अंक	मित्र अंक	शत्रु अंक
1	4 व 8	6 व 7	6	3 व 9	1 व 8
2	7 व 9	5	7	2 व 6	1 व 9
3	5, 6, 9	4 व 8	8	1 व 4	3 व 6
4	1 व 8	3 व 6	9	2, 3, 6	7
5	3 व 9	2 व 4			

आपको यदि अपनी जन्म की तारीख मालूम है, तो उसका मूल अंक बनाइये और अपने नाम को अंग्रजी के हिज्जे में लिखकर उसका भी मूल अंक बना लीजिये। अब देखिये कि नाम का मूल अंक आपकी जन्म की तारीख से मेल खाता है या नहीं। यदि नहीं तो नाम के हिज्जों में थोड़ा बहुत परिवर्तन करने से अनुकूल अंक बनाना चाहिये। यह भी हो सकता है कि नाम के अक्षरों से बना अंक शुभ न बनता हो तो ऐसी हालत में भी परिवर्तन करना जरूरी है। जैसे किसी का नाम कैलाश चन्द्र गोयल है।

के	ए	आई	एल	ए	एस	सी	एच	ए	एन	डी	आर	ए	जी	अ	वाई	ए	एल
2	1	1	3	1	3	3	5	1	5	4	2	1	3	7	1	1	3
					11				21				15				

सबका जोड़ 47 हुआ। 47 का प्रभाव 29 के समान है और 29 अशुभ अंक है। अब यदि यह महाशय अपना नाम केवल कैलाशचन्द्र लिखें तो अंक 32 बनेगा, जो शुभ है या कैलाश के स्थान पर कैलाश करके कैलाशचन्द्र करें तो के ऐ आई

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

एल ए एस एच करने से एच का अंक 5 बढ़ जाएगा और अंक बजाय 32 के 37 हो जाएगा जो शुभ है। इस प्रकार नाम के हिज्जों में थोड़ा परिवर्तन करने से भाग्य में परिवर्तन संभव है। इसी प्रकार जन्म की तारीख के मूल अंक से नाम का मूल अंक मेल न खाता हो तो नाम के हिज्जों में उचित परिवर्तन कर लेना चाहिये।

❖❖❖

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

राशि और अंक

मेष

पाश्चात्य मत से 21 मार्च से 20 अप्रैल तक तथा भारतीय मत से 13 अप्रैल से 12 मई तक, पंजाब व बंगाल में एक बैशाख से 30 बैशाख तक और पंचांग के अनुसार सूर्य जिस समय तक मेष राशि में रहे तो उन पर यह फल लागू होगा।

इस समय में उत्पन्न व्यक्तियों में मेष राशि के स्वामी मंगल के गुण अधिक मात्रा में पाये जाते हैं। साहस, उदारता, स्वाभिमान, धार्मिक भावनाओं के साथ-साथ कलात्मक प्रवृत्तियां, सुन्दरता की वस्तुओं की परख, सिनेमा, राग-रंग, चित्रकारी आदि से प्रेम, चतुरता, व्यापारिक कुशलता, दृढ़ता और दूसरे से मुकाबला करने का हौसला होता है। साहस के कामों में, सैनिक या पुलिस विभाग में ऐसे व्यक्ति शीघ्र उन्नति करते हैं। खेल-कूद के शौकीन होते हैं। किसी भी स्थान पर जहां हुकूमत करने का, शासन करने का काम हो, मशीन, अग्नि भट्टी, लोहा या अन्य धातुओं का ढालना, तपाना आदि होता हो, इन लोगों को विशेष सफलता मिलती है। इन लोगों को क्रोध बहुत शीघ्र आता है और शीघ्र ही शांत हो जाता है। प्रेम सम्बन्ध तथा मित्रता भी ये लोग शीघ्र करते हैं, परन्तु वह स्थायी नहीं होती। कार्य को आरम्भ करते समय तो काफी दिलचस्पी लेते हैं परन्तु काम की समाप्ति तक वैसी रुचि नहीं रहती। आर्थिक स्थिति परिवर्तनशील रहती है। कभी द्रव्य काफी मात्रा में, कभी बहुत कम आता है। जमीन-जायदाद भी होती है और कभी-कभी विवाह के द्वारा भी प्राप्त होती है। स्त्रियों के कृपापात्र होने से भी काफी लाभ होता है। व्यापार और साझेदारी भी लाभदायक रहती है। भाई-बहिनों का सुख कम होता है। बचपन में प्रगति के मार्ग में बाधायें व कठिनाइयां आने से बचपन सुखी नहीं रहता। यदि जन्म आधी रात के बाद और दोपहर 12 बजे से पहले का हो तो पिता का सुख कम मिलता है। यह लोग सैर-सपाटे, भ्रमण, दूसरे स्थानों पर घूमने के काफी शौकीन होते हैं।

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

इनको पहाड़ पर चढ़ने तथा हवाई यात्रा के अवसर भी मिलते हैं। 17वां, 19वां, 30वां, 40वां वर्ष क्लेशयुक्त जाता है। पति या पत्नी के साथ भी विचार-संघर्ष, वैमनस्य रहता है और अपने स्वभाव की गर्मी के कारण नाइत्तफाकी पैदा होती है। विवाह प्राय: कम अवस्था में हो जाता है और संतान सुख साधारण होता है। एक तो संतान कम होती है या उनसे सुख नहीं मिलता। जीवन में काफी संघर्ष के बाद ही उच्च पद प्राप्त होता है। सेना विभाग, न्याय विभाग, वकालत, खान विभाग, इंजीनियरिंग आदि में सफलता मिलती है। यदि जन्म समय मध्याह्न से मध्यरात्रि के बीच का हो तो मित्रों की सहायता भी प्राप्त होती है। ईर्ष्या का कारण शत्रु तो उत्पन्न होते हैं, परन्तु विशेष हानि करने में असफल रहते हैं। सिर दर्द, ज्वर, सिर में चोट लगने की आशंका रहती है। अधिक अवस्था पर पेट विकार, गुर्दे की खराबी, उच्च ब्लड प्रेशर (रक्तचाप) की संभावना रहती है।

उनकी इच्छाशक्ति मजबूत होती है। जिस काम के पीछे पड़ जाएं उसे करके रहते हैं। बड़ी-से-बड़ी प्रबन्ध व्यवस्था करने में किसी भी विभाग या संस्था के अध्यक्ष के रूप में कामयाब रहते हैं। खुशामद अच्छी लगती है और आलोचना बुरी। इन्हें अगर स्वतंत्र रूप से काम करने दिया जाए तो ठीक रहता है। यदि खुशामद और आलोचना से प्रभावित न हों, जल्दबाजी न करें, तो बहुत उन्नति कर सकते हैं। जिनका जन्म सिंह, धनु, तुला के सौर मास में हुआ हो, उनके साथ इनकी मित्रता, विवाह सम्बन्ध, साझेदारी अच्छी निभती है। उनको सरदर्द, नेत्ररोग, मिरगी के दौरे, नकसीर, सर में चोट लगने, शस्त्र व अग्नि से खतरा रहता है। सूर्य मेष राशि के 10 अंश पर परमोच्च होता है। 23 अप्रैल को जन्म हो तो बहुत ऊंची पदवी प्राप्त करता हैं। मंगलवार का दिन, लाल रंग, 9 की संख्या विशेष रूप से शुभ है। मूंगा और अन्य लाल रंग के रत्न पहनना लाभदायक रहता है।

राशि		पाश्चात्य मत से सौर मास	भारीतय मत से सौर मास	राशि
मेष	(1)	21 मार्च से 20 अप्रैल तक	13 अप्रैल से 12 मई तक	मेष
वृष	(2)	21 अप्रैल से 21 मई तक	13 मई से 24 जून तक	वृष
मिथुन	(3)	22 मई से 21 जून तक	15 जून से 15 जुलाई तक	मिथुन

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

कर्क	(4)	22 जून से 23 जुलाई तक	16 जुलाई से 16 अगस्त तक	कर्क
सिंह	(5)	24 जुलाई से 23 अगस्त तक	17 अगस्त से 16 सितम्बर तक	सिंह
कन्या	(6)	24 अगसत से 23 सितम्बर तक	17 सितम्बर से 16 अक्टूबर तक	कन्या
तुला	(7)	24 सितम्बर से 23 अक्टूबर तक	17 अक्टूबर से 13 नवम्बर तक	तुला
वृश्चिक	(8)	24 अक्टूबर से 21 नवम्बर तक	14 नवम्बर से 14 दिसम्बर तक	वृश्चिक
धनु	(9)	22 नवम्बर से 22 दिसम्बर तक	15 दिसम्बर से 13 जनवरी तक	धनु
मकर	(10)	23 दिसम्बर से 20 जनवरी तक	14 जनवरी से 13 फरवरी तक	मकर
कुम्भ	(11)	21 जनवरी से 19 फरवरी तक	14 फरवरी से 13 मार्च तक	कुंभ
मीन	(12)	20 फरवरी से 20 मार्च तक	14 मार्च से 12 अप्रैल तक	मीन

वृष

21 अप्रैल से 21 मई पाश्चात्य मत—13 मई से 14 जून भारतीय मत से सूर्य वृष राशि में रहता है। वृष राशि का स्वामी शुक्र है और वृष राशि का स्वरूप बैल का है। इस कारण इन व्यक्तियों में जो इस दौरान पैदा होते हैं, इन दोनों के गुण पाये जाते हैं। ये लोग मेहनती तथा काम में लगे, क्रोध जल्दी नहीं आता, परन्तु जब आता है तो देर से शांत होता है और बात को वर्षों तक मन में रखे रहते हैं। अपने मन की बात को प्रकट नहीं करते और जब तक लक्ष्य पर न पहुंच जाएं, काम में लगे रहते हैं। उत्तम भोजन करने के शौकीन होते हैं और काम समाप्त करके आराम भी सुभीते से करते हैं। अनियमित आहार-विहार, ज्यादा मेहनत से रोग का डर रहता है। प्रेम-सम्बन्ध, मित्रता आदि मजबूत व स्थायी नहीं होती। ये लोग जायदाद प्राप्त करते हैं और मित्रों तथा सम्बन्धियों की सहायता व स्नेह भी इन्हें प्राप्त होता है।

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

जीवन के आरंभ में आर्थिक हालत साधारण रहती है परन्तु अपने परिश्रम से अपना भाग्योदय करने में सफल होते हैं। यदि मध्यरात्रि के बाद और मध्याह्न से पहले का जन्म हो तो पिता की प्रतिष्ठा और स्थिति समाज में अच्छी होती है बहुत यात्राओं का अवसर आता है और प्रत्येक यात्रा में सांघातिक रोग का भय रहता है।

संतान की ओर से सावधानी की जरूरत है। प्रथम संतान यदि पुत्र हो तो बचपन में उसको काफी खतरा रहता है। अन्य संतानें उन्नतिशील और संतोषजनक होंगी। जीवन शांतिप्रिय रहता है। विशेष बड़ी घटनायें नहीं होतीं। पति या पत्नी में से एक का अंत दसरे के जीवनकाल में ही हो जाता है। अन्त के कुछ वर्ष अकेले ही बिना जीवन साथी के काटने पड़ते हैं। आयु लम्बी होती है। परन्तु आहार-विहार नियमित रखना चाहिये। ये लोग खुशबूदार इत्तर चीजों, उत्तम वस्त्र, अच्छा भोजन करने के शौकीन और दूसरों की खातिरदारी खूब करते हैं। गाने-बजाने के प्रेमी, विलासी, व्यवहार प्रवीण, क्रिया कुशल होते हैं। पानी से डरते हैं। मुख व नेत्र सम्बन्धी रोग अधिकतर होते हैं। गले, नाक व गले की नली, फेफड़े का ऊपरी भाग जल्दी रोग पकड़ता है। विशेषकर यदि सीलन वाली जगहों पर रहें तो त्वचा व मांसपेशियों के रोग भी हो सकते हैं। कोई स्त्री या स्त्रियां या बांझ स्त्री शत्रुता रखती है। ऐसे व्यक्ति वस्त्र, सुगन्धित वस्तुओं, होटल आदि के व्यापार में तथा नर्स, डाक्टर, समाजसेवा, जनसेवी विभागों के सरकारी अफसर के रूप में या सेना में अच्छी सफलता प्राप्त कर सकते हैं। इनकी मित्रता, विवाह, साझेदारी 21-27 अगस्त 20-27 सितम्बर, 21 दिसम्बर से 27 जनवरी, 21 अक्तूबर से 27 नवम्बर के दौरान जन्मे व्यक्तियों से अच्छी निभ सकती है। शुक्रवार का दिन, 6 की संख्या, सफेद, हल्का पीला रंग अनुकूल पड़ता है। पन्ना, फीरोजा और हीरा इनके पहनने के लिए शुभ रत्न हैं।

मिथुन

सूर्य मिथुन राशि में पाश्चात्य मत से 22 मई से 21 जून तक और भारतीय मत से 15 जुलाई तक रहता है। इस समय में उत्पन्न व्यक्तियों में मिथुन राशि और उसके स्वामी बुध के गुण पाये जाते हैं। पंजाब व बंगाल में 1 से 30 आषाढ़ तक यह सौर मास रहता है। यह फलादेश इस समय में जन्मे व्यक्तियों पर लागू होगा। ऐसे व्यक्ति मिलनसार, दूसरों के साथ मिलकर काम करने वाले, विद्या प्रेमी, अध्ययनशील, व्यापारिक बुद्धि वाले और गान, वाद्य के प्रेमी होते हैं। क्रोध जल्दी नहीं आता, आने पर जल्दी शांत हो जाता है और बाद में पश्चाताप प्रकट करते हैं।

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

ज्यादातर शांत व चुप, अन्तर्मुखी वृत्ति होती है परन्तु अपनी पसन्द के विषय पर खूब बात करते हैं। आर्थिक स्थिति परिवर्तनशील रहती है। कभी बहुत अच्छी तो कभी द्रव्यहीन। पद व प्रतिष्ठा में भी इस प्रकार परिवर्तन होता रहता है। पिता के निमित्त कई कठिनाईयां उठानी पड़ती हैं। संतान कई होती हैं, पर उनकी बहुधा माता-पिता से ठीक नहीं बनती। ऐसे व्यक्तियों का अपने परिवार-कुटुम्ब के लोगों के साथ, नौकरों व मातहतों के साथ मनोमालिन्य, झगड़ा-फसाद रहता है। प्रेम सम्बन्धों, मित्रताओं और साझेदारी में निराशा और कष्ट ही उठाना पड़ता है। विवाह एक से अधिक हो सकते हैं और पत्नी के अतिरिक्त किसी से स्थाई प्रेम सम्बन्ध भी। अनेक प्रकार के व अनेक स्थिति के लोगों से मित्रता होगी, जिनमें से कई शत्रुता भी रखेंगे। 35 वर्ष के आसपास शत्रुता के द्वारा बाधायें उपस्थित की जायेंगी। आमदनी के जरिये एक से अधिक (कम से कम दो) होंगे। सहयोगी पड़ोसी तथा ससुराल के लोगों से भी सम्बन्ध (कम से कम दो) होंगे। ये लोग बड़े प्रतिभाशाली, फुर्तीले, चतुर व राजनीतिज्ञ होते हैं और दूसरों की कमजोरी को फौरन भांप लेते हैं। बहुत अच्छे वक्ता, मजाकिये, व्यंग करने वाले और चंचल प्रकृति के होते हैं। कुछ न कुछ करते रहना व प्रसन्नचित रहना इनका स्वभाव होता है। ये लोग बहुत अच्छे व चतुर अभिनेता बन सकते हैं। वकील, वक्ता, प्राध्यापक, नेता, समाजसेवी बन सकते हैं। व्यापार में जल्दी पैसा कमाने की तरकीबों के निकालने में, नई कम्पनी बनाने में सट्टा बाजार, शेयर मार्किट में शीघ्र सफलता प्राप्त करते हैं पर यह एक बात पर ज्यादातर टिकें, तब, तो सफल होते हैं। अक्सर व्यवसाय बदलते रहते हैं, हृदय से प्रेम करते हैं और व्यक्तियों के प्रति उदार भी होते हैं। दान, संस्थाओं को नहीं व्यक्तियों को देते हैं। उनके स्वभाव की इन विशेषताओं को यदि उन्हें बताया जाय तो कभी स्वीकार नहीं करेंगे। तीव्रगति इन्हें पसन्द है, यात्रायें काफी करते हैं। यदि कर सकें तो तेज से तेज वाहन पसन्द करते हैं। इनकी मित्रता, विवाह, साझेदारी 21 सितम्बर से 27 अक्टूबर, 21 जनवरी से 27 फरवरी, 21 नवम्बर से 27 दिसम्बर के मध्य उत्पन्न व्यक्तियों से अच्छी निभ सकती है। रोग इनको पेट, जिह्वा, हाजमे सम्बन्धी, खांसी, जुकाम, निमोनिया व नाड़ी सम्बन्धी ही होते हैं और श्वास के रोग तथा ठंड से बचना चाहिये। संभव है कि माता के अतिरिक्त किसी अन्य स्त्री ने इनके लालन-पालन में विशेष योगदान किया हो।

हरा या हल्का पीला रंग, बुधवार का दिन, 5 की संख्या और पन्ना रत्न शुभ है। चमकदार रंग व रत्न भी ठीक रहते हैं जैसे—हीरा, श्वेत चमकदार रत्न।

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

कर्क

कर्क का सौर मास पाश्चात्य मत से 22 जून से 23 जुलाई तक तथा भारतीय मत से 16 जुलाई से 16 अगस्त तक पंजाब व बंगाल में एक से 30 सावंन तक रहता है। इस समय में उत्पन्न व्यक्तियों का चित्त चलायमान, उद्विग्न और निरन्तर क्रियाशील रहता है। अपने मन की बात को सहसा किसी को नहीं बताने, पवित्र आदर्शों पर कायम रहने की चेष्टा करते हैं। विचारों में हवाई किले बांधने की प्रवृत्ति अधिक होती है। कर्क राशि का स्वामी चन्द्रमा है और इन व्यक्तियों पर चन्द्रमा का प्रभाव अधिक रहता है। इनकी प्रकृति व मानसिक अवस्था में इतनी चंचलता रहती है कि दूसरे के साथ एकरस व्यवहार नहीं कर सकते। एक बात को छोड़कर नई के पीछे लग जाने की आदत होती है, ऐसे व्यक्ति विवेकशील, स्वतन्त्र प्रकृति के तथा अनेक कार्यों में दक्ष होते हैं, व्यापार में कुशल होते हैं और धन-सम्मान की आकांक्षा करते हैं, धार्मिक वृत्ति भी होती है। ऐसी स्त्रियां परिश्रम करने वाली, हुकूमत करने की इच्छा रखने वाली, शीघ्र आवेश में आ जाने तथा शीघ्र शांत हो जाने वाली होती हैं। धन संग्रह कठिनाई से होता है, क्योंकि जो कमायेंगे, उसे सम्बन्धी या संतान पर खर्च कर देंगे या ताश, घुड़दौड़, सट्टे में बरबाद करेंगे। चोरी हो जाने की भी आशंका रहती है। धन संग्रह की संभावना 35 वर्ष की आयु के बाद ही है। युवावस्था में अपनी पसन्द के काम करने में काफी बाधायें आती हैं। भाई या भाइयों से झगड़ा हो या किसी भाई की मृत्यु हो। अपने कुटुम्ब के अलावा किसी अन्य कुटुम्ब से विशेष सम्बन्ध हो, जैसे : ससुराल, ननिहाल या गोद लाकर (दत्तक पुत्र) । संतान काफी चिन्ता उत्पन्न करती है। उनके विवाह में, कारोबार में लगाने, शिक्षा दिलाने में काफी परेशानी उठानी पड़ती है। सबसे बड़ी संतान उच्च पद पर पहुंचती है। ऐसे व्यक्ति प्रायः विवाह करना नहीं चाहते और विवाह हो जाने के बाद भी पति-पत्नी में विचार-वैमनस्य होता रहता है। पति-पत्नी को जायदाद मिलने की भी संभावना रहती है, जिसमें कुछ मुकद्दमों या बाधाओं के बाद सफलता मिलती है। काफी लम्बी-लम्बी यात्रायें करनी होती हैं, उनसे लाभ भी होता है। इन व्यक्तियों को स्थान परिवर्तन जहां तक हो सके नहीं करना चाहिये, क्योंकि इससे धन तथा व्यवसाय दोनों की हानि हो सकती है। विशेषकर 14, 26 व 30 वर्ष की अवस्था पर। 35 वर्ष के लगभग जीवनक्रम में परिवर्तन आता है और उसके बाद एक-सा क्रम चलता रहता है। बहुत-से मित्र और सहायक होते हैं। उच्च श्रेणी की स्त्रियों या पुरुषों द्वारा लाभ की संभावना होती है। कुछ मित्र जो अंदर से शत्रुता रखेंगे, 20, 32 तथा 40 वर्ष

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

की आयु पर नुकसान पहुंचाने का प्रयत्न कर सकते हैं। स्वास्थ्य साधारणतया ठीक रहेगा, पर फेफड़े तथा पेट को सुरक्षित रखना चाहिये। चोट लगने की भी आशंका है। जलमार्ग, से और समुद्र पार की वस्तुओं से विशेष लाभ रहता है। यह लोग बिना बात चिन्ता करते रहते हैं। इनको चित्त में दृढ़ता रखनी चाहिये। भारतीय मत से वाराहमिहिर आदि के अनुसार ऐसे व्यक्ति तीक्ष्ण बुद्धि, शीघ्र कार्य करने वाले, दूसरों के अधीन काम करने वाले, अपने पक्ष से भी द्वेष रखने वाले, पिता आदि की आज्ञा न मानने वाले होते हैं। इन्हें जीवन में काफी परिश्रम करना पड़ता है। जिस समाज में मद्यपान प्रचलित है, उस समाज के लोग मद्यप्रिय भी होते हैं। ये लोग देखने में सुन्दर होते हैं परन्तु इन्हें पति-पत्नी उतने सुन्दर नहीं मिलते। इन व्यक्तियों की 21 जून से 27 जुलाई, 21 अक्टूबर से 27 नवम्बर, 19 फरवरी से 27 मार्च के बीच में उत्पन्न व्यक्तियों के साथ मित्रता, विवाह सम्बन्ध, साझेदारी अच्छी निभ सकती है।

सिंह

जिन व्यक्तियों का जन्म अंग्रेजी मतानुसार 24 जुलाई से 23 अगस्त के बीच, भारतीय मत से 17 अगस्त से 16 सितम्बर के बीच सूर्य के सिंह राशि में रहने के समय होता है, उनके लिए यह फलादेश लागू होगा। सूर्य इस समय अपनी राशि में होता है। इस कारण इस समय में उत्पन्न व्यक्तियों में सूर्य के गुण ज्यादा मात्रा में पाये जाते हैं। ये लोग उदार, धैर्यवान, निडर और स्वाभिमानी होते हैं। इरादे के पक्के, साहसी व शीलवान होते हैं और अपने लक्ष्य को प्राप्त करने में सही तरीकों से काम लेकर आगे बढ़ते हैं। क्रोध जल्दी ही आता है, पर उससे किसी प्रकार की अकारण हानि नहीं होती और बुराई का बदला भी भलाई से देते हैं। प्रेम-स्नेह, मित्रता दृढ़ होती है। ऐसे व्यक्ति शासन सम्बन्धी कार्यों में या सेना में अधिक सफल हो सकते हैं। उदार होने के कारण, उधार देने की आदत के कारण, जुआ या सट्टे में धन नाश की संभावना रहती है। भाई-बहिनों से उचित व्यवहार नहीं मिलता। पति या पत्नी के विचारों में भी संघर्ष के कारण घरेलू जीवन बहुधा सुख-शान्तिमय नहीं रहता। वसीयत के द्वारा धन-जायदाद मिलने की आशा रहती है, परन्तु उसमें सम्बन्धी जनों के द्वारा अड़चनें पैदा की जाती हैं। जीवन में यात्रायें बहुत करनी पड़ती हैं और एक यात्रा के द्वारा ही भाग्योदय होता है। आमदनी चाहे कम हो, पर इन्हें सम्मान व प्रतिष्ठा अच्छी मिलती है। मित्र बहुत होते हैं पर उनसे लाभ की अपेक्षा हानि ही अधिक होती है। शत्रु हमेशा परास्त होते हैं। ये लोग स्नेही, जल्दबाज और

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

खुशामदपसन्द होते हैं। जंगल, पहाड़ों की सैर अच्छी लगती है और गांव में रहते हों तो गायों से विशेष प्रेम होता है। सारावली के अनुसार ऐसा व्यक्ति गंभीर-विख्यात, धन-सम्पन्न होता है परन्तु वृद्धावस्था में कम सुनने लगता है। उत्साही, शूर, क्रोधी, तेजस्वी, शत्रुओं को परास्त करने में समर्थ होता है।

निमोनिया, वातज व्याधि, तिल्ली, मसाने तथा हृदय की बीमारियों से सावधान रहना चाहिये। जो लोग इसी सौर मास में पैदा हुए हों या 11 मार्च से 27 अप्रैल के बीच या 21 जनवरी से 28 फरवरी तक या 2 नवम्बर से 28 दिसम्बर तक या किसी भी मास की 1, 10, 19 या 28 तारीख को पैदा हुए हों, उनके साथ इनकी मित्रता, साझेदारी या विवाह सम्बन्ध ठीक निभ सकते हैं। यहां यह बात याद दिलाई जाती है कि जिस सौर मास में जिस व्यक्ति का जन्म होता है, उसकी उसी सौर मास में जन्मे व्यक्ति से मित्रता आदि ठीक निभती है। यह सभी राशियों पर समान रूप से लागू होती है। पीला, नारंगी, सुनहरा रंग इनको अनुकूल रहता है, रविवार का दिन तथा 4 की संख्या शुभ होती है। माणिक इनका शुभ रत्न है। पुखराज व अम्बर (तृणमणि) भी शुभ होते हैं।

कन्या

कन्या का सूर्य 17 सितम्बर से 16 अक्टूबर के बीच रहता है। पंजाब तथा बंगाल में 1 से 30 आश्विन (असौज) तक। इस समय जो लोग पैदा होते हैं, वे अपनी योग्यता से ही उच्च पद पर पहुंचते हैं, न्यायप्रिय और दयाशील होते हैं और हर काम ठण्डे दिमाग से सोच-विचार कर करते हैं। कन्या का स्वामी बुध है, इस कारण बुध के अच्छे गुण, विचारशीलता, बुद्धिमानी आदि विशेष मात्रा में पाई जाती है, पर नम्रता तथा लज्जा का भी विशेष प्रभाव पड़ता है। क्रोध सहसा नहीं आता परन्तु आने पर शांत भी देर से ही होता है। क्रोध से किसी को हानि नहीं पहुंचाते और क्रोध पर पश्चाताप भी करते हैं। चित्र तथा ललित-कलाओं में भी रुचि रखते हैं, छोटी-छोटी चीजों के संग्रह का शौक होता है। ज्यादा शिक्षित लोगों में दर्शन तथा विज्ञान की ओर रुचि पाई जाती है। बचपन में शारीरिक चोट लगने पर खतरा रहता है, प्रारम्भिक जीवन में आर्थिक सफलता नहीं मिलती। बहुत परिश्रम व व्यक्तिगत योग्यता के द्वारा ही सफलता मिलती है। यात्रायें भाग्योदय में सहायक होती हैं। सम्बन्धी जनों से कोई सहायता की अपेक्षा नहीं रखनी चाहिये। भाई-बहिन कई होंगे, पर उनसे किसी सुख की आशा नहीं करनी चाहिये। वैवाहिक जीवन भी पूर्ण

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

सुखी और बाधा रहित नहीं गुजरता। संतानों को ऊंची जगह से गिरकर चोट लगने से जल या चौपाये चार पहिये वाले वाहनों से बचाकर रखना चाहिये, खतरे की संभावना रहती है। इनके प्रेम सम्बन्धों में भी बहुत बाधायें आती हैं। जिसको लेकर सम्बन्धी, मित्र, पति-पत्नी में झगड़े भी हो जाते हैं। अक्सर विवाह दो होते हैं और दूसरी शादी से जीवन में बहुत बड़ा परिवर्तन आता है। विरासत में कोई विशेष सम्पत्ति नहीं मिलती। जो मिलती भी है, तो काफी झगड़े के बाद ही। यात्रायें काफी करनी होती हैं और शायद विदेश भी जाना होता है। किसी उच्च-पदाधिकारी की आज्ञा से या धन उपार्जन के लिये। मित्रों से कोई लाभ नहीं मिलता। कलाकार तथा व्यापारियों में से कुछ व्यक्ति शत्रुता करके धनहानि करा सकते हैं। इस समय में पैदा हुए पुरुष स्त्रियों को और स्त्रियां पुरुषों को अपनी ओर शीघ्र आकर्षित कर लेती हैं। वाराहमिहिर तथा सारावाली के अनुसार इनका शरीर चिकना व कोमल होता है। चित्रकारी, काव्य, गणित आदि में चतुर होते हैं। लज्जालु, मेधावी, गान-विद्या प्रिय, मृदुभाषी होते हैं। हाजमे की खराबी, पेट-दर्द की आशंका रहती है। खुली हवा व धूप इनके लिये ज्यादा लाभकारी है। मद्यपान नहीं करना चाहिये। शराब इन लोगों को विशेष हानिकारक है। पेट, जिगर तथा पैरों की विशेष रक्षा करनी चाहिये। अपने सौर मास में या 20 अप्रैल से 27 मई तक या 19 फरवरी से 27 मार्च तक तथा 21 दिसम्बर से 27 जनवरी तक के समय में उत्पन्न व्यक्तियों के साथ इनकी मित्रता, साझेदारी या विवाह संबंध अच्छे रहते हैं। बुधवार का दिन, 5 की संख्या तथा अंगूरी व काफूरी रंग शुभ होता है। रत्न इनका पन्ना है। मोती व हीरा भी अनुकूल होते हैं।

तुला

17 अक्टूबर से 13 नवम्बर तक सूर्य तुला राशि में रहता है और पंजाब, बंगाल में एक से 30 कार्तिक तक सूर्य इस समय नीच राशि का होता है। तुला राशि का स्वामी शुक्र है। इस समय में पैदा हुए व्यक्तियों में समता, दयालुता और स्नेहशीलता होती है। विचार शुद्ध होते हैं। क्रोध जल्दी आता है और जल्दी शांत हो जाता है। सूर्य के निर्बल होने से सात्विक शक्ति कमजोर होती है और अन्य ग्रहों का अच्छा प्रभाव भी कमजोर पड़ जाता है। 27 अक्टूबर को तो सूर्य परम नीच का होता है यानी सबसे ज्यादा कमजोर। यदि सूर्य परम नीच हो, तो यानी 18 से 28 अक्टूबर के बीच का जन्म हो तो और अच्छे ग्रहों का प्रभाव दिखाई नहीं दे रहा हो, समय ठीक नहीं चल रहा हो, तो उसका कारण नीच का सूर्य समझना चाहिये और सूर्य की

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

आराधना, सुबह उठ स्नान करने के बाद सूर्यदेव को जल चढ़ाना शुरू कर देना चाहिये। नित्य न कर सकें तो रविवार को अवश्य। ऐसे व्यक्तियों के विचार और कार्य में अनिश्चितता रहती है। दिमाग में उपज तो बहुत होती है और कला, विज्ञान, मशीनरी के कामों में प्रवृत्ति भी होती है परन्तु निर्बल आत्मिक शक्ति के कारण उन्हें पूरा करके लाभ नहीं उठा पाते।इनका भाग्योदय जीवन के मध्य भाग में होता है। जलयात्रा से सम्बन्ध रखने वाली वस्तुओं से, जल से चलने वाली मशीनरी से लाभ रहता है। धन सम्बन्धी कोई मुकद्दमा हो सकता है, जिसमें विजय तो हो जाती है, पर स्थायी शत्रुता भी हो जाती है। पत्नी या पति में मतभेद भी हो सकता है। भाई-बहिन कई तथा कुछ सौतेले भी हो सकते हैं। भाई-बहिनों के सम्बन्ध प्रेममय नहीं रहते। माता-पिता से विशेषकर पिता के साथ मन-मुटाव रहता है। यदि जन्म मध्याह्न के बाद और मध्यरात्रि से पहले का हो तो पिता का सुख बहुत कम होता है। संतान कम होती है और उनमें से एक के कारण काफी चिन्ता उठानी पड़ती है। सम्भव है ऐसा व्यक्ति किसी को गोद ले या किसी की गोद जाए या किसी अन्य परिवार के साथ सम्मिलित हो। विवाह से धन की सम्भावना है और यह भी संभव है कि किसी सम्बन्धी की मृत्यु से आकस्मिक लाभ हो। समुद्र यात्रा से कोई लाभ नहीं हानि की ही आशंका है। पृष्ठपोषक बहुत होंगे और उनकी सहायता से अच्छी जगह विवाह और अच्छे पद की प्राप्ति होगी। किसी वकील या किसी विद्वान से या किसी नेता या व्यक्ति से शत्रुता हो सकती है। ऐसे व्यक्ति स्वयं अपने लिए मुसीबत मोल लेते हैं और अपनी मृत्यु का कारण भी स्वयं बनते हैं। स्वास्थ्य ठीक रहता है, पर शारीरिक ढांचा मजबूत नहीं होता। मसाने व मलाशय कमजोर होते हैं। सारावली के अनुसार ऐसा व्यक्ति बहुत खर्च करने वाला, विदेशों में घूमने वाला और लोहे तथा दुकानदारी से जीविका कमाने वाला होता है या दूसरों की नौकरी करता है। ये लोग अगर शराब की दुकान, पान की दुकान, सुनार का काम या ट्रेवलिंग, सैल्समैन घूम-घूमकर चीजें बेचने का काम, समाज में कुछ नीचा समझा जाने वाला काम करें तो उसमें अच्छा लाभ हो सकता है। वृष सौर मास में उत्पन्न व्यक्तियों से मित्रता नहीं हो सकती, पर अन्य राशियों की तरह तुला सौर मास वालों की इस मास में उत्पन्न व्यक्तियों से मित्रता हो सकती है। इनकी मित्रता 21 जनवरी से 27 फरवरी के बीच 21 मई से 27 जून के बीच तथा 21 मार्च 26 अप्रैल के दौरान पैदा हुए व्यक्तियों के साथ भी हो सकती है शुक्रवार का दिन, 6 की संख्या तथा हीरा पर सूर्य के लिए माणिक पहनना लाभदायक होगा।

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

वृश्चिक

वृश्चिक का सूर्य 14 नवम्बर से 14 दिसम्बर तक रहता है। पाश्चात्य मत से 24 अक्टूबर से 21 नवम्बर तक और पंजाब तथा बंगाल में 1 से 30 मंगसिर (मार्गशीर्ष) तक रहता है। वृश्चिक मंगल की राशि है। इस कारण ऐसे समय में उत्पन्न व्यक्तियों में मंगल तथा वृश्चिक दोनों के गुण-अवगुण आते हैं। ये लोग तीक्ष्ण बुद्धि, चंचल स्वभाव तथा आदर्शवादी होते हैं। अपनी धुन के पक्के और धार्मिक विचार के होते हैं। इच्छा शक्ति मजबूत होती है और धैर्य के साथ काम में लगे रहते हैं। स्वभाव जोशीला और क्रोधी होता है। भय के काम में, भयानक कार्यों में पड़ने से नहीं झिझकते। एक बार क्रोध आने पर क्षमा नहीं करते और प्रतिहिंसा की भावना बहुत दिनों तक मन में बनी रहती है और अपने प्रतिद्वन्द्वी को निर्दयतापूर्वक हानि पहुंचाकर बदला लेने की चेष्टा करते हैं। अपने व्यक्तित्व से ही अपने विरोधी को दबा लेते हैं। यदि शिक्षित या सुसंस्कृत न हों, तो झगड़ालु स्वभाव के होते हैं। ऐसे लोग हर काम में निपुण और धैर्यवान होते हैं और अगर सुविधा व संयोग मिले तो ग्राम जीवन तथा खेती करना पसन्द करते हैं। विचारों से जिद्दी, दूसरों के समझाने से नहीं मानते। अपनी हठ पूरा करते हैं।

ऐसे व्यक्तियों का भाग्योदय जीवन के उत्तरार्द्ध में होता है। सर्वश्री पं. जवाहरलाल नेहरू, डॉ. राजेन्द्र प्रसाद, राजगोपालाचारी और मावलंकर आदि बहुत से उदाहरण हैं, जिनका विश्वास, अभ्युदय जीवन के उत्तरार्द्ध में हुआ। वृश्चिक बिच्छू को कहते हैं। इसका आधा हिस्सा मृदु और अप्रभावशाली है। विष की तीक्ष्णता उत्तरार्द्ध में है। इन व्यक्तियों को विरासत में सम्पत्ति मिलने का भी योग होता है। भाई कम होते हैं और उनमें से एक को ऊंचे से गिरने या पानी से खतरा होता है। अगर मध्य रात्रि के बाद मध्याह्न से पहले पैदा हुए हो, तो पिता का पद और भाग्य नष्ट हो जाता है। संतान कई होती हैं। अत्यन्त परिश्रम, अत्यन्त भोग या अनियमित आहार-विहार से ज्वर, सिर दर्द, स्नायु दर्द की शिकायत होती है। एक बड़ी बीमारी होती है, जिससे जीवन बच जाता है। विवाह तो अवश्य होता है। पत्नी को चौपाए से, दुर्घटना में चोट लगने से खतरा होता है। 30 वर्ष की आयु से पहले किसी निकट सम्बन्धी, घनिष्ठ मित्र या प्रेमी की मृत्यु से हृदय को आघात लगने की संभावना है। वैसे यात्राएं काफी होती हैं, पर उनसे कोई आर्थिक लाभ नहीं होता। जीवन का पूर्व भाग संघर्ष में बीतता है। मित्र बहुत होते हैं और उच्च पदस्थ व्यक्तियों की कृपा भी प्राप्त होती है। शत्रुता भी कई और प्रायः स्थायी होती हैं। समुद्र यात्रा में, विदेश में

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

शारीरिक आघात का भय रहता है। इनमें क्रोध व ईर्ष्या की मात्रा ज्यादा होती है। कमर के नीचे भाग में रोग होने की ज्यादा संभावना रहती है। इस प्रकार के संक्रामक रोगों से बचना चाहिये। राजनीतिज्ञ, डाक्टर, आलोचक, इंजीनियर, मशीन का कार्य करने में ये लोग ज्यादा सफल होते हैं। ऐसे लोग दूसरों के मन की बात जल्दी भांप लेते हैं, पर इनके मन की थाह पाना कठिन होता है। सारावली के अनुसार ऐसे व्यक्ति क्रोधी, स्त्री सुख से रहित होते हैं। वराहमिहिर के अनुसार साहसी, शास्त्र में पंडित व विद्वान होते हैं। इनकी अपने सौर मास में उत्पन्न 21 मार्च से 26 अप्रैल के बीच उत्पन्न या जुलाई 21 से 27 अगस्त के बीच पैदा हुए लोगों से मित्रता, साझेदारी, विवाह सम्बन्ध ठीक निभते हैं। 21 मई से 27 जून के बीच उत्पन्न व्यक्तियों से भी मिलाप ठीक रहता है। गले की, गठिया की, फेफड़ों की फोड़ा, फुंसी, चर्म रोग की शिकायत हो सकती है। अधिक आयु पर लकवे का खतरा भी रहता है। मंगलवार का दिन, 9 की संख्या, श्यामलता लिए लाल रंग, चाकलेटी रंग शुभ व अनुकूल रहता है। इनका शुभ रत्न मूंगा है। फीरोजा और नीलम भी ठीक ही होते हैं।

आगे के सौर मासों का फल अगले पृष्ठों में दिया गया है। यह सूर्य की भिन्न-भिन्न राशियों पर रहने का सामान्य फल है। प्रत्येक राशि में 2-1/4 नक्षत्र और एक नक्षत्र में चार चरण होते हैं और सूर्य के भिन्न-भिन्न नक्षत्रों के अलग-अलग चरणों में रहने से फल भी अलग-अलग होता है। अन्य ग्रहों के बलाबल के हिसाब से उनका प्रभाव भी जीवन पर पड़ता है और स्वभाव और घटनाओं में भी परिवर्तन हो सकता है फिर भी ऊपर दिए गए फलादेश की बहुत-सी बातें साधारणतया ठीक मिलती हैं।

जन्म कुंडली में सूर्य चलित के हिसाब से जिस राशि में पड़ा हो, उसका फल मिलेगा। यह बात विचार योग्य है कि किसी राशि में आते समय सूर्य 7 दिन तक पिछली राशि से प्रभावित रहता है और इन दिनों में उत्पन्न व्यक्तियों में पिछली राशि की भी कुछ विशेषताएं आ जाती हैं। अगली राशि में जाने से 7 दिन पूर्व वर्तमान राशि में उसकी शक्ति कम हो जाती है और वह अगली राशि की विशेषताओं से प्रभावित होना आरंभ कर देता है। ऐसे संधि काल में उत्पन्न व्यक्तियों में अगली राशि की कुछ विशेषताओं का आ जाना असंभव नहीं होता।

धनु

जिन व्यक्तियों का जन्म 22 नवम्बर से 22 दिसम्बर तक पाश्चात्य मत से

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

तथा 15 दिसम्बर से 13 जनवरी तक भारतीय मत से है, उन सब पर यह फलादेश लागू होगा। सायन सूर्य 22 नवम्बर से 22 दिसम्बर तक और निरयन सूर्य 15 दिसम्बर से 13 जनवरी तक धनु राशि में रहता है। भारतीय ज्योतिष निरयन मत को मानती है और पाश्चात्य ज्योतिष सायन मत को अस्तु, जिन व्यक्तियों का जन्म इस समय में होता है, उन पर बृहस्पति का शुभ प्रभाव रहता है, क्योंकि धनु राशि का स्वामी बृहस्पति है। ये लोग बुद्धिमान, ईमानदार और उदार हृदय होते हैं तथा बिना प्रत्योपकार की भावना के दूसरों के साथ भलाई करते हैं। इनको क्रोध जल्दी आता है परन्तु शीघ्र शांत हो जाता है। छोटी-छोटी बातों पर ये लोग चिन्ता करते हैं और भविष्य में आशंकित विपत्ति से परेशान रहते हैं। स्वतन्त्रता के प्रेमी, वक्ता तथा अध्ययनशील होते हैं और कारीगरी, दस्तकारी के कामों में निपुण होते हैं। चाहे पेशी के रूप में लें या शौकिया तरह से लें, इनके विचारों में परिवर्तन होता रहता है।

बचपन में इनकी आर्थिक अवस्था अच्छी नहीं रहती। इनके पिता की माली हालत को नुकसान पहुंचने का खतरा रहता है। ये अपने उद्यम से उन्नति करते हैं। भाई-बहन कम ही होते हैं, एक भाई या बहन को कम उम्र में जीवन का खतरा रहता है। माता-पिता या सास-ससुर में से किसी एक से मतभेद हो सकता है और सबसे बड़ी संतान भी काफी परेशानी पैदा करती है। हो सकता है कि संतान से विचार वैमनस्य रहे। संभवत: विवाह दो हों, उनमें से एक के कारण काफी नुकसान उठाना पड़े। दो प्रकार के काम साथ-साथ चलते रहें, जिससे मुख्य काम में बाधा न पड़े। 30 वर्ष की अवस्था तक ऊपर से गिरने या ऊंचे पद से गिरकर नीचे पद पर काम करने का काफी अन्देशा रहता है। जीवन में यात्रायें काफी करनी पड़ती हैं और ऐसी ही किसी एक यात्रा के मध्य में किसी निकट संबंधी की मृत्यु का समाचार मिलता है। मित्र भी बहुत होते हैं। एक मित्र के विश्वासघात से काफी नुकसान पहुंचने का खतरा है। व्यवसाय तथा प्रेम दोनों ही क्षेत्रों में शत्रुता तथा प्रतिद्वन्द्विता का सामना करना पड़ता है। आमतौर पर ये लोग खेलकूद के बहुत शौकीन होते हैं। और यदि अवसर मिले तो घुड़सवारी तथा निशाना लगाने में, गोली चलाने में कुशल होते हैं सेना में प्रविष्ट हों, तो अच्छी उन्नति करते हैं। स्नायुमंडल की कमजोरी से या वायुजनित्त पीड़ा से शरीर रोग होने की आशंका रहती है। बृहस्पतिवार का दिन, 3 की संख्या गहरा पीला रंग अनुकूल होता है। वाराहमिहिर के मतानुसार ये सत्यपूजक, वैदिक कार्यों में कुशल, धनवान तथा शिल्पकला में कुशल होते हैं और प्रकृति तीक्ष्ण होती है। सारावली के अनुसार भी ऐसे व्यक्ति धनी, सरकार से सम्मानित, बन्धुवर्ग के हित में करने वाले और अस्त्र-शस्त्र में निपुण होते हैं। इनकी मित्रता, विवाह, साझेदारी आदि मार्च 21 से 26 अप्रैल, जुलाई 21 से 27 अगस्त या 22 नवम्बर से 22 दिसम्बर

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

के मध्य जन्मे व्यक्तियों के साथ और मई 21 से 22जून तक के बीच जन्मे व्यक्तियों के साथ अच्छी ही निभती है। सम्भावित रोग गले, फेफड़ें, फोड़ा-फुन्सी, चर्म रोग, वात रोग। अनुकूल रंगों में बैंगनी भी अच्छा रंग है। रत्न : फीरोजा तथा नीलम शुभ रत्न हैं। जिसमें नीलम को सावधानी से पहनना चाहिये।

मकर

मकर का सूर्य भारतीय मत के अनुसार 13 या 14 जनवरी से 13 फरवरी तक तथा पाश्चात्य मत में 23 दिसम्बर से 20 जनवरी तक रहता है। मकर राशि का स्वामी शनि है, इस कारण इस अवधि में उत्पन्न व्यक्तियों में शनि के गुण पाए जाते हैं। वे अपना भाग्य स्वयं निर्माण करते हैं और जो धन-सम्पत्ति अर्जित करते हैं, उसको नष्ट नहीं होने देते। ये लोग फुर्तीले व मेहनती होते हैं। यदि जन्म मध्याह्न से पहले और मध्यरात्रि से पहले का हो तो कोई अंग या शरीर का अवयव दोषयुक्त होता है या किसी दुर्घटना से ऐसा दोष पैदा हो जाने की आशंका रहती है। स्वभाव में उत्साह के साथ-साथ कुछ झगड़ालू प्रकृति भी होती है, जो शिक्षा व सुसंगति से कम हो सकती है। एकांत में होने पर मन कभी-कभी उदास हो जाता है। ऐसे व्यक्ति धन जमा करके रखना चाहते हैं। व्यापारी बुद्धि इनमें बहुत अच्छी होती है। जिस काम में आर्थिक लाभ न हो उसे नहीं करते। इच्छा शक्ति प्रबल होती है और एक से अधिक कामों में समान रूप से दक्ष होते हैं। अध्यवसायी होने के कारण अपने ध्येय में प्रायः सफल होते हैं। स्वभाव में उद्दंडता का प्रभाव तथा विश्वास की कमी होती है। क्रोध देर से आता है और देर से ही शांत होता है। बिना सोचे-विचारे ऐसे व्यक्ति कोई काम नहीं करते और यदि जन्म कुंडली के 2, 12, 6, 8 खानों में क्रूर ग्रह न बैठे हों, तो दूर की, पास की व अन्तर की दृष्टि अच्छी होती है। अपने उद्यम से धन प्राप्त होगा, भाई-बहिन कई होंगे, परन्तु उनसे किसी सहायता की अपेक्षा हानि की संभावना रहती है। छोटी-छोटी यात्राएं भी बहुत होंगी। पिता के किन्हीं व्यवहारों से खिन्नता होगी और कौटुम्बिक परिस्थितियां भी असंतोष का कारण बनती हैं। इनके वैवाहिक सुख में भी कुटुम्ब तथा घर के लोंगों द्वारा अड़चनें डाली जाती हैं। जीवन के पूर्वार्द्ध में चोट लगने तथा अधिक बीमार पड़ने का डर रहता है। बच्चे बहुत नहीं होते और इनके अपने उदासीन व्यवहार के कारण बच्चे भी उतने सक्रिय नहीं हो पाते और इस कारण इनके अपने जीवन में, सफलता में बाधा पड़ती है। यात्राओं से असुविधा होती है और सम्बन्धियों के कारण भी काफी परेशानियां उठानी पड़ती हैं।

शनि की राशि होने के कारण बात-व्याधि होने का, जोड़ों में दर्द का भय रहता है, वायु के कारण पाचन शक्ति में गड़बड़ रहती है। ऊंचे से गिरकर चोट लगने

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

का डर रहता है। बिना किसी बीमारी के भी उसका बहम बना ही रहता है।

विवाहित जीवन में पूर्ण सुख प्राप्त नहीं हो पाता और विवाह एक से अधिक भी हो सकते हैं। शत्रु काफी होते हैं और ऊंची स्थिति के व निम्न श्रेणी के दोनों ही प्रकार के लोगों से शत्रुता होती है। भाई-बहिनों से भी ठीक से नहीं बनती। कम से कम एक से तो शत्रुता हो सकती है। ये लोग बहुत महत्वाकांक्षी तथा परिश्रमी होते हैं और ऐसे कामों में धन कमाते हैं जिनमें घाटे की कोई सम्भावना नहीं होती। इनको रोग बहुत कुछ पाचन शक्ति की खराबी के कारण होते हैं और वृद्धावस्था में हृदय रोग की भी आशंका रहती है। वायु विकार से शरीर में भी पीड़ा हो सकती है।

वाराहमिहिर के अनुसार मकर के सूर्य में उत्पन्न व्यक्ति अनुदार, अज्ञानी, गलत व्यापार करने वाला और कम धनवान होता है।

सारावली के अनुसार ऐसे आदमी के बंधु उसका साथ नहीं देते। वह भीरु, डरपोक, तृष्णा सहित कार्यों में रत तथा लोभी होता है।

इनके विवाह-सम्बन्ध, साझेदारी, मित्रता आदि 21 दिसम्बर से 31 जनवरी, 20 अप्रैल से 31 मई, 21 जून से 27 जुलाई, 21 अगस्त सें 27 सितम्बर के मध्य में उत्पन्न व्यक्तियों के साथ अच्छी निभ सकती है। खाकी, बैंगनी, काला, हरा रंग इनको ठीक रहता है। शनिवार का दिन 8 की संख्या, फीरोजा, मोती, मूनस्टोन पहनना शुभ रहता है।

कुम्भ

कुम्भ का सूर्य भारतीय मत से 14 फरवरी से 14 मार्च तक रहता है और पाश्चात्य मत से 21 जनवरी से 19 फरवरी तक। इस समय में उत्पन्न व्यक्ति ललित कलाओं में विशेष रुचि लेते हैं। बहुधा सफल भी होते हैं। आयु, लम्बी होती है और वक्तृत्व या लेखन शक्ति अच्छी पायी जाती है। प्रकृति में सादगी, मधुरता तथा ईमानदारी होती है और क्रोध आने पर ईर्ष्या का भाव अधिक दिन तक मन में नहीं रखते। एकान्तप्रिय, धैर्यशील और परिश्रमी होते हैं। एक बार जो राय कायम कर लेते हैं, उस पर स्थिर रहते हैं। तर्क की अपेक्षा इच्छा शक्ति प्रबल होती है। शत्रुता का भाव रखने वाले व्यक्तियों के षड्यंत्र के कारण जायदाद से वंचित होने की सम्भावना रहती है। बाहर से मित्र प्रतीत होने वाले व्यक्ति भी शत्रुता का भाव मन में रख सकते हैं।

यात्रा काफी करनी पड़ती है, परन्तु उनसे कोई लाभ नहीं होता, धन व स्वास्थ्य की हानि होती है। भाई-बहिन कम ही हों, उनसे सम्बन्ध प्रेममय नहीं रहते। किसी यात्रा में जल, शस्त्र या चौपाये से या चार पहिए वाले वाहन से चोट लगने का अंदेशा रहता है। पिता की आकस्मिक मृत्यु हो या उनके धन का सहसा नुकसान हो। इनको

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

कभी-कभी जुड़वां संतान होती है और स्त्रियों के प्रसव के समय भारी कष्ट होता है। जो बच्चे होते हैं, उनका स्वास्थ्य भी खास अच्छा नहीं होता और उनके लालन-पालन में भी काफी परिश्रम करना होता है। इनके भाग्योदय में भी खासा उतार-चढ़ाव होता रहता है। उच्च श्रेणी के व्यक्तियों की सहायता भी प्राप्त होती है, शत्रु भी बहुत होते हैं, परन्तु अंत में सभी कठिनाइयों को पार करके ये लोग समाज में प्रतिष्ठा स्थान प्राप्त करने में सफल हो जाते हैं।

इस समय में उत्पन्न व्यक्तियों को कंठरोग (टान्सिल), सिर दर्द की शिकायत, पेट व फेफड़ों से सम्बन्धित रोग व वायु जनित पीड़ा हो सकती है। रक्त को शुद्ध रखना चाहिये, अधिक अवस्था में रक्तचाप का भय रहता है। जिसका जन्म सूर्योदय के आसपास होता है, उनको हृदय रोग की आशंका रहती है। उनको सूर्य की उपासना करनी चाहिये। वाराहमिहिर के अनुसार ऐसा मनुष्य निम्न वृत्ति का धन रहित भाग्यच्युत होता है। उसे संतान कष्ट उठाना पड़ता है या संतान आज्ञाकारी नहीं रहती। यदि और कोई शुभ ग्रह या योग न हो, तो यह फल होता है। सारावली के अनुसार ये व्यक्ति चुगली करने वाले शठ होते हैं। इनकी किसी से स्थायी मित्रता नहीं होती, धन संग्रह में सफल नहीं होते और उन्हें दु:ख उठाना पड़ता है। यह सूर्य का राशिगत सामान्य फल है।

हल्का नीला या बैंगनी रंग शुभ होता है। 4 की संख्या तथा शनिवार का दिन अच्छा जाता है। शुभ रत्न : नीलम, पीला पुखराज व चन्द्रमणि हैं।

इनकी मित्रता, प्रेम-संबंध, साझेदारी आदि मई 21 से 20/27 जून; 21 सितम्बर से 27 नवम्बर तक इसी सौर मास में उत्पन्न व्यक्तियों से अच्छी निभती है।

मीन

मीन का सूर्य 14 मार्च से 12 अप्रैल तक रहता है। पाश्चात्य मत से 20 फरवरी से 20 मार्च तक है। मीन जल राशि और इसका स्वामी बृहस्पति है। इस समय उत्पन्न व्यक्ति कला, विज्ञान या साहित्य में विशेष निपुण होते हैं और अपने गुणों द्वारा प्रसिद्धि प्राप्त करते हैं। बिना चेष्टा किये इनको लोकप्रियता प्राप्त हो जाती है। प्रकृति में बेचैनी रहती है, अपने कार्य की स्वयं आलोचना करते रहते हैं। विचारों में परिवर्तन होता रहता है और चाहते हैं कि शीघ्र से शीघ्र अपने उद्देश्य पर पहुंच जायें। ईमानदार होते हैं, पर कल्पनाशील भी अधिक होते हैं। विलासी होते हैं, परन्तु स्वाभिमान के कारण अपनी प्रतिष्ठा का ध्यान रखते हैं और नीचे गिरने की प्रवृत्ति को रोकते हैं। हुकूमत करने की भावना प्रबल होती है। मिलनसारी और मित्रता का भाव रखते हुए भी अपने मन की बात किसी से नहीं कहते। परिश्रमी होते हैं और

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

दूसरों का अच्छा आतिथ्य करते हैं। बातचीत में निपुण, लिखने-पढ़ने में प्रवीण, एक से अधिक कामों में समान रूप से दक्ष होते हैं। स्वयं अच्छा भोजना करने के शौकीन, दूसरों को भी अच्छी दावत खिलाकर खुश होते हैं। ये लोग अपने गुणों के कारण काफी धन उपार्जित करते हैं, परन्तु फिजूलखर्ची, सट्टा आदि सम्बन्धियों पर धन अपव्यय करते हैं। दो काम एक साथ करते रहते हैं अर्थात् आमदनी के जरिये एक से अधिक होते हैं।

भाइयों की अपेक्षा बहिनें अधिक होती हैं। उनमें से एक की कम आयु में मृत्यु होने की आशंका होती है। बचपन में इनके पिता को आर्थिक क्षति की सम्भावना रहती है। यात्रा काफी अधिक मात्रा में करते हैं और उससे धन उपार्जन भी। सम्बन्धी मुकद्दमा भी लड़ना पड़ता है। थोड़ी अवस्था में घर छोड़कर जाना पड़ता है कम या ज्यादा समय के लिए। विवाह आमतौर पर दो होते हैं और उनमें से एक में काफी परेशानी उठानी पड़ती है। स्थान परिवर्तन भी जीवन में कई बार होता है। कुटुम्ब में आकस्मिक दुर्घटनायें भी होती रहती हैं। इस समय में पैदा होने वाली स्त्रियों को गर्भाशय सम्बन्धी रोग होने की संभावना रहती है। पुरुषों को भी कई गुप्त रोगों का भय रहता है।

वाराहमिहिर के अनुसार ये लोग यदि जल से निकली हुई वस्तुओं का या समुद्र पार देशों से माल मंगाने या भेजने का काम करें तो धन लाभ हो सकता है। सारावली के अनुसार ये लोग मीठी वाणी बोलते हैं, पर इनमें क्रोध की मात्रा अधिक होती है। स्त्रियों के सम्पर्क से इनका भाग्योदय होता है।

इनकी मित्रता, साझेदारी, वह विवाह सम्बन्ध 20 फरवरी से 20 मार्च, 21 जून से 20 जुलाई, 21 अगस्त से 27 सितम्बर, 21 अक्टूबर से 27 नवम्बर के बीच में पैदा व्यक्तियों से अच्छी निभती है।

गहरा नीला व बैंगनी रंग अनुकूल रहता है। बृहस्पति का दिन और 3 व 7 की संख्या शुभ है। शुभ रत्न : नीलमणि, फीरोजा, नीलम तथा पन्ना हैं।

ऊपर सूर्य के विभिन्न राशियों में रहने से स्वभाव, शरीर, भाग्योदय आदि पर जो प्रभाव पड़ता है, उसका सामान्य फल दिया गया है, किन्तु अन्य ग्रहों का अपना अलग प्रभाव होता है और दिन में 12 लग्न होते हैं और नक्षत्र के चार चरणों में से सूर्य के भी नक्षत्र चरणानुसार फल में अन्तर रहता है। प्रत्येक मनुष्य की सामाजिक स्थिति, वातावरण, देश-काल पात्र के अनुसार भिन्न होती है। उपर्युक्त फल की मुख्य-मख्य बातें सामान्यतः ठीक-ठीक मिलती हैं।

❖❖❖

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

ग्रह विचार

सूर्य

सूर्य आत्मस्वरूप है। ग्रहों का राजा है। इसकी किरणों से अन्य ग्रह प्रकाशित होते हैं। सूर्य बलवान हो तो राजा के समान पदवी, महत्त्वाकांक्षा, अधिकार भावना, स्वाभिमान, हुकूमत करना, अपनी शक्ति व सामर्थ्य से प्रगति करना, अपने पर भरोसा रखना, इस प्रकार का स्वभाव बनता है। शूरवीर, चतुर, बलवान, बुद्धिमान, राजसी ठाठ-बाट पसन्द करने वाला, गंभीर स्पष्ट वक्ता, यशस्वी, परोपकारी, उदार हृदय, विरोधी को परास्त करने वाला, सत्य आचरण करने वाला होता है। अंक कुंडली में सूर्य का अंक आने पर उपर्युक्त सामान्य फल और सूर्य के अंक से अधिक बार आने पर उपरोक्त फल अधिक मात्रा में होते हैं। यदि सूर्य का अंक न हो, तो सूर्य के गुण नहीं होते। सूर्य का अंक 1 है, इसका पूरक अंक 8, शनि का अंक 8 है। शनि सूर्य के गुणों व उत्तम प्रभावों को नष्ट करने वाला है। यदि सूर्य का अंक 1 न हो और 8 का अंक कुंडली में हो तो सूर्य के उपर्युक्त गुण नहीं होते। आत्मशक्ति, स्वाभिमान, वीरता, उदारता आदि के विपरीत आत्मबलहीनता, स्वार्थपरता, भीरुता आदि पाई जाती है।

सूर्य व बुध का योग (4 जमा 5) विद्या-बुद्धि बढ़ाने वाला, सूर्य-शुक्र का योग कला, सहित्य, यांत्रिक कलाओं का ज्ञान देता है। सूर्य-गुरु योग विद्वत्ता व श्रेष्ठता, प्रतिष्ठा, मान-सम्मान, यश की वृद्धि करता है। सूर्य-मंगल योग उष्ण प्रकृति, तेजस्वी, साहसी, अग्नि-संबंधी कार्य, साहसिक कार्यों में सफलता देता है। सूर्य-चन्द्र का योग उत्तम राजयोग करक है। राजसी ठाट-बाट तथा अधिकार पदवी देता है।

चन्द्रमा

चन्द्रमा मन का स्वामी है। कुंडली में चन्द्रमा के अंक आयें, तो राज्य के उच्च अधिकारियों की कृपा प्राप्त होती है। सम्पत्ति, धन-धान्य से सुखी रहता है। दयालु

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

हृदय, सत्यवक्ता, धर्म में विश्वास रखने वाला व्यापार में रुचि, व्यवहार कुशल, बुद्धिमान होता है। सफेद रंग के पदार्थ, वस्त्र, भूषण, भोज्य पदार्थों से प्रेम करने वाला, चंचल प्रकृति, आरामतलब, सौन्दर्य प्रेमी, विषयी कल्पना शक्ति अच्छी होती है। चन्द्रमा बलवान न हो तो उच्छृंखल स्वभाव, विषयी स्त्रियों के पीछे भागने वाला, अनियमित आहार-विहार वाला, अविश्वासी, धन का गोलमाल करने वाला, अस्थिर चित्त का होता है। कभी-कभी दम्भी, पाखंडी, बढ़-चढ़कर बातें करने वाला, बुराई करना, चुगली करना, बदले की भावना रखना—यह भी होता है। चन्द्र-मंगल योग साहसिक कार्यों से लक्ष्मी देता है, पर रोग भी देता है। चन्द्र-बुध का योग बुद्धिमत्ता व उत्तम वक्ता, लेखन शक्ति देता है। चन्द्र-गुरु का योग महत्वपूर्ण पदवी, उच्च अधिकार संस्था का स्थापक, स्वामी बनाता है। शिक्षक, गुरु अध्यात्मवादी, कीर्तिवान, सम्पत्तिशील, ज्ञानवान बनाता है। चन्द्र-शुक्र योग कामदेव को बढ़ाता है। सुन्दर रूप विलास प्रिय, शान-शौकत का प्रेमी, सौन्दर्य प्रेमी तथा ललितकलाओं का ज्ञाता बनाता है। चन्द्र-शनि का योग दुःख दरिद्रता संकटादि, मूर्खता कई व्यसन देने वाला है।

मंगल

मंगल बल, पौरुष, साहस का प्रतीक है। मंगल बलवान हो तो शक्ति, सामर्थ्य, भू-सम्पत्ति, कृषि कार्य से लाभ, धैर्य आदि गुण देता है। सेना पुलिस आदि में उच्च पद, पराक्रम वृद्धि, लाल रंग की वस्तुओं से लाभ देने वाला है। साहसिक कामों में सफलता देता है, अग्नि भट्ठी आदि के काम से भी लाभ कराता है। तमोगुणी, क्रोध, उतावलापन, तेजी देता है। तरुण, तेजस्वी, उदार हृदय, वीर, बलवान, विजय प्राप्त करने वाला, खुला-साफ व्यवहार करने वाला, निष्कपट मित्रता रखने वाला, सुधारवादी, युद्धविशारद, आत्मनिष्ठ अपने में ही खुश रहने वाला, रसायन शास्त्री, डाक्टर सर्जन, सेनापति आदि होता है। मंगल निर्बल हो तो क्रोधी, आलसी दूसरों को धोखा देने वाला, मूर्ख, हठी, क्रूर, दुःसाहसी स्वभाव, झगड़ालू प्रकृति, हठी, सनकी, दूसरों को लड़ाकर अपना स्वार्थ साधन करने वाला, उड़ाऊ, खाऊ, बेफिक्र, धर्म पर अश्रद्धा रखने वाला होता है, आचार भ्रष्ट क्रूरकर्मी होता है। मंगल शनि के साथ निर्बल है। मंगल-शनि का योग भयंकर दुर्घटनाकारक है। चोट, घाव, रोग देता है। धन संग्रह में बाधा, दरिद्रता, धनहीनता, दिवाला तक निकल सकता है। अकाल मृत्यु, भयंकर व्याधियां देता है। धन व कुटुम्ब का नाशकर्ता, कर्जा बढ़ाने वाला, भाइयों से विरोध करने वाला, स्त्री, संतान, माता-पिता, मित्रों से विरोध करने वाला, मान

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

हानि, दण्ड, बंधन, राजकोप की आशंका रहती है। कपटी, धूर्त, जादूगर होता है।

मंगल-बुध का योग साहसिक, व्यापार-कर्म में लाभ, बुद्धि व साहस का योग, धनवान, साहसी, स्पष्टवक्ता, वैद्य, डाक्टर, इंजीनियर, शिल्पज्ञ बनाता है। मंगल और गुरु का योग गणितज्ञ, शिल्पज्ञ, विद्वान, गानवाद्यप्रिय ज्योतिषी, खगोल शास्त्री बनाता है। मंगल-शुक्र का योग व्यापार-कुशल, धातु संशोधक, कर्तव्यपरायण, योगाभ्यासी, विमान चालक, दु:साहस के कार्य करने वाला है। मंगल-सूर्य, मंगल-चन्द्र के योगों का फल सूर्य व चन्द्रमा के फलों में लिखा जा चुका है।

बुध

यह वाणी का स्वामी है। ग्रहों के राजकीय परिवार में जहां सूर्य व चन्द्रमा को राजा व रानी की पदवी प्राप्त है, मंगल सेनापति है, वहां बुध युवराज है, राजकुमार है। चिकित्सा शास्त्र, गणित विद्या, लेखन कला, शिल्पकला, वाणिज्य, वकालत, व्यवसाय का कारक है। यह शुभ ग्रह है परन्तु क्रूर ग्रहों के साथ रहने से क्रूर हो जाता है। प्रसन्नचित, मजाकिया प्रकृति, उत्तमवक्ता, दिल्लगीबाज, बातूनी, वाकपटु, नई-नई स्कीमें बनाने वाला, अपने भेदों को गुप्त रखने वाला, बुद्धिमान, विद्वान होता है। हस्त कला-कौशल, वैद्य-शास्त्र का ज्ञाता होता है। सूर्य के साथ योग होने पर अच्छी विद्या बुद्धि, वणिक् बुद्धि व प्रभाव देता है। अन्य ग्रहों मे जिस ग्रह के साथ रहता है, उसी के गुणों के समान फल देता है। मंगल के साथ व्यर्थ की बातें करना, झूठ बोलने की प्रवृत्ति होती है। बृहस्पति के साथ हो तो विद्वान्, काव्य रचना, ग्रंथ रचना, अध्यात्म ज्ञान देता है। शुक्र के साथ ललित कला, यंत्र रचना, इंजीनियरी, कला-कौशल, शिल्पकला का ज्ञान देता है। शनि के साथ हो तो कम बोलने वाला, गंभीर स्वभाव का होता है।

बृहस्पति

यह देवताओं व ग्रहों का आचार्य व गुरु है। बुद्धि मंत्री, सलाहकार, पुरोहित है। दानी, उदार, सच्चरित्र, ज्ञानी, वेदान्ती, शांत स्वभाव, विद्वान्, सत्य आचरण करने वाला, परोपकारी सामाजिक कार्यकर्ता, राज्य में उच्च पद-प्रतिष्ठा प्राप्त अधिकारी, कोमल हृदय, मृदुवाणी वाला बनाता है। इसके प्रभाव से व्यक्ति सत्य व न्याय का प्रेमी, सहनशील, दीनों का सहायक, ईश्वर भक्त, अच्छी सलाह देने वाला तथा दोनों का हितकारी होता है। ज्ञान, सुख-सम्पत्ति, चतुराई, परमार्थ, तीर्थ, योग मार्ग, दीर्घायु देता है।

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

सूर्य के साथ हो तो महत्वाकांक्षा तथा अधिकार भावना की वृद्धि करता है। राजमान्य, ज्ञानवान् बनाता है। चन्द्रमा के साथ बहुत शुभ होता है। विद्या, कीर्ति, यश, पराक्रम, योग विद्या, धार्मिकता, धन-वैभव, अधिकार देता है। मंगल के साथ हो तो गणितज्ञ, शिल्पज्ञ, विद्वान् तथा गान-विद्या प्रिय होता है।

बुध-गुरु योग का उत्तम वक्ता, पंडित, सभा चतुर, प्रख्यात कवि और संशोधक होता है।

शुक्र-गुरु का योग बलवान्, चतुर, नीतिवान् और भोगी बनाता है। शनि-गुरु योग का कार्यदक्ष, धनी, यशस्वी तथा कीर्तिवान होता है।

शुक्र

यह काम चेष्टा, सौन्दर्य, प्रजनन-शक्ति ललितकलाओं का स्वामी है। सुन्दर शरीर, विशाल नेत्र, काले घुंघराले बाल, संगीत, काव्य, गायन-वादन प्रिय, सफाई पसन्द, सुरुचि वाला, विनयी, मिलनसार, उदारहृदय, यशस्वी बनाता है। कला-कौशल नाटक, अभिनय, यंत्र, विद्या, चित्रकला में रुचि देता है। सूर्य के साथ हो तो कलाकार, चित्रकार, नेत्र रोगी, विलासी, कामुक अविचारी होता है। चन्द्रमा के साथ बलवान् होता है। व्यापारी, धनवान, सुखी व भोगी होता है। मंगल के साथ हो तो व्यापार-कुशल, धातुओं का कार्य करने वाला, योगी, कार्यपरायण, तेज वाहन चलाने वाला चालक, गतिशील, अनेक स्त्रियों का उपभोग करने वाला होता है। बुध के साथ विद्या, बुद्धिमत्ता, साहस आदि देता है, मुंशी, लेखक, सुखी, विलासी, राजमान्य, राज अधिकारी, शासक होता है। गुरु के साथ भी सुखी, बलवान् तथा विद्वान् बनाता है। शुक्र-शनि का योग निम्न मनोवृत्ति का सूचक है। पाखंडी, दंभी, स्वार्थी बनाता है।

शनि

श्याम वर्ण, तमोगुणी प्रकृति, पश्चिम दिशा का स्वामी, आलसी, वक्र दृष्टि वाला, ऊंचा कद, बड़े दांत, रूखे केश, उभरी नसों वाला, दुबला, पतला, मूर्ख, लालची, क्रोधी, धूर्त्त, दुष्ट बुद्धि, मन्द-दुर्बल मन वाला, विश्वासघाती, मलिन बुद्धि, भाई-बन्धुओं से कलह करने वाला, दूसरों के दोष देखने वाला, परधन, कुतर्क करना, परस्त्री हरण करना, चुभने वाली बात करना, उग्र आन्दोलन कर स्वभाव होता है। बात को मन में रखना, भेदों को छुपाना, दीर्घायु कारक है। गंभीर उदासीन होने से त्यागी, वैरागी, नैराश्य में आत्महत्या करने की, संसार छोड़ने की प्रवृत्ति भी इस

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

ग्रह से पैदा होती है।

चन्द्र-शनि का योग शक्तिहीन, मूर्ख, धनहीन, वंचक, कपटी, धोखेबाज, घातक होता है। शनि-मंगल योग धूर्त्त, जादूगर, ढोंगी, अविश्वासी बनाता है। शनि-बुध का योग कुछ उत्तम है। धर्नाजन कराता है पर कंजूस बनाता है। गुरु-शनि का योग लोकमान्य, प्रसिद्धि, कार्यदक्षता, धन, मान, प्रतिष्ठा देता है। शनि-शुक्र का योग परायी स्त्री-धन पर लोलुप दृष्टि, नीच विचारों को बढ़ाता है।

इस प्रकार संक्षेप से समस्त ग्रहों व उनके योगों के बारे में बताया गया है।

जिस कुंडली पर विचार हो रहा हैं, उसमें प्रथम भौतिक घर चन्द्रमा का 2 अंक आया है। शरीर में चन्द्रमा के गुण प्रधान होने चाहिये। सुन्दर, कोमल, गौर वर्ण शरीर परमहंस देव देव का था और चन्द्रमा के साथ बलवान शुक्र का योग होने से ललित कलाओं के प्रेमी, गायन-वादन में प्रवीण, अभिनय कला प्रवीण, विशाल नेत्र, सुन्दर शरीर, विनयी, मिलनसार, उदार हृदय, यशस्वी हुए। मध्य की पंक्ति अंक कुंडली में मानसिक धरातल की होती है। इसमें बलवान् शुक्र होने से उपर्युक्त गुण अधिक मात्रा में थे क्योंकि आत्मिक स्तर पर सूर्य-गुरु का योग है जिसने आत्मशक्ति को प्रबल करके विद्वत्ता, श्रेष्ठता, मान-सम्मान, प्रतिष्ठा, यशकीर्ति दी और महान् बनाया। सहस्त्रों ही अनुयायी शिष्यों के हृदय पर शासन दिया। यदि उपर्युक्त बलवान् शुक्र के साथ गुरु का योग न होता, सूर्य भी बलवान् न होता, तो शुक्र के प्रभाव से कामचेष्टा, सौन्दर्य, उपासना की वृद्धि होती, परन्तु शुभ योगों के प्रभाव से गुरुदेव गृहस्थ होते हुए भी संन्यासी तथा आजन्म ब्रह्मचारी रहे। 16-2-36 का संयुक्तांक 9 है जिसका फल उचित होता है। परमहंस देव में अद्भुत साहस था। मां का दर्शन न मिलने पर तलवार से अपना सिर काटने को तैयार हो गए थे। श्मशान में निर्भय होकर साधना की थी और कामदेव पर विजय पाना तो बिरले ही वीर का काम होता है, वह आपने प्राप्त की थी।

वार स्वामी बुध का प्रभाव उनकी बुद्धिमत्ता तथा विद्वता में प्रकट हुआ और होरा स्वामी शनि प्रभाव से ही संसार त्यागी वैरागी रहे थे।

इस प्रकार आपने अंक कुंडली बनाना सीखा और उससे स्वभाव, प्रकृति, शारीरिक, मानसिक, आत्मिक धरातलों पर फल कथन करने के बारे में ज्ञान प्राप्त किया। जीवन के भविष्य घटनाओं के बारे में अंक ज्योतिष से किस प्रकार जाना जाता है, यह आगे बताया गया है। किस माह का क्या फल है। यह अंक ज्योतिष की दृष्टि से आगे वर्णित है।

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

मासिक विचार

जनवरी

यह मास मकर राशि में है। यह राशि 21 दिसम्बर के आस-पास प्रारंभ होती है। सात दिन तक धनु के साथ राशि-संधि चलती है और इस राशि का पूरा प्रभाव 28 दिसम्बर से प्रारंभ होकर 21 जनवरी तक रहता है। फिर मकर और कुंभ का सात दिन का संधि-काल शुरू हो जाता है।

मकर थल-त्रिकोण की तीसरी राशि है। इसका स्वामी शनि (ओज) है जिसे शनि की राशि भी कहते हैं।

यदि आप इस मास में जन्मे हैं, तो आपके चरित्र और स्वभाव में निम्न बुनियादी विशेषताएं होंगी—

प्रकृति से महत्त्वाकांक्षी, उग्र, जीवट और लगन वाले, लक्ष्य-सिद्धि के लिए अपार प्रयासों की क्षमता। आपका प्रतीक-ग्रह शनि सावधानी और विवेक का मूर्त रूप है। गम्भीर चिन्तन और फल के बारे में पूर्ण विश्वास के बिना कोई महत्त्वपूर्ण कदम नहीं उठाएंगे। शनि में दांव लगाने का तत्त्व नहीं है। आप शंकालु, बाल की खाल निकालने वाले, कुछ-कुछ संदेही हैं। नए सिद्धांतों को देर से अपनाने वाले, लेकिन उदार-मन, तर्क सम्मत बात को स्वीकारने वाले। दृढ़ मानसिक शक्ति, स्वभाव से दार्शनिक और वैज्ञानिक, गंभीर चिन्तक और तर्कशील। धार्मिक विश्वासों में या तो एकदम कटु या इसके एकदम विपरीत अनास्थावादी। सबसे अधिक बुद्धिपूजक और असाधारण बुद्धि या प्रतिभा वाले मित्रों के सभी दोष क्षमा करने को तत्पर।

व्यक्तियों तथा वस्तुओं के बारे में तत्काल राय बनाने वाले, लेकिन अपनी योजनाओं में शीघ्र हतोत्साहित होने की प्रवृत्ति और पहली असफलता या निराशा पर ही टूटने वाले। प्रेम, कर्तव्य और सामाजिक अर्थशास्त्र के बारे में आपके विचार सदा अनोखे रहेंगे, जिससे आपको प्राय: झक्की और सनकी समझा जाएगा। अभिमानी और स्वतन्त्र विचारों के कारण आपको हर काम में अगुआ होना चाहिये या यों ही

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

आपकी दिलचस्पी खत्म हो जाएगी। आप किसी प्रकार के अंकुश को नापसंद करते हैं और हर बंधन का विरोध करते हैं। यह अजीब विरोधाभास है कि परम्परा और सत्ता के लिए आपके मन में गंभीर स्थान है। जीवन आपके लिए बहुत गंभीर किन्तु समस्याओं से भरा है, और घोरतम निराशा के दौरे से भी आप सबसे अधिक चमकेंगे।

लगातार काम और परिश्रम आपके लिए एक तरह से सनक बन जाती है, लेकिन उत्तेजना या जल्दबाजी के बजाय लक्ष्य को सामने रख धीरे-धीरे और चुपचाप काम करते रहने से आपको कहीं अधिक लाभ होगा। निजी प्रयासों और व्यक्तित्व के बल पर जन्म काल की परिस्थितियों से ऊपर उठने की संभावना है। चरित्र मूलत: ओजस्वी किन्तु निराशावाद की गहरी प्रवृत्ति के कारण मन में प्रसन्नता पैदा करने की आवश्यकता है।

आमतौर से आपको काफी गलत समझा जाएगा। आसानी से लोगों से मिलेंगे-जुलेंगे नहीं। घनिष्ठ मित्र कम होंगे। मन में बहुत अकेलेपन का अनुभव करेंगे।

विवादों में प्राय: सदा अलोकप्रिय हितों या 'छिपे रुस्तमों' का पक्ष लेने से आप अपने दुश्मन पैदा कर लेंगे।

आपके लिए सबसे अच्छा सार्वजनिक जीवन अपनाना रहेगा। जैसे : नगरपालिका, राजनीति, सरकारी नौकरी या जिम्मेदारी और विश्वास के पद।

शनि के प्रभाव से सुगठित काया और अच्छी कार्य-क्षमता, साथ ही निराशा की गहरी प्रवृत्ति। इस कारण से पित्त के प्रकोप, पित्ताशय में गड़बड़ी, आमाशय में घाव, पाचन अंगों में खराबी और आंतों में रुकावट की संभावना। स्वस्थ बने रहने के लिए आशावाद और प्रसन्नता का वातावरण पैदा कीजिये। शीत से सावधानी न बरतने पर श्वास, दमा, रोग जैसी बीमारियों की आशंका। निचले स्थानों की अपेक्षा ऊंचे और शुष्क जलवायु वाले स्थान अधिक अनुकूल होंगे। भोजन पर ध्यान दीजिये और समुचित व्यायाम से 'रक्त-संचार' ठीक रखिये। नम और ठंडी हवाओं से बचिए। आपके लिए बार-बार हवा बदलना अत्यंत आवश्यक है किन्तु एकांत स्थल पर कभी मत जाइए।

देहात, में संम्भव हुआ तो किसी पर्वत की तलहटी में कुछ ऊंचाई पर या किसी पहाड़ी स्थल पर घर बनवाने की आपकी बलवती इच्छा रहेगी। निचले और नम स्थानों में कभी मत रहिये, क्योंकि तब गठिया, पैरों में दर्द तथा सूजन पाल लेने की निश्चित प्रवृत्ति है। दुर्घटनाएं भी एड़ियों, पांवों और टांगों में अधिक होंगी।

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

शनि का व्यापक प्रभाव आर्थिक स्थिति के लिए अच्छा संकेत नहीं है। इससे आर्थिक उन्नति में, कम-से-कम प्रारंभिक वर्षों में, विलम्ब, बाधाएं और अंकुश पैदा होंगे।

उद्यम, सावधानी, लगन और मितव्ययिता से धन के लाभ का योग है। दरअसल, भाग्य की बजाय निजी प्रयासों से सम्पत्ति प्राप्त होने की संभावना अधिक है। भूमि या गृह सम्पत्ति में धन लगाना, कारखाने खड़े करना, विशेषकर कोयला, शीशम या लोहे की वस्तुओं, परिवहन या कृषि की मशीनों के क्षेत्र में, कृषि उद्योगों का विकास और अन्य ठोस उद्यम लाभ के रहेंगे।

अपना ही पैसा वापस पाने में आपको कठिनाई सामने आएगी। जमानत के बिना किसी को पैसा उधार मत दीजिए, नहीं तो उसका डूबना सुनिश्चित है।

फ़रवरी

फरवरी माह कुम्भ राशि के प्रभाव में है। इसे शनि (सौम्य) की राशि भी कहते हैं। यह लगभग 21 जनवरी से प्रारंभ होती है। सात दिन तक पूर्व राशि के साथ इसका संधि-काल रहता है। 28 जनवरी से 19 फरवरी तक ही यह अपना पूर्ण प्रभाव दिखाती है। फिर नई राशि मीन के साथ संधि-काल शुरू हो जाने से उत्तरोत्तर यह अपना प्रभाव खोती जाती है। संधि-काल में जन्मे व्यक्तियों में दोनों राशियों के गुण मिलते हैं।

आप अति संवेदनशील हैं। वाग्बाणों से शीघ्र तिलमिला उठने की प्रवृत्ति है। बहुत से लोगों के सम्पर्क में आएंगे फिर भी अकेलापन महसूस करेंगे। प्यार का प्रदर्शन नहीं करेंगे। लेकिन जिन्हें प्यार करेंगे, उनके प्रति पूरी तरह से समर्पित होंगे। मित्र के लिए या अपने किसी उद्देश्य के लिए अंतिम क्षण तक संघर्ष करते रहेंगे।

सम्पर्क में आने वाले व्यक्तियों को पूर्वाभास या अंत: प्रेरणा से प्राय: सही-सही तो जान लेंगे, लेकिन चोट न पहुंचाने की भावना से अपनी राय को मन में ही छिपाकर रखेंगे। इससे मन का भार कभी-कभी सीमा से अधिक बढ़ जाएगा और उसे सहन न कर पाने के कारण आप उसे उगल देंगे, तो मन में बुरी तरह पछताएंगे। क्षति-पूर्ति के लिए आप किसी भी सीमा तक जा सकते हैं।

आपके मन में आम जनों का भला करने की तीव्र भावना रहेगी। दूसरों का कष्ट दूर करने में प्राय: सामान्य से अधिक उदार होंगे। औसत से अधिक दान करेंगे।

आप बहुत तार्किक बुद्धिवाले हैं। चाहेंगे कि मतभेदों को तर्क द्वारा शांतिपूर्वक सुलझा लिया जाए, आप में बहुत बढ़िया व्यापार-बुद्धि भी होगी और दूसरों को उत्तम

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

सलाह देंगे। लेकिन जिम्मेदारी के पदों पर रहते हुए आमतौर से दूसरों को ही अधिक लाभ पहुंचाएंगे।

अपने उत्तम गुणों को प्रकट करने के लिए आपको कर्तव्य की पुकार या परिस्थितियों का दरकार ऐसा होने पर आप स्वयं को अवसर के अनुकूल ढाल लेंगे। अपनी छिपी शक्तियों और योग्यताओं का प्रदर्शन कर सभी को आश्चर्य में डाल देंगे। संवदेनशीलता पर काबू पा सकें और आत्म-विश्वास पैदा कर सकें, तो ऐसा कोई पद नहीं, जिसे आप न प्राप्त कर सकें।

सबसे अधिक सफलता आपको ऐसे बड़े कार्य क्षेत्र में मिलेगी जिसमें दूसरों की भलाई करने का अवसर हो। जिन्हें 'बोध' हो जाता है वह मानव कल्याण का कोई बड़ा काम या खोज़ कर दुनिया में अपना नाम छोड़ जाते हैं।

ऐसे जन-आंदोलनों में, जिनमें बड़ी संख्या में लोग शामिल हों, आपकी गहरी दिलचस्पी होगी। राष्ट्रीय हित के महत्वपूर्ण समारोहों में आप भाग लेते नजर आएंगे। अपनी दुनिया में रहते हुए भीड़ और भीड़ वाले स्थानों जैसे आमसभाएं, थिएटर मनोरंजन स्थल आदि से आपका लगाव होगा। एक विचित्र बात यह है कि स्वयं भारी मानसिक तनाव की स्थिति में रहने पर भी आप शीघ्र उत्तेजना या आवेश में आने वालों अथवा मानसिक रोगियों पर अपना प्रभाव डाल सकेंगे। आप स्वयं को प्राय: ऐसे लोगों के बीच में पाएंगे।

यदि आप धनी परिवार में जन्मं हैं तो अपने सर्वोत्तम गुणों का विकास कर पाने की सम्भावना नहीं के बराबर है। बस, धारा के साथ बहते जाएंगे। ज्ञान होने तक परिवर्तन के लिए बहुत देर हो चुकी होगी।

अन्य वर्ग की अपेक्षा शायद आपको अपने साथियों के चुनाव में सावधानी की आवश्यकता अधिक है। आत्म-विश्वास की कमी के कारण सम्पर्क में आने वाले व्यक्तियों से आप बहुत ही आसानी से प्रभावित हो सकते हैं।

नसों, आमाशय, जिगर और पित्ताशय की बीमारियों से आपको ग्रस्त होने की संभावना है। डाक्टरों के लिए भी उनका निदान और उपचार करना कठिन होगा। आप विज्ञापन वाली नीम हकीमी दवाएं खरीदते नजर आएंगे। मित्रों के लिए भी आपके पास कोई-न-कोई नई गोली या बलवर्द्धक दवा मिल जाएगी। बुढ़ापे में शरीर में रक्त संचार में गड़बड़ी और रक्ताल्पता, सिर और पीठ में दर्द, दिल की धड़कन में तेजी और कमजोरी, मसाने और गुर्दों की कमजोरी, पांवों में अजीब दुर्घटनाओं, एड़ियों में मोच या हड्डी टूटने जैसी परेशानियों के शिकार हो सकते हैं।

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

शनि और यूरेनस के प्रभाव से भाग्य मे बड़े-बड़े और आकस्मिक उतार-चढ़ाव की संभावना है। अनिश्चयात्मक या खतरनाक ढंग के मामलों में बहुत सावधानी की जरूरत है। बीमा कम्पनियों, बैंकों, न्यासों, रेलवे कम्पनियों, बिजली संस्थाओं, उड्डयन और नई-नई खोज परियोजनाओं से भी अच्छा लाभ हो सकता है। पूरी बुद्धिमत्ता से काम नहीं लेंगे तो आय बहुत कुछ अनिश्चित रही आएगी, कभी बहुत कम, कभी बहुत अधिक। एक बार एकदम अप्रत्याशित सूत्र से और बड़े विचित्र ढंग से भारी धन लाभ हो सकता है।

मार्च

19 फरवरी से मीन राशि शुरू होती है, सात दिन तक पूर्व राशि के साथ उसकी संधि रहती है। अत: उसका पूर्ण प्रभाव 26 फरवरी से 21 मार्च तक रहता है। इसके बाद नई मेष राशि के साथ उसकी सात दिन की संधि शुरू हो जाती है।

इस अवधि में 19 फरवरी से 28 मार्च तक जन्मे व्यक्तियों में रक्त वृद्धि, अंतर्ज्ञान होता है। विशेषकर ऐतिहासिक ज्ञान को और यात्रा तथा भूमि के उपयोग, अन्वेषण आदि विषयों को शीघ्र आत्मसात् कर लेते हैं। साधारणत: जितने दिखाई देते हैं, विचारों में उससे कहीं अधिक महत्वाकांक्षी होते हैं, लेकिन किसी विषय पर बोलने या लिखने से पहले उसके बारे में पूरी जानकारी प्राप्त कर लेना चाहते हैं।

यदि उन्हें यह अहसास हो जाए कि उन पर विश्वास किया जा रहा है या उनको सम्मान दिया जा रहा है, तो मित्रों या अपने ध्येय के प्रति वे भारी निष्ठा का परिचय देते हैं। सभी जिम्मेदारियों के पदों पर वे आमतौर से सफल रहते हैं; साथ ही अपने को धकेलने की प्रवृत्ति नहीं दिखाते और अपनी राय प्रकट करने से पहले प्राय: इंतजार करते हैं कि कोई उनकी राय पूछे ?

वे कानून और व्यवस्था का भारी सम्मान करते हैं तथा अपने क्षेत्र की परम्पराओं का पालन करते हैं।

सबसे दृढ़ और सबसे दुर्बल चरित्र इसी राशि के मिलते हैं। कुछ भावनाओं में बहकर भोग-विलास का मार्ग अपना लेते हैं। वातावरण के दास हो जाते हैं या झूठे मित्रों के चक्कर में फंस जाते हैं। कुछ मादक पदार्थों या शराब के आदी हो जाते है। लेकिन यदि उन्हें जीवन का कोई लक्ष्य मिल जाये तो अवसर के अनुकूल अपने को ढाल लेते हैं। कभी तो वे अपने स्वभाव में आकस्मिक परिवर्तन से मित्रों को आश्चर्य में डाल देते हैं। एक क्षण में ही वे अपनी दुर्बलता या आत्म-रति को उतार फेंक आत्म-संचय की किसी सीमा तक उठ सकते हैं। इस अवधि में जन्मे सभी

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

व्यक्ति द्विस्वभावी होते हैं। अब क्या पता कि वे कौन-सा मार्ग अपनाते हैं ?

वे प्रायः सागर-यात्रा के बहुत शौकीन होते हैं। यदि परिस्थितिवश सागरयात्रा न कर पाएं तो अपना घर सागर तट पर या किसी झील अथवा जल के किनारे बनाते हैं।

प्रायः सभी के स्वभाव में आध्यात्मिकता और व्यावहारिकता का पुट रहता है। लोग उन्हें अंधविश्वासी समझते हैं। सभी गुप्त विद्याओं के प्रति वे एक या दूसरे रूप में आकर्षित होते हैं। अज्ञात, दार्शनिक या रहस्यमय की खोज करना उन्हें पसन्द है। प्रकृति से उदार होते हुए भी उनके मन में गरीबी का अज्ञात भय समाया हुआ है, इसलिए अपनी उदारता को तब तक हावी नहीं होने देते जब तक किसी प्रियपात्र के प्रभाव में न हों। फिर तो वे अपना सर्वस्व तक निछावर कर सकते हैं।

उनकी दृष्टि में रुपये-पैसे का कोई मूल्य नहीं है। उनके लिए वह मात्र लक्ष्यपूर्ति के साधन से अधिक कुछ नहीं है।

इस राशि में जन्मे व्यक्तियों के स्वास्थ्य को सबसे अधिक खतरा शारीरिक न होकर मानसिक होता है। अत्यधिक चिन्ता से जन्मी निराशा का कुप्रभाव पाचन अंगों पर पड़ता है, स्वाभाविक गड़बड़ी की प्रवृत्ति बनती है और अनेक लोगों को प्रायः पक्षाघात भी हो सकता है। फेफड़े कमजोर हो सकते हैं। उन्हें क्षय की संभावना अधिक रहती है। शरीर से, विशेषकर हाथ-पैरों से, शीघ्र पसीना निकलने लगता है। आंतों में वृद्धि या फोड़ा इस राशि की विशेष बीमारी है।

महत्वाकांक्षा जाग जाने पर ये व्यक्ति जीवन में काफी सफलता प्राप्त नहीं कर करते हैं, लेकिन गुरु (सौम्य) के प्रभाव से महत्वाकांक्षा भौतिक से अधिक मानसिक होती है। वे भविष्य के बड़े-बड़े सपने देखते हैं, लेकिन प्रायः लगन या प्रयासों का अभाव होता है। अतः धन की दृष्टि से इसे हम चंचल राशि कह सकते हैं और जब तक ये व्यक्ति अपनी महत्वाकांक्षा को अंतिम सीमा तक पूरने के लिए अपने को तैयार नहीं करते, उनके भाग्य में अनेक उतार-चढ़ावों का खतरा रहता है। स्वभाविक प्रवृत्ति—लगने के अभाव पर काबू पा लेने पर फिर ऐसे कोई पद नहीं, जिन्हें वे प्राप्त न कर सकें। समय-समय पर महान अवसर मिलते ही रहते हैं।

ये व्यक्ति धन के मामले में कुछ लापरवाह होते हैं और उनमें बुरे दिनों के लिए पैसा बचाने की प्रवृत्ति नहीं होती। बुढ़ापे में प्रायः अपने साधनों को बर्बाद करते और गरीब होते या पद खोते देखे गए हैं। भाग्य से यदि किसी 'सुतिथि' को पैदा हो गए, तो सब कुछ ठीक रहेगा और पद या रुपए-पैसे के बारे में उनके सपने पूरे हो

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

सकेंगे।

अप्रैल

अप्रैल मास मेष राशि के प्रभाव का है। यह राशि 21 मार्च से प्रारंभ होती है। सात दिन तक पूर्व राशि के साथ इसकी संधि चलती है। 27 मार्च के बाद 19 अप्रैल तक इसका पूर्ण प्रभाव रहता है। फिर अगले सात दिन तक आगामी राशि के साथ 'संधि काल' चलने के कारण इसके प्रभाव में उत्तरोत्तर कमी आती जाती है। आगामी राशि शुक्र स्वामित्व वाली वृष है।

21 मार्च से 19 अप्रैल तक जन्मे व्यक्तियों में दृढ़ इच्छा शक्ति, संकल्प और अपना लक्ष्य पूरा करने का हठ पाया जाता है। जन्मजात योद्धा होते हैं। उनमें बड़े-बड़े व्यावसायिक या जनबहुल संगठनों के संचालन की भारी योग्यता रहती है।

वे काम करने में अत्यंत स्वच्छन्द होते हैं। सभी बातें उनकी अपनी मर्जी की होनी चाहिये। हस्तक्षेप होने पर वे प्रायः बाहर निकल आते हैं और दूसरों को काम सम्हालने देते हैं।

जहां तक भौतिक सफलता या अधिकार की बात है, ऐसी कोई ऊंचाई नहीं, जहां तक वे न पहुंच सकें। शर्त यह है कि अपने आपे में रहें किन्तु सफलता प्रायः उनके विनाश का कारण बन जाती है। प्रशंसा और चापलूसी से उनका सिर फिर जाता है। वे सीधे नहीं देख सकते और अनेक मामलों में हठ और अंहकार से अपने पांवों पर कुल्हाड़ी मार लेते हैं।

उनमें भारी मानसिक ऊर्जा होती है। जिस बात में भी उनकी दिलचस्पी होती है उसी के बारे में उनके पास नई-नई और मौलिक योजनाएं रहती हैं। वे अपने खोए में रहते हैं और केवल कठोर सच्चाई और तर्क से ही वे अपने अलावा किसी और के दृष्टिकोण से देख सकते हैं। उनमें सतर्कता का अभाव होता है। स्वभाव से शक्की तथा काम करने में जल्दबाज होते हैं।

हर बात में प्रायः अति तक जाते हैं। बहुत खुले दिल के और मुंहफुट होते हैं और व्यवहार-कुशलता के अभाव में दुश्मन पाल लेते हैं। वे अत्यंत महत्वाकांक्षी होते हैं। जीवन में प्रायः सफलता प्राप्त करते हैं—या तो सम्पत्ति अर्जित करते हैं या उत्तरदायित्व के पदों पर पहुंचते हैं।

हीन भावना वाले अपना लक्ष्य प्राप्त करने के लिए कुछ भी कर सकते हैं। मालिक के रूप में वे नृशंस और अत्याचारी होते हैं तथा प्रायः हिंसक मृत्यु को प्राप्त करते हैं।

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

मई

मई मास वृष राशि के प्रभाव में है। यह राशि 19 अप्रैल से प्रारंभ होती है किन्तु सात दिन तक पूर्व राशि के साथ उसका संधि-काल रहता है। अत: 26 अप्रैल तक इसका पूर्ण प्रभाव दृष्टिगोचर नहीं होता। उसके बाद 20 मई तक इसका पूर्ण प्रभाव रहता है। फिर सात दिन तक आगामी राशि मिथुन के साथ इसका प्रभाव क्रमश: कम होता जाता है। वृष राशि का ओज भाव है। जो थल-त्रिकोण का पहला भाव है। मिथुन राशि का स्वामी बुध (ओज) है। यह राशि वायु-त्रिकोण का पहला भाव है।

जैसा नाम से विदित होता है, वृष राशि स्थिर और दृढ़ स्वभाव, काम के प्रति भारी लगन और दृढ़ संकल्प प्रदान करती है। 21 मई के बाद इन गुणों में कमी होती है। अत: मई में शुरू की तिथियां बाद की तिथियों से अधिक ओजस्वी होती हैं।

कुछ महीनों में यह सबसे अधिक विरोधाभास वाली राशियों में एक है। इस राशि में जन्मे लोगों में वृष या बैल के गुण पाए जाते हैं। जब तक क्रोध या अन्याय से फुफकारें नहीं, धीरे-धीरे धैर्यपूर्वक अपना काम करते रहते हैं। वे अपने संकल्प में अडिग रहते हैं और प्राय: जिद्दी कहलाते हैं। लेकिन यदि कोई व्यक्ति उनके प्रेमी स्वभाव को कुरेद सके, तो उन्हें सबसे अधिक आसानी से वश में किया जा सकता है।

वे अपनी शारीरिक व मानसिक सहन-शक्ति के लिए प्रसिद्ध होते हैं। जब तक संकल्प कायम रहता है, कितना भी तनाव सहन कर सकते हैं।

वे अत्यन्त सामाजिक होते हैं और सबसे अधिक प्रसन्नता उन्हें अपने मित्रों या प्रेमपात्रों का सत्कार करने में मिलती है। वे उत्तम मेजबान होते हैं। भोजन के बारे में सुरुचिपूर्ण और अवसर पड़ने पर श्रेष्ठ व्यंजन तैयार कर सकते हैं। कलात्मक साज-सज्जा में निपुण और हर वस्तु को करीने से रखने वाले होते हैं। उनमें नाटकीय प्रदर्शन की गहरी समझ होती है। अवसर के अनुकूल जीवन के मंच पर कोई भी रूप रख सकते हैं और उसकी भूमिका को पूर्णता से निभा सकते हैं। आम-तौर से वे वास्तव में कहीं अधिक अमीर समझे जाते हैं। अपने हर काम में अधिक दिखावटी होते हैं।

वे अधिकतर अपनी भावनाओं और संवेदनाओं के वश में रहते हैं लेकिन काम से अधिक प्रेम उन पर हावी होता है।

आमतौर से पुरुषों के चौड़े कंधे, मोटी गर्दनें और चौड़े माथे होते हैं। महिलाओं के उन्नत उरोज और प्राय: छोटे हाथ-पैर रहते हैं।

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

स्त्री-पुरुष दोनों अंतिम सीमा तक उदार होते हैं। जिसे चाहते हैं उनके लिए किसी बलिदान को कम नहीं समझते, किन्तु जिन्हें घृणा करते हैं उससे मृत्युपर्यन्त टक्कर लेते हैं। वे खुले और धर्मयुद्ध में विश्वास करते हैं। अत: प्रारंभ में हर प्रकार की क्षति उठाते हैं, लेकिन रक्त में एक बार उबाल आ जाने पर समर्पण करना कभी नहीं जानते।

अपने वातावरण के प्रति विशेषकर संवदेनशील होते हैं। घटिया और प्रतिकूल परिस्थितियों में रहने को विवश होने पर प्राय: उदास या दु:खी हो जाते हैं।

इस राशि वाले न तो पुरुषों को और न महिलाओं को छोटी आयु में विवाह करना चाहिये। उनका पहला प्रेम-प्रसंग या विवाह आमतौर से गलत रहता है, लेकिन वे जल्दी युवा होते हैं और विवाह भी शीघ्र करते हैं।

पुरुष और स्त्री दोनों प्रेम के मामले में ईर्ष्यालु होते हैं। उनकी ईर्ष्या तर्कहीन कार्यों या आवेश से उपजती है। बाद में उनका ज्वार उतर जाने पर बुरी तरह पछताते हैं। थोड़ी-सी भी सहानुभूति या दया दिखाने पर वे सारा गुस्सा थूक देते हैं। अपने इस स्वभाव के कारण ऐसे काम करते हैं, जिन्हें दुनिया मूर्खता कहती है।

किसी ध्येय के लिए नेता के रूप में वे अनुयायियों से प्रेम और लगन प्राप्त करते हैं और प्राय: उन पर भारी जिम्मेदारी सौंप दी जाती है।

इनमें सामंजस्य, लय और रंग की अंतर्निहित समझ होती है और वे प्राय: संगीत, काव्य तथा कला में अच्छी सफलता प्राप्त करते हैं लेकिन विचित्र बात यह है कि कुछ खास तिथियों को जन्मे व्यक्तियों को छोड़कर अपने गुणों या प्रतिभाओं का पूरा आर्थिक लाभ नहीं उठा पाते।

ऐसी राशि में पैदा हुए लोग अत्यंत निष्ठावान मित्र, उत्तम सरकारी कर्मचारी, सरकार में या सेना और नौसेना में अधिकारी या प्रमुख बनते हैं। वे अच्छे नर्स व डॉक्टर बनते हैं। प्राय: सभी को बागबानी, फूलों और घर से बाहर के जीवन के प्रति गहरा लगाव होता है।

जहां तक धन प्राप्ति का सवाल है, इस मास में जन्म लेना आमतौर से शुभ है। सहकारिता, साझेदारी, सम्पर्कों तथा विवाह से लाभ होने की आशा है। लेकिन शुक्र का प्रभाव उन्मुक्त प्रेम की प्रकृति प्रदान करता है और दूसरों की सहायता करने में कुछ कटु अनुभव भी हो सकते हैं।

इन लोगों को धन कमाने और सम्पत्ति जमा करने की प्रबल इच्छा रहती है; किन्तु इसके मूल में स्वार्थ उतना नहीं होता, जितना आराम से जीवंन बिताने और

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

अपने प्रेमपात्रों की सहायता करने का भाव होता है।

जून

21 मई से मिथुन राशि प्रारंभ हो जाती है, लेकिन सात दिन तक पूर्व राशि वृष के साथ इसका संधि-काल चलता है, अतः 28 मई तक यह पूर्ण प्रभाव में नहीं आ पाती। उसके बाद 20 जून तक इसका पूर्ण प्रभाव रहता है। फिर आगामी राशि क़र्क के साथ सात दिन तक के संधि-काल में इसके प्रभाव में उत्तरोत्तर कमी होती जाती है।

21 मई से 20-27 जून तक जन्म लेने वाले व्यक्तियों में मिथुन राशि के गुण पाये जाते हैं। वे बहुत कुछ दुहरे स्वभाव और मानसिकता वाले होते हैं। उनका दिमाग तीक्ष्ण, बहुमुखी और प्रतिभाशाली होता है। सभी राशियों वालों में इन्हें समझ पाना सबसे कठिन होता है। वे सोचने में तेज होते हैं और जहां कुशाग्र बुद्धि की आवश्यकता होती है, वे अपने सभी प्रतिद्वन्द्वियों को पीछे छोड़ देते हैं।

समाज को वे अपनी बातों से मोह लेते हैं। यदि उनके उस समय के मूड को देखें, तो उनसे मिलकर आपको सबसे अधिक प्रसन्नता होती है। लेकिन यह आशा करना व्यर्थ है कि आप उन पर कोई गहरा प्रभाव डाल सकेंगे या वे अपने वायदे का पालन करेंगे। हां, उनका मतलब सधता हो तो दूसरी बात है।

अपने दिल में वे सही समझते हैं कि वे न बदलने वाले और वफादार हैं। उस क्षण के लिए यह बात ठीक भी हो सकती है, लेकिन हर क्षण का उनके लिए अलग अस्तित्व है।

उनके सामने यदि कोई योजना रखी जाए, तो वे शीघ्र ही उसकी एक-एक बात को हृदयंगम कर लेते हैं या फिर अपने तर्कों, व्यंग्य वाणों या आलोचना से उसकी बखिया उधेड़कर रख देते हैं। यदि वे एक बात पर जमे रहने में अपनी इच्छा शक्ति का उपयोग करें तो जो भी काम करेंगे उसी में बहुत शानदार सफलता प्राप्त करेंगे।

जहां तक धन कमाने की बात है, इस अवधि में पैदा हुए कुछ लोग सट्टेबाजी में, शेयरों में, कम्पनी प्रोमोटरों के रूप में अथवा व्यापार में नए आविष्कारों या नए विचारों से लाभ उठाने में सबसे अधिक सफलता प्राप्त करते हैं। वे कूटनीतिक वार्ताओं में लोगों से भेंटवार्ता करने में, देश-विदेशों में घूमने और अजनबियों को मोहने में भी ठीक रहते हैं।

प्रेम-प्रसंगों में सबसे बड़ी पहेली होते हैं। एक ही क्षण में कसकर प्यार कर

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

सकते हैं, और तुरन्त गैर वफादार भी हो सकते हैं।

जुलाई

जुलाई त्रिकोण की पहली राशि कर्क 21 जून को प्रारंभ होती है। सात दिन तक पूर्व राशि मिथुन के साथ इसका संधि-काल रहता है। आत: यह 28 जून तक पूर्ण प्रभाव में नहीं आती। उसके बाद 20 जुलाई तक इसका पूर्ण प्रभाव रहता है। फिर आगामी राशि सिंह के साथ इसका संधि-काल प्रारंभ हो जाता है और सात दिन तक इसके प्रभाव में उत्तरोत्तर कमी होती जाती है। संधि-काल में पैदा हुए व्यक्ति दोनों राशियों के गुण ग्रहण कर लेते हैं। अस्त होती राशि के और उदित होती हुई राशि के भी।

प्राचीन काल में इसे कर्क राशि इसलिए कहा गया क्योंकि इस समय सूर्य आकाश में कर्क (केकड़े) की भांति गति करता हुआ आगे बढ़ता और पीछे हटता दिखाई देता है।

21 जून से 27 जुलाई तक कर्क राशि के मध्य पैदा हुए व्यक्ति अपने सभी कामों में मेहनती और उद्यमी होते हैं, किन्तु उनके भाग्य में अत्यन्त शुभ और अत्यन्त अशुभ रहने की प्रवृत्ति होती है। शेयरों पर दांव लगाने से वे प्राय: हानि उठाते हैं, जबकि सीधे-सच्चे व्यापार में वे सर्वाधिक सफल हो सकते हैं। फिर भी आमतौर से उनमें सट्टेबाजी की प्रबल भावना होती है। प्राय: अपने स्वभाव की इस प्रवृत्ति के कारण वर्षों के कठोर परिश्रम से जमाए परिवार को भी चौपट कर बैठते हैं।

'कर्क' के प्रतीक की भांति वे काम और विचारों में प्राय: आगे बढ़ते हैं, पीछे हटते हैं। एक निश्चित योजना या वृत्ति में वे एक खास बिन्दु तक पहुंच जाते हैं और फिर अत्यन्त नाजुक क्षण में रुककर या पीछे मुड़कर सभी को आश्चर्य में डाल देते हैं।

यदि उन्होंने प्रारम्भिक जीवन में अपनी सट्टेबाजी की प्रवृत्ति को काबू में नहीं किया और धन बचाकर उसे आपातकाल के लिए सुरक्षित नहीं रखा तो आमतौर से उनके जीवन में रुपए-पैसे के मामलों में भारी उतार-चढ़ाव आ सकते हैं।

इस अवधि में पैदा हुए व्यक्ति प्राय: बहुत ऊंचे पदों पर पहुंचते हैं या भारी यश प्राप्त करते हैं और प्रचार की चकाचौंध से बच नहीं पाते। लेकिन पारिवारिक जीवन में उन्हें काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है और शायद ही कभी प्रसन्नता में डूबते हों, वैसे बाहर वालों की निगाहों में वे कितने ही सफल क्यों न दिखाई दें।

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

अगस्त

सिंह राशि का प्रारंभ 21 जुलाई को होता है, लेकिन पूर्व राशि कर्क के साथ इसका संधि-काल चलने के कारण यह 28 जुलाई को ही पूर्ण प्रभाव में आ पाती है। इस तिथि से 20 अगस्त तक इसका पूर्ण प्रभाव रहता है। फिर आगामी राशि कन्या के साथ इसका संधि-काल प्रारंभ हो जाता है तो इसके प्रभाव में उत्तरोत्तर कमी होती जाती है।

सिंह राशि का स्वामी सूर्य है। 21 जुलाई से 20/28 अगस्त तक जन्मे व्यक्तियों में प्रबल विशिष्ट गुण पाये जाते हैं। आम तौर से वे महत्वाकांक्षी होते हैं। उनका लक्ष्य आम लोगों से ऊपर उठने का होता है। वे भले ही छोटे परिवारों में जन्म लें, पर इच्छा शक्ति, संकल्प और योग्यता से खास तौर से ऊंचे अधिकारी पदों पर पहुंचते हैं।

अन्य दबंग व्यक्तियों के प्रति गहराई से आकर्षित होते हैं। दरअसल जब तक अपना अलग व्यक्तित्व और उद्देश्य रहता है, वे उनके सौ कसूर भी माफ करने को तैयार रहते हैं।

इस अवधि में पैदा हुए व्यक्ति विशाल हृदय और उदार होते हैं। वे अत्यंत स्वत्रंत भावना वाले होते हैं। अंकुश लगाए जाने या आदेश दिए जाने से घृणा करते हैं। उनमें अपने ध्येय के प्रति काफी आग्रह और इच्छा शक्ति होती है। यदि किसी योजना, उद्देश्य या पद पर ध्यान लगाएं तो हर कठिनाई या बाधा के बावजूद आमतौर से अपना लक्ष्य प्राप्त कर लेते हैं। लक्ष्य प्राप्त न होने पर उनमें निराशा और असंतोष पैदा होता है, लेकिन अपनी कमियों के लिए वे स्वयं को ही दोष देते हैं।

उनमें आश्चर्यजनक आकर्षण-शक्ति होती है। दूसरों को महान कार्य करने की प्रेरणा दे सकते हैं। इस राशि (16 अगस्त) में जन्मे नेपोलियन की भांति दूसरों के प्रति-भाव को आकर्षित करते हैं और अत्यन्त कठिन परिस्थितियों में भी लोगों को अपने पीछे चलने को प्रेरित कर सकते हैं। ऐसे लोगों को हमेशा सक्रिय बने रहना चाहिये। यदि परिस्थितिवश जीवन-संघर्ष की सरगर्मी और हलचल से अलग हुए तो उदास और निराश हो जाते हैं।

सितम्बर

कन्या राशि 21 अगस्त से प्रारंभ होती है। लेकिन सात दिन तक पूर्व राशि सिंह के साथ इसका संधि-काल चलता है, इसलिए 28 अगस्त से ही यह पूर्ण प्रभाव में आ पाती है। इसके बाद 20 सितम्बर तक इसका पूरा प्रभाव रहता है। फिर सात दिन

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

तक आगामी राशि तुला के साथ इसकी संधि के कारण इसका प्रभाव उत्तरोतर कम होता जाता है।

इस अवधि में अर्थात् 21 अगस्त से 20/28 सितम्बर तक पैदा हुए व्यक्ति आमतौर से जीवन में सफलता प्राप्त करते हैं। उनमें आश्चर्यजनक स्मरण-शक्ति वाली बुद्धि होती है। अपने सम्पर्क में आने वाले व्यक्तियों से सतर्क रहते हैं और उनके प्रति अच्छे-बुरे की समझ होती है। आमतौर से उन पर न हावी हुआ जा सकता है और न उन्हें धोखा दिया जा सकता है।

हर बात का गहाराई से विश्लेषण और परख करते हैं। वह अच्छे आलोचक होते हैं, आमतौर से इतने अधिक कि उन्हें भलाई या प्रसन्नता नहीं मिल पाती। बेमेल वस्तुओं पर उनका ध्यान बड़ी जल्दी जाता है। अपने घरों के बारे में उनकी उत्तम रुचि होती है।

आमतौर से किसी काम के प्रारम्भकर्ता नहीं होते हैं, लेकिन जो योजनाएं या काम उन्हें आकर्षित करते हैं अथवा जिन्हें दूसरे लोग पूरा करने में विफल रहते हैं, उन्हें वे सफलतापूर्वक पूरा कर देते हैं। जिस लक्ष्य की ओर उनका ध्यान जाता है, पूरे दत्तचित्त होकर उसके लिए काम करते हैं और जब तक उसे प्राप्त नहीं कर लेते, चैन से नहीं बैठते।

वे पद का बहुत अधिक सम्मान करते हैं। कानून तथा कानून के फैसले का उत्साह से समर्थन करते हैं। उत्तम वकील और वक्ता बन सकते हैं, लेकिन उनका झुकाव नए विचारों को जन्म देने की बजाए पूर्व दृष्टांतों का समर्थन करने की ओर अधिक रहता है। मेहनती स्वभाव, इच्छा शक्ति और संकल्प के कारण वे वैज्ञानिक खोज और व्यापार में भी सफल होते हैं।

उनमें अपने तक और अपने विचारों तक सीमित रहने की प्रवृत्ति होती है। लक्ष्य-प्राप्ति के लिए वे स्वार्थ से भी काम लेते दिखाई देते हैं। अन्य किसी वर्ग की अपेक्षा उनमें अच्छाई और बुराई की हद तक जाने की क्षमता अधिक होती है। यदि उनमें पैसे का मोह पैदा हो जाये, तों उसे पाने के लिए कोई कोर-कसर नहीं छोड़ेंगे। वे प्रायः किसी भी काम के अनुरूप अपने को ढाल सकते हैं।

प्रेम के विषय में उन्हें समझ पाना सबसे कठिन होता है। सबसे अच्छे, सबसे बुरे स्त्री-पुरुष वर्ष के इसी भाग में पैदा हुए हैं। प्रारम्भिक वर्षों में प्रायः सभी नेक और साफ दिल वाले होते हैं। लेकिन जब बदलते हैं तो पूरी प्रतिहिंसा से बदलते हैं और इसके ठीक उल्टे बन जाते हैं। फिर भी कानून के प्रति जन्मजात सम्मान

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

भावना और अपनी स्वाभाविक कुशलता के कारण वे दूसरे वर्ग के लोगों की अपेक्षा अपनी भावनाओं को छिपाने में अधिक सफल रहते हैं। यदि स्वयं पर काबू नहीं हुआ तो उनमें प्रायः मादक द्रव्यों और शराब के सेवन की प्रवृत्ति पैदा हो जाती है।

स्वास्थ्य के बारे में आमतौर से वे रोग के अपेक्षाकृत कम शिकार होते हैं, लेकिन उनमें एक विचित्र बात यह होती है—अखबारों में पढ़कर हर बीमारी से स्वयं के पीड़ित होने की कल्पना करने लगते हैं।

भोजन के बारे में बहुत सुरुचिपूर्ण होते हैं। रुचि का भोजन न मिलने पर उनकी भूख मर जाती है। वातावरण के प्रति वे अत्यंत संवदेनशील होते हैं। तालमेल में जरा-सी कमी या चिढ़न से उनकी स्नायु प्रणाली पर प्रभाव पड़ता है। उन्हें कब्ज या पेचिश की शिकायत हो सकती है। उनमें फेफड़ों की परेशानी की भी प्रवृत्ति होती है। कंधों और भुजाओं की नसों में दर्द हो सकता है।

इस अवधि में पैदा हुए लोगों को अपेक्षाकृत अधिक धूप और ताजा हवा की आवश्यकता होती है।

ऐसे लोग सबसे पहले मानसिक धरातल पर होते हैं। जीवन के प्रति उनके विचार आमतौर से यथार्थवादी, विश्लेषणात्मक, संदेही, चतुर और पारखी होते हैं। भीड़ का साथ देने के बजाय वे एक अलोकप्रिय उद्देश्य की हिमायत करते हैं।

स्वभाव के उत्तम पारखी ज्ञाता भी होने के कारण आमतौर से अपनी पहली धारणा पर भरोसा कर सकते हैं लेकिन वे बाल की खाल निकालने वाले होते हैं और यदि इस प्रवृत्ति को ठीक से नियंत्रण में नहीं रखेंगे, तो बाद में रोगग्रसित हो जाएंगे। इन लोगों के लिए पैसे की बहुत कीमत होती है।

साहित्य-समीक्षक और कला-समीक्षक के रूप में प्रायः अत्यंत कुशल रहते हैं। स्मरण शक्ति अच्छी होती है, तेजी से पढ़ सकते हैं और उनका ध्यान कमजोरियों की ओर शीघ्र चला जाता है। कड़ी मेहनत, दूरदर्शिता और असाधारण शुद्धता से वह प्रायः सफलता प्राप्त कर लेते हैं, हालांकि वर्षों तक वे छिप रहे आते हैं। देर-सवेर उन्हें प्रमुखता मिलती है।

उनमें प्रेम का बहुत गहरा भाव होता है, लेकिन भावुक या दिखावे वाला नहीं। एक बार प्रेम पैदा हो जाने पर वे बहुत वफादार रहते हैं।

अक्तूबर

तुला राशि 21 सितम्बर से प्रारंभ होती है, लेकिन सात दिन तक पूर्व राशि कन्या के साथ इसका संधि-काल चलने से यह 28 सितम्बर से ही पूर्ण प्रभाव में

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

आ पाती है। इसके बाद 20 अक्तूबर तक इसका प्रभाव पूर्ण रहता है। फिर आगामी राशि वृश्चिक के साथ इसकी संधि प्रारंभ हो जाने के सात दिन तक इसके प्रभाव में उत्तरोत्तर कमी होती जाती है।

इस अवधि में, अर्थात् 21 सितम्बर से 20-27 अक्तूबर तक, जन्मे व्यक्तियों के चरित्र में भारी विवधता मिलती है, लेकिन अपने सभी कामों में वे स्पष्टतः मन से प्रभावित होते हैं। उनमें इतनी प्रबल तर्क भावना होती है कि प्रायः अपने को भी उस पर कसने से नहीं चूकते। लेकिन एक बार अपना मार्ग चुन लेने पर हर मूल्य पर उस पर आगे बढ़ते हैं।

उनके सामने जो भी तर्क आता है, उसे अपने मन में अच्छी प्रकार तौलते हैं। उनका भाषा पर या तो पूरा अधिकार होता है या वे अपनी बात छोटे-छोटे सशक्त वाक्यों में कहते हैं, लेकिन दोनों ही स्थिति में उनके लिए भारी महत्व होता है।

इस अवधि में जन्मे व्यक्ति प्रायः सार्वजनिक जीवन में घुलते हैं, लेकिन आमतौर से इसे अपने लोगों की दशा सुधारने के लिए संतुलन ठीक करने की भावना से अपनाते हैं।

साधारण परिस्थितियों में इनमें से अनेक लोग स्वभावतः कानून के अध्ययन की ओर उन्मुख होते हैं। उनमें तर्क की आश्चर्यजनक समझ होती है। उनमें कानून बनाने या ऐसे विषयों पर लिखने की काफी प्रवृत्ति रहती है। अनेक लोग अपना जीवन किसी विशेष अध्ययन या शोध कार्य में लगा देते हैं। कुछ उत्तम वैज्ञानिक और डॉक्टर बनते हैं और अपने क्षेत्र में विशेष शाखा का अध्ययन करते हैं। वे कुछ भी करें, आमतौर से बहुत अच्छी तरह करते हैं।

वे अपने वातावरण के प्रति असामान्य रूप से संवदेनशील होते हैं। यदि वह अनुकूल न हो, तो शीघ्र उदास हो जाते हैं, उनका मन बुझ जाता है और वे अपने खोल में सिमिट जाते है।

आमतौर से शांत स्वभाव के होते हैं। वे जन्म जात शांतिदूत होते हैं, क्योंकि विवाद और झगड़ों के दृश्यों को पसंद नहीं करते। साफ-सुथरे होते हैं और अस्त-व्यस्तता उन्हें नहीं सुहाती। अपने दिखावे और परिधान का काफी ध्यान रखते हैं किन्तु वस्त्रों का दिखावा नहीं करते।

उनकी राशि का स्वामी शुक्र (सौम्य) है। शनि इस राशि में उच्च का और सूर्य नीच का होता है। इस राशि में सूर्य की विशेष स्थिति उनकी जटिल प्रकृति, समचित्तता की उनकी प्रबल समझ और उनके स्वभाव में आशावादिता तथा उदासी

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

के मिश्रण के लिए जिम्मेदार है। अपनी बहुरूपी प्रकृति के अनेक विचारों को वे अनेक प्रकार से अभिव्यक्त करते हैं। उदात्त आदर्शवाद और उच्च नैतिक सिद्धांत उनके चरित्र का आधार हैं। वे विचारों और कार्य में स्पष्ट और निर्णयात्मक होते हैं। अपनी आश्चर्यचकित स्वाभाविक अंत: प्रेरणा को समीक्षात्मक तर्क से दबाए रखने की उनमें प्रबल भावना होती है। निश्चित प्रमाण के बिना वे किसी बात को स्वीकार नहीं करते।

प्रेम-सम्बन्धों में ये व्यक्ति बहुत दिखावा करने वाले नहीं होते, बल्कि बाल की खाल निकालने वाले और उसके प्रयोजन को तौलने वाले होते हैं। वे भूल जाते हैं कि प्यार के पंखों को इस तरह से नहीं देखा जाता। अत: वे प्राय: भ्रम और निराशा के शिकार होते हैं। आमतौर से तुला वाले व्यक्ति भारी लोकप्रियता प्राप्त करते हैं, ढेर-सारे मित्र बना लेते हैं और साथ ही बहुत कुछ अपने तक सीमित रहते हैं।

उनके लिए धन का बहुत कम या नगण्य महत्व है। शायद ही सट्टेबाजी या अविचारित उद्यम के चक्कर में फंसते हों।

वे अच्छा वातावरण पसंद करते हैं और उससे काफी प्रभावित भी होते हैं। अपने आस-पास के लोगों के मनोवैज्ञानिक प्रभाव के प्रति वे अत्यंत संवदेनशील रहते हैं। उनके स्वभाव का कलात्मक पक्ष बहुत प्रबल होता है। संगीत और कला के भारी शौकीन होते हैं। प्राय: उनमें काफी दखल रखते हैं। अध्ययनशील, खोजी और शोधप्रेमी होने से वे शिक्षा के क्षेत्र में भी प्रमुखता प्राप्त करते हैं। स्वभावत: वर्तमान में रहे आने के कारण उन्हें विगत के बंधनों की कम और भविष्य की कल्पनाओं की ओर भी कम चिन्ता होती है। शुक्र और शनि के ग्रहयोग के कारण वे प्रेम या कर्तव्य भावना से प्राय: भारी त्याग करते हैं। आम जीवन में साधारणत: उन पर किसी बुजुर्ग की छत्रछाया रहती है। ऐसा न होने पर वे कम आयु में ही विवाह कर लेते हैं। प्राय: अपंग जीवनसाथी या बच्चे उनकी महत्वाकांक्षाएं पूरी होने में बाधा पहुंचाते हैं।

नवम्बर

21 अक्टूबर से वृश्चिक राशि प्रारंभ हो जाती है, लेकिन सात दिन तक पूर्व राशि तुला के साथ इसका संधि-काल चलता है। अत: 28 अक्बूतर तक यह पूर्ण प्रभाव में नहीं आ पाती। उसके बाद 20 नवम्बर तक इसका पूर्ण प्रभाव रहता है। फिर आगामी राशि धनु के साथ संधि-काल प्रारंभ हो जाने के कारण सात दिन तक इसके प्रभाव में उत्तरोत्तर कमी होती जाती है।

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

वृश्चिक जल-त्रिकोण का दूसरा भाव है यहां इसका स्वामी मंगल (सौम्य) है। इस अवधि में अर्थात् 21 अक्बूतर से 20/28 नवम्बर तक जन्मे व्यक्ति या तो बहुत अच्छे होते हैं या बहुत बुरे। लगभग इक्कीस वर्ष की आयु तक वे अत्यंत पवित्र हृदय और धर्मात्मा होते हैं। लेकिन यदि उनकी काम-वासना जाग उठे तो प्रायः वे इसकी उलटी दिशा में मुड़ जाते हैं। फिर भी, कुछ अत्यंत उदात्त मनुष्य इस राशि में पैदा हुए हैं, लेकिन सभी अत्यंत भावुक होते हैं, जो उनकी प्रकृति के सभी रूपों में विशेषता है।

इस अवधि में पैदा हुए लोगों में असाधारण आकर्षण-शक्ति होती है। वे उत्तम डॉक्टर, सर्जन, कष्टहर्ता, उपदेशक और वक्ता बनते हैं। सार्वजनिक जीवन में श्रोताओं पर उनका भारी प्रभाव पड़ता है जिन्हें वे अपनी इच्छानुसार किसी भी दिशा में मोड़ सकते हैं। उनका भाषा पर अधिकार होता है। बोलने और लिखने दोनों में, और अपनी वर्णन-शैली में अत्यंत नाटकीय होते हैं।

उनकी सबसे बड़ी कमजोरी यही है कि जिसके सम्पर्क में आते हैं, उसी जैसे बन जाते हैं। फलस्वरूप उन्हें प्रायः दूसरों के दोषों के लिए भुगतना होता है।

यदि वे इस राशि के उच्च धरातल वाले हों, तो मानवीय, अत्यंत उदार और आत्म-त्यागी होते हैं। संकट काल और आपातस्थिति में शांति और दृढ़-संकल्पी रहते हैं तथा उन पर पूरा भरोसा किया जा सकता है। व्यापार, राजनीति, साहित्य या जिस ओर भी दिमाग लगाएं, विचारों में अत्यंत भौतिक होते हैं तथा आमतौर से सफल रहते हैं।

वे भाग्य की विचित्र प्रतिकूलता के भी शिकार होते हैं। प्रायः गलत अफवाहें और कहानियां फैलाकर उन्हें बदनाम किया जाता है। जीवन-संघर्ष में वे बहुत कुछ भाग्य की संतान होते हैं।

शरीर की बजाय वे बुद्धि से अधिक लड़ने वाले होते हैं। यदि युद्ध के लिए विवश हो ही जाएं तो अच्छे संगठनकर्ता बनते हैं लेकिन आमतौर से वे रक्तपात से घृणा करते हैं।

कूटनीतिज्ञ या वार्ताकार के रूप में उत्तम कार्य करते हैं। दूसरे लोगों के झगड़े निपटाने या शत्रुओं को एक स्थान पर लाने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है।

बिच्छू की तरह डंक भी मार सकते हैं लेकिन थोड़ा-सा भी दुःख प्रकट कर देने पर आमतौर से उनका क्रोध उतर जाता है, वह तत्काल अपने शत्रुओं को क्षमा

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

कर देते हैं, लेकिन अच्छे गुणों की प्रधानता हो या बुरे गुणों की, उनमें दुहरा जीवन जीने की प्रवृत्ति होती है, एक दुनिया को दिखाने के लिए, दूसरा अपने लिए। निचले या अधिक भौतिक धरातल पर यह प्रवृत्ति अधिक विकसित होती है। ऐसी दशा में एक सुखी पारिवारिक जीवन बिताते भी देखे गए हैं और एक दूसरी गृहस्थी को भी पालते गए हैं। उच्च धरातल पर यह प्रवृत्ति मानसिक जीवन को अधिक प्रभावित करती है। आमतौर से वे दो धंधे अपनाते हैं और दोनों में सफल होते हैं।

देर-सवेर गुप्त विद्याओं में दिलचस्पी लेने लगते हैं तथा शीघ्र अंतर्ज्ञान की शक्ति पा लेते हैं और प्रायः लेखक, चित्रकार, कवि और संगीतज्ञ के रूप में नाम कमाते हैं । वे स्वाभाविक दार्शनिक और प्रकृति के अध्येता होते हैं। दूसरों के चरित्र को बहुत अच्छी तरह से देख-पढ़ भी सकते हैं।

जो उन्हें जानते हैं वे आमतौर से प्यार और सराहना करते हैं, लेकिन शायद ही कुछ लोग कभी-न-कभी बदनामी या घोटालों के शिकार होने से बच पाते हों।

इस अवधि में पैदा हुए व्यक्तियों के आय के आमतौर से दो साधन होते हैं। प्रारंभिक वर्षों में उन्हें काफी परेशानियां और कठिनाइयों का सामना करना होता है। प्रायः एकांतवास भी करना होता है लेकिन ऐसी परीक्षाओं से उनकी इच्छा शक्ति और महत्वाकांक्षा बढ़ती ही है तथा देर-सवेर सफलता और यश मिलता है।

जिस धंधे या व्यवसाय में लगे होते हैं, उसी में कठोर परिश्रम करते हैं। कोई कोर-कसर नहीं छोड़ते। उनकी इच्छा शक्ति और संकल्प उन्हें काम करते रहने को प्रेरित करते रहते हैं। उनमें खोज की अच्छी योग्यता होती है और अपने काम में उपाय-कुशल होते हैं।

वे अच्छे सरकारी कर्मचारी बनते हैं। विशेषकर उन्हें कूटनीतिक स्थितियों से निपटने और गुप्त मिशन पूरे करने का वरदान मिला होता है। वे प्रायः सफल और अपराधों का पता लगाने वाले पुलिस अधिकारी भी बनते हैं।

दिसम्बर

धनु राशि 21 नवम्बर से प्रारंभ होती है। सात दिन तक पूर्व राशि वृश्चिक के साथ इसका संधिकाल चलता है, जिससे यह 28 नवम्बर को ही पूर्ण प्रभाव में आ पाती है। इसके बाद 20 दिसम्बर तक इसका पूरा प्रभाव रहता है। उसके बाद आगामी राशि मकर के साथ संधि-काल प्रारंभ हो जाने से सात दिन तक इसके प्रभाव में उत्तरोत्तर कमी होती जाती है।

इस अवधि में अर्थात् 21 नवम्बर से 20/27 दिसम्बर तक, पैदा होने वाले

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

व्यक्तियों में इस राशि के प्रतीक धनुर्धारी के गुण मिलते हैं। वे अपने काम में सीधा लक्ष्यवेध करते हैं। वे स्पष्ट बोलने वाले और मुंहफट होते हैं, जिससे प्राय: जाती दुश्मन पाल लेते हैं। वे अपना सारा ध्यान उस क्षण कर रहे काम पर केन्द्रित रखते हैं और जब तक पूरे प्रयास कर थक नहीं जाते, किसी दूसरी ओर ध्यान भी नहीं करते हैं।

उनके मस्तिष्क में इतनी शीघ्रता से विचार कौंधते हैं कि वे प्राय: दूसरों के वार्तालाप में बीच में टपक पड़ते हैं और धीरे या रुककर बोलने वालों के प्रति अध ीरता प्रकट करते हैं।

एकदम सत्यवादी होने से वे दूसरों को ठगने के प्रयासों का भंडाफोड़ कर देते हैं। भले ही उनका यह कार्य अपने हितों के विरुद्ध हो। वे अपने काम में तब तक विश्राम नहीं लेते, जब तक थककर चूरचूर नहीं हो जाते अथवा काम करते हुए मृत्यु को प्राप्त नहीं हो जाते हैं।

व्यापार या अन्य किसी कार्य में वे भारी उद्यमी होते हैं, लेकिन अपने को कभी एक ढंग के काम से बंधा महसूस नहीं करते। अत: वे तेजी से अपने विचार बदलते रहते हैं। राजनीतिज्ञ के रूप में वे अपनी नीतियों में अनेक बार परिवर्तन करेंगे। ध र्म-प्रचारक के रूप में वे धर्म के बारे में प्राय: अपने विचार बदल सकते हैं। वैज्ञानिक प्राय: अपना धंधा छोड़कर किसी उद्योग को अपना सकते हैं।

उनमें अति तक जाने की प्रवृत्ति होती है। तत्काल निर्णय ले लेते हैं जिसके लिए बाद में पछता भी सकते हैं, लेकिन अभिमानी इतने होते हैं कि अपनी गलतियों को स्वीकार नहीं करते।

अधिकार से प्रेम उनका प्रमुख गुण होता है। यदि वे महसूस करें कि अपना लक्ष्य प्राप्त नहीं कर सकते, तो बीच में ही रुक जाते हैं। अपनी जिद्द को तिलांजलि दे एकदम नयां काम शुरू कर देते हैं अथवा फिर जीवन भर कुछ नहीं करते।

इस राशि के नर-नारी प्राय: भावुकता के क्षण में विवाह करते हैं और फिर बाद में पछताते हैं, लेकिन अभिमान के कारण अपनी गलती स्वीकार नहीं करते और अन्य लोग प्राय: उनके वैवाहिक सुख को एक आदर्श समझ बैठते हैं।

वे कानून और व्यवस्था के पक्के समर्थक होते हैं। पूजा-स्थलों पर नियमित रूप से जाते हैं। दूसरों के लाभ के लिए अपना उदाहरण प्रस्तुत करने के विचार से अधिक, स्वयं धार्मिक वृत्ति के होने के कारण कम। वे प्राय: भारी लोकप्रियता प्राप्त करते हैं।

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

इस राशि में महिलाएं पुरुषों से अधिक उदात्त होती हैं। अपने पति और बच्चों की सफलता के लिए जितना कर सकती हैं, करती हैं और आत्म-त्याग को भी तैयार रहती हैं। घर से उन्हें गहरा प्रेम होता है तथा विवाह सुखी न होने पर भी वे इस घाटे के सौदे से अधिक-से-अधिक लाभ प्राप्त करने का प्रयास भी करते हैं। सम्मान और कर्तव्य के प्रति ऊंची समझ होती है। जीवन के प्रति उनका दृष्टिकोण बहुत स्वतंत्र होता है।

इस अवधि में जन्मे लोग स्नायुओं के रोगों से पीड़ित हो सकते हैं। आयु बढ़ने पर वे टांगों के दर्द से परेशान हो सकते हैं। यदि महीने के उत्तरार्द्ध में पैदा हुए हों तो पांवों के दर्द, पक्षाघात के भी शिकार हो सकते हैं। नाक का रोग भी हो सकता है।

जन्म काल पर धनु में सूर्य की स्थिति से स्वभाव पर गुरु का जो प्रभाव पड़ता है, वह प्रवृत्ति को कुछ दुरंगी बनाता है। ये लोग एक पल में संवेदनशील, दूसरों के बहकावे में आने वाले, शांत हो सकते हैं, दूसरे ही क्षण वे विश्वास से पूर्ण, आवेशी और दुस्साहसी हो सकते हैं।

सत्य, शांति और न्याय के पक्षधर होने के कारण उनका सच्चा धंधा पीड़ितों की सेवा है। सताए हुए और दबाए हुए लोगों के साथ उनकी प्रबल सहानुभूति होती है। कभी-न-कभी वे किसी मानवीय या सुधार कार्य में अपना झंडा गाड़ते हैं। उनमें परिहास की समझ होती है और तर्क करना पसंद करते हैं। वस्तुतः मित्रों में वाद-विवाद की असाधारण कुशलता के लिए जाने जाते हैं।

❖❖❖

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

मूक प्रश्न

मूक प्रश्न एक प्रकार से दूसरों के विचारों को जानता है। इसके लिए आपकी अपनी मानसिक व आत्मिक शक्ति का भी प्रबल होना आवश्यक है।

जब कोई आपसे प्रश्न करे और कहे कि आप ही बताइये कि मैं क्या पूछना चाहता हूं तो उससे एक कागज पर नौ अंकों की एक संख्या लिखवाएं। शास्त्रों में यह कहा गया है कि जिनका ज्योतिष पर विश्वास नहीं है जो इसका या ज्योतिषी का मखौल उड़ाने या परीक्षा लेने के लिए आये हैं या जहां भीड़-भाड़ और शोर-शराबा हो रहा है, वहां भविष्य कथन नहीं करना चाहिये। फिर भी मूक प्रश्न बताने का कभी अवसर पड़ ही जाए तो प्रश्नकर्ता से कहिए कि वह बिना रुके एक साथ 9 की संख्या लिख दे, यानी जो उसके मन से स्वतः ही निकलती आये, सोच-सोचकर या रुककर नहीं। मान लो उसने निम्न संख्या लिखी—

985627143

इसका जोड़ हुआ	45	
इसमें 3 जोड़ दीजिये—	3	(सदैव 3 ही जोड़े जाते हैं)
	48	

अगर कोई 9 बार 000000000 लिख दे तो 3 जोड़कर भी 3 आएगा और सबसे बड़ी संख्या तब बनेगी जब 9 बार 9 ही लिखा जाएगा यथा 999999999 बराबर 81 । तो नीचे 3 से लेकर 84 तक अंकों की संख्याओं के फल दिए जा रहे हैं। अगर किसी को लिखना न आता हो तो 81 तक की कोई संख्या, जो उसके मन में पहले आए तुरन्त बता दे। उसमें 3 जोड़कर फल देखें। अधिक बातें लिखी मिलेंगी। ऐसी हालत में आप अपनी सहज बुद्धि से निर्णय करिये कि उन दो तीन बातों में से कौन-सी उस प्रश्नकर्ता के लिए उपयुक्त हो सकती है, कौन-सी नहीं।

यह भी हो सकता है कि निकाले हुए अंक के सामने जो बातें लिखी हों उनमें से कोई बात जंचती नजर न आये। जैसे कोई वृद्ध पुरुष प्रश्न कर रहा है और उत्तर

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

विवाह या पुत्र सम्बन्धी आता है तो यह हो सकता है कि यह बातें अपने पुत्र या पुत्री के लिए पूछने आया हो। इस कारण प्रश्नकर्ता की स्थिति, आयु को देखकर ही निर्णय करना चाहिये। यदि फिर भी आपका उत्तर ठीक न हो और प्रश्नकर्ता को संतोष न हो तो उससे 81 तक की कोई संख्या एकदम से बोलने के लिए कहो, जो संख्या उसके दिमाग में पहले आए, वह बोल दे। जो लोग अक्सर सोचते रहते हैं और मन में ऊहापोह करते रहते हैं कि यह संख्या बोलें या वह संख्या बोलें इसलिए आप उनसे कह दीजिये कि जिस संख्या की इच्छा आपके मन में सबसे पहले हो उसे ही तुरन्त बोल दें।

सेफैरियल एक प्रसिद्ध अंग्रेज अंक विद्या विशारद हो गया है और उसकी पुस्तक 'कबाला आफ नम्बर्स' के दसवें अध्याय का शीर्षक है—अंक विद्या के मूक प्रश्न—हिन्दू शास्त्रानुसार। उसी पाठ में उसी के आधार पर मूक प्रश्न बनाना बताया जाता है। जो अनुभव से भी काफी ठीक निकलता है। शर्त यही है कि मन में जो संख्या पहले आये वही लिखी या बताई जाय। जिस हिन्दू शास्त्र के आधार पर सेफैरियल ने यह प्रकरण लिखा है, वह भारत में उपलब्ध नहीं है। हो सकता है, कहीं हस्तलिखित रूप में पड़ा हो। अब नीचे 3 से लेकर 84 तक की संख्याओं के उत्तर या फल दे रहे हैं।

3. आप अपने बारे में सोच रहे हैं, किसी बीमारी, रोग, बुखार, क्रोध या झगड़े के बारे में।

4. आप किसी घरेलू विषय पर सोच रहे हैं, परिवार के बारे में, प्रेम, आनन्द, मौज-मजा करने या किसी ऐसे विषय के सम्बन्ध में जिसका हृदय से, दिल से घनिष्ठ नाता है।

5. विवाह के विषय में, किसी इकरारनामे या साझेदारी के विषय में, शांति, एकता और मेल-मिलाप के बारे में, मन की शांति या औरों से सुलह के बारे में।

6. किसी समाचार या खबर के विषय में, यात्रा, भाई, संचार के साधन, डाके से आने-जाने वाली वस्तु या तत्सम्बन्धी वस्तुओं के विषय में सोच रहे हैं।

7. मकान, जमीन, जमीन के नीचे की भूमिगत वस्तु के विषय में, समुद्र, अपार जलराशि, सागर के विषय में या परिवर्तन या स्थानान्तरण के विषय में सोच रहे हैं।

8. प्राचीन, पुरानी वस्तुएं, विदेश या विदेशी वस्तुओं के बारे में पूर्व दिशा या प्राचीन भारतीय सभ्यता के बारे में सोच रहे हैं।

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

9. किसी मृत्यु या घाटे, हानि-नुकसान के बारे में या कोई गलत इकरारनामा हो गया है और कैसे ठीक हो, यह सोच रहे हैं।

10. कोई दुभाग्यपूर्ण कष्टदायक मित्रता, समझौता या सम्बन्ध हो गया है। कोई ऐसा इकरारनामा जिससे हानि की संभावना है, हो गया है या झगड़ा हो गया है।

11. किसी खान, जमीन-जायदाद, मकान, सम्पत्ति के मूल्य निर्धारण के बारे में।

12. खुशनुमा वातावरण, कोई जलसा, उत्सव, आराम फरमायश की चीजें, उत्तम वस्त्र या इस प्रकार की किसी पार्टी में सम्मिलित होने के विषय में।

13. रुपये-पैसे के बारे में तत्काल धन-लाभ के बारे में या सट्टा-लॉटरी के बारे में।

14. किसी स्त्री के विषय में, जैसे पुत्र, बहिन, मौसी, चाची, ताई, मामी, दादी, नानी आदि के बारे में। किसी छोटी यात्रा के बारे में, नदी पार या समुद्र पार किसी दूर देश से आने वाले संवाद के विषय में।

15. किसी मृत्यु या अन्य दुखदायी समाचार के विषय में या किसी अन्य दुखदायी, कष्टप्रद समाचार के बारे में या किसी घाटा या नुकसान या दुर्भाग्य के बारे में।

16. किसी अच्छे शुभ समाचार के विषय में, किसी लाभप्रद सम्पर्क, किसी अच्छे सुखदायक इकरारनामे, समझौते या बातचीत के विषय में।

17. किसी रोग, तकलीफ के बारे में, नौकर के बारे में या पास की किसी चीज के बारे में।

18. किसी हर्षदायक यात्रा के बारे में, प्रेम, हर्ष इच्छित सदेश प्राप्त, सुवर्ण, भ्राता या कुटुम्ब से सम्बन्धित किसी बात के बारे में।

19. किसी काम में रुकावट, एकान्तवास, अस्पताल या नार्सिंग होम में निवास, जेल, सजा या किसी बच्चे के बारे में।

20. किसी यात्रा या पत्र के बारे में, किसी पत्र व्यवहार के बारे में, किसी वस्तु के लाने-जाने के विषय में या रास्ते से सम्बन्धित प्रश्न है।

21. आर्थिक लाभ के विषय में, लाभ, रुपया पैसा अपने पास की कब्जे में होने वाली वस्तुओं के बारे में, चांदी की चीज या सफेद वस्तु के विषय में।

22. किसी ऐसे विवाह सम्बन्ध के बारे में जो, इच्छज्ञ के प्रतिकूल हो रहा हो या जिसके बुरे परिणाम निकलने की आशंका हो, किसी बीमर साझीदार पति या पत्नी

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

के बारे में, किसी शत्रु या प्रतिद्वन्द्वी के बारे में या कठिनाइयों के बारे में।

23. अच्छी सम्पन्न स्थिति रहने के बारे में, अच्छे कपड़े, उत्तम भोजन, स्वामिभक्त नौकरों के बारे में, अच्छे पद, आराम और उत्तम स्वास्थ्य के बारे में।

24. किसी डावांडोल स्थिति के बारे में, किसी कौटुम्बिक कलह के बारे में, किसी ऐसे नये काम या आयोजन के बारे में जिसमें कठिनाइयां या बाधाएं उपस्थिति हो रही हों।

25. अत्यधिक लाभ, प्रचुर सम्पत्ति, सुवर्ण, धन दौलत के बारे में, सूर्य या अन्य किसी चमकीली चीज के बारे में।

26. किसी वस्तु पर शान्तिपूर्वक अधिकार प्राप्त करने के बारे में, अच्छी जायदाद, मकान बुनियाद, समतल भूमि, प्लाट आदि के बारे में।

27. किसी बन्द कमरे या जगह के बारे में, नाव द्वारा छोटी जल-यात्रा के बारे में, भाई या किसी अन्य सम्बन्धी के बारे में, किसी पत्र के विषय में या पत्र लाने के विषय में।

28. अपनी कल्पना के बारे में, सफेद कपड़ा, प्यालानुमा चीज या चांदी की चीज में, नये चन्द्रमा के बारे में।

29. अस्वस्थता, खराब तन्दुरुस्ती के बारे में, गरीबी तथा कठिनाइयों की परिस्थिति के बारे में, रक्त विकार, बीमारी या संघर्षमय जीवन के बारे में।

30. बच्चों की प्रसन्नता सम्बन्धी, आनन्दायक अनुभव, अच्छे दहेज या विरासत में धन-प्राप्ति के बारे में, किसी मेल-मिलाप या संघ के विषय में।

31. जमीन के नीचे भूगर्भ में स्थित वस्तु के विषय में, मकान में स्थित सर्प, बिच्छू या अन्य जानवरों के बारे में, विदेश के बारे में।

32. किसी बादशाह, राजा या सरकार के बारे में, सोने (स्वर्ण) या अन्य अच्छी जगह धन लगाने के बारे में, अपने स्वयं के व्यक्तित्व, चरित्र व कार्य सम्बन्धी।

33. किसी हर्षदायक समाचार के बारे में, अच्छे पद या स्थिति के बारे में या किसी अन्य विशिष्ट उपलब्धि के बारे में या किसी भाई के बारे में।

34. आर्थिक लाभ से सम्बन्धित, भोजन, अन्न या रोजमर्रा की जरूरत की चीजों से सम्बन्धित, उनके खरीद करने के बारे में या किसी शारीरिक, भौतिक लाभ के बारे में।

35. किसी स्त्री के विषय में, किसी बालक के जन्म की बाबत, संतान लड़का होगा या लड़की, कोई गुप्त योजना कार्यवाही या षड्यंत्र के बारे में, जिसकी

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

जानकारी प्रश्नकर्ता को नहीं है। अपनी किसी गुप्त बात या एकान्तवास के बारे में।

36. सट्टे या रोजगार में हानि के बारे में, बीमार बच्चे के बारे में, दुखदायक घरेलू स्थिति के बारे में।

37. किसी ऐसे इकरारनामे के बारे में जिसका परिणाम अच्छा न हुआ हो। किसी विवाह के बारे में जिसका परिणाम अच्छा न हुआ हो, सुखी वैवाहिक जीवन न रहा हो, किसी मकान, जायदाद शादी के बारे में।

38. बुखार, मलेरिया मोतीझरा से शारीरिक कष्ट या मृत्यु के बारे में, पास के किसी तालाब या जलाशय के बारे में।

39. किसी बंद जगह या मंदिर के बारे में, राजभवन, सिनेमा या किसी चमकीले, जगमगाते भवन के बारे में या बाहर जाने के बारे में।

40. बहुमूल्य वस्तुओं, जवाहरात, जेवर, पहिनने के वस्त्रों के बारे में।

41. अपने स्वयं के बारे में या अपनी पोशाक, भोजन स्थिति, नेकनामी बदनामी, प्रतिष्ठा के बारे में।

42. किसी मित्र या उच्च पद की आकर्षक महिला के विषय में, किसी उच्च पदाधिकारी की कृपा प्राप्ति के बारे में, विशाल जनसमूह, मेला या सभा के बारे में।

43. मारूसी जायदाद, पैतृक सम्पत्ति के बारे में, पुरानी इमारत, श्मशान, खान, खनिज पदार्थों या किसी वृद्ध पुरुष के सम्बन्ध में।

44. भाई के विषय में, स्वास्थ्य आराम की वस्तुओं के शौक के बारे में, धार्मिक ग्रन्थों, शास्त्र सम्बन्धी विषयों के बारे में, समुद्रपार या दूर से आने वाले पत्र के सम्बन्ध में।

45. विवाह सम्बन्ध या लाभ-हानि सम्बन्धी, धोखाधड़ी, पक्षपात, असमानता, अन्याय या किसी कम मूल्य की वस्तु के बारे में।

46. किसी मित्र, उच्च पदाधिकारी के बारे में, सोने की वस्तु, अंगूठी, जवाहरात या किसी बहुमूल्य वस्तु के बारे में।

47. स्वयं के बारे में, न्याय, इंसाफ, मुकद्दमे के बारे में, नाप-तौल, आराम, शांति या मृत्यु के बारे में।

48. पोशाक, गृह, श्रृंगारगृह या भवन के किसी अन्दरूनी हिस्से के बारे में, किसी छिपे हुए भागे हुए नौकर के बारे में, किसी महिला के स्वास्थ्य के बारे में या दूर से आने वाले संवाद के बारे में।

49. पद-परिवर्तन या स्थान-परितवर्तन के बारे में, अपनी माता या किसी

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

विशिष्ट वस्तु के बारे में, किसी रानी या उच्च पदस्थ महिला के बारे में।

50. किसी कष्टदायक यात्रा के बारे में, कष्ट में पड़ी हुई किसी महिला के बारे में, कर्तव्य की पुकार, बुलाहट या किसी दु:खद समाचार के बारे में।

51. प्रचुर आर्थिक लाभ के बारे में, किसी शर्त, सट्टा, लाटरी या किसी रोजगार के बारे में।

52. शारीरिक रोग या मृत्यु-सम्बन्धी, खोई हुई, छिपी हुई वस्तु की बाबत, नौकर, गरम भोजन, डाक्टर, वैद्य, लाल कपड़ा, यमराज, तन्त्र विद्या, योग विद्या के बारे में।

53. किसी उच्च पद, नौकरी के बारे में, राजा या उच्च पदाधिकारी, मृत सिंह या खोये हुए सोने के बारे में।

54. सांघातिक रोग के बारे में, कष्ट में पड़ी किसी महिला के बारे में, पत्नी, कन्या आदि के बारे में। किसी वायदे, इकरारनामे या चहारदीवारी के बारे में।

55. मृत्यु के विषय में, किसी खोये हुए कागज,दस्तावेज या गलत जगह पहुंचे हुए संदेश के बारे में, किसी नई उम्र की लड़की, जनसमूह या मित्र के बारे में।

56. समुद्र पार, विदेश सम्बन्धी समुद्र यात्रा के बारे में, धार्मिक सम्मेलन, प्रकाशन, जहाज, भूत या शक्ति के विषय में।

57. किसी खजाने, भंडार या प्राप्त धनराशि के विषय में, किसी विरासत, पेंशन या किसी पुरुष सम्बन्धी के बारे में।

58. वकील, जज, गुरु, पुरोहित, शास्त्र, वेद ब्राह्मण, व्यक्तिगत जायदाद, व्यक्तिगत प्रभाव या व्यक्तिागत प्राप्ति के बारे में।

59. मृत्यु, ग्रह, अस्पताल, रोगी का कमरा, बच्चा, घर में जलती हुई अग्नि, साहसिक कार्य या उद्योग सम्बन्धी प्रश्न।

60. किसी पारसी अग्निपूजक हवनकर्ता के विषय में, धार्मिक संस्कार, विदेशी राजा, ऋषि, समाधि अवस्था, ब्रह्म, आकाश स्थित सूर्य, ईश्वर या काल (समय) सम्बन्धी।

61. भोजन या खाद्य विषयक, व्यापार, उत्तम वस्त्र, पुरुष मित्र, व्यापार स्थान या बाजार, नौकर या वैष्णव ब्राह्मण-सम्बन्धी प्रश्न।

62. किसी लेख या इकरारनामे के सम्बन्ध में, किसी वायदे, मुहावरे की बाबत कानूनी कार्यवाही के बारे में, पद, मिल्कियत या पिता सम्बन्धी प्रश्न।

63. मृत स्त्री से सम्बन्धित, खोई हुई जायदाद या वस्तु के बारे में, कफन का

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

वस्त्र, स्त्री का दहेज, स्त्री धन या स्नान सम्बन्धी प्रश्न।

64. अपने पद व स्थिति के बारे में, प्राप्त जायदाद विरासत, वृद्ध मनुष्य, सौदा या विनिमय, वस्तुओं की अदला-बदली, समय की अवधि सम्बन्धी प्रश्न।

65. छोटी यात्रा व उससे लौट आने का प्रश्न, जाना और आना, आवागमन, पैदल यात्रा, कमरा, सुखद कमरे में रहना, बहिन या मंत्र या गुप्त मन्त्रणा के बारे में।

66. श्मशान, पर्वतीय स्थल या स्थान, खजिन-पदार्थ, वैद्य, मित्र, जलता हुआ घर, सूखी भूमि या रेत-सम्बन्धी प्रश्न।

67. मृत राजा, खोया हुआ सोना, स्त्री का दहेज, करधनी अथवा बीमार बच्चे के बारे में।

68. छोटी, कम उम्र की कन्या के बारे में, कुटुम्ब सम्बन्धी, विश्वास योग्य पद या जमानत-सम्बन्धी प्रश्न।

69. वस्त्र, नौका, जहाज, सौदागरी का सामान, भोजन की वस्तुएं, व्यापार, वेदांग, विज्ञान की वस्तु के सम्बन्ध में।

70. पत्नी के बारे में, इकरारनामा, जनता के एकत्र होने के स्थान के बारे में, पूर्ण चन्द्र, पूर्णमासी सम्बन्धी प्रश्न।

71. जलपात्र, कुम्भ, घड़ा विषयक प्रश्न, किसी पुराने परिचित स्थान या मित्र के बारे में, अन्य लोगों से अपने सम्पर्क के बारे में।

72. धन के बारे में, किसी रईस मित्र ब्राह्मण, धार्मिक सम्मेलन, खड़ाऊं या किसी ऐसी वस्तु के बारे में जो कि जोड़े वाली होती हो, जैसे जूता, कैंची, चप्पल, पायजामा आदि के बारे में।

73. भाई, पद, किसी शासक की मृत्यु, शीघ्र यात्रा, क्रोधयुक्त संदेश, सम्मान, प्रतिष्ठा, उत्तराधिकार अथवा लेखन-सम्बन्धी।

74. चमकते हुए सूर्य के विषय में, गर्विता पत्नी, शक्ति सम्पन्न शत्रु, आखेट, शिकार, नेत्र ज्योति या किसी चमकीले पदार्थ के बारे में।

75. खुशनुमा जगह, सम्पन्न जमींदारी, मोक्ष, दफीना, गड़ा धन, मवेशी, पशुओं के बारे में।

76. पुत्र, विद्या स्थान, पाठशाला, स्कूल, नव परिणीता वधु, नई बहू या ब्रह्मचारी कुमार/कुमारी सम्बन्धी प्रश्न।

77. धोती, साफा, पगड़ी, नौकरानी, औषधि, जल या पीने-पिलाने के बारे में।

78. किसी वृद्ध मित्र, संस्था, प्राचीन सम्बन्धों के बारे में, अस्पताल या जेल

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

कारागर या बंधन में पड़े व्यक्ति के बारे में।

79. अपने बारे में, वृद्धि और समृद्धि सम्बन्धी प्रश्न, पद, शक्ति, चरण, खड़ाऊ, उन्नति और सुख, किसी वस्तु की अन्तिम सीमा सम्बन्धी, जज, वकील या समझ, बुद्धि के बारे में।

80. लाभ, हानि की आशंका, अग्नि से हानि, विदेश की भूमि, दूर देश में मृत्यु, समुद्री यात्रा सम्बन्धी प्रश्न।

81. किसी धनवान-सम्बन्धी के विषय में, उत्तम वस्त्र, सोने के आभूषण, व्यक्तिगत स्वास्थ्य, पके फलों के सम्बन्ध में।

82. शान्तिपूर्ण अन्तिम समय, बहुमूल्य दहेज, हर्षदायक समाचार, हाथी की सवारी, लाभ के लिए कोई यात्रा या बहिन के सम्बन्ध में।

83. व्यापार सम्बन्धी संधि या इकरारनामा सम्बन्धी जायदाद को ठेका या किराये पर देने के बारे में, रास्ता या फाटक, नई बहू या सगाई के सम्बन्ध में।

84. कन्या के विषय में, तालाब या स्नान, स्थान जन-महोत्सव, इष्टदेवी, छुट्टी, साफ कपड़ा या प्रिय मित्र के बारे में।

सिफैरियल ने भारतीय ज्योतिष का गहन अध्ययन किया था। उसने अंक ज्योतिष के द्वारा चोरी या चोरी गई वस्तु का भी ज्ञान प्राप्त करने की विधि बताई है। प्राचीन भारतीय सिद्धांतों पर आधारित उसने अपना गणित बनाया है।

सिफैरियल ने अपनी इस पुस्तक में जिसका नाम 'कबाला आफ नम्बर्स' है, मन्त्र, ईश्वर, ऋषि, समाधि, ब्रह्म, वैष्णव, गुरु, पुरोहित, यम, वेद, शास्त्र, वेदांग मोक्ष, कुम्भ, ब्रह्मचारी आदि संस्कृत भाषा के शब्दों का भी प्रयोग किया है और लिखा है कि अंक विद्या भारतवर्ष में बहुत प्राचीन काल से अध्ययन की जाती रही है।

सिफैरियल ने इसी पुस्तक में भारतीय प्राचीन शास्त्रों के अनुसार ही खोई हुई वस्तुओं का पता बताने की रीति का उल्लेख किया है, अपने अनुभव से इस प्रक्रिया को सही बताया है। अपने अनुभव में भी यह सिद्धांत ठीक पता बताता है। इसकी रीति यही है कि उपर्युक्त प्रकार से जो संख्या आती है, यदि मूक प्रश्न खोई हुई वस्तु के बारे में है तो उसी संख्या को ले लो, नहीं तो उसी प्रकार की 9 अंकों की एक संख्या प्रश्नकर्ता से लिखवा लो और उसके जोड़े में 3 मिलाकर अन्तिम संख्या बना लो तथा नीचे लिखे फल के अनुसार उत्तर देखो—

1. घर से दूर भूल आए हैं। नहीं मिलेगी।

2. किसी को देकर भूल गये हैं। प्रतीक्षा करें।

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

3. रास्ते में गैलरी या गलियारे में कागजों के बीच में।

4. तुम्हारे ही कब्जे में है। वस्तु खोई नहीं है।

5. वस्तु थोड़ी-सी खोज व परिश्रम से मिल जायेगी। टोपी, साफा, पगड़ी, हैट के नीचे देखो।

6. जहां चप्पलें, जूते आदि रखे जाते हों, वहां किसी आले, सोफे, रैक, आलामारी में देखो।

7. आलमरी के ऊपर या छज्जे जैसी जगह पर देखो और या कारीगर, मजदूर से दिखाओ।

8. दरवाजे के पास बनी अलमारी में मिलेगी।

9. किसी बच्चे के पास उसके कपड़ों या जेब में है।

10. आपके प्रमुख कमरे या बैठक में है। मिलेगी।

11. तालाब, जलाशय, पानी के किनारे जाकर तलाश करो।

12. वस्तु खोई नहीं है, कहीं रखकर भूल गये हो। वस्तु सही-सलामत है, अपने काम के स्थान पर, दफ्तर में, किताबों के अंदर या कागजों में देखो।

13. जहां पर आप अपना शाल, लबादा, ओवरकोट, पहनने के कपड़े रखते हैं, वहां देखो।

14. पगड़ी या हैट, टोपी या सोफे के नीचे या पाखाना, संडास, नाली या सीवर में देखो।

15. पति या पत्नी से पूछो। गैराज में कार, स्कूटर रखने की जगह पर, अस्तबल में भी देखो।

16. रसोई बनाने वाली से पता करो। वस्तु मिल जायेगी।

17. किसी अलमारी या रैक के खाने में या सेफ में, जहां क़ीमती चीज या कला वस्तुएं हैं, देखो।

18. चीज घर में खोई है और कपड़ों में मिलेगी।

19. थोड़ी दूर पर रेतीली जमीन पर मिलेगी। पगडण्डी या गली में भी देखो।

20. चीज खोई नहीं है। कहीं रखकर भूल गये हो। यह जल के पास या बढ़िया कपड़ों के पास मिलेगी।

21. चीज आपके ही पास है। किसी केस, बक्से, डिब्बे में, अटैची केस, ब्रीफकेस, मोड़कर बन्द होने वाले केस, डिब्बे में मिलेगी।

22. वस्तु किसी आलमारी या खानेदार रैक के ऊपर है और जल्दी मिलनी

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

चाहिये।

23. पास में ही है। दूसरे कमरे में जहां कपड़े वगैरा रखते हो, देखो। मिल जायेगी।

24. चीज आपके पास ही है, खोई नहीं है।

25. अपनी ही चीजों में देखो। किसी सफेद और गोल वस्तु के अंदर है। जल्दी मिलेगी।

26. घर के वयोवृद्ध, सबसे ज्यादा उम्र के बुजुर्ग से पूछो, उन्होंने संभालकर रख दी है।

27. गौशाला, घुड़साल, गैराज में या नौकर-चाकरों के निवास में पता करो।

28. खो गई है, मिलना असंभव है। आशा छोड़ दो।

29. किसी वृद्ध पुरुष या नौकर-चाकर से पता मिलेगा कि कहां है, मिल भी सकती है।

30. बच्चों या विद्यार्थियों से पूछने से पता होगा। खेल में खोई है।

31. गुप्त कोठरी या बंद नाली में है। सौभाग्य या परिश्रम से मिल सकती है।

32. पास ही बरामदे में या किसी चट्टान या उभरी हुई जमीन पर या किसी आयताकार पदार्थ पर मिल सकती है।

33. चीज तुम्हारे पास है तुम्हारी ही अपनी चीजों में। शायद पहनने के कपड़ों में मिलेगी।

34. अग्नि के पास मिलेगी, अंगीठी, चूल्हा, भट्ठी के पास या मुख्य कमरे, बैठक में आग जलाने के स्थान के पास में है। चीज करीब में है और शीघ्र मिल जायेगी।

35. पानी के पास किसी छिपे हुए स्थान में, गुप्त स्थान में है या तुम्हारी पत्नी-पति के निजी कमरे में है। हाथ धोने के स्थान के पास या वाश-बेसिन में भी देख लो।

36. किसी आया, बच्चों की देखभाल, पालन-पोषण करने वाली धाय या अभिभावक के द्वारा प्राप्त होगी।

37. किसी पवित्र स्थान, मंदिर, तीर्थ स्थान, देवालय, समाधि आदि से या घर के निजी, गुप्त, प्राइवेट कमरे में, घर की चहारदीवारी के आस-पास या बाहर या अंदर मिलेगी।

38. धार्मिक कृत्यों से पहिले जहां आप स्नान करते हैं। जैसे : पवित्र नदी,

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

तीर्थ, सरोवर आदि के पास की ही छोटी यात्रा करने के बाद मिलेगी।

39. चीज खोई नहीं है, किसी आलमारी, टांड या खाने में उठाकर रख दी है।

40. पहनने के कपड़ों धोती, कुरता, पायजामा आदि में खोजने से मिल जायेगी। पगड़ी, साफा, तहमद, तौलिया आदि को अच्छी तरह देख लीजिये।

41. घर में जहां आपकी पत्नी/पति के जूते रखे जाते हैं, वहां पर खोजो।

42. रसोइया या बावर्ची के घर में, रसोई/किचिन में, पानी के बर्तन या घड़े के पास देखो।

43. गौशाला, अस्तबल या गैराज में, उसके सामने के मैदान में मिलेगी। दूर नहीं है।

44. तेल के बर्तन, तेल से जलने वाले दीये, लालटेन आदि में देखो। वस्तु गंदी हालत में मिलेगी। उसे साफ करना पड़ेगा।

45. समझो मिल ही गई। अलमारी पर हाथ रखो और ले लो। जल्दी ही प्राप्त होगी।

46. तुम्हारे साझीदार मित्र या पत्नी के पास में सही-सलामत रखी हुई है।

47. दो नौकर साथ-साथ काम कर रहे हैं, उनसे पूछो। जिसके पैर अस्थिर हैं, हिल रहे हैं, वह पता बतायेगा।

48. पीने का पानी जहां रखा जाता है, वहां मिलेगी।

49. शायद हमेशा के लिए खो गई, मिली भी तो बुरी तरह क्षत-विक्षत हालत में मिलेगी।

50. खोई नहीं है। दो भागों वाले किसी पात्र में या बक्से में मिलेगी।

51. धार्मिक कृत्य से पूर्व स्नान स्थल, पवित्र नदी, सरोवर, जलाशय, स्नानागर, बाथरूम से या उसके आसपास में मिलेगी।

52. तुम्हारे साझेदार या पति/पत्नी से पता करने पर मिलेगी या घर की मुखिया से या उसके नजदीकी रिश्तेदारों में कुछ आपकी सहायता पता लगाने में, बताने में कर सकते हैं।

53. खोई वस्तु एक हाथ से दूसरे हाथ में पहुंच चुकी है।

54. घर के लोगों के, परिवार के बीच में ही किसी के पास है। बच्चों की चीजों में तुरन्त तलाश करो।

55. मकान की दीवार या चहारदीवारी के पास बरसात का पानी निकालने वाली नाली, मोरी या पाइप के पास देखो या पानी के पास, जहां पानी है, उसके पास

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

मिलेगी।

56. थोड़ी दूर पर ही जहां आप अब से पहले ठहरे थे, वहां मिलेगी। जाकर खोज लो।

57. तुम्हारे ही पास है। किसी थैले में, जेबों में औजार, यंत्र या छड़ी रखने के स्थान के साथ देखो।

58. दो व्यक्तियों के कब्जे में है और कठिनाई से ही प्राप्त हो सकेगी। वह खर्च हो चुकी है, प्रयोग में ली जा चुकी है। व्यवहार में ली जा चुकी है, बरत ली गई है।

59. पुराने या वृद्ध नौकर के पास है। रोटी, आटे, केक या ऐसी ही किसी वस्तु के अंदर मिलेगी या नौकर ने जहां छिपा दी हो।

60. मिलने की कोई आशा नहीं है।

61. घर के नीचे के भाग में, जूते, चप्पल, मोजे, पायजामा, पानी छिड़कने की नाली के पास देखो।

62. हाथ से गई, नहीं मिलेगी।

63. तुम्हारे ही पास है। पुरानी अंधेरी जगह में, पुराने काठ-कबाड़ में पड़ी है।

64. तुम्हारे ही कब्जे में है। इधर-उधर रखकर भूल गए हो। अंधेरे कोनों में और ऊंचे स्थानों में, टांड वगैरा पर देखो। कुछ समय बाद मिल जायेगी।

65. तुम्हारे पास से चली गई है और यदि मिली भी तो किसी दूसरे आदमी की मदद से मिलेगी।

66. नौकरों के षड्यंत्र से ली गई है। मिलना कठिन है। जिसके हाथों में दोष है, जिस नौकर के हाथों में कोई रोग, अंगहीनता है, उससे तहकीकात करो।

67. किसी नवयुवक या बच्चे की सहायता से मिलेगी।

68. घर की छत पर या ऊपर के भाग में है। नौकर के द्वारा प्राप्त होगी।

69. जहां आप चीज के खोने का पता लगने पर या उससे पहले ठहरे थे या खड़े हुए थे, वहीं पर थोड़ी दूर पर ही किसी सम्बन्धी के द्वार के पास या प्याले के पास देखो।

70. जहां पानी रखा जाता है, वहीं आसपास देखने से मिल जाएगी।

71. जहां खोई है वहीं खड़े होकर आसपास ही देखो, दिखाई दे जाएगी। पैरों के पास ही है।

72. पानी के घड़े, सुराही, जग आदि के पास तुम्हारे ही अधिकार में है।

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

73. पुलिस की तहकीकात के बाद मिल जाएगी।

74. आपका वफादार नौकर उसका पता लगा देगा।

75. नवयुवकों या बालकों के हाथ में पड़ गई है। क्षत-विक्षत हालत में टूटी-फूटी ही मिलेगी।

76. घर में ही है जहां मसाले, आटा आदि रखा जाता है, रसोई, भंडारगृह में देखो।

77. कुछ दूरी पर है। कोई नौकर उसे लेकर आपके पास आएगा।

78. कुछ दूर पर है। गाय-बैलों के पास में है। मिलने की आशा नहीं है, नष्ट हो चुकी है।

79. तुम्हारे घर में, अधिकार क्षेत्र में, लोहे या स्टील के पात्रों में है।

80. तुम्हारे कब्जे में, दो खाने वाले किसी बक्से, डिब्बे, केस, जूते, मोजे आदि में देखो।

81. पहनने, ओढ़ने के कपड़ों में देखो, मिल जायेगी।

82. रसोई में खाना खाने के स्थान पर देखो, खानसामा, रसोइए से भी पूछो, निगाह रखो।

83. कुमारी कन्या या कोई नवयुवती पता लगाकर देगी, किसी तालाब या पानी से भरे गढ़े के पास में है।

84. घर में है, किसी बक्स, संदूक, केस या डिब्बे में या दो भागों वाले पात्र, टिफिन कैरियर आदि में है।

यदि किसी सज्जन ने मूक प्रश्न किया है, तो उनके प्रश्न को निरन्तर अपने ध्यान में रखते हुए 9 अंकों की संख्या लिखाओ। यदि उत्तर ठीक मिलता है और मूक प्रश्न आप ठीक बता देते हैं, तो फिर उत्तर देने की सोचो, नहीं तो फिर संख्या लिखवाओ या 81 तक की संख्या ही बुलवा लो। यदि कोई सज्जन खोई वस्तु का प्रश्न लेकर आए हैं तो उनसे भी प्रश्न-विषय को मन में ध्यान में रखते हुए उन्हीं से ही 9 अंकों की संख्यां लिखवा कर या अंक बुलवाकर उत्तर देखो। यदि उत्तर प्रश्न की विषय-वस्तु से मेल नहीं खाता, तो दुबारा संख्या या अंक लो और उत्तर देते समय खोई हुई वस्तु का आकार-प्रकार ध्यान में रखो। उत्तर में बताए गए संकेतों से अपनी बुद्धि व समझ के अनुसार वे संकेत जिस तरह प्रश्नकर्ता की स्थिति में उपयुक्त रूप से फिट बैठते हों, उत्तर दो।

मान लो कोई सोने की चीज खोई है और उत्तर की संख्या 83 आती है तो

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

प्रश्नकर्ता की बातों से खोने का पूरा विवरण सुनने से जिस कुमारी कन्या या नवयुवती पर या अधिक कन्याओं या नवयुवतियों पर संदेह होता है, उनसे पूछताछ करने को कहो, चतुराई से पता करो और उनकी पहुंच के अंदर जितने पानी से भरे स्थान हैं उनमें देखो। तालाब, जलाशय गड्ढे आदि नहीं है और शायद हो भी नहीं सकते, परन्तु पानी से भरे घड़े, सुराही आदि में छिपाकर रखने की पूरी संभावनाएं हैं। पुलिस या जासूस जिस प्रकार मामूली से सूत्र से अपनी सूझबूझ के द्वारा पता लगाते हैं, कुछ उसी प्रकार से उपर्युक्त संकेतों के आधार पर आप उत्तर दीजिए, सफलता मिलेगी। यदि कोई बड़े आकार की वस्तु या छोटे आकार की वस्तु है। मान लो, किसी का स्कूटर खो गया है और उत्तर की संख्या 59 आती है। अब स्कूटर जैसी चीज रोटी, केक आटे आदि के अंदर तो हो नहीं सकती, लेकिन किसी आटा मिल, ढाबे या होटल में हो सकती है और किसी पुराने या ज्यादा उम्र के नौकर या निम्न श्रेणी के व्यक्ति द्वारा चुराई गई है। इस प्रकार अलग-अलग परिस्थितियों में वस्तु के आकार-प्रकार के अनुसार अपनी बुद्धि का उपयोग कर उत्तर देने से ठीक रहता है। मूल प्रश्न के सम्बन्ध में जो भी उत्तर आए, उसको कुछ जोर से पढ़ो और देखो कि प्रश्नकर्ता के मुख पर क्या प्रतिक्रिया होती है। उत्तर के विषयों में जिस बात को सुनकर वह कुछ चौंके, समझो यही उसके प्रश्न का विषय है।

इस प्रकार आप बिना पूछे जिज्ञासु की समस्या का समाधान कर सकते हैं।

अंक ज्योतिष एक मनोवैज्ञानिक, वैज्ञानिक गणितीय पद्धति है। इसका खूब मनन, अभ्यास कर आप इसमें निपुणता प्राप्त कर सकते हैं।

❖❖❖

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

कीरो

अंक ज्योतिष

अंकों का न केवल विज्ञान में महत्व है, वरन मनुष्य जीवन में भी उनका अहम स्थान है ज्योतिष विद्या के विश्व विख्यात विज्ञाता कीरो ने अंको द्वारा भी भविष्य कथन की प्रणाली विकसित की। कीरो की यह पुस्तक 'अंक ज्योतिष' विश्व प्रसिद्ध है। इसी का पूर्ण हिन्दी अनुवाद प्रस्तुत है। अंकों में भी आप अपना भविष्य देख सकते हैं। सरल, सुबोध शैली में यह प्रत्येक जिज्ञासु के लिए उपयोगी पुस्तक है।

मूल्य 90/-

एकमात्र वितरक

साहनी पब्लिकेशन्स

E-mail : sahni@sahnipublications.com
Website : www.sahnipublications.com

Prof. Madhav Prasad Lamichhane Collection, Kathmandu, Nepal